संस्कृत-प्राकृत हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची

(प्रथम खण्ड)

○

प्रधान सम्पादक

डॉ० चण्डिका प्रसाद शुक्ल, एम० ए०, डी० लिट्०

संस्कृत विभाग, प्रयाग विश्वविद्यालय

⊙

सहायक सम्पादक

डॉ० मनराज यादव | डॉ० ओंकारनाथ वर्मा

डॉ० कैलाशचन्द्र त्रिपाठी | डॉ० कल्पना बागची

शक १८९८ : सन् १९७६

हिन्दी साहित्य सम्मेलन • प्रयाग

प्रकाशकीय

○ ○

हिन्दी साहित्य सम्मेलन एक राष्ट्रीय सस्था है। इसके उद्देश्यो मे मे एक उद्देश्य है सम्मेलन द्वारा एक वृहत् सग्रहालय स्थापित करके उसमे हस्तलिखित और मुद्रित ग्रन्थो तथा साहित्य-निर्माताओ के परिचय-पत्रो, चित्रो तथा स्मृति-चिह्नो का सग्रह किया जाय और अनुसधानकर्त्ताओ को अध्ययन और अनुशीलन करने की सुविधा दी जाय। इसकी पूर्ति के लिए सम्मेलन कार्यालय के प्रागण मे एक हिन्दी-सग्रहालय की स्थापना की गई जिसका उद्घाटन विश्ववद्य महात्मा गाधीजी ने ५ अप्रैल, १९३६ ई० को किया था। इस सग्रहालय मे हस्तलिखित ग्रन्थो का सग्रह सम्मेलन ने अपने साहित्यान्वेषको के माध्यम से प्रारम्भ किया। कुछ वर्षो के पश्चात् अमेठी राज्य के राजकुमार रणञ्जय सिंह जी ने अपने अग्रज स्वर्गीय राजकुमार रणवीर सिंह जी की स्मृति मे सस्कृत और हिन्दी के हस्तलिखित ग्रन्थो का निजी सग्रह भेंट-स्वरूप सम्मेलन को प्रदान किया। सम्मेलन के द्वारा सग्रहीत हस्तलिखित ग्रन्थो को भी इस सग्रह मे मिला कर राजकुमार रणवीर सिह जी की स्मृति से 'रणवीर कक्ष' स्थापित करके उसमे विधिपूर्वक व्यवस्थित किया गया। इसकी सूची सम्मेलन द्वारा 'पाण्डुलिपियाँ' नामक ग्रन्थ के रूप मे स० २०१४ वि० मे प्रकाशित की गई।

सन् १९६३ ई० मे ग्वालियर निवासी श्री सूरजराज धारीवाल जी ने अपना बहुमूल्य एव महत्त्वपूर्ण हस्तलिखित ग्रन्थ सग्रह सम्मेलन के सग्रहालय को भेट-स्वरूप प्रदान किया। इस सग्रह को श्री धारीवाल जी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुभद्रादेवी के सयुक्त नाम से 'सूरज-सुभद्रा कक्ष' मे सुव्यवस्थित करके रखा गया है।

'रणवीर कक्ष' और 'सूरज-सुभद्रा कक्ष' इन दोनो कक्षो मे सुव्यवस्थित हस्तलिखित ग्रन्थो की सख्या लगभग ८५०० है। इस सम्पूर्ण सग्रह के हिन्दी के हस्तलिखित ग्रन्थो की विवरणात्मक सूची सन् १९७१ ई० मे शिक्षा मत्रालय के वित्तीय अनुदान से सम्मेलन द्वारा प्रकाशित हुई थी। उसमे हिन्दी के २८०२ ग्रन्थो का विवरण प्रस्तुत किया गया है। इसी क्रम मे सस्कृत एव प्राकृत भाषा के हस्तलिखित ग्रन्थो की विवरणात्मक सूची का यह प्रथम खण्ड भारत सरकार के शिक्षा मत्रालय के वित्तीय अनुदान से प्रकाशित किया जा रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है—इसका द्वितीय खण्ड भी निकट भविष्य मे पाठको की सेवा मे प्रस्तुत किया जायगा।

केन्द्रीय सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारियो के प्रति सम्मेलन की ओर से मै आभार प्रकट करता हूँ जिनकी कृपा से वित्तीय सहायता मिलने पर इस ग्रन्थ-सूची का प्रकाशन सम्भव हो सका है।

जिन ग्रन्थ-स्वामियो ने अपने हस्तलिखित ग्रन्थो को सग्रहालय को दान दिया हे उनको तथा विशेष रूप से अमेठी के राजा रणञ्जय सिंह जी और ग्वालियर के विद्याव्यसनी श्री धारीवाल दम्पति के प्रति मै हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करता हूँ।

इस ग्रन्थ का सम्पादन प्रयाग विश्वविद्यालय के सस्कृत विभाग के रीडर पण्डित चण्डिकाप्रसाद शुक्ल ने किया है। सम्मेलन उनके प्रति आभार प्रकट करता है।

आशा है, इस मुद्रित ग्रन्थ-सूची से सस्कृत के विद्वानो, छात्रो और शोधकर्त्ताओ को अध्ययन और अनुसधान मे सहायता मिलेगी।

प्रभात मिश्र शास्त्री
प्रधानमन्त्री
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

दिनाक २१ जून, १९७६ ई०

विषयानुक्रम

OO

संकेत

○ ⊙

अनु०	अनुष्टुप्
टीका०	टीकाकार
प्र० प०	प्रति पक्ति
प्र० पृ०	प्रति पृष्ठ
पृ० स०	पृष्ठ सख्या
स०	सख्या
सक०	सकलनकर्त्ता
सें० मी०	सेन्टीमीटर

संस्कृत-प्राकृत हस्तलिखित ग्रन्थों की विवरणात्मक सूची

वैदिक : संहिताएँ और साहित्य

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार
१	२	३	४	५	६
१	६३३४/३६३६	अनुक्रमणिका	कात्यायन	–	देसी कागज
२	६२७४/११३२	(आरण्यक-ग्रन्थ)	–	–	देसी कागज
३	७२१३/४०७४	ऋग्वेद सहिता	–	–	देसी कागज
४	७२६४/४११६	ऐतरेय ब्राह्मण	–	–	देसी कागज
५	७४३५/४२१८	ऐतरेय ब्राह्मण	–	–	देसी कागज
६	६२४१/३३५६	ऐतरेय ब्राह्मण सहिता	–	–	देसी कागज
७	२५९४/१४६४	गर्ग संहिता (द्वारिका खण्ड)	गर्गाचार्य	–	देसी कागज
८	२७०९/१४९१	गर्ग सहिता (एकादश अध्याय)	गर्गाचार्य	–	देसी कागज
९	२७६५/१५०६	गर्ग संहिता (सप्तम अध्याय)	गर्गाचार्य	–	देसी कागज
१०	२८६४/१५२८	गायत्री-भाष्य	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज
११	३६०३/१८५७/१	गायत्री मंत्र	–	–	देसी कागज
१२	६४२९/३५२६	गोपथ ब्राह्मण (उत्तरार्द्ध)	–	–	देसी कागज
१३	१२७२/८६९	चरणव्यूह	–	–	देसी कागज

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१×९	९४	७	२०	पूर्ण/४११	१८६७ वि० (आश्विनकृष्ण १३ मदवार)	ऋग्वेद-सूक्तो की अनुक्रमणिका
१९×१०.५	७८	१५	२०	पूर्ण/५४४	१९२५ वि०	–
२०.५×८ २	५४	६	२२	अपूर्ण/२२२	१६३९ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण।
२१ ५×१०.२	२१२	९	२४	पूर्ण/१४३१	१८६९ वि० मार्गशोर्प १३)	–
२२.७×८ ३	४९६	७	४२	पूर्ण/४४५७	१८८९, १८९० वि०	–
२१ ५×१०	७३	९	३३	अपूर्ण/३७६	–	–
२५×११	५६	७	१८	अपूर्ण/२३	–	–
२४ ५×१३	७५	८	२०	अपूर्ण/३७५	१९१० वि० (फाल्गुन सुदि ७ चंद्रवार)	–
२५×१५ ५	१०	१०	२४	पूर्ण/७५	–	–
२८×१२	८	१०	३२	पूर्ण/८०	–	–
२३×११.५	८	१०	२०	पूर्ण/५०	–	–
२४ ५×३३	१२	१२	२०	अपूर्ण/९०	१९१६ वि० (पौष शुक्ल ६ शनिवार)	–
२४ ३×११	८	६	३२	पूर्ण/७२	–	यह महर्षि शौनक-प्रणीत चरो वेदो की शाखाओ आदि का विवरण देनेवाली अनुक्रमणी रूप है, ग्रन्थ महत्त्वपूर्ण है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४	१४२८/९०८	चरणव्यूह (परिशिष्ट)	शौनक	-	देसी कागज	नागरी
१५	२८१६/१५१७	चरणव्यूह	शौनक	—	देसी कागज	नागरी
१६	६८४५/३८७४	दर्श पौर्णमास प्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
१७	१९८/१९०	देवीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
१८	१५५३/९६३	देवीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
१९	६६८१/३७२५	पञ्चरत्न पवमानसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
२०	२४४६ ३/१८२६.१	पदपाठ	—		देसी कागज	नागरी
२१	३८/३३	पुरुषसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
२२	२१८/२०७	पुरुषसूक्त	-	—	देसी कागज	नागरी
२३	४८३/४७४ (क)/४८०	पुरुषसूक्त	—	-	देसी कागज	नागरी
२४	१४००.६/८९९	पुरुषसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
२५	३१६३/१६१९	पुरुषसूक्त		—	देसी कागज	नागरी
२६	३९५५/२०१७ १	पुरुषसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२४.१×१०.३	–	–	–	पूर्ण	१८७७ वि० १७४२ शक	–
२५ ७×१२ ४	५	१०	३२	पूर्ण/५०	–	–
२०×१० ५	१२२	८	२४	अपूर्ण/७३२	–	–
१६×१४	१	२१	१४	पूर्ण/९	–	–
१७×८	५	६	२४	पूर्ण/२३	–	–
१८×११	२८	९	२४	पूर्ण/१८९	–	–
२४×११	१०४	११	३२	अपूर्ण/११४४	१८४१ वि०	वाजसनेय सहिता का ३०वें से ४०वें अध्याय तक का पदपाठ
१५×९	४८	६	१७	पूर्ण/१५३	–	–
१६×१२	८	५	६	अपूर्ण/२०	–	–
१३×१०	९	७	१०	अपूर्ण/१९	–	
२५×१०	५	५	२४	पूर्ण/१९	–	–
३५×१२ ५	४	८	३२	पूर्ण/३२	–	-
१३×१०	५	७	१०	पूर्ण/११	–	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७	३२५४/१६४२	पुरुषसूक्त भाष्य	—	शौनक महर्षि	देसी कागज	नागरी
२८	७२१०/४०७१	ब्राह्मण पंचिक	—	—	देसी कागज	नागरी
२९	६३४५/३४४६	ब्राह्मण सप्तमपंचिका	—	—	देसी कागज	नागरी
३०	३१८६/१६२३	मंत्र (पाठ)	—	—	देसी कागज	नागरी
३१	६६८३/३७२७	मत्र विभाग	—	—	देसी कागज	नागरी
३२	२५८४/१४६२	मन्त्रावबोध	सुन्दर शुक्ल	—	देसी कागज	नागरी
३३	६२५४/३३६९	मन्युसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
३४	६२९८/३४००	मन्युसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
३५	७६४२/४२८८	यजुः सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
३६	९१५/९३२/७६७	रुद्रजाप्य (रुद्राष्टाध्यायी)	—	—	देसी कागज	नागरी
३७	१४२९.१/९०८	रुद्रजाप्य	—	—	देसी कागज	नागरी
३८	६६८४/३७२८	रुद्रपाठ	—	—	देसी कागज	नागरी
३९	६७७४/३८१०	रुद्रप्रश्न	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१२×१३ ५	५३	५	१२	पूर्ण/९९	–	पुरुषसूक्त पर महर्षि शौनककृत भाष्य
२१.४×८ २	३६४	७	३१	पूर्ण/२५४८	१६९४ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२१×१०	३७	९	२०	अपूर्ण/२०८	–	–
२४.५×११	७५	७	२८	पूर्ण/४५९	१९१७ वि०	–
१५×१०	१६	११	१६	पूर्ण/८८	१७१५ श०	–
२४×१२ २	५४	६	३२	अपूर्ण/३२४	१७४६ वि० (आश्विनशुक्ल भीमवार)	इसमे चार अध्यायो मे यजुर्वेदीय मन्त्रो की विशिष्ट व्यवस्था समझाई गई है
१८×६	३	७	२०	पूर्ण/१३		–
१४×१०	५	९	१०	पूर्ण/१४	–	
२३×९	६००	५	२१	पूर्ण/१९६९	–	–
१६ ५×१० ५	१७०	६	१०	पूर्ण/३१९	१९४१ वि०	इसमे 'वाजसनेय सहिता' का प्रसिद्ध रुद्राष्टाध्यायी भाग प्रतिपादित है मन्त्रो के स्वर चिह्नित भी है
२४ २×११ ५	११५	४	१५	अपूर्ण/२१९	–	–
१६×९	१७	९	१६	पूर्ण/७५	–	
१९×८	४०	६	२०	पूर्ण/१५०	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४०	६७५०/३७९३	रुद्राध्याय	–	–	देसी कागज	नागरी
४१	२०१-१/१९३	रुद्राष्टाध्यायी	–	–	देसी कागज	नागरी
४२	५५४/५४४	रुद्राष्टाध्यायी	–	–	देसी कागज	नागरी
४३	१७३७/११३८	रुद्राष्टाध्यायी	–	–	देसी कागज	नागरी
४४	२४६८/१४३८	रुद्राष्टाध्यायी	–	–	देसी कागज	नागरी
४५	३३०३/१७०१	रुद्राष्टाध्यायी	–	–	देसी कागज	नागरी
४६	३३२२/१७१८	रुद्राष्टाध्यायी	–	–	देसी कागज	नागरी
४७	६१६२/३२८२	रुद्राष्टाध्यायी	–	–	देसी कागज	नागरी
४८	६३९९/३४९८	रुद्री	–	–	देसी कागज	नागरी
४९	६५४२/६३१४.४	रुद्री	–	–	देसी कागज	नागरी
५०	५३१/४७७	लक्ष्मीसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी
५१	५७५/५८५/५२९	लक्ष्मीसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी
५२	११७३/८२६	लक्ष्मीसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१० ५	४८	७	२०	पूर्ण/२१०	–	–
१६×१०	१५	७	१२	पूर्ण/३९	–	–
२३×१०.५	६१	७	२२	पूर्ण/२९३	–	रुद्र सम्बन्धी वैदिक मन्त्रो का आठ अध्यायो मे प्रसिद्ध सग्रह
२७×११.५	९४	६	१९	पूर्ण/३३५	१९३५ वि०	–
१५.५×११	११	११	१६	अपूर्ण/६०	–	-
२२×११	१३२	५	१५	पूर्ण/३०९	–	–
२५×१२	५०	५	२०	अपूर्ण/१५६	–	–
१६.८×९ १	३८	७	२१	अपूर्ण/१७५	१८६९ वि० १७३४ शक	–
१६ ५×१०	२६	८	२०	अपूर्ण/१३०	१९२५ वि० (भाद्र शुक्ल ८ सोमवार)	–
२४×१०.५	१२	६	२०	अपूर्ण/४५		–
१७×१०	९	७	१३	पूर्ण/२५	१९४३ वि० (पौष सुदि ८ रविवार)	–
१४×१०	७	८	१६	पूर्ण/२८	–	–
२१ ५×१४ ५	८	८	१६	अपूर्ण/३२	१९२५ वि० (फाल्गुन शुक्ल १३ बुधवार)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५३	१६११/१०१६	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५४	३४१०/१७९६	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५५	६८१४/३८४४	लक्ष्मीसूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५६	६६५५/३७०१	वाक्सूक्त	—	—	देसी कागज	नागरी
५७	७७८/७९४/७११	वाजसनेय सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
५८	८५१/८६८/७५४	वाजसनेय संहिता	-	—	देसी कागज	नागरी
५९	११२४/८१७	वाजसनेय सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६०	१२०२/८४५	वाजसनेय संहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६१	१४२९/९०८	वाजसनेय सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६२	१४६०/९१९	वाजसनेय सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६३	१७०४/११०७	वाजसनेय सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६४	१७१८/१११९	वाजसनेय सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी
६५	२६२७/१४७०	वाजसनेय सहिता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१०×८	७	७	१२	पूर्ण/१८	–	–
१४ ४×१८.६	१५	७	२०	पूर्ण/६५	१८८८ वि० (फरवरी २)	–
१४×११	६	१०	१६	पूर्ण/३०	१९५३ वि०	–
१६×८	३	६	१६	पूर्ण/९	–	–
२३×१३	४७२	६	२०	अपूर्ण/१७७०	–	इसमे वाजसनेय संहिता के प्रारम्भ के २ पाठो से खण्डित केवल १९ अध्याय मात्र दीर्घपाठ मे समुपलब्ध है
१९×१२	४१६	५	१८	पूर्ण/११७०	१६९० वि०	यह शुक्लयजुर्वेदीय संहिता का एक पर्याप्त प्राचीन हस्तलेख है ४० अध्यायो मे पूर्ण यह वैदिक संहिता, संहितापाठ मे समुपलब्ध है
२१×१२	४३८	८	२०	पूर्ण/२१९०	१८२२ वि०	शुक्ल यजुर्वेद संहिता/सोलह अध्याय सस्वर चिह्न, शेष विना चिह्न के
२३×११	२९३	६ (कुछ पत्रो मे ७ भी)	२१	पूर्ण/११५४	१८२२ वि०	इसके ४० अध्यायो मे पूर्ण शुक्ल यजुर्वेदीय वाजसनेय संहिता लिपिबद्ध है स्वरो के चिह्न नही लगे हैं
२५×११	४९६	५	२६	पूर्ण/२०१५	–	यहाँ शुक्ल यजुर्वेद संहिता के बीस अध्याय हैं मन्त्र स्वर-चिह्नो से अंकित हैं
२३ ९×१० ८	३३०	५	२५	पूर्ण/१२८९	१८५५ वि०	यह शुक्ल यजुर्वेद माध्यदिन शाखा की संहिता है मन्त्र स्वर-चिह्नो से अंकित हैं ग्रन्थ ४० अध्यायो मे पूर्ण है
२५×११	१५२	६	२७	अपूर्ण/७७०	–	यह शुक्ल यजुर्वेद की माध्यदिन शाखा की वाजसनेय संहिता है इसमे उसके ३० अध्याय तक समुपलब्ध हैं
२५×१२ ५	१२५	१०	३३	अपूर्ण/१२८९	–	यह 'जटा पाठ' मे लिखी गयी प्रसिद्ध शुक्ल यजुर्वेदीय वाजसनेय संहिता है
२४×१०	२९८	८	२४	पूर्ण/१६०८	१८०२ वि० (शाके १६६६)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६	२७१२/१४९२	वाजसनेय सहिता दीर्घ-पाठ)	–	–	देसी कागज	नागरी
६७	३००७/१५६८	वाजसनेय सहिता (अध्याय ४०) (ईशोपनिषद्)	–	–	देसी कागज	नागरी
६८	३२९४/१६२४	वाजसनेय संहिता	–	–	देसी कागज	नागरी
६९	३२३९/१६३७	वाजसनेय सहिता	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
७०	३९६६/१९२६	वाजसनेय सहिता		–	देसी कागज	नागरी
७१	६७४९/३७९२	वामनसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी
७२	१३९७/८९९	वेददीपमनोहर (टीका)	महीधर	–	देसी कागज	नागरी
७३	३४११ १/१८११.१	(वेदमन्त्र)	–	–	देसी कागज	नागरी
७४	१८८१/१२७२	(वैदिक ग्रन्थ)	–	–	देसी कागज	नागरी
७५	२३८९	वैदिक मन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
७६	८९९/९१६/७६४	शतरुद्रीय	–	–	देसी कागज	नागरी
७७	५९१२/३०७७	शिक्षा चतुष्टय		–	देसी कागज	नागरी
७८	६३०८/३४१०	श्रीसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१ ५×१४	१०	५	११	पूर्ण/३४	१९०० वि० (पौष कृष्ण, ८ गुरुवार)	
३५×२०	४	९	२०	पूर्ण/२२	१९१८ वि०	सर्वप्राचीन उपनिषद्
२३ ५×१०.५	२७३	६	११७७	अपूर्ण	–	
३२ ५×२० २	५३६	७ (कुछ पत्रो मे अधिक)	१७	पूर्ण/११९३	१९०३ वि०	इसमे ४० अध्यायो मे पूर्ण शुक्ल यजुर्वेद की वाजसनेय सहिता है। इसके १७ एव ४० दो अध्याय व्याख्यायुक्त भी हैं
२५×१३	३१६	१०	२७	पूर्ण/२६६५	–	इसमे शुक्ल यजुर्वेद सहिता पदपाठ-रूप मे उपनिबद्ध है
११.५×८	२८	७	१०	पूर्ण/६१		
२७×१२	३६	९	३२	पूर्ण/३२४	१८९९ वि०	शतरुद्रीय होम नामक १६वें अध्याय पर लिखी गई व्याख्या
२४×११	४०	११	३२	पूर्ण/४४०	–	
२१ ५×११ ५	२७	७	२४	अपूर्ण/१४२	–	
२२×१०	१९	११	३२	अपूर्ण/२०९	–	
२४.५×१२ ५	१८	९	३२	पूर्ण/१६२	१८४२ वि०	
२२ ६×८ ५	२७	८	३२	अपूर्ण/२१६	–	
११ ५×८	१४	५	११	अपूर्ण/२४	१९१५ वि० (मार्गशीर्ष ८)	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७९	१६९४/१०९७	श्रीसूक्तविवृत्ति	–	–	देसी कागज	नागरी
८०	६८७९/३८९४	श्रुति	–	–	देसी कागज	नागरी
८१	४७८/४३६	षडंगरुद्रीय		–	देसी कागज	नागरी
८२	६१३९/३२६०	साकमेध	–	–	देसी कागज	नागरी
८३	७४४१/४२२३	सामराजपद्धति	सामराज	–	देसी कागज	नागरी
८४	७८४/८००/७१३	सुदर्शन सहिता (कार्तवीर्यार्जुन कल्प)	–	–	देसी कागज	नागरी
८५	६५७२/३६२३	सूर्यवैश्वानरसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी
८६	३६५९/१८६८	स्वस्तिवाचन	–	–	देसी कागज	नागरी
८७	१३९३	हस्तस्वरप्रक्रिया	अग्निहोत्र मल्ल	–	देसी कागज	नागरी
८८	१८२०/१२२०	अचिन्त्यकौमुदी	–	–	देसी कागज	नागरी
८९	२३३०/१४०६	अज्ञानध्वांतदीपिका (प्रथम तथा सप्तम प्रकाश)	सोमनाथ	–	देसी कागज	नागरी
९०	२६५९/१४८१	अज्ञानबोधनी	–	–	देसी कागज	नागरी
९१	१९१९/१२२०	अद्वैतचिन्ता कौस्तुभ (टीका)	महादेवानन्द सरस्वती	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×१२	२८	८	४०	पूर्ण/२८०	-	श्रीसूक्त के १५ मन्त्र, सटीक
३२×१६	६	११	२०	अपूर्ण/४१	–	
२०×१० ५	३४	७	२३	अपूर्ण/१७१	–	
२७.५×११ ७	३	९	३८	पूर्ण/१२	–	
३०×१३	६०	१०	४८	अपूर्ण/९००	–	
२६×१२	१९८	११	४०	अपूर्ण/२७२३	१९०८वि० (माघ कृष्ण)	
१६×१०	७	७	१०	पूर्ण/१५	–	
१६×११ ५	२३	८	१०	पूर्ण/५७	१९२६ वि० (ज्येष्ठ ३०, गुरुवार)	
२३×११	१४	५	३२	पूर्ण/७०	१९८१ वि०	वैदिक स्वरप्रक्रिया निरूपण
३१×१४ ३	४०	१६	४६	अपूर्ण/९२०	–	
२६ ५×११	६७	९	३७	पूर्ण/६९७	१८९९ वि० (मार्गशीर्ष शु०७भृगुवार)	
१४ ३×७.६	५४	९	२१	अपूर्ण/३१९	–	
३१ ५×१४ ५	५९	१९	५७	अपूर्ण/१९९७	–	

क्रम स०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९२	१८२४/१२२४	अद्वैतचिन्ता कौस्तुभ (टीका)	महादेवानन्द सरस्वती	–	देसी कागज	नागरी
९३	१४१९/९०४	अद्वैतदीपिका	–	–	देसी कागज	नागरी
९४	१७७८/११७९	अद्वैतविवेक (द्वैतपद-योजना, सटीक)	विधारण्य मुनि	रामकृष्ण	देसी कागज	नागरी
९५	१००२/७८९	अध्यात्मदीपिका	-	–	देसी कागज	नागरी
९६	२६२२ १/१४६७	अन्तःकरण प्रवोध	व लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
९७	२६७६ ६/१४८५	अन्तःकरण प्रवोध	वल्लभाचार्य	–	वेसी कागज	नागरी
९८	३०८०.९/१५९४	अन्तःकरण प्रवोध	यल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
९९	१४५७/९१८	अपरोक्षानुभव (सटीक)	शंकराचार्य	मयकराचार्य	देसी कागज	नागरी
१००	१९१६/१२८८	अपरोक्षानुभूति (सटीक)	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१०१	२८३५/१५२२	अपरोक्षानुभूति	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१०२	२५०५/१४४५	अर्थसंग्रह	लौगाक्षिभास्कर	–	देसी कागज	नागरी
१०३	३१७८/१६२१	अष्टावक्र ग्रन्थावली	अष्टावक्र मुनि	–	देसी कागज	नागरी
१०४	११५८/८३१	अष्टावक्रदीपिका टीका	विश्वेश्वर	-	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३१×१४	५३	१८	५३	पूर्ण/१६९३	१८४३ वि०	यह वेदान्त विषयक 'तत्त्वानुसन्धान' ग्रन्थ की टीका है।
२६ ८×११ ८	१३८	८	३०	अपूर्ण/१०३५	–	इसमे जीव एव ब्रह्म के अभेद का प्रतिपादन किया गया है इसका आदि तथा अन्त भाग खण्डित है
२६×१३	१८	१३	३७	पूर्ण/२७१	–	इसमे द्वैतप्रपच का विवेचन किया गया है जीवन्मुक्ति का भी उल्लेख है
२५ ५×१४	३	१४	४५	अपूर्ण/५९	–	
२७×१६	२	८	१२	अपूर्ण/६	–	
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३५	–	
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	
२२ ४×१३	४८	१०	३०	पूर्ण/४५०	१८५३ वि०	इसमे नित्य आत्मा का अनित्य देह से तादात्म्य माननेवालो की निन्दा की गई है। ब्रह्म को ही एकमात्र सत्य तथा उसीसे सब सृष्टि होने का प्रतिपादन किया गया है साथ मे पद्यात्मक हिन्दी रूपान्तर भी है
१४ ५×१३	५६	११	२०	पूर्ण/३८५	–	
२०×१३	१९	१२	२	पूर्ण/१७१	१८८३ वि०	
२८×१२.५	४०	८	३८	पूर्ण/३८०	१९२८ वि०	इसमे द्वादशलक्षणी मीमासा अत्यन्त सूक्ष्मरूप मे प्रतिपादित की गई है यह एक बहु प्रचलित ग्रन्थ है
१३×९	११९	६	१६	पूर्ण/३५७	–	वेदान्त-सम्मत आध्यात्मिक तत्त्वसकलन
२९×१४	१२६	९	३२	अपूर्ण/११३४	–	इसमे १९ से ४६ पत्रो तक खण्डित, प्रकरणो मे विभक्त, मोक्ष प्राप्ति के उपायो का विधिवत् विवेचन किया गया है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०५	३४३७	आत्मपूजा	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१०६	२३१९/१४०५	आत्मबोघ	—	—	देसी कागज	नागरी
१०७	३३५२/१७४७	आत्मवोघ	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८	७५१७/४२५१	आत्मवोध (सटीक)	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१०९	१३४९/८८८	उपदेशसाहस्री (सटीक)	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
११०	४२४४/१/१९८३	उपदेशसाहस्री (सटीक)	शकराचार्य	रामतीर्थ	देसी कागज	नागरी
१११	७५३१/४२५५	उपदेशसाहस्री (सटीक)	शकराचार्य	रामतीर्थ	देसी कागज	नागरी
११२	१४५०/४/९१५	एवकारवाद	—	—	देसी कागज	नागरी
११३	६४०३/३५०२	कर्मप्रकृति विवरण	जिनमाणिक्यसूरि	—	देसी कागज	नागरी
११४	३७३० १/१९००.१	कारिकावली	विश्वनाथ पचानन	—	देसी कागज	नागरी
११५	६६९३/३७३७	कृष्णतापिनी	—	—	देसी कागज	नागरी
११६	१७६४/११६५	गोरक्षाशतक	—	—	देसी कागज	नागरी
११७	३०८०/१५	जलभेद	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२०×११	५	७	१६	पूर्ण/१७ ५	१९३४ वि०	
३०×१३	७	१०	३२	पूर्ण/७०	–	
२४ ५×१३	२१	१४	३६	अपूर्ण/३४०	–	
२०×१२	१६	१२	२०	अपूर्ण/१२०	–	
३४ ५×१८	७५	१२	५२	अपूर्ण	–	प्रथम प्रकरण पूर्ण तथा द्वितीय खण्डित
१५ ८×२० ३	३०३	१३	१०	पूर्ण किन्तु जीर्ण १२३१	–	
३४×१८	२७१	१०	३२	पूर्ण/२७१०	१९३७ वि०	
२२×९	९	६	३२	पूर्ण/५४	–	'एव' शब्द के प्रयोग का सोदाहरण विवेचन। 'पदार्थमाला प्रकाश' ग्रन्थ का अश समझ पडता है
२५×११	३६	९	२०	पूर्ण/२०२	१८९० वि० (भाद्रपदशुक्ल सप्तमी)	
२८×११ ५	२८	९ (कुछ पत्रो मे ४)	३३	पूर्ण/२६	१९३२ वि०	
२०×११	३४	७	२४	पूर्ण/२०४	–	
३०.५×१२ ५	१२	११	३६	अपूर्ण/१४८	–	
१६×१०	८	६	१५	पूर्ण/२३	१८४९ वि०	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११८	६०३९/३१७३	जागदीशी (टीका)	–	जगदीश	देसी कागज	नागरी
११९	२५०४/१४४४	जीवमुक्तिविवेक	विघार राय स्वामी	–	देसी कागज	नागरी
१२०	१०२/९४	ज्ञानप्रबोधमजरी	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२१	११२२/८१६	तत्त्वदीप	वल्लभस्वामी	–	देसी कागज	नागरी
१२२	१४३/१३६	तत्त्वनिरूपण	–	–	देसी कागज	नागरी
१२३	७४/६८	तत्त्ववोघ	शंकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२४	२९८५/१५६३	तत्त्ववोघविघि	–	–	देसी कागज	नागरी
१२५	३१९२ ३/१६२३	तत्त्वविवेक (तत्त्वबोध)	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२६	१७४१/११४२	तत्त्वविवेकदीपिका	–	रामकृष्ण	देसी कागज	नागरी
१२७	१६०४/१००९	तत्त्वानदतरगिणी	पूर्णानन्द परमहस	–	देसी कागज	नागरी
१२८	३१६४ २/१६१९	तत्त्वाराद्धात	निंबादित्य	–	देसी कागज	नागरी
१२९	६०६३/३१९७	तर्कपरिभाषा टीका	–	–	देसी कागज	नागरी
१३०	१६१७/१०२२	तर्कप्रकाश	सरदार कवि	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० प०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२८×१२ ३	८४	१०	३२	पूर्ण/८४०	–	न्यायशास्त्र से सम्बन्धित ईश्वरेच्छा, प्रमाणादि विपयो का प्रौढ शैली मे विवेचन
३०×१४	१४३	१२	४१	पूर्ण	१८३३ वि० माद्र शुक्ल पक्ष ७ वुघवार)	जीवनमुक्तविषयक आध्यात्मिक विवेचन
२१×११ ५	२५	९	२८	पूर्ण/१९७	–	इसमे वेदान्त दर्शन के अध्यास, अद्वैत आदि विपय प्रतिपादित है लिपि मे अशुद्धियाँ वहुत है यह आदि शकराचार्य की कृति निरसन्देह रूप से नही कही जा सकती है
२१×११	४३	९	३२	पूर्ण/३८७	–	
२२×१०	३	९	२२	अपूर्ण/२५	–	
१० ५×८	३२	४	१८	अपूर्ण/(मध्य मे खण्डित)	–	
२१×१४	२२	७	१६	पूर्ण/७७	–	इसमे साधनचतुष्टय, पचकोश, पची-करण, तथा जीवन्मुक्तावस्थादि का वर्णन किया गया है
२८ ३×१३ ५	१०	९	२८	पूर्ण/७८	१९२३ वि०	
२६×१३	३१	१३	३२	पूर्ण/४०३	–	विघारण्यमुनिकृत 'तत्त्वविवेक' के प्रथम प्रकरण पर टीका
२४ ५×११	४०	८	३२	पूर्ण/३२०	१८६४ वि०	
३१.५×१८	१६	१७	३२	पूर्ण/२७२	–	
२६×११	८०	१५	५०	पूर्ण/१८७५	१७२८ वि०	'तर्कभाषा' की टीका एक 'प्रकरण' ग्रन्थ
१६ ५×१९ ५	४४१	१४	१४	अपूर्ण/२७०१	–	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३१	२७५५	तर्कभाषा (सटीक)	केशव मिश्र	विद्या वागीश	देसी कागज	नागरी
१३२	६१८९/३३०४	तर्कभाषा	केशव मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
१३३	६९८९/३९४१	तर्कभाषा (सटीक)	केशव मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
१३४	७९६/८१२/७१७	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३५	१०८९/८०७	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३६	१४६३/९१९	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३७	१४९९/९३०	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३८	१६२८/१०३२	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१३९	१६३८/१०४३	तर्कसंग्रह (सटीक)	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४०	२७८०/१५११	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४१	६३०१/३४०३	तर्कसंग्रह	अन्नभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४२	१०४१/७९७	तर्कसंग्रहदीपिका (टीकामात्र)	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४३	१८५६/१२५०	तर्कसंग्रहदीपिका (टीका)	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×९	१५७	८	४०	अपूर्ण/१५७०	–	
२१ ४×७	६०	६	२६	अपूर्ण/२९३	–	
२४×११	२२	२६	४०	अपूर्ण/७१५	–	
२४×१२.५	१४	९	२४	पूर्ण/९५	१८९० स० (पौष कृष्ण)	
२५ ५×१२	१०	--९	२२	अपूर्ण/६१	–	
	१६	-७	४१	पूर्ण/१४४	–	
३०×१२	१७	७	४०	पूर्ण/१६९	१९१२	
२६.७×१० ३	१४	९	३२	अपूर्ण/१२६	१८९१ वि०	
	–	–	–	अपूर्ण		
२५×१२	१७	५	२०	अपूर्ण/५३	–	
२५×१० ५	१०	११	३०	पूर्ण/१०३	–	
२३.५×११.५	५३	१०	३०	अपूर्ण/५३०	–	
२७.२×९ ८	७०	-७	३२	पूर्ण/४९०	१९०६ वि० (माघ शुक्ल, १ सोमवार)	'तर्कसग्रह' ग्रन्थ की ग्रन्थकार द्वारा ही 'दीपिका' नामक टीका मात्र

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४४	१३५८/८९४	तर्कसग्रह दीपिका (टीका)	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४५	१५३१/९४६	तर्कसग्रह दीपिका	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४६	२७६२/१५०५	तर्कसग्रह दीपिका	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४७	२८१९/१५१७	तर्कसग्रह दीपिका	अन्नभट्ट	अन्नभट्ट	देसी कागज	नागरी
१४८	१६९२/१०९५	तर्कसग्रह न्यायवोधिनी टीका	गोवर्धनाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४९	१६९७/११००	तर्कामृत	जगदीश भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५०	२५८५/१४६२	तर्कामृत	जगदीश भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५१	६२७५/११३३	तर्कामृत तरगिणी	—	—	देसी कागज	नागरी
१५२	३०८० २४/१५९४	त्रिविध नामावली	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५३	१२४९/१/८६२ १	दक्षिणामूर्ति भावार्थ विवृत्ति	शकराचार्य	सुरेश्वराचार्य एव रामतीर्थ	देसी कागज	नागरी
१५४	१८२० १/१२२०	दर्शनग्रन्थ	—	—	देसी कागज	नागरी
१५५	३७२१ २/१८९२ १	दशमर्मनिरूपण	मध्वाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५६	१२४९ ८/८६२ २	दीधिति	जयराम पञ्चानन	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३१×१२	२३	१२	५६	पूर्ण/४८३	१८७४ वि०	तर्कसंग्रह पर ग्रन्थकार द्वारा लिखी गई दीपिका टीका मात्र
३०×१४	२९	१२	३६	पूर्ण/४१४	१८८८ वि० (वैशाख कृष्ण द्वि० गुरुवार)	–
२६,५×१०	५७	८	३२	अपूर्ण/४५६	१८११ वि० (फाल्गुन सुदि ७सं०चद्रवार)	–
३०×१३.५	२७	११	४८	पूर्ण/४४५	१८३१ वि० (फाल्गुन १०)	–
२३.७×१० ८	२५	१३	३८	पूर्ण/३८५	–	न्याय-वैशेषिक विषयक ग्रन्थ 'तर्कसंग्रह' की केवल टीका
२५×११	४१	७	३२	पूर्ण/२८७	१८५५ वि०	द्रव्यगुणादि विवेचन
२४ ५×९.४	३२	८	३८	पूर्ण/३०४	–	न्यायदर्शन के अनुसार भाव, अभाव पदार्थों तथा प्रत्यक्षादि प्रमाणो का विशद विवेचन किया गया है
२४ ५×११.५	५८	१३	३०	पूर्ण/७०७	१८०८ वि० आषाढ सुदि ६	–
१६×१०	४५	६	१५	पूर्ण/१२७	१८४९ वि०	–
३०×१२ ५	१०८	१४	४०	पूर्ण/१८९०	१७२३ वि०	–
३३×१४	२४	१६	४७	अपूर्ण/५६४	–	–
१७×१२.५	१३	७	१०	पूर्ण/३०	–	–
३१×१०	१४	९	५०	अपूर्ण	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५७	३१५०/१६१५	द्वादश महावाक्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८	३१५३/१६१५	द्वादश महावाक्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९	७५८२/४२५५	द्वादश महावाक्यविचार	—	—	देसी कागज	नागरी
१६०	३०४६.३/१५८२	द्वादश महावाक्यविवरण	शकर भागवत	—	देसी कागज	नागरी
१६१	१५०७/९३२	नन्दयोग आत्मानन्द	—	—	देसी कागज	नागरी
१६२	३०८०/१५९४	नवरत्न	भल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६३	२४६५/१४३३	नवरत्न	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६४	६७१४/३७५८	नारायणाथर्वशीर्ष	—	—	देसी कागज	नागरी
१६५	२८६३.१/१५२८	निरालंबश्रुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१६६	३०८० १७/१५९४	निरोधलक्षण	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१६७	४२९८/२०१४	न्यायदर्शनग्रंथ	—	—	देसी कागज	नागरी
१६८	११९३/८४३	न्यायदीपावली	—	—	देसी कागज	नागरी
१६९	१२९७/८७७	न्यायबोधिनी टीका	गोवर्द्धन	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७×१२	२७	९	३६	अपूर्ण/१७४	–	–
२९×९	३७	९	४०	अपूर्ण/४१६	–	–
२५×११	४७	१३	३०	पूर्ण/५७३	–	–
११.५×९ ५	२१०	७	१५	अपूर्ण/११५८	१८६९ वि०	(प्रथम पत्र खण्डित)
३३×१२	२८	८	४८	पूर्ण/३६०	–	–
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	–
१७×२९	१	१६	१८	पूर्ण/९	–	–
१६×८	५	७	२४	पूर्ण/२६	–	–
२५×१३	५	९	२४	अपूर्ण/३४	–	–
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	–
२५×६०	७३	८	२०	अपूर्ण/३६५	–	–
२३×१०	४४	९	१८	पूर्ण/२२३	–	प्रमाणादि न्यायविषयों का विवेचन
२६ ५×१०	३७	७	४४	अपूर्ण/	–	उपमान परिच्छेद तक पूर्ण, शेष खण्डित

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७०	११८७/८४२	न्यायसिद्धान्त मंजरी	चूडामणि भट्टाचार्य जानकीनाथ शर्मा	-	देसी कागज	नागरी
१७१	१०८५.१/८०७	न्यायसूत्र	गौतम	–	देसी कागज	नागरी
१७२	१२४९.७/८६२.२	पक्षधर्मनिरूपण (सटीक)	–	–	देसी कागज	नागरी
१७३	१२४९.१०/८६२.३	पञ्चदशी (सटीक)	विद्यारण्य मुनि	रामकृष्ण	देसी कागज	नागरी
१७४	११३८/११३९	पञ्चदशी पंचकोश-विवेक सटीक)	विद्यारण्य मुनि	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
१७५	२४९६/१४४२	पञ्चदशी (सटीक)	विद्यारण्य मुनि	प्रज्ञानानन्द सरस्वती	देसी कागज	नागरी
१७६	७३३८/४१५१	पञ्चदशी व्याख्या	रामकृष्ण	-	देसी कागज	नागरी
१७७	१७३९/११४०	पञ्चभूतविवेक (सटीक)	विद्यारण्य मुनि	रामकृष्ण (तात्पर्य दीपिकाकार)	देसी कागज	नागरी
१७८	६८३०/३८६०	पञ्चीकरण विवरण टीका (तत्त्व चन्द्रिका)	–	–	देसी कागज	नागरी
१७९	२५०२.३/१४४४	पत्रीपञ्चक	शंकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८०	७६३८/४२८६	पदार्थतत्त्वनिर्णय	–	–	देसी कागज	नागरी
१८१	१२६८/८६९	पाखण्डचपेटिका	विजय रामाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८२	२३४०/१३८६	पाखण्डचपेटिका	विजय रामाचार्य	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१०	६५	११	४२	पूर्ण/९३८	१७०३ वि० (मन्मथनाम वर्ष)	न्यायसिद्धान्त का प्रमाणादि क्रम से विवेचन
२६×११ १ ५	४०	८	३२	पूर्ण/३२०	१९२४ सं० (माघशु०द्वि०)	–
३१×१२	१२	१०	५५	अपूर्ण	–	–
३३×१६.५	३१६	१६	४२	अपूर्ण/६६३६	–	'पञ्चदशी' के केवल पाँच अध्याय प्राप्त हैं, जिनमे पञ्चकोशादि विषयो का प्रतिपादन हुआ है। साथ मे रामकृष्ण कृत टीका भी है
२५.५×१३ २	१७	१३	३६	पूर्ण/२४९	–	विद्यारण्य मुनि की 'पचदशी' का एक अश है, जिसमे अन्नमयादि कोशो का विवेचन किया गया है
२४×१३	५९३	५	१८	पूर्ण/१६६३	–	यत्र-तत्र 'गूढार्थदीपिका' टीका के साथ अद्वैत वेदान्त विवेचन
२०×११.८	७४	१३	२१	अपूर्ण/६३१	-	–
२५.५×१३	२६	१३	३४	पूर्ण/३५९	–	'पंचदशी' का द्वितीय प्रकरण सटीक संगृहीत है, जिसमे पंचभूतो का विवेचन प्रस्तुत किया गया है
२०×११	५०	१०	२४	पूर्ण/३७५	१७७१ वि०	–
२३.५×१२ ५	१	९	५२	पूर्ण/१५	–	–
२९×१३ ५	८	१४	४०	अपूर्ण/१४०	–	–
२३ ५×१२	४६	९	२७	पूर्ण/३४९	–	नास्तिक पाखण्डियो के कुतर्कों का खण्डन कर सनातन धर्म की तथा जीवब्रह्मैक्यादि सिद्धान्तो की स्थापना की गयी है।
३७×१९	५३	९	२७	पूर्ण/४०२	–	नास्तिक पाखण्डियो के मत का खण्डन किया गया है

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८३	२६२१/१४६७	पुष्टिप्रवाहमर्यादा	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८४	२६७६.९/१४८५	पुष्टिप्रवाहमर्यादा	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८५	३०८०.१३/१५९४	पुष्टिप्रवाहमर्यादा	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८६	३०८०.१९/१५९४	पुष्टिमार्गमत संग्रह	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८७	१३९४/८९९	प्रतिज्ञा	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८	२८७/२६३	प्रश्नोत्तरमाला	शुकयतीन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
१८९	२४२९/१४२८	प्रश्नोत्तरमाला	शुकमुनीन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
१९०	३०९४.१/१५९५	प्रश्नोत्तररत्नमाला	शंकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९१	३७८४/१९००	प्राणायामप्रकरण (सटीक)	शुभचन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
१९२	१८१३/१२१४	वज्रसूची पंचम	शंकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९३	२६७६.७/१४८५	बालबोध	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९४	२६२२.६/१४६७	बालबोध	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९५	३०८०.५/१५९४	बालबोध	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१६	२	१२	३२	पूर्ण/३६	–	–
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३	–	जीर्ण
१६×१०	१०	६	१५	पूर्ण/२८	१८४९ वि०	पुष्टिमार्ग के अनुसार प्रमाण, सर्ग, सर्गभेद तथा फलप्राप्ति आदि का प्रतिपादन किया गया है
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	–
२७×१२	१९	१०	४०	अपूर्ण/२३७५	–	शुक्ल यजु० के माध्यन्दिनि शाखा के मन्त्रो का स्वरानुसारी हस्तप्रक्षेप के साथ उच्चारण विधि का निरूपण
१४ ५×८.५	१८	६	१६	पूर्ण/५४	१९११ वि०	–
११.५×५ ५	८	६	२६	पूर्ण/३९	१९०० वि० (आषढ १ सोमवार)	–
२७×१२	२	११	४०	पूर्ण/६९	–	–
१५×१७	७८	१३	१५	पूर्ण/४७७	–	–
२७×११	११	८	३२	पूर्ण/८८	१९१२ वि० १७७७ शक	–
२७×१६	३	९	२४	पूर्ण/२०	–	जीर्ण
२७×१६	२	८	३२	पूर्ण/१६	–	–
१६×१०	८	६	१५	पूर्ण/२३	१८४९ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९६	३०१६.१/१४७४	ब्रह्मजिज्ञासा	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७	३२४०.१/१६३७	ब्रह्मज्ञानप्रदीपिका	शंकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९८	९९२/१०११/७८३	ब्रह्मसूत्र (ब्रह्मजिज्ञासा)	बादरायण	–	देसी कागज	नागरी
१९९	६२५९/३३६९	ब्रह्मसूत्रटीका	–	–	देसी कागज	नागरी
२००	१३६५/८९६	ब्रह्मसूत्रवृत्ति	रामानन्दसरस्वती	–	देसी कागज	नागरी
२०१	२७६४/१५०६	भक्तिरत्नावली (सटीक)	विष्णुपुरी परमहस	–	देसी कागज	नागरी
२०२	३८८७.१/१९८८	भक्तिरसामृतसिन्धु	रूप गोस्वामी	–	देसी कागज	नागरी
२०३	३०८०/१४	भक्तिवर्द्धिनी	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२०४	२६७६.१२/१४८५	भक्तिहेतु	विट्ठलेश्वर	–	देसी कागज	नागरी
२०५	२६७६.१३/१४८५	भक्तिहेतुनिर्णय	विट्ठलेश्वर	–	देसी कागज	नागरी
२०६	६९६१/३९१३	भगवद्भक्तिरत्नावली (सटीक)	विष्णुपुरी परमहंस	–	देसी कागज	नागरी
२०७	१२४९.३/८६२.२	भवानन्दसिद्धान्त टीका	तर्कवागीश	–	देसी कागज	नागरी
२०८	१२४९.४/८६२.२	भवानन्दसिद्धान्त टीका	तर्कवागीश	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (च)	८(छ)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३३×१४	१९	७	३२	अपूर्ण/१३३	–	–
३१×२०.५	३०	१३	३०	अपूर्ण/३६६	–	'महाभारत' के अंश 'विष्णुसहस्रनाम' की व्याख्या की गई है
१६×११.५	६१	५	२०	पूर्ण/१२८	–	बादरायण प्रणीत प्रसिद्ध वेदान्त सूत्र मूलरूप में समुपलब्ध है
१८×६	३	७	२०	अपूर्ण/१३	–	–
३५×१८	२५०	१५	८३	अपूर्ण/५०३९	–	बादरायण कृत ब्रह्मसूत्रों पर वृत्ति है। इसका आदि भाग खण्डित है। प्रथम अध्याय के आकाश लिंग प्रकरण से ग्रन्थ उपलब्ध है, अन्त में प्रकरणादि की गणना दी गई है
३२×१७.५	१०८	१५	३५	पूर्ण/१०३१	१७१२ वि० (फाल्गुन वदि ६ सोमे)	१३ विरचनों (अध्यायों) में भगवद्भक्ति का विवेचन
१५.९×११	१२	१४	३२	अपूर्ण/१६८	–	–
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	–
२७×१६	२२	९	२४	पूर्ण/१४८.५	–	जीर्ण
२७×१६	२२	९	३२	पूर्ण/१९८	–	जीर्ण
३४×१२	१४६	८	३०	पूर्ण/१०९५	–	–
२५.५×१०	१८८	१०	५६	अपूर्ण/३२९०	–	–
२५.५×१०	६९	१०	५६	अपूर्ण/१२०७.५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०९	२७१४/१४९२	महावाक्यसग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२१०	१७२८/११२९	महावाक्यविवेक	रामकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
२११	१२०७/८४९	मीमासापरिभाषा	कृष्णयज्वा	—	देसी कागज	नागरी
२१२	९९०/१००९/७८३	मीमासाशास्त्र	जैमिनि	—	देसी कागज	नागरी
२१३	६४४६/३५३६	मृत्यूत्सव	—	—	देसी कागज	नागरी
२१४	७३९६/४१८५	योगदर्शन (व्यासभाष्य)	पतजलि	व्यास	देसी कागज	नागरी
२१५	२३२१/१४०५	योगपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२१६	९५१/९६८/७७२	योगवासिष्ठ (सटीक)	महीधर	विश्वेश्वर	देसी कागज	नागरी
२१७	९५१/९६८/७७२	योगवासिष्ठसार (सटीक)	महीधर	विश्वेश्वर	देसी कागज	नागरी
२१८	२७६१/१५०४	योगवासिष्ठसार	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९	३२७४/१६५२	योगवासिष्ठसार	—	—	देसी कागज	नागरी
२२०	३१५४/१६१५	योगवासिष्ठसार विवरण (सटीक)	महीधर	—	देसी कागज	नागरी
२२१	१०८६/८०७	योगानुशासन (पातजल योगसूत्र)	पतजलि	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१ ५×१४	५	७	१५	पूर्ण/१६	–	–
२४×१२	६	१२	३२	पूर्ण/७२	–	प्रसिद्ध उपनिषद् महावाक्यो का व्याख्यान
३४×१४	३२	१०	५७	अपूर्ण/५७०	–	मीमासा दर्शन का एक प्रचलित प्रसिद्ध ग्रन्थ है। इस दर्शन के सभी विषयो का सक्षिप्त विवेचन इसमे हुआ
२६×११	१२७	५	२४	पूर्ण/४७५	–	है। महर्षि जैमिनि प्रणीत पूर्व मीमासा सूत्रो का मूलपाठ सगृहीत है
१७×१२.५	४	१०	२०	पूर्ण/२५	–	–
३०.६×१४ ३	३४	११	३७	पूर्ण/४३२	–	–
२९×११	६	१२	४०	अपूर्ण/९०	–	–
२२×११	१५८	८	२४	पूर्ण/९४८	१७९२ वि० शाके १६५७	१० प्रकरणो मे सटीक वेदान्त निरूपण
२२×११	५८	८	२६	पूर्ण/३७७	१७९२ स० (आषाढ कृष्ण पक्ष नवमी)	वेदान्तविषयक दस प्रकरणो मे पूर्ण इस ग्रन्थ की टीका भी इसमे समुपलब्ध है
२४×१३	२४	१०	३०	पूर्ण/२२५	१७६५ वि० आश्विन सुदि ४ मगलवार)	दश प्रकरणो मे पूर्ण एव सुचारु
२२×९ ७	१८	१४	४२	पूर्ण/३३०	–	सुचारु
३०×१३ ५	५०	११	४०	पूर्ण/६८७	१८३१ वि० (माघ सुद्धि ५ रविवार)	दस प्रकरणो मे सस्कृतटीका सहित
२६×११ ५	२८	५	२४	पूर्ण/१०५	–	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२२	२८९०/१५३०	रत्नमाला	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२२३	३४२२ १/१८२२ १	वज्रसूची	—	—	देसी कागज	नागरी
२२४	१७१७/१११८	वाक्यवृत्तिप्रकाशिका	विश्वेश्वरानन्द	—	देसी कागज	नागरी
२२५	७१९०/४०५३	वाक्यवृत्तिसग्रह	—	—	देसी कागज	नागरी
२२६	११४४/८२६	वाक्य सुधा	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२२७	२६१५.१/१४६७	विज्ञप्ति	विट्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२२८	२६१७ २/१४६७	विज्ञप्ति	विट्ठल दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२२९	२६७६ १/१४८५	विज्ञप्ति	श्रीप्रभु (वल्लभाचार्य)	—	देसी कागज	नागरी
२३०	२८८८/१५३१	विज्ञप्ति (हिन्दी अर्थ सहित)	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३१	४२४४/१९८३	विवेकचूडामणि	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३२	३०८०.१०/१५९४	विवेकधैर्याश्रम	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२३३	६०४५/३१७९	विशेषणविशेष्य टीका	—	—	देसी कागज	नागरी
२३४	१८४७/१२४४	(वेदान्त ग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु०छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८ ५×१४	८	११	१६	पूर्ण/४४	–	–
२४×११	१०	११	३२	पूर्ण/११०	१८२४ वि०	–
३५×१४	३०	१६	६५	पूर्ण/६००	१९०४ वि०	–
३३ ५×१२ ७	२४	६	३२	अपूर्ण/१६८	–	–
२४ ५×१५ ५	८	७	२६	पूर्ण/११	–	–
२७×१६	१	८	३२	पूर्ण/८	–	–
१२×१५	३०	१२	३२	पूर्ण/९६०	१८३५ वि०	–
२७×१६	२	९	२४	अपूर्ण/१३.५		–
१७ ५×१४	९५	१३	१५	अपूर्ण/५७९	–	–
१५ ८×२० ३	१५४	१३	१०	पूर्ण/६२६	१९३९ वि०	जीर्ण
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	–
२४ ५×१० ५	४	९	४०	पूर्ण/४५	–	–
१९×१२	२०	१०	२४	अपूर्ण/१५०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३५	१६९१ १३ १/ १०९४.४	वेदान्त दशश्लोकी	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२३६	३०९४/१५९५	वेदान्तरहस्य	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२३७	५३४/४८०	वेदान्ततत्त्वसार	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२३८	१३७२/८९७	वेदान्तसार टीका	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९	१५४९/९५९	वेदान्तसिद्धान्त	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२४०	१०८७/८०७	वैशेषिक शास्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२४१	१३४०/८८५	शारीरिक मीमासाभाष्य (सटीक)	शकराचार्य	गोविन्दानन्द स्वामी	देसी कागज	नागरी
२४२	१७४७/११४९	शारीरिक मीमासाभाष्य	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२४३	२७०४/१४९१	शारीरिक मीमासाभाष्य (सटीक)	शकराचार्य	गोविन्दानन्द स्वामी	देसी कागज	नागरी
२४४	१४०२/९००	शास्त्रसिद्धान्तलेशसग्रह	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५	१५२१/९३६	शिवतत्त्वविवेक	–	–	देसी कागज	नागरी
२४६	२६७६ ४/१४८५	श्रावणएकादशी	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२४७	१५२ १/१४५	श्रीमद्रष्टान्त	कपिल (प्रोक्त)	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२०×१०	२	८	२७	पूर्ण/१४	–	
२७×१२	३	११	४०	पूर्ण/४१	–	
२१.५×१३	२१	११	२७	पूर्ण/१९५	१८८१ वि० (ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा)	पाँच प्रकरणो मे वेदान्ततत्त्व का निरूपण
२५×११	६९	११	३२	अपूर्ण/७५९	–	केवल टोका उपनिवद्ध
१७×११	८	५	१६	पूर्ण/२०	–	
२१×११.५	४०	५	२६	पूर्ण/२९७	–	
३३×१६	४५५	१४	५१	अपूर्ण/१०१५२	–	इसमे 'ब्रह्मसूत्र' के प्रथमाध्याय के तृतीय पाद से चतुर्थाध्याय के चतुर्थ पाद तक शाकरभाष्य तथा उस पर गोविन्दानन्द स्वामी की 'रत्नप्रभा' टीका है
२७×१४	१३४	१४	४८	अपूर्ण/२८८२	–	द्वितीय अध्याय के चतुर्थ पाद तक शाकरभाष्य सहित
२९.५×१५	५४	११	४०	पूर्ण/७४२	–	
२५×११	५२	१२	४८	अपूर्ण/९३६	–	
११×११	३९६	७	४०	पूर्ण/३४६५	–	शिखरिणी छन्दो मे सटीक शिवमाहात्म्य, ग्रन्थकार तथा टीकाकार दोनो अज्ञात
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३ ५	–	
१७×११.७	२०	८	१६	अपूर्ण/८०	–	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४८	४३२४/२०१८	श्रीमद्वल्लभनामावली	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
२४९	४३२३/२०२२	श्रीविट्ठलेशाष्टोत्तरशत नामावली	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी
२५०	१७८५ ५/११८६	षट्चक्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५१	२३३३/१४०६	षट्चक्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५२	२६२२ ७/१४६७	सन्यासनिर्णय	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२५३	३०८० १६/१५९४	सन्यासनिर्णय	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२५४	५९३४/३०९२	सप्तपदार्थी	शिवादित्य मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
२५५	६०२८/३१६२	सप्तपदार्थी	शिवादित्य मिश्र	—	देसी कागज	नागरी
२५६	३३३१/१७२७	सत्यदर्शन	रम्मनजी	—	देसी कागज	नागरी
२५७	६२४७/३३६२	समासवाद	जयराम भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२५८	४३७५/२०३४	सर्वसिद्धान्त (सटीक)	—	राधारमणदास	देसी कागज	नागरी
२५९	१३०५/८७८	साख्यतत्त्वकौमुदी (सटीक)	ईश्वरकृष्ण	—	देसी कागज	नागरी
२६०	९११/१०११/७८३	साख्यसूत्र	कपिल	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१३.५	९	१०	१५	पूर्ण/४२	१८७४ वि०	
१६×१३.५	११	१०	१४	पूर्ण/४८	१८७४ वि०	
२५×३०	१	९	३२	पूर्ण/९	–	
२३×१०	५	७	३२	पूर्ण/३५	–	
२७×१६	३	१२	३२	पूर्ण/३६	–	
१६×१०	९	६	१५	पूर्ण/२५	१८४९ वि०	
२४ ४×१० ६	१४	११	३२	पूर्ण/१५४	१७२१ वि०	
२५ ५×१०.८	७	१५	६४	पूर्ण/२१०	१६१७ वि० (भाद्रपद कृष्ण ५)	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१२×१६.५	२०	८	११	पूर्ण/५५	–	
२५ १×१० ४	२५	१२	४०	पूर्ण/३४५	–	शब्दशक्ति के प्रसग मे न्यायशास्त्र के अन्तर्गत व्याकरण विषय का दार्शनिक पद्धति से विवेचन
३१ ५ ×१६ ६	२७७	१५	५२	अपूर्ण/७२८८	–	सभी भारतीय दर्शनो का सार सक्षेप मे वर्णित है। प्रथम तीन पत्र खण्डित है। साथ मे 'तत्त्वप्रकासिका' नामक टीका भी है
२८×१२	४२	१०	४८	अपूर्ण/६३०	–	
२६×११	६६	५	२४	पूर्ण/२४६	–	महर्षि कपिल प्रणीत प्रसिद्ध 'साख्यसूत्र' मूल रूप मे समुपलब्ध है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६१	३०८० १२/१५९४	सिद्धान्तचतु श्लोकी	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६२	२०६/१९७	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६३	२६२२ २/१४६७	सिद्धान्तमुक्तावली	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६४	२७५२/१५०१	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६५	३०८० ४/१५९४	सिद्धान्तमुक्तावली	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६६	३७१४/१८८१	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६७	६९१८/३९०७	सिद्धान्तमुक्तावली	विश्वनाथ पञ्चानन भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६८	२४६६/१४३३	सिद्धान्तरहस्य	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२६९	२५४७/१४५०	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७०	३०८० ७/१५९४	सिद्धान्तरहस्य	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७१	३७३८ ५/१९०४ १	सिद्धान्तरहस्य	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७२	२५०२ २/१४४४	सिद्धान्तविन्दु	शकराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७३	२६७६ ५/१४८५	सूक्तसारिणी	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	–
२५×११.५	६	९	३२	अपूर्ण/५४	–	–
२७×१६	२	१२	२४	पूर्ण/१८	–	–
२६×११ ३	१०४	११	३५	अपूर्ण/१२५१	–	–
१६×१०	८	६	१५	पूर्ण/२३	१८४९ वि०	–
२३.८×११	१४१	११	३२	अपूर्ण/१५५१	–	–
२५×११	१०९	११	२०	पूर्ण/७४९	–	–
१७×२९	२	१०	२०	पूर्ण/९	–	–
१५.७×१०.५	४	८	१६	पूर्ण/१६	–	–
१६×१०	५	६	१५	पूर्ण/१४	१८४९ वि०	–
३१×१७	३	९	१६	पूर्ण/१३	–	–
२१.५×१२.५	१	१०	५२	पूर्ण/१६	–	–
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३.५	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७४	३०८०/१८	सेवाफल	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७५	२६२१.१/१४६७	सेवाफल	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२७६	१३३८/८८५	हठप्रदीपिका	आत्माराम	—	देसी कागज	नागरी
२७७	२९५०/१५५३	हेत्वाभास	—	—	देसी कगज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/पूर्ण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	
२७×१६	२	१२	३२	अपूर्ण/२४	–	
३२ ४×१६-३	१२	२१	६४	पूर्ण/५०४	१८७५ वि०	पाँच अध्यायो के पूर्ण ग्रन्थ मे हठयोग की शिक्षाओ का सक्षेप मे प्रतिपादन किया गया है
३२×१३.३	१०	११	३६	पूर्ण/१२३		

उपनिषद् : गीता

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७८	१७५३/११५४	अर्जुनगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
२७९	६४५१/३५४०	अर्जुनगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०	३३८९/१७८०	अल्लोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
२८१	२८६३/१५२८	अवधूतगीता	दत्तात्रेय	–	देसी कागज	नागरी
२८२	३०९४/१५९६	अवधूतगीता	दत्तात्रेय	–	देसी कागज	नागरी
२८३	३२७७/१६५२	अवधूतगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
२८४	५९२५/३०८५	आत्मबोधोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
२८५	२७१३/१४९२	ईशावास्योपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६	३०६३/१५८९	ईशावास्योपनिषद्	–	निश्चलदास साधु	देसी कागज	नागरी
२८७	३०६५/१५८९	ईशावास्योपनिषद्	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
२८८	३२२३/१६३१	ईशोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९	३५८४ १/१८५५ १	ईशोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
२९०	३५८४ ३/१८५५ १	ईशोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×१०	१२	७	२४	अपूर्ण/६३	–	
१४×१२	९	८	१०	पूर्ण/२२	१९४० वि० (कार्त्तिक वदि २)	
४८×१२	१	२८	१२	पूर्ण/१० ५	–	
३०×१३	४०	९	३६	पूर्ण/४०५	१९२४ वि०	
२२ ५×१६	३०८	५	१०	पूर्ण/४८१	१९२० वि० (श्रावण कृष्ण १३)	
२२×१० ६	५०	९	२४	पूर्ण/३३७	१७८० वि० (भाद्र शुक्ल ७)	
२०×१० ४	३	७	२४	पूर्ण/१५	–	
२१ ५×१४	५	५	१०	पूर्ण/८	–	
१६×३२	७५	८	१७	पूर्ण/३१९	१९१७ वि०	निश्चलदास की तथा प्रज्ञानन्द की टिप्पणी से अलकृत 'ईशावास्योपनिपद्' प्रतिपादित है
१६×१२	२८	८	१५	पूर्ण/ १०५	१९१७ वि०	एक अज्ञातकर्तृक टीका से युक्त 'ईशावास्योपनिषद्' प्रतिपादित है
३३×२०	१४	८	३२	पूर्ण/११२	१९१९ वि०	सस्कृत टीका सहित
२१×११.३	३	१०	३१	पूर्ण/२६	–	–
२१×११ ३	४	१०	२०	पूर्ण/२५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२९१	५९३६/३०९४	उपनिपत्सग्रह	—	—	देमी कागज	नागरी
२९२	३२२९/१६३१	ऐतरेयोपनिपद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९३	३००२/१५६८	कठोपनिपद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९४	१७३०/११३१	कालाग्निरुद्रोपनिपद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९५	२३९४/१४०९	कालाग्निरुद्रोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९६	३८६४/१८१९	कालाग्निरुद्रोपनिपद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९७	५०९/५००/४५८	कालिकोपनिपद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९८	१७७१/११७२	कालिकोपनिपद्	—	—	देसी कागज	नागरी
२९९	३००३/१५६८	केनोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३००	६५७४/३६२५	कौलोपनिपद्भाष्य	भासुरानदनाथ	—	देसी कागज	नागरी
३०१	६०१७/३१५३	गणेशतापिनी	—	—	देसी कागज	नागरी
३०२	११४८/८२८	गीतागूढार्थदीपिका	मधुसूदन सरस्वती	—	देसी कागज	नागरी
३०३	४१५४/१९५४	गीताभाष्य	—	शकराचार्य (परमहस शकर भगवान)	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१९ ८×१० २	२५	८	२८	पूर्ण/१७५	–	–
३३×२०	१३	८	३२	पूर्ण/१०४	–	आत्मज्ञानविवेचक महत्त्वपूर्ण उपनिषद् सम्पूर्ण
३२×२०	२३	९	२२	पूर्ण/१४२	१९१८ वि०	आत्मस्वरूपनिरूपण
२०×१०	४	८	३२	अपूर्ण/३२	–	–
२०×८	१६	५	२८	पूर्ण/७०	–	–
२३×१३	६	१०	३२	पूर्ण/६०	–	–
१८×११	११	७	१६	पूर्ण/३७ ५	१८८० वि० १७४५ शाके	–
२२×११	५	८	२०	पूर्ण/२५	१९५९ वि०	–
३२×२०	७	९	३०	पूर्ण/५९	–	ब्रह्ममहिमानिरूपण
१९ ५×१०	१८	९	२०	पूर्ण/१०१	–	कुछ शैवतन्त्र से सम्बद्ध 'कौलोपनिपद्' पर भासुरानन्दनाथ-विरचित भाष्य
१९ ८×१०.३	१८	७	२८	पूर्ण/१००	–	
२७ ५×११.५	१०३४	११	३६	पूर्ण/१२७९६	१६४६ वि० (भाद्री वदि ८ वुधवासरे)	सम्पूर्ण गीता पर मधुसूदनी टीका, लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण
२७×१२ ५	३६२	११	२०	पूर्ण/२४८९	–	शकरभाष्यसहित सम्पूर्ण गीता

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३०४	२४०६/१४२१	गीतासार	—	—	देसी कागज	नागरी
३०५	९१६/९३३/७६८	गुरुगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३०६	३३२३/१७२९	गुरुगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३०७	८९८/९१५/७६४	गुरुगीतामाला	—	—	देसी कागज	नागरी
३०८	३००५/१५६८	छान्दोग्योपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३०९	३५८९/१८५५ १	ज्ञानगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३१०	३५८४ २/१८५५ १	तलवकारोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३११	३००८/१५६८	तैत्तिरीयोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१२	६२८७/३३८९	त्रिपुरोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१३	७६३६/४२८६	त्रिपुरोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३१४	१६२९/१०३३	देवीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३१५	३०१० १/१५७२	नारदगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३१६	१७५५/१५५६	नारायणउपनिषद् टीका	—	शकरानन्द	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×८ ५	१५	७	२०	पूर्ण/६५	–	सुचारु
१७×१३	३६	१०	१८	पूर्ण/२०२	१९०९ वि० (फाल्गुन)	
१६×१० ५	५६	६	१०	पूर्ण/१०५	–	
२४ ५×१२ ५	१७	११	३४	पूर्ण/१३६	१८४२ वि०	
३२×२०	१८१	९	२०	पूर्ण/१०१८	१९१७ वि०	ब्रह्मनिरूपण
१८.२×१• २	५	९	२१	पूर्ण/३०	–	
२१×११ ३	१	८	२९	अपूर्ण/७	–	
३२×२०	२५	११	२५	पूर्ण/ २४९	१९१७ वि०	शिक्षोपदेश, ब्रह्मोपदेश तथा अन्य विविधोपदेश
२०×१० ५	५	७	२०	पूर्ण/२२	–	–
२०×११	१२१	९	१५	पूर्ण/४७९	१८७४ वि० (वैशाख शुक्ल १४)	–
२१×११	५८	७	२७	अपूर्ण/३४२	–	–
१६×१०	३	८	१६	अपूर्ण/१२	–	–
२४×१४	६	१०	३२	अपूर्ण/६०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३१७	३०९५/१५९५	निरालकोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
३१८	५९७९/३१२२	नीलरुद्रोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
३१९	६४१८/३५१७	नृसिहोत्तरतापिन्युपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
३२०	३६/३१	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२१	२४९/२३८	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२२	४१४/३७५	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२३	४२२/३८१	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२४	५१२/५०३/४६१	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२५	५१०/५१९/४६८	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२६	१५४८/९५८	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२७	२८७९/१५३०	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२८	३०७८ ९/१५९३	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३२९	३३९१/१७८१	पाण्डवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१२	४	११	४०	अपूर्ण/५५	–	–
१९ ८×१० ३	५	७	२८	पूर्ण/३०	–	–
२०×१० ५	७९	७	२०	पूर्ण/३४५	–	–
१७ ६×१० ८	३३	७	१६	पूर्ण/११५	१८६८ वि० (वैशाख सुदि ९ सोमवार)	–
१२×२१	२१	१८	१३	पूर्ण/१५४	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्लपक्षे तिथौ ४ बुधवासरे)	–
१४×८	३०	७	२०	पूर्ण/ १९७	–	–
१७×९	३२	६	१८	पूर्ण/१०९	–	–
१९×१०	१३	१०	२४	पूर्ण/९७ ५	–	–
१५ ५×९ ५	३३	६	२०	पूर्ण/१२४	–	–
२३×११	२४	६	२४	पूर्ण/१०८	१८९३ वि०	
१८ ५×१४	२०	११	१६	पूर्ण/११०	–	
१० २×६ ६	४	६	१६	पूर्ण/१२	–	
१२×८ ५	५४	६	१	पूर्ण/१२२	–	

क्रम स०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३३०	४३१२/२०१७	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३१	७३९५/४१८४	पाण्डवगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३२	३००४/१५६८	प्रश्नोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३३३	३४१५ १/१८१५/१	प्रश्नोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३३४	३००६/१५६८	वृहदारण्यकोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
३३५	१८२८/१२२८	ब्रह्मगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३६	शो केस	भगवद्गीता (गोलाकार)	—	—	देसी कागज	नागरी
३३७	५६८/५७८/५२४	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३८	७९८/८१४/७१८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३३९	८२६/८४२/७३६	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४०	९१३/९३०/७६७	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४१	१०२०/७९४	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३४२	१२२३/८५४	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१० ५×८ ५	५२	६	१०	पूर्ण/९७	–	
१२×८ ५	३७	६	१६	पूर्ण/११३	–	
३२×२०	१४	११	२५	पूर्ण/१२	१९१७ वि०	ब्रह्मज्ञान निरूपण
२५×१२	८	७	३२	अपूर्ण/५६	–	
३२×२०	२२६	९	१८	पूर्ण/११४४	१९१८ वि०	आत्मा एव ब्रह्म के स्वरूप का विवेचन
२६ ५×१६	२५७	५ (पत्र सख्या २से१० तक ८ पक्ति)	२९	अपूर्ण/११६५		
२६ ५×२६ ५	१	–	–	पूर्ण	नागरी	
१५ ५×९	५४	१०	२४	अपूर्ण/५१०	–	
१६ ५×१०	१७६	७	२४	पूर्ण/९२४	१८२८वि० (ज्येष्ठ)	
१५.५×६	३१०	७	१८	पूर्ण /८६४	१७९० वि० (८ पौष मासे शुक्ल पक्षे)	
२२×१२ ५	९७	११	२६	पूर्ण/८६७	–	
२८×१२	९८	८	२९	पूर्ण/७१०	१७२७ वि० (पौष मासे तिथौ ११)	सम्पूर्ण गीता मूलमात्र
३०×१५	१८२	१६	४८	पूर्ण/४३९२	१७५० वि०	पाञ्चौलाचार्य की टीका के साथ सम्पूर्ण गीता, केवल प्रथम दो श्लोको से खण्डित

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३४३	१२२४/८५४	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी कृत सुबोधिनी टीका	देसी कागज	नागरी
३४४	१५६१/९७१	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३४५	१८३१/१२३१	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३४६	२४४२/१४३१	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३४७	२५६०/१४५६	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३४८	२६५२/१४७७	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३४९	२६५५/१४७९	भगवद्गीता	–	स्वामी प्रज्ञानानन्द सरस्वती	देसी कागज	नागरी
३५०	२७१४/१४९२	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३५१	२७१४ १/१४९२	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३५२	२७५९/१५०४	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३५३	२७६३/१५०६	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३५४	२७३१/१५२१	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३५५	२८६५/१५२८	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी कृत सुबोधिनी टीका	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३१×१६	२४६	१०	४८	पूर्ण/३६९०	१८८८ वि०	श्रीधर स्वामी की सुबोधिनी व्याख्या सहित
१७ ८×११.२	१६	६	१६	पूर्ण/४८	–	दशम अध्याय
१४×१२	१६६	१०	१६	पूर्ण/८३०	१८८६ वि०	
२१ ३×९.७	११४	८	२४	अपूर्ण/६८४	–	
२२×१० ५	९	८	२९	पूर्ण/ ६५	–	दशम अध्याय
१९ ७×९.८	७४	८	२४	अपूर्ण/४४७	–	
१६ ३/२०.५	२१२	११	१२	पूर्ण/८७५	१९७१ वि०	सटिप्पण
२०×१५	४२६	७	८	अपूर्ण/७४५	१९१७ वि०	
२१ ५×१४	३८	८	२०	अपूर्ण/१९०	–	प्रथम अध्याय, सटीक
२८×१२	२२९	१२	३०	अपूर्ण/२५७६	–	प्रसिद्ध श्रीधरी टीका सहित, जीर्ण
३१×१६	७६	११	३२	अपूर्ण/७६	१९६० वि० (वैशाख सुदी ११ गुरुवार)	श्रीधरी टीका सहित गीता, बीच मे १९ से ११० तक के पत्र खण्डित
१३ ५/×७.८	५३०	४	१२	अपूर्ण/७९५	–	
३०×१६	२१८	१२	४०	अपूर्ण/३२७०	–	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३५६	२९९३/१५६६	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३५७	३०२६/१५७७	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३५८	३०४५/१५८२	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३५९	३०४८/१५८३	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३६०	३०६४/१५८९	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३६१	३०७९/१५९३	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३६२	३१०१/१६००	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६३	३१०७/१६०१	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६४	३१३४/१६१३	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३६५	३२०० १/१६२५	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६६	३२२६/१६३१	भगवद्गीता	–	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३६७	३२६४/१६४९	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३६८	३२७६/१६५२	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५ ५×१०	३०६	६	१४	पूर्ण/८०३	–	सुचारु
११×९	२४४	७	१२	अपूर्ण/६४०	–	–
११ ५×९ ५	२७१	७	१५ औसत	पूर्ण/८५८	१९४४ वि०	–
१५×१२.५	११९	११	१५	अपूर्ण/६१३	१८३२ वि० (फाल्गुनकृष्ण अमावस्या सोमवार)	
११.८×७ ५	२९६	६	१५	पूर्ण/८३३	–	
१३ ३×५ ७	२००	५	२०	अपूर्ण/६२५	–	
३३×१४	२७५	१०	३६	पूर्ण/३०९३	१७६० वि० (पौष शुक्ल ५ सोमवार)	गीता पर श्रीधर स्वामी की टीका का गुजराती अनुवाद
२७×१३	१८८	११	४०	अपूर्ण/२५८५	–	द्वादश अध्याय तक सुबोधिनी टीका सहित
२७×११	२४	८	२०	अपूर्ण/१२०		
३३×१६ २	२४७	११	४४	पूर्ण/३७४०	१८८२ वि० (भाद्रपद कृष्ण १३)	श्रीधर स्वामी कृत सुबोधनी टीका सहित सम्पूर्ण गीता प्रतिपादित है
३३×२०	४२८	१०	२४	पूर्ण/३२२०	–	श्रीधरी टीका सहित सम्पूर्ण ग्रन्थ
११ ५×७	३४२	६	१४	अपूर्ण/८९७	–	–
१८×९	८५	८	३२	पूर्ण/६८०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३६९	३३०५/१७०३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७०	३४०८/१७९४	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३७१	३४०८ १/१८०८ १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७२	३४८२ १/१८३० १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७३	३४८४/१८३० १	भगवद्गीता	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
३७४	३५४८/१८४६	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७५	३६११/१८५९ १	भगवद्गीता	—	श्रीधर स्वामी	देसी कागज	नागरी
३७६	३८१० २/१९३९ १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७७	४०८७/१९४१	भगवद्गीता	—	बालकृष्ण दास	देसी कागज	नागरी
३७८	४२४६/१९८५	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३७९	४२४७ १/१९८६ १	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८०	३९०१ १/१९९१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८१	३९२२ १/२००८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५ ५×९	३६	५	१०	अपूर्ण/५६	—	—
१९×१५	३०९	१५ (अनियमित)	२९	अपूर्ण/४२००	—	सटीक
२२×११	५२	८	२८	अपूर्ण/३६४	—	—
२०×१६	२८	७	९	अपूर्ण/५५	—	—
२८ ७×२०	२०	११	३० औसत	पूर्ण/२०६	—	भाषाटीका
१४ ७×९ ४	२०१	७	२०	पूर्ण/८७९	—	—
२६ ६×१३ ३	९२	१२	४०	अपूर्ण/१२८०	—	सटीक
२० ७×१० ७	६२	८	२४	अपूर्ण/३७२	—	—
३७×१९ ५	३६०	१५	२०	अपूर्ण/३३७५	—	निम्बार्क मतानुयायी श्री बालकृष्ण दास कृत टीका सहित अट्ठारहवें अध्याय के ६६वे श्लोक तक प्राप्त।
१२×७	२४५	६	१०	पूर्ण/४६०	—	—
२० ५×१४	२४५	७	१०	पूर्ण/४६०	—	—
१८ ५×१०.८	५०	८	२०	अपूर्ण/२५०	—	—
२२×११	४४	११	३२	अपूर्ण/४८४	—	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३८२	४३३१/२०२१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८३	४३३४/२०२१	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८४	६०११/३१४७	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८५	६४०६/३५०५	भगवद्गीता	—	राकेस ? (वीकानेर)	देसी कागज	नागरी
३८६	६५२२/३६०६	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८७	६५३९/३६१४ २	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८८	६५४०/३६१४ ३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३८९	६५५१/३६१४ ९	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९०	६९६७/३९१९	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९१	७१४७/४०२३	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९२	७३३५/४१४८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९३	७३८८/४१७८	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी
३९४	७५७६/४२५२	भगवद्गीता	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४ ५×११	२२४	८	१०	पूर्ण/५६०	१८८६ वि० (चैत्र कृष्ण तृतीया)	–
१५५.×११ ५	३०६	७	१०	पूर्ण/६६९	–	–
१२ ६×१०.३	१८४	७	२०	पूर्ण/८०५	–	–
२६×११	८५	१४	३०	पूर्ण/१११५	१९२५ वि० (फाल्गुन वदि ५ गुरुवार)	सटीक सम्पूर्ण गीता का दोहो मे पद्यानुवाद
२३.५×१० ५	१५७	६	२०	पूर्ण/५८९	–	–
१८×१० ५	१६६	६	१५	अपूर्ण/४६७	१७२६ वि०	–
१०×७	१२८	६	२०	पूर्ण/४८०	११७७ स०	–
२०×११	१२	९	२०	अपूर्ण/६७५	–	–
२४×१५.५	५८	१२	२०	अपूर्ण/ ४३५	–	सटीक
२० ५×१०.५	१४८	७	१५	पूर्ण/४८५	–	–
२२ २×१० ५	१३५	७	२५	पूर्ण/७३८	–	–
१४.५×८ २	३६	४	९	अपूर्ण/४६	–	–
२१×९ १	१२६	९	२४	पूर्ण/८५०	१८१२ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
३९५	७५९१/४२६१	भगवद्गीता	–	–	देसी कागज	नागरी
३९६	३७८५ १/१९३०.१	भावनोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
३९७	२९९९/१५६८	माण्डूक्योपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
३९८	५८८६/३०५३	माण्डूक्योपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
३९९	३२२२/१६३१	मुक्तिकोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
४००	३००१/१५६८	मुण्डकोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
४०१	३४१४.१/१८१४ १	मुण्डकोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
४०२	३५८४/१८५५ १	मुण्डकोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
४०३	२६१४/१४३६	रामगीता	–	महीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४०४	६४२१/३५२०	रामगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४०५	२३/२७	रामचन्द्रोत्तरतापवीयो-पनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
४०६	५९९३/३११९	रामतापनी	–	–	देसी कागज	नागरी
४०७	३३३५/१७३१	रामतापनी उपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८.७×१०.६	१५	८	१८	अपूर्ण/६८	—	—
१७×९	६	९	१५	पूर्ण/२५	—	—
३२×२०	८	९	२०	पूर्ण/४५	१९१८ वि०	जाग्रत-स्वप्नादि अवस्थाओं तथा प्रणव आदि का विवेचन
१९.८×१०.८	८	८	३०	पूर्ण/६०	—	—
३३×२०	३८	८	१८	पूर्ण/१७१	१९१७ वि०	—
३२×२०	११	११	२५	पूर्ण/९४	१९१७ वि०	सप्रपञ्च ब्रह्मनिरूपण
२५×११	९	७	३२	अपूर्ण/६३	—	—
२१×११.३	२	१०	२९	पूर्ण/१८	—	—
१९×१२	६०	८	२०	पूर्ण/३००	—	ग्रन्थ सटीक है
१३×१०.५	२५	७	१५	पूर्ण/८२	—	—
२४×१०	१५	७	३६	पूर्ण/१०१	—	—
१९.८×१०.३	३३	७	२४	पूर्ण/१७३	—	—
२६.५×११.५	१८	८	३३	अपूर्ण/१४९	—	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४०८	१६७५/१०७९	रुद्राक्ष उपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
४०९	२७०७/१४९१	वज्रसूचिकोपनिषद्	शकराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
४१०	१६०७/१०१२	शिवगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४११	४२६२/२००२	शिवगीता	–	वेंकटाद्रिनायक	देसी कागज	नागरी
४१२	४५६/४४७/४१५	श्यामोपनिषद्	–	–	देसी कागज	नागरी
४१३	३४८३/१८३० १	श्रुतिगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४१४	१०३/९५	सप्तश्लोकीगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४१५	२५१ १/२३८	सप्तश्लोकीगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४१६	२६४/२४८	सप्तश्लोकीगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४१७	२८३/३६१	सप्तश्लोकीगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४१८	४१६ १/३७५	सप्तश्लोकीगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४१९	५७२/५८२/५२६	सप्तश्लोकीगीता	–	–	देसी कागज	नागरी
४२०	९२५/९४२ ३/७६८	सप्तश्लोकीगीता	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७ ५×१२	९	१०	३२	पूर्ण /९०	–	रुद्राक्ष विषयक विस्तृत ज्ञान देनेवाली उपनिषद्, सुचारु
२८ ५×१४.५	६	१२	४०	पूर्ण/९०	–	–
२५×११	७७	८	३०	अपूर्ण/५७७	–	–
३४×१७ ५	२४०	११	३०	पूर्ण/२४७५	१८९१ वि०	पद्मपुराण मे निरूपित शिवराघवसवाद-रूप १६ अध्यायो की शिवगीता, साथ मे वेंकटाद्रिनायककृत टीका भी
२०.५/×११	५	८	२०	पूर्ण/२५	१८९९ वि०	–
२० ५×१७	५६	९	१४	पूर्ण/२२१	–	–
२१×११ ५	२	९	१७	पूर्ण/९	–	–
१२×२१	२	१८	१३	पूर्ण/१४	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्लपक्षे तिथौ ४ बुधवासरे)	–
१२.५×८.५	३	७	१६	अपूर्ण/१०	–	–
१७×११	३	८	१६	पूर्ण/१२	१९२६ वि० (जेष्ठ शुक्ल ७ बुधौ)	–
१४×८	४	७	२०	पूर्ण/१७	–	–
१७×१२	४	७	१८	पूर्ण/१६	–	–
१५×११.५	३	८	१६	पूर्ण/१२	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४२१	२८८७/१५३०	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२२	३०७८.१/१५९३	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२३	३३१५/१७११	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२४	३३९४.१/१७८१	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२५	३५९१/१८५५ १	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२६	३८९२ ७/१९४० १	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२७	४२४६ ४/१९५५	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२८	३८४३ १/१९६० १	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४२९	३९५७.२/२०१७.१	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४३०	४३३७/२०२२	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४३१	२३४/५३८	सप्तश्लोकीगीता	—	—	देसी कागज	नागरी
४३२	३२१४/१६२६	सर्वसारोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४३३	३२४/१६३१	सर्वोपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी
४३४	३६३७ ३/२०१०.१	सुन्दरतापिनी उपनिषद्	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८ ५×१४	३	१०	१६	पूर्ण/१५	–	–
१० २×६ ६	५	६	१६	पूर्ण/१५	–	–
१७ ३×९	४	५	१८	पूर्ण/११	१८७७ वि० (वैशाख शुक्ल १५)	–
१२×८ ५	५	६	१२	पूर्ण/११	–	–
१६×९ ३	३	८	१९	पूर्ण/१४	–	–
१६ ८×२१	६	१२	१०	अपूर्ण/२२	–	–
१५ ८×१३	४	६	१५	पूर्ण/११	–	–
१२×६	४	५	१६	पूर्ण/१०	–	–
१३×१०	३	७	१०	पूर्ण/८	–	–
१६×११	३	८	१७	पूर्ण/१३	–	–
१३.४×७ ८	५	६	१६	पूर्ण/१५	–	–
२१×९ ५	११	५	२४	पूर्ण/४१	१९१२ वि०	–
३३×२०	८	८	२०	अपूर्ण/४०	१९१७ वि०	–
२२×१३	८	१६	३२	पूर्ण/१२८	–	–

पुराण : इतिहास

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४३५	१३५५/८६२	अग्निपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४३६	१३५६/८६२	अग्निपुराणसूची	चन्द्र शेखर	—	देसी कागज	नागरी
४३७	२४७७/१४३९	इतिहाससमुच्चय	—	—	देसी कागज	नागरी
४३८	३२८८.२/१६५६	इतिहाससमुच्चय	—	—	देसी कागज	नागरी
४३९	३७०१/१८७७	इतिहास समुच्चय	—	—	देसी कागज	नागरी
४४०	५७०.४/५८०.५२६	एकश्लोकीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४४१	३०७८.४/१५९३	एकश्लोकीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४४२	३८९२.२/१९४०.१	एकश्लोकीभागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४४३	१३१६/८८१	कल्किपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४४	१२५०/८६३	कालिकापुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४५	४०७९.४२/१९३६	क्षत्रियगोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
४४६	१०१३/७९१	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४७	१२४८/८३२	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३५×१८	८७३	११	३१	पूर्ण/११३३७	१६३५ वि०	अग्निपुराण संस्कृत का विश्वकोष-सा है। इसमे सस्कृत वाड्मय के सभी विषय सगृहीत हैं। ग्रन्थपूर्ण प्राप्त है
३४×१८	१५	–	–	पूर्ण/	–	आठ पत्रो मे अग्निपुराण की विषय सूची दी गई है। यह अग्निपुराण के अध्ययन मे सहायक ग्रन्थ है
२६×१२ ५	१५०	११	३२	अपूर्ण/१६५०	–	–
२२.८×१५ २	५२	१२	२०	अपूर्ण/३६०	–	–
२६×१५ ५	७८	१२	२०	अपूर्ण/५८५	–	–
१७×१२	२	५	१६	पूर्ण/५	–	–
१०.२×६ ६	३	६	१६	पूर्ण/६	–	–
१६ ८×२१	२	१३	१०	पूर्ण/८	–	–
२३×१४	१२१	१०	४८	पूर्ण/१८१५	१९२४ वि०	–
३४×१७.५	६२६	११	१५	पूर्ण/७५३२	–	अस्सी अध्यायो मे पूर्ण इस पुराण में कालिकामाहात्म्य तथा अन्य आनुषगिक राजनीति, सदाचारादि का भी वर्णन किया गया है
२५×३०	२	३२	४०	अपूर्ण/८०	–	–
२६.५×१६	८५	१०	२४	अपूर्ण/६३७	–	–
३०×१६	९६	१२	३२	पूर्ण/११५२	१६६७ वि०	३३ अध्यायो मे प्रेतकल्प विषय प्रतिपादित है। लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४४८	१२६४/८६६	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४४९	१४७३/९४१	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५०	२४२३/१४२७	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५१	२८५६/१५२७	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५२	२४१६/१/१८१६.१	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५३	६८७५/३८९३	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५४	७३७५/४१७८	गरुडपुराण	—	—	देसी कागज	नागरी
४५५	१३५१/२१२७	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५६	४०/३५	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५७	१०३.१/९५	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५८	२५१/२३८	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४५९	२६३/२४८	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
४६०	३३९४/१७८१	चतुःश्लोकी भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३३×१६ ५	१०८	१५	१६	अपूर्ण/१३१७	–	–
३०×१२	११८	९	४०	पूर्ण/१२३२.५	१८९६ वि०	–
२९×१३.५	१०६	११	४०	पूर्ण/१४५७ ५	१८३२ वि० (शाके१६९६)	–
२७×१२ ५	१११	१०	३८	पूर्ण/१३१८	१८०५ वि०	–
२४×१३	३२	१०	२७	अपूर्ण/२७०	–	–
३१×१५	१४९	१२	३०	पूर्ण/१६७६	१८८९ वि० (फाल्गुन सुदि २)	–
२४ ६×१३	६	१०	३०	अपूर्ण/५६	–	–
१३ ४×७.८	४	६	१६	पूर्ण/१२	–	–
१६×१० ३	३	७	१६	पूर्ण/१०	–	–
२१×११ ५	२	९	३०	पूर्ण/१७	–	–
१२×२१	२	१८	१३	पूर्ण/१४	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्ल पक्षे तिथौ ४ बुधवासरे)	–
१२ ५×८ ५	३	७	१७	अपूर्ण/११	१८१६ वि० (३वदि मगलवार)	–
१२×८.५	४	६	१२	पूर्ण/९	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४६१	९२५/९४२.८/७६८	चतुःश्लोकी भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४६२	२७७१/१५०८	चतुःश्लोकी भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४६३	२८८६/१५३०	चतुःश्लोकी भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४६४	३०७८.२/१५९३	चतुःश्लोकी भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४६५	३८४२ २/१९६० १	चतुःश्लोकी भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४६६	४०७९ ४१/१९३६	चित्रगुप्तवशावली	–	–	देसी कागज	नागरी
४६७	१२७६/८७२	देवीभागवत	–	नीलकण्ठ	देसी कागज	नागरी
४६८	१३११/९०७	देवीभागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४६९	१३५३/९२२	देवीभागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४७०	१४७७/९२४	देवीभागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४७१	१७९८/११९९	पद्मपुराण	–	–	देसी कागज	नागरी
४७२	२४७५/१४३९	पद्मपुराण	–	–	देसी कागज	नागरी
४७३	१३५७/८९३	ब्रह्मवैवर्तपुराण	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×११.५	३	८	१६	पूर्ण/१२	१६०६ (मीति ज्येष्ठ १ बुधवार)	–
१६ ५×१० २	१२	३	८	पूर्ण/९	–	–
१८ ५×१४	२	१०	१६	पूर्ण/१०	–	–
१० २×६ ६	४	६	१६	पूर्ण/१२	–	–
१२×६	१	५	१६	अपूर्ण /२ ५	१८७६ वि०	–
२५×३०	१	८	४०	अपूर्ण/१०	–	–
३५×१८	५७३	१८	४५	पूर्ण/१४५०२	–	१२ स्कन्धो मे पूर्ण देवी के विराट् स्वरूप एवं महान् चरित का गान करने वाला पुराण है। साथ मे नीलकण्ठ की तिलकाख्य व्याख्या भी है
३४×१७	६६०	१३	४८	अपूर्ण/१९३०५	–	–
३५×३८	२९६	१०	४०	पूर्ण/३७००	–	सप्तमस्कन्ध तक नीलकण्ठविरचित तिलक-टीका सहित
३५ ६×१८ २	२९	१२	४८	अपूर्ण/५२२	–	सटीक
३०×१५	७९	१३	३०	अपूर्ण/६६३	१८६६ वि० (सावन पु०)	–
३०×१६	३८६	११	४०	पूर्ण/५०३०८	१८९९ वि०	६८ अध्यायो मे पूर्ण पद्मपुराण उपनिबद्ध है
४२×१६	५६८	१०	६८	पूर्ण/११६९५	१८९१ वि०	१३२ अध्यायो का एक प्रसिद्ध विष्णुपरक पुराण है। ग्रन्थ दीमक लग जाने से जीर्ण हो गया है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४७४	२४५०/१४३३	भविष्यपुराण	–	–	देसी कागज	नागरी
४७५	७०३१/३९६३	भविष्योत्तरपुराण	–	–	देसी कागज	नागरी
४७६	(शो केस)	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४७७	१२५९/८६७	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४७८	१२७५/८७१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४७९	१३३९/८८५	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४८०	१५०२ १/९३०	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४८१	२५०३/१४४४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४८२	२९७३/१५५६	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८३	३१६४.६/१६१९	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४८४	३१८६/१६२३	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४८५	३२०३/१६२	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३० × १५	१४	२०	३८	अपूर्ण/३३३	–	
२५×१०	२३८	११	२०	अपूर्ण/ १६३६	–	
२०७०×१४५	१	–	–	पूर्ण/कुण्डल्याकार	१८वी शती	सचित्र
३१×१५	२०८४	८	४०	अपूर्ण/२०८४०	१८६९ वि०	सटीक
३७×२०	३८२	११	४३	अपूर्ण/५६४६	–	नारद और महादेव-सम्वाद के माध्यम से देवीमाहात्म्य का प्रतिपादन ८१ अध्यायो मे किया गया है । यह एक नूतन कृति-सी प्रतीत होती है—यह न तो प्रसिद्ध श्रीमद्भागवत है और न देवीपुराण ही
३५×१५ ४	३८	१०	३६	अपूर्ण/४२१	–	
३२×१४	२७	१४	४८	अपूर्ण/५६७	–	
२९ ५×१३	४५२	१२	४६	अपूर्ण/७७९७	–	
३०×१६.५	९५४	१३	४१	अपूर्ण/१५८९	–	श्रीधरस्वामीकृत टीका सहित भागवत-पुराण के प्रथम पांच स्कन्ध प्रतिपादित हैं—द्वितीय स्कन्ध भी खण्डित है ।
३७ ४×१७ ३	३६	१५	५२	अपूर्ण/८७७	–	दशम स्कन्ध का सटीक, ८७वाँ अध्याय पूर्ण एव ८८वे के केवल पाँच श्लोक
२५ २×११	१६८	१०	३६	अपूर्ण/११००	–	–
३४×१५ ५	१२९५	१४	५०	अपूर्ण/२८३२८	१८३७ वि० १७०२ शक	इसमे भागवत पुराण के छठे से १२वें स्कन्ध तक के अश सगृहीत है । साथ मे श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' टीका भी है

११

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४८६	३५३४/१८४१.१	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८७	३९६५/१९२५	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८८	४३११ १/२०१६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४८९	६८९६/३८९६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९०	६९९६/३९४५	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९१	७१३२/४००९	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९२	७३१६/४१३६	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९३	७३१६.१/४१३६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९४	७३५२/४१६३	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९५	३८१४ १/१९४१ १	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९६	३४५५ १/१८२७	भागवत	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
४९७	३५२८/१८३९ १	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९८	२३४२/१४०९	भागवत	–	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३६×१८ ४	३५६	१४	४८	पूर्ण/७४७६	–	श्रीधरस्वामीकृत 'भावार्थदीपिका' टीका-सहित भागवतपुराण का नवम एवं दशम स्कन्ध मात्र
३२×१६	१३१३	११	२०	पूर्ण/९०२७	–	प्रथम से नवम स्कन्ध तक 'भावार्थ-दीपिका' टीका-सहित
१७×१०.७	१६	८	२०	पूर्ण/८०	–	–
२३×१५	९४	११	२०	अपूर्ण/ ६४६	–	–
२६×१५	३०	११	३०	अपूर्ण/३०६	–	–
३३×१६	३१६	१४	३०	अपूर्ण/४१४७	–	सटीक
३६.५×११.५	२५८०	१३	४८	अपूर्ण/५०४४०	१८७६ वि० (वैशाषशुक्ल५)	सटीक
३७.५×१८.५	१०८४	१२	२०	पूर्ण/१३७५५	–	सटीक
४०×१७	२५४	१२	५४	पूर्ण/५१४८	–	–
२४ ७×१०.९	३६	१०	३६	अपूर्ण/४०५	१६६९ वि०	प्रथम स्कन्ध। लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
३५×१७	३१	१३	५४	अपूर्ण/६८०	–	द्वितीय स्कन्ध, सटीक
३४×१७	२५	१३	४०	अपूर्ण/४०६	–	द्वितीय स्कन्ध, सटीक
३४.५×१७ ५	२१५	१२	५०	पूर्ण/४०३१	१८१७ वि०	श्रीधरीव्याख्या सहित 'श्रीमद्भागवत पुराण' का तृतीय स्कन्ध है

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४९९	२५८३/१४६१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५००	३२०१.१/१६२५	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०१	१३४५/८८७	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०२	१४८९/९२८	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०३	२३४३/१४०९	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०४	२४३४/१४२९	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०५	३४४९.१/१८२६ १	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०६	३४५४ १/१८२७.१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०७	६९९२/३९४४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०८	१२७४/८७०	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५०९	३७०३.१/१८७८.१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५१०	३८४९.१/१९६४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५११	२३४३/१४०९	भागवत	–	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३ ५×१३	२७४	८	२५	पूर्ण/१७१२	–	तृतीय स्कन्ध ३३, अध्यायो मे सम्पूर्ण स्कन्ध मूल मात्र
३४ ५×१६	१०३	११	५६	अपूर्ण/१९८२	–	तृतीय स्कन्ध
३३×१५	१९६	१०	४०	अपूर्ण/२४५०	–	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४६	–	चतुर्थ स्कन्ध, आदि-अन्त मे खण्डित कुल १५ अध्याय मात्र। प्राचीन है
३४×१७ २	५७	१४	५०	अपूर्ण/१२४७	–	चतुर्थ स्कन्ध, सटीक
२७×१३.५	४५	९	२८	अपूर्ण/३५४	–	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	४२	११	३२	अपूर्ण/४६२	–	चतुर्थ, दशम स्कन्ध सटीक
३६ ५×१७ ३	४२	१५	५०	अपूर्ण/९८४	–	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१६ ५	३२	१६	३५	अपूर्ण/५६०	–	चतुर्थ स्कन्ध
३७×१६	१६६	१२	५०	पूर्ण/३११३	१६३८ वि०	श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' से युक्त, श्रीमद्भागवतपुराण का पञ्चम स्कन्ध है
३४×१८	२१०	१२	२०	पूर्ण/१५७५	–	पञ्चमस्कन्ध, सटीक
३२×१६	८९	१७	३०	अपूर्ण/१४१८	–	पञ्चम स्कन्ध, सटीक
३४ ५×१६ ५	१२४	१५	४८	पूर्ण/२६९०	–	श्रीधरी व्याख्या सहित श्रीमद्भागवत-पुराण का षष्ठ स्कन्ध है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५१२	२९४२/१५५१	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१३	४०९९/१९४५	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५१४	२६२/२४८	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५१५	२९४०/१५५१	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१६	१६९१.९/१०९४.२	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५१७	२६१५/१४६७	भागवत	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
५१८	२६१७.३/१४६७	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५१९	३४२०.१/१८२०.१	भागवत	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
५२०	३४५२.१/१८२७.१	भागवत	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२१	३२२२/१८३९.१	भागवत	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२२	३६२५/१८६१.१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५२३	३९३८.१/२०११	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५२४	४३१३/२०१७	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३४×१७	१३०	१४	३६	पूर्ण/२०४७	१८१९ वि०	सम्पूर्ण सप्तम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३८×१४ १	२६	९	४३	अपूर्ण/३१४	–	सप्तम स्कन्ध
१२ ५×८ ५	१९	६	१४	पूर्ण/४९	–	अष्टम स्कन्ध
३४×१७	१५६	१३	४०	पूर्ण/२५३५	१८९९ वि०	सम्पूर्ण अष्टम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३४.२×१४	१२	१२	६२	अपूर्ण/२७९	–	दशम स्कन्ध, सटीक
२७×१६	६	१२	३२	पूर्ण/७२	–	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
२७×१६	७३	१२	३२	पूर्ण/८७६	–	दशम स्कन्ध
२०×११	१८	१०	२४	अपूर्ण/१३५	–	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
३२.५×१४.२	१२०	११	५०	अपूर्ण/२०६३	–	दशम स्कन्ध, सटीक
३४×१६	९७	१५	५०	अपूर्ण/२२७३	–	दशम स्कन्ध, सटीक
१४×१२	५४	९	१०	पूर्ण/१५२	–	दशम स्कन्ध
२८.५×१२	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४४	–	दशम स्कन्ध, अतिजीर्ण
१० ५×८५	५८	५	१०	अपूर्ण/ ९०	–	दशम स्कन्ध

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५२५	४३७२/२०३३	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५२६	६८७७/३८९३	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५२७	२४१४/१४२४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५२८	२५८२/१४६१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५२९	३९१४.१/१९९६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५३०	७००३/३९४६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५३१	४०७९ २९/१९३६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५३२	३०८०.३४/१५९४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५३३	३४२५.१/१८२५.१	भागवतदीपिका	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
५३४	३०८०.३२/१५९४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५३५	४३११/२०१६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५३६	२३४१/१४०९	भागवत	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५३७	३०८०.१/१५९४	भागवत-भ्रमरगीत	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३०×१५	१४	२०	३८	अपूर्ण/३३३	—	
२५×१०	२३८	११	२०	अपूर्ण/ १६३६	—	
२०७०×१४.५	१	—	—	पूर्ण/कुण्डल्याकार	१८वी शती	सचित्र
३१×१५	२०८४	८	४०	अपूर्ण/२०८४०	१८६९ वि०	सटीक
३७×२०	३८२	११	४३	अपूर्ण/५६४६	—	नारद और महादेव-सम्वाद के माध्यम से देवीमाहात्म्य का प्रतिपादन ८१ अध्यायो मे किया गया है। यह एक नूतन कृति-सी प्रतीत होती है—यह न तो प्रसिद्ध श्रीमद्भागवत है और न देवीपुराण ही
३५×१५ ४	३८	१०	३६	अपूर्ण/४२१	—	
३२×१४	२७	१४	४८	अपूर्ण/५६७	—	
२९ ५×१३	४५२	१२	४६	अपूर्ण/७७९७	—	
३०×१६.५	९५४	१३	४१	अपूर्ण/१५८९	—	श्रीधरस्वामीकृत टीका सहित भागवत-पुराण के प्रथम पाँच स्कन्ध प्रतिपादित है—द्वितीय स्कन्ध भी खण्डित है।
३७ ४×१७ ३	३६	१५	५२	अपूर्ण/८७७	—	दशम स्कन्ध का सटीक, ८७वाँ अध्याय पूर्ण एव ८८वे के केवल पाँच श्लोक
२५ २×११	१६८	१०	३६	अपूर्ण/११००	—	—
३४×१५ ५	१२९५	१४	५०	अपूर्ण/२८३२८	१८३७ वि० १७०२ शक	इसमे भागवत पुराण के छठे से १२वें स्कन्ध तक के अश सगृहीत है। साथ मे श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' टीका भी है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४८६	३५३४/१८४१.१	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८७	३९६५/१९२५	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४८८	४३११ १/२०१६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४८९	६८९६/३८९६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९०	६९९६/३९४५	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९१	७१३२/४००९	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९२	७३१६/४१३६	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९३	७३१६.१/४१३६	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९४	७३५२/४१६३	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
४९५	३८१४ १/ १९४१ १	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९६	३४५५ १/१८२७	भागवत	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
४९७	३५२८/१८३९ १	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
४९८	२३४२/१४०९	भागवत	–	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३६×१८ ४	३५६	१४	४८	पूर्ण/७४७६	–	श्रीधरस्वामीकृत 'भावार्थदीपिका' टीका-सहित भागवतपुराण का नवम एव दशम स्कन्ध मात्र
३२×१६	१३१३	११	२०	पूर्ण/९०२७	–	प्रथम से नवम स्कन्ध तक 'भावार्थ-दीपिका' टीका-सहित
१७×१०.७	१६	८	२०	पूर्ण/८०	–	–
२३×१५	९४	११	२०	अपूर्ण/ ६४६	–	–
२६×१५	३०	११	३०	अपूर्ण/३०६	–	–
३३×१६	३१६	१४	३०	अपूर्ण/४१४७	–	सटीक
३६.५×११.५	२५८०	१३	४८	अपूर्ण/५०४४०	१८७६ वि० (वैशाखशुक्ल ५)	सटीक
३७ ५×१८.५	१०८४	१२	२०	पूर्ण/१३७५५	–	सटीक
४०×१७	२५४	१२	५४	पूर्ण/५१४८	–	–
२४ ७×१० ९	३६	१०	३६	अपूर्ण/४०५	१६६९ वि०	प्रथम स्कन्ध। लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
३५×१७	३१	१३	५४	अपूर्ण/६८०	–	द्वितीय स्कन्ध, सटीक
३४×१७	२५	१३	४०	अपूर्ण/४०६	–	द्वितीय स्कन्ध, सटीक
३४ ५×१७.५	२१५	१२	५०	पूर्ण/४०३१	१८१७ वि०	श्रीधरीव्याख्या सहित 'श्रीमद्भागवत पुराण' का तृतीय स्कन्ध है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
४९९	२५८३/१४६१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५००	३२०१.१/१६२५	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०१	१३४५/८८७	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०२	१४८९/९२८	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०३	२३४३/१४०९	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०४	२४३४/१४२९	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०५	३४४९.१/१८२६ १	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०६	३४५४ १/१८२७.१	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०७	६९९२/३९४४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५०८	१२७४/८७०	भागवत	–	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५०९	३७०३.१/१८७८ १	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५१०	३८४९.१/१९६४	भागवत	–	–	देसी कागज	नागरी
५११	२३४३/१४०९	भागवत	–	श्रीधराचार्य	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३ ५×१३	२७४	८	२५	पूर्ण/१७१२	–	तृतीय स्कन्ध ३३, अध्यायो मे सम्पूर्ण स्कन्ध मूल मात्र
३४ ५×१६	१०३	११	५६	अपूर्ण/१९८२	–	तृतीय स्कन्ध
३३×१५	१९६	१०	४०	अपूर्ण/२४५०	–	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४६	–	चतुर्थ स्कन्ध, आदि-अन्त मे खण्डित कुल १५ अध्याय मात्र। प्राचीन है
३४×१७ २	५७	१४	५०	अपूर्ण/१२४७	–	चतुर्थ स्कन्ध, सटीक
२७×१३ ५	४५	९	२८	अपूर्ण/३५४	–	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१५	४२	११	३२	अपूर्ण/४६२	–	चतुर्थ, दशम स्कन्ध सटीक
३६ ५×१७ ३	४२	१५	५०	अपूर्ण/९८४	–	चतुर्थ स्कन्ध
३५×१६ ५	३२	१६	३५	अपूर्ण/५६०	–	चतुर्थ स्कन्ध
३७×१६	१६६	१२	५०	पूर्ण/३११३	१६३८ वि०	श्रीधरस्वामी की 'भावार्थदीपिका' से युक्त, श्रीमद्भागवतपुराण का पञ्चम स्कन्ध है
३४×१८	२१०	१२	२०	पूर्ण/१५७५	–	पञ्चमस्कन्ध, सटीक
३२×१६	८९	१७	३०	अपूर्ण/१४१८	–	पञ्चम स्कन्ध, सटीक
३४ ५×१६ ५	१२४	१५	४८	पूर्ण/२६९०	–	श्रीधरी व्याख्या सहित श्रीमद्भागवतपुराण का पष्ठ स्कन्ध है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५१२	२९४२/१५५१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१३	४०९९/१९४५	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१४	२६२/२४८	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१५	२९४०/१५५१	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५१६	१६९१.९/१०९४.२	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१७	२६१५/१४६७	भागवत	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५१८	२६१७.३/१४६७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५१९	३४२०.१/१८२०.१	भागवत	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५२०	३४५२.१/१८२७.१	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२१	३२२२/१८३९.१	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५२२	३६२५/१८६१.१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२३	३९३८.१/२०११	भागवत	—	--	देसी कागज	नागरी
५२४	४३१३/२०१७	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३४×१७	१३०	१४	३६	पूर्ण/२०४७	१८१९ वि०	सम्पूर्ण सप्तम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३८×१४ १	२६	९	४३	अपूर्ण/३१४	–	सप्तम स्कन्ध
१२ ५×८ ५	१९	६	१४	पूर्ण/४९	–	अष्टम स्कन्ध
३४×१७	१५६	१३	४०	पूर्ण/२५३५	१८९९ वि०	सम्पूर्ण अष्टम स्कन्ध श्रीधरीव्याख्या सहित, सुचारु
३४.२×१४	१२	१२	६२	अपूर्ण/२७९	–	दशम स्कन्ध, सटीक
२७×१६	६	१२	३२	पूर्ण/७२	–	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
२७×१६	७३	१२	३२	पूर्ण/८७६	–	दशम स्कन्ध
२०×११	१८	१०	२४	अपूर्ण/१३५	–	दशम स्कन्ध, अनुक्रमणिका
३२.५×१४ २	१२०	११	५०	अपूर्ण/२०६३	–	दशम स्कन्ध, सटीक
३४×१६	९७	१५	५०	अपूर्ण/२२७३	–	दशम स्कन्ध, सटीक
१४×१२	५४	९	१०	पूर्ण/१५२	–	दशम स्कन्ध
२८.५×१२	१२२	१०	३०	अपूर्ण/११४४	–	दशम स्कन्ध, अतिजीर्ण
१० ५×८५	५८	५	१०	अपूर्ण/ ९०	–	दशम स्कन्ध

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५२५	४३७२/२०३३	भागवत	—	श्रीधरस्वामी	देसी कागज	नागरी
५२६	६८७७/३८९३	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२७	२४१४/१४२४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२८	२५८२/१४६१	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५२९	३९१४.१/१९९६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३०	७००३/३९४६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३१	४०७९ २९/१९३६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३२	३०८०.३४/१५९४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३३	३४२५.१/१८२५.१	भागवतदीपिका	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५३४	३०८०.३२/१५९४	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३५	४३११/२०१६	भागवत	—	—	देसी कागज	नागरी
५३६	२३४१/१४०९	भागवत	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
५३७	३०८०.१/१५९४	भागवत-भ्रमरगीत	—	—	देसी कागज	नागरी

अष्टक

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५७३	६४६७/३५५३	अच्युताष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
५७४	३७८०/१९००	करुणाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
५७५	३७८०/१९००	कलकाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
५७६	५९६८/३११४	कालभैरवाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
५७७	६२६४/३३७२	कालभैरवाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
५७८	३६३४४/१८६३ १	कालिकाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
५७९	१५५६/९६६	कृष्णराधाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
५८०	१६१५.५/१४६७	कृष्णशरणाष्टक	हरिदास	–	देसी कागज	नागरी
५८१	१९६/१८८	केशवाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
५८२	६९/६३	गगाष्टक	वाल्मीकि	–	देसी कागज	नागरी
५८३	७५/६९	गगाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
५८४	२५०/२३८	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
५८५	३२०/२९१	गगाष्टक	वाल्मीकि	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६.२×१२	१	१७	४०	पूर्ण/२१	–	–
१५×१४	२	११	१०	पूर्ण/६	–	–
१५×१४	५	११	१०	पूर्ण/१६	–	–
११७×४४२	१	४२	१४	पूर्ण/१८	–	–
२१×१२	७	९	१०	पूर्ण/२०	–	–
१३×२१	२	१६	१६	पूर्ण/१६	–	–
१६२×१०३	९	६	१७	पूर्ण/२९	१७९७ वि०	–
२७×१६	२	५	३२	पूर्ण/१०	–	–
१४×१०	४	८	१४	पूर्ण/१४	–	–
२९×१२५	३	९	२९	पूर्ण/२४	–	–
१४५×१०	५	८	२०	पूर्ण/२५	–	–
१२×२१	४	१८	१३	पूर्ण/२८	१७९२ वि० (कार्तिकमासे शुक्लपक्षे तिथौ ४ बुधवासरे)	–
२२×९ ५	४	७	३२	पूर्ण/२८	१७७४ वि०	–

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५८६	१५५७/९६७	गगाष्टक	कालिदास	—	देसी कागज	नागरी
५८७	१७८९/११९०	गगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५८८	२८२८/१५२०	गगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५८९	२८८५/१५३०	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९०	२८९१/१५३०	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९१	३४७३/१८५५	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९२	३८०१.१/१९३५.१	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९३	३८४८ १/१९६३ १	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
५९४	३८७६.४/१९८३	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९५	३८९३ १/१९९०	गगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९६	६५५४/३६१४ ९	गगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९७	६९३२/३९१२	गंगाष्टक	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
५९८	१७६२/११६३	गणेशाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२० ३×११	५	७	२०	पूर्ण/२२	–	–
१६ २×८	७	५	२०	पूर्ण/२२	–	–
१२×७४	७	६	१६	पूर्ण/ २१	–	–
२३.५×९ ५	५	६	२५	पूर्ण/२३	–	–
१८.५×१४	३	११	१६	पूर्ण/१६	–	–
१३.५×९५	६	७	१२	पूर्ण/२६	–	–
२०×११	४	८	१५	पूर्ण/१५	–	–
११×९	६	८	१६	पूर्ण/२४	१८२९ वि०	–
१७×११	१	६	१६	अपूर्ण/३	–	–
१२×२० ५	४	१६	१२	पूर्ण/२४	–	–
१८.५×११	४	१०	१५	पूर्ण/२०	–	–
२१×६.५	१	११	३०	पूर्ण/१०	–	–
१३×९ ४	६	५	१६	पूर्ण/१५	१९१० वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
५९९	६७६७/३८०३	गणेशाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६००	३६२९/१८६३.१	गन्धाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६०१	२६१५.३/१४६७	गिरधराष्टक	रघुनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६०२	३६३४५/१८६३.१	गुर्वष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६०३	५८००/२९८४	गुर्वष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६०४	३०९३/१५९५	गुर्वष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६०५	५७०.२/५८०/५२६	गोकुलाष्टक	रघुनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६०६	२५४७.२/१४५३	गोकुलाष्टक	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
६०७	२६७६ १६/१४८५	गोकुलाष्टक	रघुनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६०८	२९१३.५/१५३९	गोकुलाष्टक	विट्ठलेश्वर	—	देसी कागज	नागरी
६०९	३७३८.३/१९०४ १	गोकुलाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६१०	५७०.१/५८०/५२६	गोपालाष्टक	विट्ठलेश	—	देसी कागज	नागरी
६११	५७०.३/५८०/५२६	गोपीजनवल्लभाष्टक	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×७.५	४	६	२०	पूर्ण/१५	–	–
१३×२१	१	१४	१६	अपूर्ण, ७	–	–
२७×१६	२	१२	३२	पूर्ण २	–	–
१३×२१	१	२४	१६	पूर्ण, १२	–	–
२०.८×१४.१	२	१०	२०	पूर्ण, २२	–	–
२७×१२	१	७	४०	पूर्ण, ९	–	–
१७×१२	५	७	१८	पूर्ण, २०	–	–
१५.७×१०.५	३	८	१६	पूर्ण १२	–	–
२०×१६	२	९	३२	पूर्ण १८	–	–
१६.५×२१	२	१५	१६	पूर्ण १५	–	–
२१×१७	३	९	१६	पूर्ण, १६	–	–
१७×१२	७	७	१४	पूर्ण, १३	–	–
१७×१२	४	७	१४	अपूर्ण १३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६१२	२६१५.२/१४६७	गोपीजनबल्लभाष्टक	गोपीनाथ	–	देसी कागज	नागरी
६१३	३४३/३१५	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	आनन्दगिरि	देसी कागज	नागरी
६१४	१४५८/९१८	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	आनन्दगिरि	देसी कागज	नागरी
६१५	२५७९/१४६०	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६१६	२८३७/१५२२	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६१७	३०९९/१५९८	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६१८	३६८०.१/१८७३	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६१९	६५९८/३६४५	चक्रेश्वरी-अष्टक	जिनदत्त	–	देसी कागज	नागरी
६२०	१५/११	चर्मरावत्यष्टक	श्रीकृष्ण भिक्षु	–	देसी कागज	नागरी
६२१	३६७७/१८७३	जगन्नाथाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६२२	३८४१ ५/१९६० १	जगन्नाथाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६२३	७२७५/४१२४	जगन्नाथाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६२४	१६१३/१०१८	ज(न)न्यष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१६	२	१३	३२	पूर्ण/२६	–	–
२१×१०	४५	६	२४	पूर्ण/२०२.५	–	सटीक, यह भाष्य एक महत्त्वपूर्ण व्याख्या है
२१ ८×१२	१८	१३	२७	पूर्ण/१९७	–	शङ्कराचार्यकृत 'गोविन्दाष्टक' पर ब्रह्मसूत्र के टीकाकार आनन्दगिरि की टीका
१३×९	६	७	१५	पूर्ण/२०	–	–
३०×१४	१०	१२	४०	पूर्ण/१५०	१८५० वि०	ग्रन्थ सटीक है
१७×२४	४	१४	१२	पूर्ण/२१	–	–
२०×१५ ५	४	१६	२०	पूर्ण/३५	–	–
२७×१३	२	१२	४०	पूर्ण/३०	–	–
१८×१२	३	९	२१	पूर्ण/१८	–	–
२०×१५ ५	२	१६	२०	पूर्ण/२०	–	–
६×११	५०	१२	८	पूर्ण/१५	–	–
२१ २×१६	३	१३	२०	पूर्ण/२४	–	–
१६×१० ६	३	९	१८	पूर्ण/१५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६२५	३०८०.२/१२९४	जन्मवैफल्यनिरूपणाष्टक	हरिदास	–	देसी कागज	नागरी
६२६	३१६६/१६१९	जन्मवैफल्यनिरूपणाष्टक	हरिदास	–	देसी कागज	नागरी
६२७	३७८०/१९००	जिनमगलाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६२८	४५४/४४५/४१३	त्रिपुरसुदर्याष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६२९	३८५५.१/१९६८.१	त्रिवेण्यष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६३०	३५८०.५/१८५३ १	नदकुमाराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६३१	५८०/५९०/५३४	बलदेवाष्टक	रघुनाथ गोस्वामी	–	देसी कागज	नागरी
६३२	२५४७ १/१४५३	वल्लभाष्टक	विट्ठलेश	–	देसी कागज	नागरी
६३३	३०८० २२/१५९४	वल्लभाष्टक	अग्निकुमार	–	देसी कागज	नागरी
६३४	३९६१ १/२०१७.१	बिल्वाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६३५	७६४/७७८/७०८	ब्रजमडलाष्टक	राजा कृष्णदास	–	देसी कागज	नागरी
६३६	१७६२ १/११६३	भवानी-अष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६३७	३८४१.६/१९६०१	भवानी-अष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१०	३	६	१५	पूर्ण/८	१८४९ वि०	–
३५×१६.५	१	८	४२	पूर्ण/१०	१९१० वि० (वैशाख कृष्ण ३ सोम)	–
१५×१४	४	११	१०	पूर्ण/१३	–	–
१६ ५×१२	५	८	१६	पूर्ण/२०	१९०७ वि०	–
२२×१४ ५	१	२१	३६	पूर्ण /२४	१८९५ वि० १७६० शक	–
१६×११	१०	७	१०	पूर्ण/२[illegible]	–	–
१५×१०	३	१२	१[illegible]	पूर्ण/१४	वि० १९२९ (आषाढ शुक्ल रविवार)	–
१५ ७×१० ५	६	८	१६	पूर्ण/२४	–	–
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	–
१३×१०	५	७	१२	पूर्ण/१३	–	–
२६×२१	३	१२	२२	पूर्ण/२५	–	–
१३×९ ४	५	६	१६	पूर्ण/१५	–	–
६×११	७	१२	८	पूर्ण/२१	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६३८	१७७९/१९००	भावनाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६३९	२४६/२३५	भैरवाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६४०	३१७३/१६२१	भैरवाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६४१	६४५३/३५४२	भैरवाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६४२	६४५५/३५४२	भैरवाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६४३	६७९१/३८११	भैरवाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६४४	६८७०/३८८८	भैरवाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६४५	४१३/३७४	मगलाष्टक	कालिदास	–	देसी कागज	नागरी
६४६	५८१/५९१/५३४	मधुराष्टक	गोपीनाथ	–	देसी कागज	नागरी
६४७	२५४७.५/१४५३	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६४८	२६२३.३/१४६७	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६४९	२९१३/१५३९	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६५०	३०८०.२०/१५९४	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×१४	५	११	१०	पूर्ण/१६	–	–
१२ ८ ५	५	६	२०	अपूर्ण/१८	१७२८ वि० (भाद्रवासिना ९)	–
१५×१०	६	७	१६	पूर्ण/२१	१९०६ वि०	–
१७×११	५	११	२०	पूर्ण/३४	१९११ वि० (माघ वदि ८ गुरुवार)	–
१७×११	३	११	२०	पूर्ण/२०	–	–
२०×११	१	१४	४८	पूर्ण/२१	–	–
८×७	१४	५	८	पूर्ण/ १७	–	–
१३×९	८	७	१६	पूर्ण/२८	१८७६ वि०	–
१५×१०	४	१२	१२	पूर्ण/१२	१९३७ वि०	–
१५ ७×१० ५	४	८	१६	पूर्ण/१६	–	–
२७×१६	१	८	२४	पूर्ण/६	–	–
१६ ५×२१	२	१५	१६	पूर्ण/१५	–	
१६×१०	४	६	१५	पूर्ण/११	१८४९ वि०	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६५१	३५८०.४/१८५३.३	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६५२	३७३४.२/१९०४/१	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६५३	७५९३/४२६१	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६५४	३८५०/१९६१	मयूराष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६५५	३८१६/१९२७	महालक्ष्म्यष्टक	इन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
६५६	२४६१/१४३३	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६५७	२६७६.२/१४८५	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६५८	२९१३.२/१५३९	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६५९	३०८०/१५९४	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६०	३५८०.१/१८५३.१	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६१	३७९७.७/१९०४.१	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६२	३८९५.१/१९९०	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६३	६९३४/३९१२	यमुनाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर ०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×११	५	७	१०	पूर्ण/११	–	–
२१×१७	४	९	१६	पूर्ण/१८	–	–
२२×११ ४	२	८	२७	पूर्ण/१३	–	–
१५×७	५	६	१६	पूर्ण/१५	१६८१ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
८×६	६	५	१६	पूर्ण/१५	–	–
१७×२८	२	२४	१८	पूर्ण/२७	–	–
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३ ५	–	–
१६ ५×२१	३	१५	१६	पूर्ण/२२	–	–
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/२०	१८४९ वि०	–
१६×११	७	७	१०	पूर्ण/१५	–	–
२१×१६ ५	४	९	१८	अपूर्ण/२०	–	–
१२×२० ५	३	१६	१२	पूर्ण/१८	–	–
२१×६ ५	१	११	३०	पूर्ण/१०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६६४	४९४/४८५/४४८	यमुनाष्टक, गगाष्टक	केशव	–	देसी कागज	नागरी
६६५	२६९४/१४८९	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६६	३१७१ २/१६३१	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६७	३८४२.३/१९६० १	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६८	४२४६.३/१९८५	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६६९	३९५०.१/२०१७.१	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६७०	४३३७ २/२०२२	रामाष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६७१	७०४२/३९६८	लक्ष्मी-अष्टक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
६७२	३८५५ १/१९६८.१	लिंगाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६७३	३०८०/२७	विट्ठलाष्टक	हरिराम	–	देसी कागज	नागरी
६७४	३७१६.१/१८८९.१	वेकटेश्वराष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी
६७५	३४१८.१/१८१८.१	शन्यष्टक	वेदव्यास	–	देसी कागज	नागरी
६७६	८३३/८५०	शरभाष्टक	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४×/५	६	५	१६	अपूर्ण/१२	–	–
१५×८	५	६	१६	अपूर्ण/१५	–	–
१२×८	६	५	१६	पूर्ण/१५	–	–
१२×६	८	५	१६	पूर्ण/२०	–	–
१५.८×१३	६	६	१५	पूर्ण/१७	–	–
१३×१०	३	७	१०	पूर्ण/८	–	–
१६×११	३	८	१७	पूर्ण/१३	–	–
११×७	२	९	१०	पूर्ण/५	–	–
१३ ४×८ ५	४	८	१६	पूर्ण/१६	–	–
१६×१०	६	६	१५	पूर्ण/१७	१८४९ वि०	–
१५ ५×१०	४	७	१५	अपूर्ण/१७	–	–
१६×१०	२	९	२०	पूर्ण/११	–	–
२२.५×११	७	८	२८	पूर्ण/४९	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६७७	१७९७.१/११९८	शिवाष्टक	काशिनाथ	—	देसी कागज	नागरी
६७८	२८२९/१५२०	शिवाष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६७९	३१७१.३/१६३१	शिवाष्टक	वसिष्ठ	—	देसी कागज	नागरी
६८०	६५५३/३६१४/९	शिवाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८१	३१९१.६/१६३२	समयाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८२	३६३२.१/१८६३.१	समयाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८३	३०७८ ११/१५९३	सूर्याष्टक	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
६८४	६७९२/३८२७	सूर्याष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८५	१०७३.१/८०६	हनुमताष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८६	३१७१.६/१६३१	हनुमानाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
६८७	३०८०/१५९६	हरिवदनाष्टक	हरिदास	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३×९	५	५	१५	पूर्ण/१२	–	सुलिपि
१२×७.७	६	६	१४	पूर्ण/३६	–	–
१२×८	८	५	१२	पूर्ण/१५	–	–
१५×९.५	९	८	१०	पूर्ण/२२	–	–
२४ २×११	५	८	३२	पूर्ण/४०	–	–
१३×२१	३	१२	१६	पूर्ण/१८	–	–
१० २×६.६	५	६	१६	पूर्ण/१५	–	–
२०×११	१	८	४८	पूर्ण/१२	–	–
१०×१३	८	११	८	पूर्ण/२२	–	–
१२×८	६	५	१६	पूर्ण/१५	–	–
१६×१०	६	६	१५	पूर्ण/१७	१८४९ वि०	–

कवच

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
६८८	१५४२/९५२	अन्नपूर्णाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६८९	१६९१.५/१०९४.१	अन्नपूर्णाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९०	७२२५/४०८६	अन्नपूर्णाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९१	१७६/१६८	अर्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९२	१८८५.१/१२७६	आपदुद्धारकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९३	१३८८/८९९	उच्छिष्टगणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९४	१६४१/१०४५	एकमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९५	३३१६/१७१२	एकमुखीहनुमत्कवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९६	४३९/४४८.१/४०७	कार्त्तवीर्यार्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९७	९९७/७८६	कार्त्तवीर्यार्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९८	६८१७/३८४७	कार्त्तवीर्यार्जुनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
६९९	४५९/५५०/४१८	कालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७००	१४६१/९१९	कालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×९	५	६	१८	पूर्ण/१७	–	–
१३×२२	६	१२	१२	पूर्ण/२७	१९५४ वि०	–
१४ ४×८ ८	८	६	१६	पूर्ण/२४	–	–
१५×११	४०	९	१९	पूर्ण/२१२	–	–
१७.५×१२	४	९	२०	अपूर्ण/२३	–	–
२६×१०	१७	५	२४	पूर्ण/६३	१९६६ वि० (१८३१ शाके)	–
१८ ५×११	१५	७	१६	अपूर्ण/५२	१९०० वि० (आषाढ कृष्ण ८ भौमवार	–
१७ ६×८ ७	१७	४	२०	पूर्ण/४२	१९६२ वि० (माघ १० शनिवार)	–
२२ ५×१२	२१	१२	३२	पूर्ण/२५२	१९१२ वि० (चैत्र कृष्ण दशमी)	चौरादिभय निवारणार्थ सर्वाभीष्टसिद्ध्यर्थ कार्तवीर्यस्तोत्रनिरूपण
१८×१२	१०४	५	१०	पूर्ण/१६२	१९४२ वि० (माघ सुदी तिथौ ५ भौमवासरे)	–
२२×१०	१०	७	३२	अपूर्ण/७०	–	–
१९×१०	१३	८	३२	पूर्ण/१०४	१७८२ वि०	–
२६×९ ८	८	६	३२	पूर्ण/४८	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७०१	१३८६/१४१८	कालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०२	१६४६/१,०५०	कालीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०३	३४४९/१८३४	कालीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०४	५८९१/३०५८	गणपतिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०५	६७८५/३८२१	गणपतिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०६	३४९/३२०	गणपतिव्यथावध मोचनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०७	८५५/८७२/७५५	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०८	१६९१.१४/१०९४	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७०९	१६९१.११/ १०९४.३	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१०	१७५८/११५९	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७११	३८६२ १/१९७३.१	गणेशकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१२	११८/१११	गायत्रीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
७१३	५४२/४८८	गायत्रीकवच	ब्रह्मा	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×११	९	७	१६	पूर्ण/३६५	–	–
२३ ५×११	९	८	२०	अपूर्ण/४५	–	–
१५.६×९ ५	९	६	१६	अपूर्ण/२७	–	–
१२ ५×८८	६	६	१६	पूर्ण/१८	–	–
१९×१३	११	८	१६	पूर्ण/४४	–	–
१०×८	२१	७	१२	पूर्ण/१२	–	–
१५ ५×११	८	५	१६	पूर्ण/२०	–	–
१३×२२	६	१२	१२	पूर्ण/२७	१९५४ वि०	–
१६ ८×२० ८	१२	११	१३	पूर्ण/५४	–	–
१७×१०.५	१२	७	१६	अपूर्ण/४२	१९५७ वि० (पीप शुक्ल ६)	–
१६×११	१०	८	१६	पूर्ण/४०	–	–
२० ५×१०	४	८	२४	पूर्ण/२४	–	–
१५ ५×७.५	६	५	११	अपूर्ण/ १०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७१४	१४४७/९१४	गायत्रीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७१५	३१९३/१६२४	गायत्रीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७१६	३१७४/१६३१	गायत्रीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७१७	३४२१/१८०७	गायत्रीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७१८	३३०४/१७०२	गुरुकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७१९	२६०३/१४६५	गोपालकवच	–	–	देसी कागज	नागरो
७२०	३९१३.१/१९९६	गोपालकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२१	२७५/२५६	गौरिकालित्रैलोक्य मोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२२	१९५/१८७	चण्डीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२३	४७१/४३०	चण्डीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२४	८१८ १/८३४/७३०	चण्डीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२५	१४३४/९१०	चण्डीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२६	३२५०/१६४२	छिन्नमस्ताकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२८×११.६	६	६	३२	पूर्ण/३६	१९४२ वि०	–
१७.१×९ ६	१७	७	२२	अपूर्ण/८२	–	–
१८×११	५	१०	१६	पूर्ण/२५	–	–
२३ ५×१०.५	३	९	३५	पूर्ण/३०	–	–
१५.७×१०	४	८	२४	पूर्ण/२४	–	–
१३×२० ५	८	१८	२१	पूर्ण/९५	–	–
१५×१० ५	१०	९	१५	पूर्ण/४२	–	–
१३.५×९	७	१३	२०	पूर्ण/५७	–	–
१७×८	२५	७	२२	अपूर्ण/१२०	–	प्राचीन
१९×९ ५	४	९	२६	अपूर्ण/२०	–	प्राचीन
१८ ५×१०.५	१३	१२	३०	अपूर्ण/१४६	–	–
२२×९.४	२७	५	२१	पूर्ण/८९	–	–
१४×११ ५	१२	९	१२	पूर्ण/६७	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७२७	९४/८६	त्रिपुरकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२८	३३३६/१७३२	त्रिपुरकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७२९	२४२/२३१	त्रिपुरमूर्तिकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३०	२०३/२१३	त्रिपुरबालाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३१	३३४८/१७४३	त्रिपुरबालात्रिमूर्तिकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३२	३८३० १/१९५२ १	त्रिपुरसुन्दरीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३३	७२३२/४०८९	त्रिपुरसुन्दरीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३४	९३/८५	त्रिपुरसुन्दरीजगच्चिंतामणि कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३५	३२५ ५/२९७	त्रिपुरसुन्दरीसौभाग्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३६	२३८०/१४१७	त्रिपुरसौभाग्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३७	३२६/२९७	त्रिपुरकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३८	३२६ २/२९७	त्रिपुरसर्वसौभाग्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७३९	३४६९/१८५१	त्रिमुखीहनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५ ५×८ ५	७	६	१७	पूर्ण/२२	–	–
१७×१०	१५	७	१५	पूर्ण/४९	१९२६ वि०	–
२०×११	१७	६	१७	पूर्ण/ ५४	–	मुलिपि
१४ ७×१० ३	७	७	१६	पूर्ण/२४	–	--
१६×१०.७	१५	६	२०	पूर्ण/५६	–	–
१४×९ ५	६	६	१६	पूर्ण/१८	–	–
२३ ८×१५.५	५	१२	३२	अपूर्ण/६०	–	-
१४ ५×१०	११	९	१५	पूर्ण/४६	.	-
१६×१३	४	७	१६	पूर्ण/१४	–	–
१३×७ ४	३७	५	१२	अपूर्ण/५८	–	-
१६×१३	६	७	१६	पूर्ण/२१	–	–
१६×१३	२४	८	१६	पूर्ण/<६	–	–
१५×८	६	९	२०	पूर्ण/६४	१९१९ वि०	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७४०	८/६	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४१	२२५/२१४	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४२	३२६ ३/२९७	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४३	३२६.४/२९७	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४४	३६२/३३२	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४५	३८४/३५०	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४६	४५२/४४३/४११	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४७	५१२/५२१/४६९	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४८	६७३१/३७७४	त्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७४९	४७२/४३१	त्रैलोक्यविजयकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५०	३४७९/१८६१	त्रैलोक्यविजयकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५१	८५९/८७६(१)/७५६	त्रैलोक्यविजयनामकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५२	१३९/१३२	दक्षिणाकालिकाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१७ × १२	१०	७	१५	पूर्ण/३३	–	भैरवीवाला त्रिपुरसुन्दरी की तान्त्रिक स्तुति की गई है
१६×१०	११	७	२०	अपूर्ण/ ४८	–	–
१६×१३	२२	८	१६	पूर्ण/८८	–	–
१६×१३	१०	७	१६	पूर्ण/३५	–	–
१८×९	१०	६	२४	अपूर्ण/४५	–	–
२३×१०	२०	८	२४	पूर्ण/१२०	–	त्रिपुरसुन्दरी का तान्त्रिक कवच
२१ ५×१०	५	११	३२	अपूर्ण/५५	१८७८ वि०	–
१४×९	५	११	२१	पूर्ण/३७	–	–
११×१०	८	१०	१२	अपूर्ण/३०	–	–
१५ ५×१०	८	१३	२२	पूर्ण/७२	–	–
१९×११	८	७	२४	पूर्ण/४२	–	–
१९×११ ५	१०	७	२४	पूर्ण/५२	–	–
१४×१०	१६	६	१४	पूर्ण/४५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७५३	४६९/४२८	दक्षिणाकालिकाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५४	१४००(७)/८९९	दक्षिणाकालिकाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५५	१८८५/१२७६	दक्षिणाकालिकाकवच	–	–	देसी कगज	नागरी
७५६	३४७७/१८५९	दक्षिणाकालिकाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५७	३८८९ १/१९८९	दक्षिणाकालिकाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५८	१७६५/११६६	दक्षिणाकालिका त्रैलोक्य-मोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७५९	१५८४/९८८	दुर्गाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७६०	१८५२/१२४६	दुर्गाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७६१	३४७४/१८५६	दुर्गाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७६२	३७०६ ३/१८८११	दुर्गाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७६३	६६९२/३७३६	दुर्गाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७६४	६५×५९	देवीकवच	–	–	देशी कागज	नागरी
७६५	१५६/१४९	देवीकवच	–	–	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३.५×८.५	२४	७	१२	अपूर्ण/६३	–	–
२३×१०	३०२	५	१६	अपूर्ण/७५५	–	–
१७.४×१२.३	७	९	१६	अपूर्ण३१.५	–	–
१७×१०.५	१८	७	१६	पूर्ण/६	–	–
१५.५×१०.५	१२	७	१८	अपूर्ण/४८.५	–	–
१५५×१०५	२४	६	१३	पूर्ण/५८	–	–
१४.२×११	५	९	१६	पूर्ण/२२	–	–
२५×११	३४	७	३२	अपूर्ण/२३८	–	–
१५×११.५	१५	८	१२	पूर्ण/४५	–	–
२३×१०	६	७	३२	पूर्ण/४२	–	–
२२×१०	१४	६	२४	अपूर्ण/६३	–	–
१४×१०	२३	७	१४	पूर्ण/१०१	–	–
१३×७ ५	९	६	१६	अपूर्ण/ २७	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७६६	१८९/१८२	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७६७	१७६१/११६२	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७६८	२३८१/१४४१	देवीकवच	हरिहर ब्रह्म	–	देसी कागज	नागरी
७६९	२८९४/१५३१	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७०	३१५७/१६१६	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७१	३५५५/१८४७.१	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७२	३५९५/१८५६.१	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७३	३९५६ १/१९२४	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७४	४३४७/२०२३	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७५	७१८१/४०४४	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७६	७५८८/४२५८	देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७७७	१५७/१५०	देवीकवच तथा अगलास्तोत्र	–	--	देसी कागज	नागरी
७७८	४३१०.१/२०१६	धनदाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×१२	४१	९	१८	अपूर्ण/२०८	–	–
१७ २×११.५	१२	७	१६	अपूर्ण/४२	१९३४ वि० (चैत्र ९)	–
१३ ५×८	३२	६	१६	पूर्ण/७६	–	–
१२×७	४६	५	१२	पूर्ण/ १७	–	-
१२×७	३२	५	१२	पूर्ण/६०	१९०६ वि०	-
९.६×१०.२	११	१०	१६	पूर्ण/५५	–	-
१७×९	११	७	१५	पूर्ण/३६	–	–
२४×११	१०	७	३२	पूर्ण/७०	–	–
१४.८×९ १	३५	५	१४	पूर्ण/७७	–	–
१६ ६×१०.१	८	५	१४	पूर्ण/१७	–	–
१३ ८×९.१	२०	७	१७	अपूर्ण/७४	–	–
१३×७ ५	१८	६	१८	अपूर्ण/६१	–	–
१७×११ ५	४	९	१५	पूर्ण/२०	१९१३ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७७९	२२६/२१५	नारायणकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८०	८४०/८५७/७४६	नारायणकवच	वेदव्यास	–	देसी कागज	नागरी
७८१	४३१७/२०१७	नारायणकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८२	१७३१/११३२	नृसिंहकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८३	३१३५/१६१३	नृसिंहकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८४	३१९१.१/१६२३	नृसिंहकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८५	५८६/५९७/५४०	पचमुखीहनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८६	१०७३/८०६	पचमुखीहनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८७	१८८२/१३७३	पचमुखीहनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८८	६२७३/३३७६	पचमुखीहनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७८९	६५९६/३६४५	पद्मावतीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९०	४३०७/२०१५	प्रत्यगिराकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९१	२/२	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१९.५×१२.५	१८	७	१६	पूर्ण/६३	–	–
११ ५×१४	२०	८	११	अपूर्ण/५५	–	–
११×८	३६	५	१०	पूर्ण/ ५६	–	–
१७×६	८	६	२०	पूर्ण/३०	१९२७ वि० (शाके १७९२)	–
१९×१३	५	९	१०	पूर्ण/१४	१९२५ वि० (चैत्र कृष्ण १२मंगलवार)	–
९.३×१५ ३	५	१४	१२	पूर्ण/२६	-	–
२१.५×१०.५	१३	६	२२	पूर्ण/५४		–
१०×१३	१८	८	८	पूर्ण/३६	–	–
१३×७ ८	८	६	१५	अपूर्ण/२३	–	–
२१ ५×१२	८	८	१५	पूर्ण/३०	–	–
२७×१३	३	१२	४०	पूर्ण/६५	–	–
१६×१२	१२	९	१०	अपूर्ण/३४	–	–
१४×१०	६	९	१५	पूर्ण/२५	–	रणादि भयकर परिस्थितियो मे शरीर-रक्षार्थं उपयोग्य तान्त्रिक कवच

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
७९२	८६/७९	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९३	५९२/६०३/५४६	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९४	८८२/७६१	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९५	१६८६/८९९	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९६	१५६७/९७६	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९७	१७६६/११६७	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९८	३४५४/१८३९	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
७९९	३४५६/१८४१	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८००	५९५५/३११२	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८०१	६४७०/३५५३	बटुकभैरवकवच		–	देसी कागज	नागरी
८०२	६६०७/३६५३	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८०३	७०३९/३९६८	बटुकभैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८०४	२६९/२५०	बालाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×११	६	९	२४	पूर्ण/४५	१८९९ वि०	–
१५ ५×१३	७	१०	१६	पूर्ण/३५	१८७३ वि०	–
१६ ५×११ २	८	८	२७	पूर्ण/५४	–	दीपदानविधि
२५×९	५	५	३२	पूर्ण/२५	१९६४ वि०	–
१६×१०	९	७	१८	पूर्ण/३४	–	–
१८×९	८	५	१६	पूर्ण/२०	१९१७ वि०	–
१२ ५×७ ३	१०	५	१६	पूर्ण/२५	–	–
१३×७	११	७	१०	पूर्ण/२४	१८३९ वि० (श्रावण वुध्र .९ मदवार)	–
२५ २×११ २	५	९	२८	पूर्ण/३९	–	–
२६ ५×१२	३	१७	४०	अपूर्ण/२४	–	–
२४×१२	६	१२	४०	अपूर्ण/१०५	१८५६ वि०	–
११×७	४	९	१०	पूर्ण/११	–	–
१३×८	९	७	१६	पूर्ण/३१	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८०५	७०२२/३९५६	बालात्र्याक्षरीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८०६	६७४७/३७९०	बैतालकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८०७	३२१५ १/१६२९	ब्रह्मकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८०८	१११/१०३	ब्रह्मस्तोत्र देवीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८०९	२७६/२५६	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१०	५१६/५२६/४७२	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८११	५३०/४७६	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१२	१८०९/१२१०	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१३	३८२८ १/१९५० १	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१४	२९१७ २/१९९८	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१५	६५९३/३६४३	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१६	६८९८/३८९६	भवानीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१७	१७८०/११८१	भैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×१४	२	१०	२०	पूर्ण/१२	–	–
१५×१०	६	१२	२४	अपूर्ण/५४	१९०९ वि०	–
१७×१३	२०	७	१६	पूर्ण/७०	–	–
१४×९	१२	७	१६	अपूर्ण/४२	–	–
१४×९	३	१७	२३	पूर्ण/३६	१८५८ वि०	–
१३ ५×९ ५	४	१०	१४	पूर्ण/१८	–	–
१४×१०	४	८	१६	पूर्ण/१७	१९.२ वि० (आश्विन सुदि २)	–
१६×११	१०	७	१६	अपूर्ण/३५	–	–
१९×१०	८	१२	२४	पूर्ण/७२	१८५० वि०	–
१६×१२	४	१०	१६	अपूर्ण/२०	–	–
२०×९	३	१२	३२	पूर्ण/३६	–	–
२२×१७	२	१८	२५	पूर्ण/२८	१७९५ वि० (ज्येष्ठ कृष्ण ४)	–
१५.४×८ २	४	५	२२	अपूर्ण/१४	१९३२ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८१८	३७८७.१/१९३०.१	भैरवकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८१९	९२५/९४२ ४/७६८	मन्त्रविग्रहकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२०	१३६/१२९	महाकालकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२१	३२६.१/२९७	महात्रिपुरसुन्दरीषोडसी-कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२२	२७०/२५१	महात्रिपुरसुन्दरी सिद्ध-सौभाग्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२३	७५२०/४२५३	योगिनीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२४	३८९२ ८/१९४० १	राधाकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२५	६७३२/३७७५	रामकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२६	३४०६/१७९०	रामत्रैलोक्यमोहनकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२७	१७८६/११८७	रामरक्षाकवच	वाल्मीकि	–	देसी कागज	नागरी
८२८	१५०/१४२	लक्ष्मणकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८२९	३८४१ ७/१९६०.१	लक्ष्मीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८३०	१३७/१३०	लक्ष्मीनृसिंहकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३×९	५	६	१०	अपूर्ण/९	—	
१७.५×११.५	६	८	२०	पूर्ण/३०	—	
१७ ५×१२.८	१६	१०	१९	अपूर्ण/९२	—	
१६×१३	८	७	१६	पूर्ण/२८	—	
१७×९.५	१५	६	१५	पूर्ण/४२	—	
११×१०	८	१२	१२	पूर्ण/३६	—	
१६ ८×२१	२०	१२	१६	अपूर्ण/१२०	—	
१६×१२	७	८	१६	अपूर्ण/२८	—	
२७×१२	४	११	३०	पूर्ण/४१	१८९५ वि० (माघ कृष्ण २ चन्द्रवार)	
१३×८	२२	५	१२	अपूर्ण/४१	—	
१८.५×९८	५	९	२१	पूर्ण/२९	—	
६×११	६	१२	८	पूर्ण/१८	—	
१३×१०	६	८	१२	पूर्ण/१८	—	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८३१	२६०५/१४६५	लक्ष्मीनृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३२	३३८२/१७७३	लक्ष्मीनृसिंहकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३३	१६९१.३/१०९४.१	लक्ष्मीस्तोत्रकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३४	४३१६/२०१७	वक्रतुण्डकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३५	२०३/१९५	वालात्रिपुरकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३६	८४७/८६४(२)/७५१	शरभकवच	—	—	देमी कागज	नागरो
८३७	२१३/२०३	शिवकवच	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
८३८	५६९/५७९/५२५	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८३९	८४२/८५९/७४८	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४०	१६२५/१०२९	शिवकवच	वेदव्यास	—	देसी कागज	नागरी
८४१	३२९१/१६५९	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४२	३४८१/१८६३	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४३	३७२२.१/१८९३.१	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२० ५×१३	२	१९	१८	पूर्ण/२१	–	–
२५×१० ५	३	९	२०	पूर्ण/१७	–	–
१३×२२	८	१२	१२	पूर्ण/३६	१९५४ वि०	–
११×८	३०	५	१०	पूर्ण/४७	–	–
१६.५×१० ३	७	७	२०	पूर्ण/३०	१८७५ वि० (आश्विन कृष्ण)	–
२२.५×११५	२२	१०	३२	पूर्ण/२२०	–	चतुर्वर्गार्थ सिद्धिहेतु शरभदेव की तान्त्रिका स्तुति
२२५×१०	१९	७	३२	पूर्ण/१३३	–	–
११×६५	४४	४	७	अपूर्ण/३४	–	–
१७ ५×१२	१८	८	१७	पूर्ण/७६	१९०३ वि० (फाल्गुन शुक्ल २ बुधवासरे)	–
१२ ५×९.५	१३	१२	१८	पूर्ण/४४	–	–
१२ ५×९	२२	६	१४	अपूर्ण/५८	–	–
२४×११	३	८	३२	पूर्ण/२४	–	–
१५×११ ५	१२	८	१५	अपूर्ण/४५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८४४	६२७२/३३७५	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४५	६६९६/३७४०	शिवकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४६	१५४४.१/९५४	शिववर्म्मकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४७	१४००.२/८९९	शीतलाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४८	३८०३.१/१९३५.१	श्मशानकालिकाकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८४९	३७१७.१/१८८९.१	श्मशानकालीकवच (देवीध्यान)	—	—	देसी कागज	नागरी
८५०	६/४	श्यामाकवच (दक्षिण कालिकाकवच)	—	—	देसी कागज	नागरी
८५१	१५७५/९८०	श्रीकृष्णकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५२	२६०९.५/१४६५	श्रीकृष्णकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५३	४८२/४९१/४४५	सम्मोहनकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५४	३९८/३६१	सरस्वतीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५५	३[illegible]९.१/१९५१	सिद्धिकवच	—	—	देसी कागज	नागरी
८५६	१५४६/९५६	सुन्दरीकवच	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६ ५×११	३५	७	१०	अपूर्ण/७६	–	–
१४×९	१२	१०	२०	अपूर्ण/३०	–	–
१८ ६×११ ५	१५	६	२४	अपूर्ण/ ६२	–	–
२५×१०	८	५	२८	पूर्ण/३५	१९५५ वि०	-
१९×११	१२	७	१५	पूर्ण/४२	–	–
१४×९ ५	७	६	१०	अपूर्ण/१३	–	–
२२ ५×११ ५	३१	९	३२	पूर्ण/२७९	१९०७ वि० (माघ सुदी ८)	श्मशान मे साधने के योग्य मारण, मोहन आकर्पणादि सिद्धिप्रद तान्त्रिक कवच
१६.५×९ ४	३	६	१६	पूर्ण/९	–	–
२०.५×१३	२	१८	१९	पूर्ण/२१	–	–
२२.५×१४	३	१०	१५	पूर्ण/१५	१९१९ वि०	–
१८×१३	३	९	१५	अपूर्ण/१२	–	–
१५×१०	३	८	१६	पूर्ण/१२	–	–
१८.५×११.५	१२	७	२४	पूर्ण/७४	१९०० वि० (चैत्र शुक्ल एकादशी)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८५७	१५६६/९७५	सुन्दरीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८५८	२८६/२६३	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८५९	१५३३/९४८	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६०	१६६२/१०६६	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६१	२६७१/१४८३	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६२	३०७८.६/१५९३	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६३	३८४१ ८/१९६० १	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६४	४३३५/२०२२	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६५	५९२९/३०८८	सूर्यकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६६	८८/८१	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६७	१५९/१५२	हनुमत्कवच	रामचन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
८६८	२७४/२५५	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८६९	४२६/३८६	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७०	२६९०/१४८९	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×११	१४	८	१६	पूर्ण/५६	–	–
१६×१०	१०	७	१६	पूर्ण/३५	१९१२ वि० (मिती फाल्गुन शुक्ल १३ बुद्ध)	–
२७.५×१२	७९	७	२६	पूर्ण/४४९	–	–
१४.५×९	४	९	१५	पूर्ण/१७	–	–
२६×११ ५	९	८	३५	पूर्ण/७९	–	–
१०.२×६ ६	१०	६	१६	पूर्ण/३०	–	–
८×११	७	१२	८	पूर्ण/२१	–	–
१६×११	५	८	१७	पूर्ण/२२	–	-
१४.२×११ ५	४	११	२४	पूर्ण/३३	१८२५ वि० (चैत्र १३)	-
११×८	२०	८	२०	अपूर्ण/१००	१८६२ वि०	–
१२.५×६	४०	६	१२	अपूर्ण/९०	१९४२ वि०	–
१५×१०	१३	७	१४	पूर्ण/२३	१८५० वि०	–
१६×१०	५	८	१६	पूर्ण/२०	–	–
१८×११	९	८	५४	पूर्ण/२४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८७१	२८५१/१५२६	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७२	२८५२ १/१५२६	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७३	२८७३/१५२९	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७४	२८७६/१५३०	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७५	२९८६/१५६३	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७६	३१९१.३/१६२३	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७७	३३८३/१७७४	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७८	३९७३/१९२८	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८७९	५८६७/३०३३	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८८०	६४४८/३५३७	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८८१	६७०१/३७४५	हनुमत्कवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८८२	३३६७/१७६१	हनुमत्पचमुखीकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८८३	६८६६/३८८८	हनुमानकवच	–	–	देसी कागज	नागरी
८८४	४३१५/२०१७	हरिद्रागणेशकवच	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१२	१२	१०	२०	अपूर्ण/७५	–	–
१६×१२	८	८	१७	पूर्ण/३४	–	–
१६.५×१३ ३	१७	१०	१३	पूर्ण/६९	–	
२२×१४	१४	७	२०	पूर्ण/६१	१९४४ वि० (वैशाख कृष्ण १३ गुरुवार)	–
२६×१५	५	११	३३	पूर्ण/५७	–	-
१५ ३×८ ७	५	७	१६	अपूर्ण/१७	–	–
१८×११ ५	१२	१६	१०	पूर्ण/६०	–	–
१६×१३	८	९	२०	पूर्ण/४५	१८८७ वि०	–
१७×१० ५	१०	८	२८	अपूर्ण/६०	–	-
५०×१७	१	६०	२०	अपूर्ण/३७	–	–
१५×१०	४	१२	३२	पूर्ण/४८	–	–
१९×११	१२	८	२१	पूर्ण/६३	–	–
९×७	१८	६	८	अपूर्ण/२७	१९१६ वि०	–
११×८	९	५	१०	पूर्ण/१४	१९०२ वि०	–

पटल

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८८५	७२२६/४०८६	अन्नपूर्णापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८८६	१६९१.१०/१०९४३	उच्छिष्टगणेशपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८८७	७९०/८०६/७१५	कार्त्तवीर्यार्जुनपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८८८	१९३/१८५	कालिकापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८८९	६०/५५	कालीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९०	३९०२.१/१९९२	कालीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९१	१३६९/८९७	गयापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९२	१६६१/१०६५	गयापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९३	१४७७.१/९१४	गायत्रीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९४	३०१२/१५७२	गोपालपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९५	५८/५३	त्रिपुरबालापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९६	७०२३/३९५६	त्रिपुरबालापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
८९७	८३/७६	त्रिपुरसुन्दरीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
८९८	४५५/४४६	त्रिपुरसुन्दरीपटल (श्रीपटल)	–	–	देसी कागज	नागरी
८९९	५९०/६०१/५४४	त्रिपुरसुन्दरीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९००	४३०८/२०१६	धनदायक्षिणीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०१	६५९५/३६४५	पद्मावतीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०२	९२५/९४२.७/७६८	पारायणपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०३	८६३/८८०/७५६	वटुकभैरवआपदुद्धारण-पटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०४	१२३/११६	बटुकभैरवपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०५	७१/६५	वालापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०६	३२४/२९५	वालापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०७	५५८/८७५/७५६	बालापटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०८	८९०/७६१	भुवनेश्वरीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९०९	३४४७/१८३२	भुवनेश्वरीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी
९१०	३१३/२८४	यक्षिणीपटल	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५×१६	३०	१६	८०	अपूर्ण/४८०	–	–
२०×१५ ५	१४	१५	२८	अपूर्ण/१८४	–	–
१७×११ ५	६	९	१६	पूर्ण/२७	–	–
२७×१३	३	१२	४०	पूर्ण/४५	–	–
१७×१२	३४	१०	१८	अपूर्ण/१९१	–	–
१९×१२	३१	८	२०	पूर्ण/१५५	–	–
१८ ५×११ ५	३५	७	२४	पूर्ण/१८४	–	-
१७×१२.५	९	१०	१९	पूर्ण/२६	–	-
१७.५×१२.५	१२	११	२४	पूर्ण/९९	–	-
१९×११	१९	८	२२	पूर्ण/१०४	१८९८ वि० (पौष शुक्ल ९ भृगो)	–
१९ ५×१० ५	७	१८	३१	पूर्ण/१२२	१५९८ शक	–
१६ ५×९	६४	७	२०	पूर्ण/२८०	–	इसमे भुवनेश्वरी देवी की तान्त्रिक स्तुति की गई है
१६×९.५	३७	८	१६	पूर्ण/१४८	१८५९ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९११	३४०५/१७९०	रामपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१२	७३५६/४१६६	रामपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१३	५९३/६०४/५४७	शिवपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१४	५१८/५२८/४७४	सरस्वतीपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१५	६६३३/३६७९	सरस्वतीप्रयोगपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१६	३६५८/१८६८	सूर्यपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१७	५८६६/३०३३	हनुमत्हृदयपटल	—	—	देसी कागज	नागरी
९१८	६०३२/३१६६	हेतुजटापटल	हयग्रीव	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१२	३	११	३०	पूर्ण/३१	१८९५ वि० (माघकृष्ण ६ भृगुवार)	–
२१×१३.३	२०	८	३१	पूर्ण/१५६	१९२१ वि०	–
२३.५×११	१३	९	३०	पूर्ण/१०६०	–	–
१४×९	८	११	१६	पूर्ण/४४	–	–
१६×८	५	७	१६	पूर्ण/१७५	१८२० वि०	–
१८×११	२०	८	१०	पूर्ण/५०	–	–
१७×१०५	५	८	२४	पूर्ण/३०	–	–
२०५×९ ८	११	१०	३३	पूर्ण/११३	१८९६ वि०	क्रमपाठ से जटापाठ करने की सरणो का विवेचन

माहात्म्य

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९१९	७०५४/३९७९	अक्षयनवमीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२०	२९९/२७०	अथर्वणमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२१	३३०/३०१	अथर्वणमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२२	३४५९.१/१८२७.१	अधिकमासमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२३	३१४१ १/१६१४	अन्नकूटमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२४	१६०१/१००७	अयोध्यामाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२५	२८१३/१५१६	आदित्यमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२६	३०८/२७९	आनन्दार्णवमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२७	९८९.१/१००७.१/ ७८२	इन्दिराव्रतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२८	५८३/५९३/५३६	उच्चीष्टमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९२९	७७१/७९७/७०९	एकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९३०	७९७/८१३/७१७	एकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९३१	८०५/८२१/७२२	एकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×१४	८	११	२०	पूर्ण/५५	–	–
१६ ५×१२	४३	११	१६	अपूर्ण/२३६.५	–	–
१७×१२	२९	१७	२४	अपूर्ण/३६९७	–	–
२७ ५×१४	२	१५	३५	अपूर्ण/३३	–	–
२४.५×१५ ७	४	१२	२२	पूर्ण /३३	१९११ वि० (फाल्गुन शुक्ल १२ बुधवार)	
३३.७×१६ ५	५९	१३	४०	अपूर्ण/९५८	१९१७ स० (आश्विन शुक्र-वार १४)	
२८×१६	१०	१०	३०	पूर्ण/१००	–	
१७×१२	७	१०	२४	अपूर्ण/५२.५	–	-
२६ ५×१२	५	१०	३०	पूर्ण/४६	–	
१५×८.५	२६	६	२०	अपूर्ण/६५	–	-
२७×१३	६०	९	३४	अपूर्ण/५७४	–	-
२४ ५×११ ५	२२	८	२८	अपूर्ण/१५४	–	
२५×१०.५	१७५	७	३२	पूर्ण/१२२५	–	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९३२	१३४२/८८६	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३३	८९१/९०८	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३४	२६२६/१४६७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३५	२८३३/१५२२	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३६	२८५४/१५२७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३७	२९०५/१५३६	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३८	२९०७/१५३७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९३९	३०७६/१५९१	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४०	३२८३/१६५५	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४१	३४२२/१८०८	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४२	३४४७/१८२६.१	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४३	३५२८/१८४०.१	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९४४	३७००/१८७७	एकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३१×१६	७६	११	४०	पूर्ण/१०४५	१९०४ वि०	विविध पुराणो से सकलित
२३×१० ५	११८	१०	२८	पूर्ण/९९५	—	—
२६×१४	११७	११	३२	पूर्ण/ १२८७	१९२५ वि०	—
२८×१३	९६	१०	३२	अपूर्ण/९६०	—	—
२६.५×११	६९	७	२७	अपूर्ण/४०८	—	—
२३.३×१० ५	४२	९	२६	पूर्ण/३०७	१८९३ वि० (चैत्र शुक्ल ६ बुधवार)	—
२२.२×१०.२	१०१	७	३०	अपूर्ण/६६३	-	—
३०×१५	७७	१०	३२	अपूर्ण/७७०	—	—
२२×१० ५	३९	७	२५	पूर्ण/२१३	१८९६ वि० (भाद्रपद शुक्ल १)	—
२४×११	२०	९	२०	अपूर्ण/१८०	१८२० वि०	—
२६×१२ ५	८	११	३६	अपूर्ण/९९	—	—
२८ ५×१३.३	१५७	११	३२	पूर्ण/१७२७	१९९४ वि० (वैशाख कृष्ण एकादशी)	वर्ष के बारहो महीनो की तथा अधिमास की एकादशियो के माहात्म्य का ब्रह्मवैवर्तपुराणोक्त निरूपण
२८×१२ ५	४२	१०	२०	अपूर्ण/२६२	—	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९४५	३८७५ १/१९८०	एकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९४६	३९२०.१/१९९९	एकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९४७	६०१३/३१४९	एकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९४८	२६४३.१/१४७६	एकादशीव्रतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९४९	७३७३/४१७८	एकादशीव्रतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५०	३८२० २/१९२५	कार्तवीर्यमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५१	२५३०/१४४९	कार्तिकएकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५२	१०५३/८००	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५३	१०५३ १/८००	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५४	११०९/८१३	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५५	१२४७/८६२	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५६	१३४७/८८७	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५७	१८१६/१२१७	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२४.५×१२.५	१३	११	३०	अपूर्ण/१३४	–	–
२४×१५	६	१२	२४	अपूर्ण/५४	–	–
२७×१२	४	१२	३६	पूर्ण/५४	–	–
२६×१०.६	२२	८	२८	अपूर्ण/१५४	–	–
२८×१२	२२	११	३६	अपूर्ण/२७२	–	–
–	१	१४४	२०	अपूर्ण/९०	–	कुण्डलाकार
२२×११.५	९	७	२६	पूर्ण/५१	-	सुलिपि
२६ ५×१४ ५	९०	९	२८	अपूर्ण/७०९	–	–
२९×१३ ५	९	१२	३९	अपूर्ण/९८	१८०३ वि०	–
२३×१४	१२२	१०	२४	अपूर्ण/९१५	१८७८ वि० (शाके १७४३ मिति पीस सुदी ३ गुरुवार)	–
२९×१४.५	१५८	१०	३२	पूर्ण/१५८०	१८३६ वि०	-
३४×१३	११२	७	४८	अपूर्ण/११७६	–	-
३३.५×१३ २	९७	८	४३	पूर्ण/१०४६	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९५८	२५२९/१४४९	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९५९	२६२५/१४६९	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६०	२८२२/१५१९	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६१	३४०६.१/१८०६.१	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६२	३४३८.१/१८२५ १	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६३	३५३१/१८४० १	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६४	३५३३/१८४१.१	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६५	४३५३/२०२६	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६६	६१३६/३३११	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६७	६५२९/३६१३	कार्तिकमाहात्म्य		–	देसी कागज	नागरी
९६८	६८७८/३८९३	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९६९	७२५६/४१११	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९७०	७२८८/४१३०	कार्तिकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५×१३	१३७	१०	२६	पूर्ण/१११३	१९०६ वि० (वैशाख शुक्ल १५ चन्द्रवार)	सुलिपि
२५ २×१३.६	१००	९	३२	पूर्ण/९००	१८३७ वि० (आषाढ १३ मगलवार)	–
३० ४×१४ ६	१०	१३	३८	पूर्ण/१४१	–	–
२५×११	६	९	३२	अपूर्ण/५४	–	-
२५.५×११.५	४०	९	२०	अपूर्ण/२२५	–	-
२९×१३ ६	१२३	१२	२८	पूर्ण/१२९२	पौष १२ बुधवार	-
२८.२×१८	९०	१२	२८	पूर्ण/९४५	१९३० वि० (कार्तिक शुक्ल १३)	–
३२×१४	४२	११	३०	पूर्ण/४३३	–	–
२५ २×११ ४	१२	९	३६	अपूर्ण/१२१.५	–	–
२९×१५	१६	१४	४०	पूर्ण/२८०	–	–
३२×१४	६	१५	४०	अपूर्ण/११२	–	-
२४×१२ ५	१४८	१०	२४	पूर्ण/१११०	१७५९ वि० (कार्तिक शुक्ल ११)	-
३१×१४ ८	४६	१३	४४	अपूर्ण/८२२	–	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९७१	७३७४/४१७८	कार्तिकमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७२	१२०८/८४९	कार्तिकव्रतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७३	१७६९/११७०	कालिंजरमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७४	९८९.१/१००७/ ७८२	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७५	१२६१/८६८	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७६	१३३५/८८४	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७७	१४४३/९१३	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९७८	१४८८ १/९२८	काशीमाहात्म्य	काकारामदत्त	—	देसी कागज	नागरी
९७९	२८९३/१५३३	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८०	३९३०.२/२००६	काशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८१	१७९३/११९४	कुशमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८२	७४६१/४२३४	कोकिलामाहात्म्य	—	--	देसी कागज	नागरी
९८३	४२१/३८०	गगामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५.२×११ ५	४२	९	३४	अपूर्ण/४०२	–	–
२६×१६.२ कुछ पत्र २६×१८	८४	१२	३०	अपूर्ण/२४५	१८९७ वि०	–
१३×११	१४	१२	२०	पूर्ण/१०५	१९२९ वि० (शाके १७९४)	–
२६ ५×१२	४	१०	३०	पूर्ण/३७	–	–
३४×१३ ५	१४२	११	५४	अपूर्ण/२६३६	–	–
३८×१५	४६	११	४८	पूर्ण/७५९	–	–
२४ ५×१० ६	५३१	७	२९	पूर्ण/३३६९	–	–
३५×१८ ५	४५	१४	३८	अपूर्ण/११८५	–	सटीक
२९ ५×१४	१५	१५	४५	पूर्ण/३१६	–	–
१७×७	४	३	१६	पूर्ण/६	–	–
२१.८×११	२	८	३२	अपूर्ण/१६	–	–
२४×१२	१२२	१०	३२	पूर्ण/१२३०	–	–
१७×१०	१८	११	२५	पूर्ण/१०१	१८३५ वि० (आषाढसुदि ७ बुधवार)	विविध पुराणप्रतिपादित गङ्गामाहात्म्य सग्रह

—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९८४	१३३७/८८४	गयामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८५	१४६८/९२१	गयामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८६	३४/२९	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८७	२७६६/१५०६	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८८	२८१७/१५१७	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९८९	३१४४/१६१४	गीतामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९०	१०२६/७९५	चान्द्रीयएकादशीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९१	९८६/१००३	जम्बूमार्गमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९२	२९८४/१५६३	जम्बूमार्गमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९३	२५१७/१४४६	जानकीनवमीव्रतमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९४	३४७४.१/१८२९ १	तुलसीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९५	३४०५/१७९१	दुर्गामाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी
९९६	१६९१/१०९४	देवीमाहात्म्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३०×१५	७६	११	२४	पूर्ण/६२७	–	–
३०×११	३६	१२	५२	पूर्ण/७०२	–	–
२०×१०.५	३२	५	२०	पूर्ण/१००	–	–
२६ ५×१५.५	१२	९	२४	पूर्ण/८१	–	–
२७×११ ५	१२	९	३०	पूर्ण/१०१	–	–
२६ ५×१३.५	८८	१२	३२	अपूर्ण/१०५६	–	–
२५.५×१३	१४९	१२	३५	पूर्ण/१९५९	१७७१ वि०	–
२४.५×१५	१८	७	१४	पूर्ण/५५	–	–
२७.३×१४.५	५६	१०	२६	पूर्ण/४६	१९१९ वि० १७८४ शक	–
३०×१४	१६	११	४१	पूर्ण/२२५.५	–	–
३२ ५×१६ ६	५	१३	४२	पूर्ण/८५	–	–
१७ ५×८	११	७	१०	अपूर्ण/२५	–	–
२३×११	८६	९	२४	अपूर्ण/५८०५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
९९७	२३८३.१/१४१७	देवीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९९८	३३३३/१७२९	देवीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
९९९	३४१९.१/१८१९.१	देवीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०००	३६१७/१८६०.१	देवीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००१	३६२३/१८६१.१	देवीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००२	७२२३/४०८४	देवीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००३	७२३०/४०८७	देवीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००४	१६८/१६१	द्वारिकामाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००५	३५२९/१८४०.१	धनुर्मासमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००६	३४८०.३/१८२९.१	पद्मानामैकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००७	२४९५/१४४१	पुष्करमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००८	२००९/१५६९	प्रबोधएकादशीमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१००९	१३६०/८९४	प्रयागमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३.५×८	४४	६	१६	अपूर्ण/१३२	–	–
१४.५×१२.५	९४	७	१६	अपूर्ण/३३९	–	–
१९×११	३१	९	२४	अपूर्ण/२०९	–	–
१८.२×१०.२	१४	७	२२	अपूर्ण/६७	–	–
१७×१० ५	१५२	८	१०	अपूर्ण/३८०	१७९४ वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी गुरुवार)	–
२१×१०.८	१५१	१२	४२	पूर्ण/१८७८	–	सटीक
१३.५×१०४	९०	९	१६	अपूर्ण/४०५	–	–
२२.५×१०	२६	८	३२	अपूर्ण/२०८	१७१३ वि०	-
२९ ४×१५ ६	२०३	१०	३२	पूर्ण/२०३०	१८३९ वि० (आश्विन कृष्ण १४)	–
२४.३×१४ ७	२	१०	२२	पूर्ण/१३	–	–
३१×१४	१६७	११	४२	पूर्ण/२४११	१८३४ वि० (उत्तरायण श्री सूर्यग्रह शुदि १ गुरुवासरे)	सुलिपि
३५×१३.५	११०	९	४५	पूर्ण/१३९२	१९२२ वि० (माघकृष्ण १४ भौमवार)	जीर्ण
३५×१३	२३४	१०	४०	पूर्ण/२९२५	१८९४ वि०	१०० अध्यायो मे पद्मपुराणान्तर्गत प्रयागमहिमावर्णन

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०१०	१५६३/९७२	प्रयागमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०११	४२५७/१९९७	प्रयागमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१२	३००८/१५६९	फलद्वितीयामाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१३	१६००/१००६	भागवतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१४	२८६६/१५२८	भागवतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१५	२८६६.१/१५२८	भागवतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१६	३१४०/१६१४	भागवतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१७	३१९२.२/१६२३	भागवतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१८	३२६९/१६५२	भागवतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०१९	४३७३/२०३३	भागवतमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२०	३४०५.१/१८०५ १	भीष्मपंचकमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२१	३४३८.१/१८२५.१	मथुरामाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२२	१०८१/८०६	माघमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३२ ३×१५.६	२७४	१४	३६	पूर्ण/४६२८	१८४७ वि०	इसमे पद्मपुराण के 'पातालखण्ड' के एक भाग 'प्रयागमाहात्म्य' का सग्रह किया गया है
२४×१०५	५५१	९	३५	पूर्ण/५४२४	१८५६ वि०	इसमे पद्मपुराण के पातालखण्ड के अश रूप १०० अध्यायो का प्रयागमाहात्म्य उपनिबद्ध है
२७ ५×११.५	७	१२	३६	पूर्ण/९४	१७४२ वि० (श्रावण वदि ५ शुक्रवार)	–
३६×१५	११	१०	३८	अपूर्ण/१३०	–	–
२९×१२	२१	११	३२	पूर्ण/२३१	१९४० वि०	–
२९×१२	२६	१०	२४	पूर्ण/१९५	–	–
२५×११ ७	४४	८	३२	पूर्ण/३५२	१९२९ वि० (चैत्र ७ गुरुवार)	–
२८५×१५ ५	८	१०	२८	अपूर्ण/७०	–	–
२२ ८×१०.४	२४	७	२८	पूर्ण/१४७	१८२८ वि० (श्रावण कृष्ण ३)	–
३४×१६.५	३३	१३	३०	पूर्ण/४९५	–	–
२५×१४	६	११	३२	अपूर्ण/६६	–	–
२५×१३	२६	१५	२०	अपूर्ण/२४४	–	–
२५ ८×१७	११२	१०	२६	पूर्ण/९१०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०२३	१४७५.१/९२२	माघमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२४	१५१४/९३३	माघमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२५	१८३७/१२३४	माघमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२६	१८०८/१२०९	मार्गशीर्षमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२७	२७६०/१५०४	मार्गशीर्षमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२८	२८९५/१५३३	मार्गशीर्षमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०२९	३५२०/१८३९ १	मार्गशीर्षमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३०	३५९९/१८५६.१	मार्गशीर्षमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३१	४३५५/२०२७	मार्गशीर्षमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३२	२८२१.२/१५१९	(माहात्म्य)	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३३	१६०६ १/११०८	रामतीर्थमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३४	१७८५ ६/११८६	रामनाममाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३५	१६३९.१/१०४३	रुद्रमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
३२×१३	१४२	१२	४८	अपूर्ण/२५५६	–	–
३४ ३×१२ ३	१२	१०	४७	अपूर्ण/१७६	–	–
३०×१४	९०	१२	३२	पूर्ण/१०८०	१८४६ वि०	–
२७ ५×१३	८१	९	४०	पूर्ण/९११	–	–
३०×१५	३२	११	३५	अपूर्ण/३८५	१८३२ वि० (मार्गशीर्ष वदि ३०)	जीर्ण
३१×१४	११७	१२	३६	पूर्ण/१५७९	–	–
३२×१४ ५	१४०	१३	३०	पूर्ण/१७०६	१९३३ वि० (वैशाख कृष्ण ५ भृगुवार)	–
२३×१० ५	७	९	२०	अपूर्ण/४०	–	–
२३.१×१२	१४३	९	२४	पूर्ण/९६५	–	–
२९.६×१३ ५	१०	१०	३२	पूर्ण/१००	–	–
१४ ३×१३	११	१०	१७	अपूर्ण/५८	–	–
२५×३०	२	२४	४०	पूर्ण/६०	–	–
२६.२×१७.२	४	५	१७	अपूर्ण/११	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०३६	४९/४४	वसिष्ठमुनिमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३७	१३३४/८८३	विंध्यपुराणमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३८	१३१४/८८१	विंध्यमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०३९	६०३५/३१६९	विभूतिमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४०	६१४१/३२६२	विभूतिमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४१	३३२७/१७२३	वैशाखमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४२	६१५६/३२७६	व्रतोपवासमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४३	१६३०/१०३४	शालिग्रामशिलामाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४४	१७८५.७/११८६	शिवनाममाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४५	५६३/५७३/५१९	संक्रातिमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४६	६७७०/३८०६	सगममाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
१०४७	६३३५/३४३७	सोमवतीअमावस्यामाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
११×६.५	११	६	१४	अपूर्ण/२९	–	–
४०×१४	३१८	८	४०	पूर्ण/३१८०	१९२३ वि०	–
३७×१०	२४०	१२	३२	पूर्ण/२८८०	–	सटीक
१४.७×९ ७	३७	११	२३	पूर्ण/२९३	–	भस्मधारण की सप्रमाण विधि एवं फल का विवेचन
१९ ८×१०.४	१	१४	३७	पूर्ण/१६	–	–
२६×११	१०९	१३	४८	अपूर्ण/२१२५	१६६८ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२५.७×९.८	१६	८	३८	अपूर्ण/१५२	–	–
२६ ६×१२.६	११	९	३७	अपूर्ण/११४	–	–
२५×३०	२	२४	४०	पूर्ण/६०	१९१० वि०	–
२५×११.५	६	९	२६	पूर्ण/४७	–	–
२१×११	१६	९	२४	पूर्ण/१०८	१७३७ शक	–
२४×११	११	९	२०	पूर्ण/६२	१८८२ वि० (मिति श्रावण)	–

रहस्य

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०४८	४७३/४३२	त्रिकूटरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०४९	१४१३/९०२	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५०	२४८४/१४१७	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५१	६५४४/३६१४.६	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५२	७५७७/४२५३	देवीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५३	६९९८/३९४५	भुवनेश्वरीरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५४	४३५/३९५	मंत्रपूजारहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५५	३४३०/१८१५	मूर्तिरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५६	४३७/३९०	शिवरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५७	१३७३/८९०	शिवरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५८	१३६६/८९६	शिवरहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०५९	१४३८/९१०	शीतलारहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी
१०६०	१२२७/८५६	श्यामारहस्य	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१०	१५५	७	१५	अपूर्ण/५०८	–	–
२७४×११.९	५१७	८	३३	पूर्ण/४२६५	१९२५ वि०	यह रुद्रयामलतन्त्र का एक भाग है। ६० पटलो के इस ग्रन्थ मे शक्तितन्त्र का विस्तृत विवेचन किया गया है
१६.२×१०	४४१	७	१६	पूर्ण/१५४३	–	–
१६×१९	१६९	७	१०	पूर्ण/३७०	–	–
२५.२×१०	१४७	७	२१	पूर्ण /६७५	–	–
३०×१६.५	४७	१०	२०	पूर्ण/२९४	–	–
२३×११.५	२५८	९	३२	अपूर्ण/२३२२	–	–
१९.४×१०.६	१५	१०	२५	पूर्ण/११७	–	–
२३×११	२१	९	२४	अपूर्ण/१४१	–	–
२७×१२	१९	७	३२	अपूर्ण/१३३	–	–
३६×१८.२	२०२	१५	४६	पूर्ण/४३५६	–	स्कन्धपुराण का एक अंश शिवरहस्य है जिसमे कुल ६० अध्याय है। यह प्रथम भाग है। द्वितीय भाग के भी कुछ पत्र इसके साथ उपलब्ध हैं। इसमे साम्ब-शिव के रहस्यमय चरित का वर्णन किया गया है
२२.४×१०	४	९	२४	पूर्ण/२७	–	–
२४×१६	२९२	१२	३२	पूर्ण/३५०४	१८९९ वि०	बीस परिच्छेदो में श्यामामाहात्म्य संकलन

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०६१	१३६३/८९४	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द गिरि	–	देसी कागज	नागरी
१०६२	१८२५/१२२५	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द परमहंस	–	देसी कागज	नागरी
१०६३	१८२७/१२२७	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द परमहस	–	देसी कागज	नागरी
१०६४	१४४२/१४३६	श्यामारहस्य	पूर्णानन्द परमहंस	–	देसी कागज	नागरी
१०६५	१९४/१८६	हयग्रीवरहस्य	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३४×१४	२६३	१३	४८	पूर्ण/५११३.५	–	–
३०×१४	८०	१६	५०	अपूर्ण/२०००	-	–
२८×१४	६०	१३	४८	अपूर्ण/१४७०	–	–
२७×१२	३४१	८	३६	अपूर्ण/३०६९	१९२६ वि०	–
१७.५×११.५	१६	६	१६	अपूर्ण/४८		–

व्रतकथा

क्रम सं०	न्थ स ०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०६६	२५३३/१४४९	अक्षयनवमीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०६७	२७४५/१५००	अक्षयनवमीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०६८	३४०४.१/१८०४.१	अक्षयनवमीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०६९	९१४.४/९३१/७६७	अगस्त्यकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७०	१०४६/७९८	अगस्त्यकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७१	२४३६/१४२९	अगस्त्यऋषिकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७२	२७४६/१५००	अगस्त्यऋषिकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७३	१०७९/८०६	अगस्त्यर्घव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७४	२८५३/१५२६	अगस्त्यव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७५	३४७७.१/१८२९.१	अगस्त्यव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७६	६९९५/३९४५	अचलासप्तमीव्रतकथा	शकर भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
१०७७	२६५६/१४८०	अनन्तचतुर्दशीव्रतकथा, पाली तथा कदलीव्रत	–	–	देसी कागज	नागरी
१०७८	५६४.१/५७४/५२०	अनन्तदेवकथा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×१२	१०	१०	३०	अपूर्ण/९४	१९०५ वि० (कार्तिक कृष्ण ३० गुरुवार)	सुलिपि
२५×१३	११	१०	३२	पूर्ण/११०	१९०८ वि०	–
२४×१४	५	१२	३२	अपूर्ण/६०	–	–
२५ ५×१४.५	९	११	२८	अपूर्ण/८७	–	–
२२.५×१४	९	१३	३०	अपूर्ण/१०९	१७५३ वि० (भाद्रवासुदी ५ शनिवार)	–
२९×१४ ५	७	१२	४०	पूर्ण/१०५	१८४३ वि० (आश्विन कृष्ण तिथि १ शनिवासरे)	–
२४×१२	१९	८	२४	पूर्ण/११४	१९०३ वि०	–
१९.३×१४	१३	१०	२२	पूर्ण/८९	–	–
१७×१०	२६	७	२४	पूर्ण/१४१.५	–	–
२८×१८	९	१३	३०	पूर्ण/१०७	१९१७ वि० भाद्र शुक्ल ६)	–
२६×१४.५	४	१२	२०	पूर्ण/३०	१८४८ वि० (माघ शुक्ल १४ भौमवार)	–
२५×१६.५	५३	१०	२४	पूर्ण/३९७	–	–
२३.५×१२	१३	९	२८	पूर्ण/१०३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०७९	२५९६/१४६४	अनन्तपूजन एवं व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८०	१०४३/७९८	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८१	११०८/८१२	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८२	११४०/८२६	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८३	१५०५/९३१	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८४	२४३५/१४२९	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८५	२४९३/१४४१	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८६	३०७४/१५९१	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८७	३६८२/१८७३	अनन्तव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८८	१४८४/९२६	अन्नपूर्णाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०८९	१६८९/१०९२	अन्नपूर्णाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९०	९१४.२/९३१/७६७	अष्टसौभाग्यव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९१	३२७२/१६५२	अष्टसौभाग्यव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२६×१२	७	१०	३०	अपूर्ण/६५	–	–
२६ ५×१२	१०	११	३२	पूर्ण/१८७	१८१७ वि०	–
२२ ५×१४.५	१५	९	२०	अपूर्ण/ ८४	–	–
२३ ५×१४	११	१०	१८	अपूर्ण/६१	१९०० वि०	–
२९.५×११.५	१७	७	३०	पूर्ण/१११	–	–
२९×१४	११	१०	३४	पूर्ण/११७	–	–
३०×१५	१६	१२	५०	पूर्ण/३००	१८४२ वि० (भाद्रपद सुदी १४ शुक्र)	–
३०×१६	१०	१२	३२	पूर्ण/१२०	१८९० वि०	–
२२.५×१४	९	१२	२०	पूर्ण/६७	–	–
२९×१०	१५	११	३६	पूर्ण/१८५	१९१७ वि०	–
२७ ५ ×१२	२७	९	२४	अपूर्ण/२०२	–	–
२५ ५×१४.५		१५	३६	पूर्ण/१५२	–	–
२६.४×११.५	२१	६	२८	पूर्ण/१८	१८१६ वि० (आश्विन कृष्ण २)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१०९२	३४५८.२/१८२७.१	आषाढकृष्णयोगिनीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९३	३७३५ १/१९०३.१	आषाढशुक्लएकादशीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९४	५६६/५७६/५२२	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९५	१३३५/८८२	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९६	२५९५/१४६४	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९७	२८०८/१५१६	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९८	३१४३/१६१४	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१०९९	३४४२/१८२६.१	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११००	३४४४.१/१८२६.१	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०१	५९५१/३१०९	ऋषिपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०२	९११/९२८/७६७	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११०३	१०९२/८००	एकादशीव्रतकथा	—	--	देसी कागज	नागरी
११०४	११३५/८२४	एकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२०.८×१२.२	६	९	२२	पूर्ण/३७	–	–
२५.५×१६	४	१०	१६	पूर्ण/२०	–	–
२७×११	९	८	३२	पूर्ण/७२	–	-
२९.५×१३	१०	६	१५	पूर्ण/२८	१९४९ वि० (भाद्र शुक्ल-पक्ष चतुर्थी शुक्रवार)	–
२३ ५×१०	४	९	३२	पूर्ण/२८	–	–
२५×१५	८	९	२४	पूर्ण/७२	१९४० वि०	–
२४.२×१३.२	९	११	३२	पूर्ण/९९	१९०१ वि० (भाद्रपद शुक्ल एकादशी)	–
२५×१३	२	१२	३२	अपूर्ण/२४	–	–
२५×१२.५	३	१३	३२	अपूर्ण/३९	–	–
२७ ४×१२.८	४	९	३६	पूर्ण/८१	–	–
२४×१३.५	१८३	९	२८	पूर्ण/१४४१	१८०४ वि०, (१६६९ शक)	इसमे सभी महीनो की एकादशियो के व्रत का माहात्म्य विविध पुराणो से संगृहीत है
२९×१३	२८	१२	३४	अपूर्ण/३५७	–	–
२३.८×१४ ४	८	१०	१८	पूर्ण/४५	१९१९ वि० (भाद्रपद)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११०५	२४९४/१४४१	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११०६	२६४४/१४७६	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११०७	२७७०/१५०८	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११०८	२९०४/१५३६	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११०९	३२८६/१६५५	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१११०	३७३७ १/१९०४.१	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११११	३८११.१/१९३९.१	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१११२	६७२६/३७६९	एकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१११३	३८७०.१/१९७८	कार्तवीर्यकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१११४	२५८८/१४६२	कार्तिकएकादशीव्रतकथा		–	देसी कागज	नागरी
१११५	२५८८.१/१४६२	कार्तिकएकादशीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१११६	३१३८/१६१४	कार्तिकशुक्लनवमीकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१११७	६०२५/३१६०	कार्तिकशुक्लपञ्चमीकथा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२९×१३	१३	९	२८	पूर्ण/१०२	—	
२५.५×११.३	३४	१०	३२	पूर्ण/३४०	—	
२२.८×१३	९	९	२२	अपूर्ण/५५	—	
२३.२×१०.४	१३	९	२६	अपूर्ण/९६	—	
२२×१०	८	७	२५	अपूर्ण/४४	—	
३१.७×१३.९	२५	१०	३२	अपूर्ण/२५०	—	
२२.५×१०.५	१८	६	२४	अपूर्ण/८१	—	
२७×१५	८	१२	२८	पूर्ण/८४	—	
२४×१४	२५	१०	३२	पूर्ण/२५०	—	
२२.३×१३.५	८	१०	२४	पूर्ण/६०	१९२५ वि० (श्रावणशुक्ल १३)	
२५.५×१३	७	१०	३२	अपूर्ण/७०	—	
२४×१६	८	१२	२६	पूर्ण/७८	१९२२ वि० (फाल्गुनशुक्ल १० चन्द्रवार)	
२४.४×१२.२	७	१३	३८	पूर्ण/१०८	—	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१११८	३६४८/१८६६	कार्तिकशुक्लाप्रबोघनी-व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१११९	९८८/१००५/७८२	कार्तिकीशुक्लाप्रबोधिनी-व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२०	३४८०.२/१८२९.१	कृष्णचतुर्थीसंकष्टहरव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२१	३४५८.३/१८२८.१	कैवल्यैकादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२२	५८३३/३००७	कोकिलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२३	५९०७/३०७६	कोकिलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२४	२७७३/१५०८	गणेशप्रतिपत्कथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२५	२७४४/१५००	गणेशप्रतिपदाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२६	८४६/७३९	गोत्रिरात्रिव्रतोद्यापन	—	—	देसी कागज	नागरी
११२७	९१०.१/७६७	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२८	१०४५/७९८	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११२९	२७४१.१/१४९८	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३०	२७४१ ३/१४९८	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२९.७×१४	८	१२	४०	पूर्ण/१२०	—	—
२६ ५×१३.५	७	९	३६	पूर्ण/७०	—	—
२८.५×१८.२	७	१६	३६	पूर्ण/१२६	—	—
२४×१४ ७	४	१३	३५	पूर्ण/५७	—	—
२०.५×१०	६	९	२४	अपूर्ण/४०	—	—
२०.७×१०	८	९	२४	अपूर्ण/५४	१८८५ वि० (आषाढ़ १)	—
२३×११ ६	११	८	२८	पूर्ण/७७	—	मृगधर्ममाहात्म्य वर्णित
२४×१३	७	१०	३२	पूर्ण/७०	१९०८ वि०	—
२२×१२	२६	१०	२५	पूर्ण/२०३	१७६१ वि० (१६२६ शक)	—
१४.५×१०	१५	८	१५	अपूर्ण/५६	—	—
२५×१४	६	१३	३६	पूर्ण/८७	—	—
२७ ८×१३.८	२	१२	४३	अपूर्ण/३२	—	—
२६ ५×१३	१६	१२	४३	पूर्ण/२५८	१८१५ वि०	इसमे भाद्रपद मास के शुक्लपक्ष की त्रयोदशी को किये जाने वाले गोपूजा-परक सुखसौभाग्यप्रद व्रत का प्रतिपादन हुआ है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११३१	३२७१/१६५२	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३२	३४४३.१/१८२६.१	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३३	३७९५.१/१९३२.१	गोत्रिरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३४	३४४३.१क/ १८२६.१क	गोवत्सद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३५	१०१४/७९१	जन्माष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३६	२७४८/१५००	जन्माष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३७	३१४८/१६१४	जयापार्वतीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३८	७००५/३९४६	देवोत्थानीएकादशीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११३९	६३८१/३४८०	निशल्याष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४०	२८२४/१५१९	नृसिंहचतुर्दशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४१	३७४३.१/१९०८.१	नृसिंहव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४२	१०८०/८०६	फलद्वितीय व्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४३	३१४५/१६१४	फाल्गुनपूर्णिमाकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२४×१३	१२	१०	२९	पूर्ण/८२	१७३१ वि० (मार्गकृष्ण प्रतिपदा)	खण्डित
२०×१४	२	१०	२८	अपूर्ण/१७५	–	
२५.३×१२.३	४	११	३६	पूर्ण/४९	–	
२६×१४	३	१४	३२	पूर्ण/४२	१८४८ वि०	
२४×१४	१४	९	२२	पूर्ण/८७	–	
२४×१३	१०	१२	२८	पूर्ण/१०५	–	
२०.५×१०.७	५७	८	२८	पूर्ण/३९९	१९३७ वि० (कार्तिककृष्ण ६ रविवार)	
२४×१४	७	१२	२०	अपूर्ण/५२		
२४×११.५	३	१०	२०	पूर्ण/१९	–	
२७.५×१२	१२	९	३२	पूर्ण/१०८	–	
२१×१६	६	१०	२३	अपूर्ण/४३	–	
२४×१३.५	७	१०	३२	पूर्ण/७०	१७५५ वि० (आश्विन-शुक्ल ७)	
२४.७×१२.८	९	९	३२	पूर्ण/८१	१९०९ वि० (फाल्गुन वदि १४)	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११४४	१२९८/८७७	बहुलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४५	१२७०/८६९	बहुलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४६	१३१९/८८२	बहुलाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४७	२८११/१५१९	बुधाष्टमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४८	११३५.१/८२४	भाद्रपदकृष्णतृतीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११४९	६७४१/३७८४	भौमकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५०	१०४४/७९८	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५१	२०७६/८०६	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५२	२४५८/१४३३	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५३	७६३५/४२८६	महालक्ष्मीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५४	१०८२/८०६	माघकृष्णचतुर्थीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५५	३४५८.४/१८२७	मोहिनीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
११५६	६११९/३२४१	मौनीएकादशीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×१०.५	१२	६	२२	पूर्ण/३७	१९६० वि० (भाद्रपदमासे कृष्णपक्षे चतुर्थ्यां भौमवासरे)	—
२५×१०	१२	७	३१	पूर्ण/८१	—	
२७×१३	७	८	२५	पूर्ण/४४	१९५९ वि० (भाद्रकृष्णपक्ष चतुर्थी शुक्रवार)	
२६.८×१२.७	४	१२	३०	पूर्ण/४५	—	
२७×१५	७	१०	२२	अपूर्ण/४८	—	
१४×११	४४	१०	१६	पूर्ण/२२०	—	
२६ ५×१३	११	११	४०	पूर्ण/१५१	—	
१८.५×१३.५	३९	९	१४	पूर्ण/१८४	—	
१८×१३.५	६	११	२४	पूर्ण/४९.५	१८८२ वि०	
२१×१३.५	२७	१०	२०	पूर्ण/१६९	१९१२ वि० (श्रावण सुदी १ शनिवार)	
२३×१४.५	४	१३	३२	पूर्ण/५२	—	
२१.८×१४.८	४	१२	३०	पूर्ण/४५	—	
२०.५×१०.८	८	११	३०	पूर्ण/८३	१९३७ वि०	

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११५७	७८९/८०५/७१५	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५८	१०१२/७९१	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११५९	३१३६/१६१४	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६०	३७३२.१/१९०३.१	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६१	६६३९/३६८५	यमद्वितीयाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६२	६९९४/३९४५	यमद्वितीयाव्रतोपाख्यान	—	—	देसी कागज	नागरी
११६३	२४५८.२/१४३४	रामनवमीकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६४	१३१८/८८२	ललिताषष्ठीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६५	१३२१/८८२	वटसावित्रीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६६	६३२७/३४२९	वटसावित्रीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६७	६७०३/३७४७	वटसावित्रीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६८	३४७६.१/१८२९.१	वसन्तपञ्चमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११६९	५५९/५६९/५१५	विष्णुव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (मे० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७×१५	८	११	३०	पूर्ण/८३	१८८० वि० (चैत्र)	–
२४×१६	१८	९	१५	पूर्ण/६३	–	–
२७×१३.२	१०	१०	२८	पूर्ण/१३५	१९१० वि० (फाल्गुन-शुक्ल तृतीया)	–
२७.४×१६.७	११	१०	२४	पूर्ण/८०	१९२८ वि० (फाल्गुन कृष्ण ९)	–
२५.×१३	१०	८	२४	पूर्ण /६०	–	–
२८×१३	६	९	३०	पूर्ण/५०	–	–
२९×१४	४	१०	४०	पूर्ण/५०	–	–
२६.५×११.५	९	८	३०	पूर्ण/६७	१९५३ वि० (भाद्रपदकृष्ण १ चन्द्रवार	–
३०×१३	२४	७	२८	पूर्ण/१४७	१९४९ वि० (ज्येष्ठकृष्ण-पक्ष बुधवार चतुर्दशी)	–
१७×१२	१८	७	१०	पूर्ण/३९	–	–
१५×९	४०	७	१६	पूर्ण/१४०	१८०४ वि०	–
२३.४×१६.७	२	१६	२८	पूर्ण/२८	१३११ वि० (फाल्गुन-शुक्ल ८)	–
२१×१०	१४	८	२४	अपूर्ण/८४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११७०	६४८७/३५७०	विष्णुशयनीएकादशीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
११७१	३७३६ १/१९०३.१	व्यतीपातव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७२	१०७५/८०६	शरदकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७३	५६५/५७५/५२१	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७४	१०८३/८०६	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७५	९१२/८२९	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७६	३१३७/१६१४	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७७	३८७७.१/१९८२	शिवरात्रिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७८	१२६९/८६९	शीतलासप्तमीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११७९	२५११/१४४५	श्रावणद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८०	३२७०/१६५२	श्रावणद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८१	६७०९/३७५३	श्रावणद्वादशीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
११८२	७३८२/४१७८	श्रीकृष्णजन्मव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७.५×१३	८	१२	३०	अपूर्ण/९०	–	–
२८ ५×१६	४	११	२८	पूर्ण/३८	–	–
१८ ५×१३ ५	१३	९	२४	पूर्ण/ ८७	–	–
२५ ५×११	१०	८	३८	अपूर्ण/९५	–	–
२५×११.५	९	१२	३४	पूर्ण/११४	–	–
२६×१७ ५	७	७	३४	पूर्ण/५२	१८७७ वि०	–
२६.२×१४.२	२९	१०	३२	पूर्ण/२९०	–	–
२५×१२	१७	८	३२	पूर्ण/१२६	–	–
२५.५×९	१३	८	३६	पूर्ण/११७	–	–
२७×१२	१०	८	३०	अपूर्ण/७५	–	–
२६ ४×१२.४	१०	९	३२	पूर्ण/९०	–	–
२८×१३	८	११	३६	पूर्ण/९९	१८६१ वि०	–
२६ १×१३.१	८	१२	२६	पूर्ण/७८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११८३	१५०४/९३१	सकटचतुर्थीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११८४	१३२०/८८२	सक्रष्टचतुर्थीव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११८५	१८०८ १/१२०९	सकष्टनाशनगणेशव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११८६	१७२३/११२४	सत्यनारायणव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११८७	२४५९/१४३६	सत्यनारायणव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११८८	२४९०/१४४०	सत्यनारायणव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११८९	२७३३/१४९४	सत्यनारायणव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११९०	३३७४/१७६५	सत्यनारायणव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११९१	६१५७/३२७७	सत्यनारायणव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११९२	७५१३/४२४७	सिद्धिविनायकव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११९३	३१३५/१६१४	सिद्धिविनायकव्रतोपाख्यान	–	–	देसी कागज	नागरी
११९४	२४५८ १/१४३६	सीतानवमी	–	–	देसी कागज	नागरी
११९५	५८२.१/५९२/५३५	सुन्दरीद्वितीयाकथा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६ ५×११	१०	६	२१	पूर्ण/६९	१९५२ वि० (माघकृष्ण तृतीया शुक्रवासरे)	–
३०×१३	८	८	३२	पूर्ण/६४	१९५३ वि० (माघकृष्ण-पक्ष ४)	–
१८×१४	९	१०	१५	अपूर्ण/४२	१९०७ वि० (वैशाख सुदि ४ बुधवार)	–
२३.५×११.८	१६	१०	३२	अपूर्ण/१६०	–	–
२६×१३	३२	८	२४	अपूर्ण/१६२	–	–
२८×१५	१४	१०	३२	पूर्ण/९४०	–	–
२७×११.४	३२	८	२६	पूर्ण/२०८	–	–
३३×१३	४०	८	३०	पूर्ण/३००	१९११ वि० (वैशाखकृष्ण अष्टमी बुधवार)	–
३०×१० ८	२५	७	४०	अपूर्ण/२१९	–	–
१३×२३	५	२०	१६	पूर्ण/५०	–	–
२० ५×११ ५	२४	१०	२४	पूर्ण/४५	१७९० वि० (श्रावण ३० भौमवार)	–
३०×१४	४	९	४०	पूर्ण/४५	–	–
१४ ५×१०	१६	६	१६	पूर्ण/४८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
११९६	३८७६.५/१९८३	सूर्यषष्ठीकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११९७	४७६/४३५	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११९८	१३३०/८८२	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
११९९	२५३१/१४४९	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२००	५९५६/३११२	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०१	७००४/३९४६	सोमवतीअमावस्याव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०२	३११९/१६२३	हरितालिकातृतीयाकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०३	८२९.१/८४६.१/७३९	हरितालिकाव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०४	९१४/९३१/७६७	हरितालिकाव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०५	९४३/९६०/७७०	हरितालिकाव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०६	१०४९/७९९	हरितालिकाव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०७	१३२९/८८२	हरितालिकाव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी
१२०८	२२९९/१४२२	हरितालिकाव्रतकथा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×११	३	६	२६	अपूर्ण/९	–	–
१३×८	४२	७	१०	पूर्ण/९२	१७८७ वि० (शाके १६५२ भाद्र १२ रविवार)	–
३०×१३	१७	८	३२	पूर्ण/१३६	१९५० वि० (ज्येष्ठकृष्ण १४)	-
२४×१३	२८	११	२५	पूर्ण/२४६	१९३० वि० (आषाढकृष्ण ८ बुधवार)	सुरक्षित
२१ २×१०.२	७	१०	२४	अपूर्ण/५२	१८१२ वि० (ज्येष्ठ २)	–
२७.५×१३.५	९	१३	३०	पूर्ण/१९	१८४७ वि० (वैशाखकृष्ण १३ चन्द्रवार)	–
२४×१०.६	७	१२	३६	पूर्ण/९४	–	–
१७५×१२.५	१९	८	२०	पूर्ण/९५	–	–
२५ ५×१४ ५	१०	११	३०	पूर्ण/१०३	१८०३ वि०	–
२४.५×११.५	१३	८	२८	पूर्ण/९१	१७९० (भाद्रपद)	–
२४×१३	११	१०	२८	पूर्ण/९६	१८७६ वि०	–
३०×१३	१५	८	२८	पूर्ण/१०५	१९४९ वि० (भाद्रशुक्ल-पक्ष तृतीया गुरुवार)	–
१६×१०	६	८	२८	अपूर्ण/४२	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२०९	२५९३/१४६४	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१०	२६१९/१४६७	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२११	३३०९/१७०७	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१२	३७४४.१/१९०८.१	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१३	५८०३/२९८७	हरितालिकाव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१४	२८११/१५१६	हस्तगौरीव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१५	४०९४/१९४४	हस्तिव्रतकथा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×१३	११	९	३०	पूर्ण/९३	–	सुलिपि
२४×१३	२१	११	३२	पूर्ण/२३१	–	–
२१५×१० ७	११	९	२८	पूर्ण/११५	१९१९ वि० (भाद्र पञ्चमी गुरुवार)	–
२७ २×१३	५	१३	४८	पूर्ण/९८	–	–
२३ ७×११.५	१४	७	२४	अपूर्ण/७३	–	–
२३×१४	७	१२	२४	पूर्ण/६३	१८४६ वि०	–
२३×१४	५	१२	२४	पूर्ण/४५	१८९३ वि०	–

स्तोत्र

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२१६	६४६०/३५५३	अंबिकापञ्चरत्न	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२१७	३७१ (क)/३४०	अग्न्युत्तार	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१८	२५०२ १/१४४४	अज्ञानविमोचनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१९	३६०१/१८५६.१	अध्यात्मस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२०	१४०/१३३	अथर्वणरहस्यस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२१	३५/३०	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२२	१५४५/९५५	अनुस्मृति		—	देसी कागज	नागरी
१२२३	३०४४/१५८२	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२४	३०६४ ३/१५८९	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२५	३१७५/१६२१	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२६	३२२१/१६३१	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२७	३६२६/१८६२ १	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२२८	३६७९/१८७३	अनुस्मृतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६.५×१२	१	१७	४०	पूर्ण/२१	–	–
२३×१३	२	११	२२	अपूर्ण/ २५	–	–
२३.५×१२ ५	१	१५	५२	पूर्ण/२४	–	–
२३×१० ५	२२	६	२०	पूर्ण/८२	–	–
१४×१०	१०	६	१२	पूर्ण/२२	–	-
१७×१० ५	२५	७	२०	पूर्ण/१०९	–	-
१४×१०	२९	६	१६	पूर्ण/८७	–	-
११ ५×९ ५	३६	७	१५	पूर्ण/११८	१९३४ वि०	–
११.८×७.५	३७	६	१५	पूर्ण/१०४	–	–
१८×१०	२१	९	१६	पूर्ण/९०	–	–
३३×२०	४०	५	२४	पूर्ण/१५०	–	-
१५ ५×१२	१८	९	१०	पूर्ण/५१	१८९५ वि० (आश्विन-कृष्ण १० गुरुवार	–
२०×१५ ५	२१	१६	२०	पूर्ण/२१०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थसं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२२९	४२४७.१/१९८६	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३०	४२४७.१/१९८६.१	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३१	७५८७/४२५८	अनुस्मृति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३२	८६५/८८२/७५६	अन्नपूर्णास्तोत्र	परमहस परिव्राजकाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२३३	१६९१.४/१०९४.१	अन्नपूर्णास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३४	७२२९/४०८६	अन्नपूर्णामन्त्रनामसहस्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३५	७२२८/४०८६	अन्नपूर्णेश्वरीस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३६	२५९२/१४६३	अपराजितास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३७	३८९-	अपराधक्षमास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२३८	५६१/५७१/५१७	अपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	--	देसी कागज	नागरी
१२३९	३०७८.१२/१५९३	अपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४०	६७७७/३८१३	अपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१२४१	३१६४.९/१६१९	अपराधनिरसनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२० ५×१४	५	७	१०	अपूर्ण/११	–	–
१२×७	२५	६	१०	पूर्ण/४७	–	–
१५ ४×८.८	१५	९	१८	अपूर्ण/७६	–	–
१८×९ ५	४	७	२०	पूर्ण/१७	१८६६ वि० (बुधवार ५)	–
१३×२२	३	१६	१२	पूर्ण/१८	१९५४ वि०	–
१४ ४×८.८	६९	६	१६	पूर्ण/२०७	–	–
१४.४×८.८	१३	६	१६	पूर्ण/३९	–	–
१७×१६	६	१६	२२	पूर्ण/६६	–	–
१३×८	१२	७	१६	पूर्ण/४२	१८३८ वि०	–
१६.५×१२ ५	६	८	११	अपूर्ण/१७	–	–
१०.२×६ ६	१०	६	१६	पूर्ण/३०	१८७४ वि० (पौष १३ भौमवार)	–
१६×१०	५	८	२०	पूर्ण/२५	–	–
३५.७×१६.७	३	११	३२	पूर्ण/३३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२४२	४९७/४५१	अपराधभञ्जनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२४३	५२९/५१९(१)/४७५	अपराधसमापनस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२४४	३९५५.१/२०१७ १	अपराधक्षमापनस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२४५	१५२५/९४०	अपराधसुन्दरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२४६	३१९२/१६२३	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२४७	३३०६/१७०४	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२४८	३९०८.१/१९९३	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२४९	४३४६/२०२३	अपराधसुन्दरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२५०	१८०१(१)/१२०२	अपराधस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२५१	११०/१०३	अपामार्जनस्सोत्र		–	देसी कागज	नागरी
१२५२	१७२/१६५	अपामार्जनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२५३	२६९५/१४८९	अपामार्जनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२५४	२८५८	अपामार्जनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१७×१२	७	९	१९	पूर्ण/३७	१८९८ वि० (शाके१७६४)	–
११×१०	५	५	१२	पूर्ण/१५	१८६० वि० (भाद्रपद शुक्ल पचमी सोमवार)	–
१३×१०	१०	७	१०	पूर्ण/२२	–	–
१९ २×११.३	९	७	२१	पूर्ण/४१	–	–
२५×११	४	१०	१४	पूर्ण/१०	–	–
११.५×५ ८	१०	५	१३	पूर्ण/२०	–	–
१७.३×१०	१३	६	१६	पूर्ण/२६	१७६५ वि० (श्रावण १४)	-
१३×९.५	१२	७	१७	पूर्ण/४१	–	–
१६×९	४	५	१५	पूर्ण/९	–	–
१४.५×८.५	३०	६	१६	पूर्ण/९०	१८४४ वि० मीति (आसीज सुद ४ चडवार)	–
१३.५×८५	८१	५	१३	अपूर्ण/१६४	–	–
१६×१०	३०	९	१८	पूर्ण/१३५	–	–
२६×११.५	२५	८	२२	पूर्ण/१३८	१७६१ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२५५	३५६१/१८४८ १	अपमार्ज्जनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५६	७७७/७९३/७११	अभिलाषाष्टकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५७	३८४१.२/१९६० १	अर्गलास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५८	२३८१.१/१४१७	अर्गलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२५९	३६७६.१/१८७३	अष्टपदी	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६०	३०८०.२९/१५९४	आचार्यनामावली	हरिराम	—	देसी कागज	नागरी
१२६१	१२६/११९	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६२	१२९/१२२	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६३	१३०/१२३	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६४	२२९/२१८	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६५	२८८/२६३	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६६	४०९/२७०	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२६७	३३८/३१०	आदित्यहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१ ७×१०	२४	७	२७	पूर्ण/१४२	१७७२ वि०	
१८.५×१४	५	१०	१६	पूर्ण/२५	—	
६×११	६	१२	८	पूर्ण/१८	—	
१३.५×८	५	६	१६	पूर्ण/१५	—	
२०×१५ ५	१	१६	२०	पूर्ण/१०	—	
१६×१०	१५	६	१५	पूर्ण/४२	१८४९ वि०	
१७×९.५	४४	८	२०	पूर्ण/२१०	—	
१९×११	५०	६	२०	अपूर्ण/१८८	—	
१४ ५×१०	५६	८	१६	पूर्ण/२२४	१९६० वि०	
१३.५×८ ५	६७	६	१६	पूर्ण/२०१	—	
१३.५×८	७९	५	१६	अपूर्ण/१९७	—	
२०×१३ ५	३५	८	२०	पूर्ण/१७५	१८२८ वि०	
१७ ५×७	५९	५	२४	पूर्ण/२२१	१८५० वि०	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२६८	३५०/३२१	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२६९	४१०/३७१	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७०	४४०/४००	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७१	४५१/४४२	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७२	५१४/५०५/४६३	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७३	५३७/४८३	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७४	५४६/५३६/४९२	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७५	५४६/५५६/५०२	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७६	८१७/८६३/७२९	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७७	११४५/८२७	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७८	१६९५/१०९८	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२७९	२८९५/१५३१	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२८०	२९०२/१५३१	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×१२	२०	१०	३२	पूर्ण/२००	१८०८ वि० (माघशुक्ल ७ रविवार)	–
१९×१२	३५	१२	२४	पूर्ण/३१५	१८१६ वि०	–
१४×८	६२	८	१६	पूर्ण/२५२	१९०३ वि०	–
२१ ५×८.५	४९	५	२४	पूर्ण/३६७	–	-
१९×१०	४२	८	२४	अपूर्ण/२५२	१७७९ वि०	–
१७×१२	६६	७	१४	पूर्ण/२०५	–	–
१९.५×१२	२५	१०	२५	पूर्ण/१९२	–	–
२७.५×१३	२९	१०	४०	पूर्ण/३६३	–	–
२०×१० ५	७९	५	१८	पूर्ण/२२३	-	–
२६.८×१४५	१६	११	३६	पूर्ण/१९८	–	–
२२ ३×१०.२	३४	५	२८	अपूर्ण/१२१	–	–
१२×७	११८	५	१२	पूर्ण/२२१	–	सुरक्षित
२२.५×९.२	३९	६	२४	पूर्ण/१७५	१७८९ वि० (चैत्र, बुधवार १३)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२८१	२९०९/१५३८	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२८२	६००४/३१४०	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२८३	६३०६/३४०८	आदित्यहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२८४	७७/७१ १	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२८५	७७/७१	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२८६	११५९/८३२	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	डिंडिमराम कवि	देसी कागज	नागरी
१२८७	११८०/८३८	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२८८	१७८८/११८९	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२८९	६७१३/३७५७	आनन्दलहरी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२९०	२४१८/१४२६	आपदुद्धारबटुकभैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२९१	६४.२/५८	आपदुद्धारस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२९२	७४९०/४२३९	आपदुद्धारस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२९३	८२२/८३८/७३२	आम्नायस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी-

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५.५×१०.५	७८	८	१५	अपूर्ण/२९२	–	–
१३×८.४	२८	७	१६	अपूर्ण/९८	–	–
१४.५×९ ५	५८	६	१०	पूर्ण/१०९	–	–
१७×११	९	८	२१	पूर्ण/४७	१८९० वि०	–
१४×१०	९	९	२४	पूर्ण/६०	–	–
२७.५×१५	१६५	१३	४३	पूर्ण/२२५७	१८५८ वि० (चैत्रशुद्ध रविवासरे)	मूल के १०२ श्लोको सहित संस्कृत टीका
२१×१३	४	११	३२	पूर्ण/४४	–	–
२२ ५×१३	८	६	२८	पूर्ण/४२		–
१८×११	९	८	१६	पूर्ण/३६	१८९० वि०	–
१६.५×१३	२४	१३	२०	पूर्ण/१९२	१९३८ वि० (माघशुक्ल १३ मगलवासरे)	–
१७×१०	५२	६	१२	पूर्ण/११७	–	–
११×७	१८	८	१६	पूर्ण/७२	–	–
२२ ५×१३	७२	१०	२८	पूर्ण/६३०	१८४० वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१२९४	९२६/९४३/७६८	अम्नायस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१२९५	२६२२.५/१४६७	आर्या	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२९६	२६७६.११/१४८५	आर्या	–	–	देसी कागज	नागरी
१२९७	१७३/१६५	आर्याद्वादश	शाम्भआचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१२९८	७०६९/३९८०	आर्याद्वादशक	–	–	देसी कागज	नागरी
१२९९	२६७६/१४८५	आर्याद्वितीया	–	–	देसी कागज	नागरी
१३००	१७१/१६४	आर्यासप्तक	–	–	देसी कागज	नागरी
१३०१	३७३८.६/१९०४.१	आर्यास्तोत्र	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३०२	३७०६ १/१८८१.१	इन्द्राक्षीस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१३०३	५०१/४५५	इन्द्राक्षीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३०४	२८८१/१५३०	इन्द्राक्षीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३०५	३४१३/१७९९	इन्द्राक्षीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३०६	६७९३/३८२७	इन्द्राक्षीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१२	५	१२	१६	पूर्ण/३०	१८९४ वि० (ज्येष्ठकृष्ण)	—
२७×१६	२	८	३२	पूर्ण/१६	—	कृष्णस्तुति
२७×१६	२	८	२४	पूर्ण/१२	—	—
१५×८ ५	५	७	१८	पूर्ण/१९	१९५५ वि० (पौषकृष्ण एकादशी)	—
५५×१८	२	२८	१०	पूर्ण/१७	—	—
२७×१६	२	९	३२	पूर्ण/१८	—	—
१६ ५×१३	६	६	१६	पूर्ण/१८	—	—
२१×१७	७	९	१६	अपूर्ण/३१	—	—
२३×१०	४	७	३२	पूर्ण/२८	—	—
१२×६	१४	५	१५	पूर्ण/२३	—	—
१८ ५×१४	५	११	१६	पूर्ण/२७	१८८३ वि० (श्रावणकृष्ण ८ गुरुवार)	—
१६ ५×९ ७	१	१०	२४	अपूर्ण/७.५	—	—
२०×११	१	८	४८	पूर्ण/१२	—	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३०७	६८०७/३८४०	उग्रतारास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०८	१६९१.१३/१०९४ ३	उच्छिष्टगणेशसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३०९	१०८/१००	उपस्थापनसहस्राक्षरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१०	६७१७/३७६१	ऊर्ध्वपुण्ड्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३११	३८००.१/१९३५.१	ऋणमोचनगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१२	७०६७/३९८०	ऋणमोचनगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१३	३८८९.३/१९१८	ऋणहरगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१४	३८४१.४/१९६० १	ऋणहरगणपतिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१५	६७२२/३७६५	ऋणहरस्तोत्र	नारद	—	देसी कागज	नागरी
१३१६	३८९२.१/१९४०.१	एकश्लोकीविष्णुसहस्रनाम-स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३१७	३९५३.१/१९२३	एकीभावस्तोत्र	वादिराज	—	देसी कागज	नागरी
१३१८	२५४७ ६/१४५३	एकादशभक्तिवर्द्धिनी	वल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३१९	१५२/१४४	ऐन्द्राक्षीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२४×११	१	८	४८	पूर्ण/१२	–	–
१६.८×२०.८	३	१५	१८	अपूर्ण/ २५	–	–
२२.५×१० ८	११	९	२३	पूर्ण/७१	१८०० वि०	–
१६×१०	१०	८	१६	पूर्ण/४०	–	–
२०×११	४	७	१५	पूर्ण/१७	–	-
४२×१५	१	२८	१५	अपूर्ण/१३	–	–
१७×११	६	८	१६	पूर्ण/२४	–	-
६×११	५	१२	८	पूर्ण/१५	–	–
१६×१०	२	१०	३२	पूर्ण/२०	१९०९ वि०	–
१६.८×२१	२	१२	१०	पूर्ण/७	–	–
१२×९	१८	६	१६	पूर्ण/५४	–	–
१५ ७×१०.५	४	८	१६	पूर्ण/१६	–	–
२०×१२	५	८	२०	पूर्ण/२५	१८६३ वि० (आश्विन-शुक्ल ५)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३२०	३७९९.१/१९३४.१	ककारात्मकसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३२१	६०५२/३१८५	कनकधारालक्ष्मीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३२२	६८०९/३८४०	कनकधारास्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३२३	१९८६/१३११	कपिलगीत	–	–	देसी कागज	नागरी
१३२४	३८२९.१/१९५१ १	कपूरस्तवराज	–	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
१३२५	९५३/९७०/७७२	करुणामृत	भारद्वाज	–	देसी कागज	नागरी
१३२६	९५३/९७०/७७२	करुणामृत	–	–	देसी कागज	नागरी
१३२७	३६३/३३३	कर्पूरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३२८	३६५/३३५	कर्पूरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३२९	९२७/९४४/७६८	कल्याणस्तव	–	--	देसी कागज	नागरी
१३३०	१५९८/१००४	कल्याणीस्तोत्र	ब्रह्मा	–	देसी कागज	नागरी
१३३१	३४२७/१८१३	कामरूपस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३३२	२३९६/१४१६	कामरूपस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१९×११	६४	१०	१५	पूर्ण/३००	१९३१ वि० (फाल्गुनशुक्ल १२ गुरुवार)	–
२२ ५×१० ८	२	१३	३३	पूर्ण/२७	–	–
२४×११	२	८	४८	पूर्ण/२४	–	–
१६.५×१२ ५	४	१५	१८	पूर्ण/३४	–	–
१८ ७×१०.८	८	१२	२८	अपूर्ण/७४	–	–
२१×१४	५०	१०	३२	पूर्ण/५००	१९३२ वि० चैत्रसुद ३)	–
२१×१४	५०	१०	२४	पूर्ण/३७.५	१९३२ वि०	भक्तिपूर्ण कृष्ण के स्तोत्र द्वितीय एवं तृतीय शतक
१७×११	५	१२	२२	पूर्ण/४४	१८४६ वि०	–
१८×११	९	९	२२	पूर्ण/५६	–	–
१७ ५×१२	८	१०	१८	पूर्ण/४५	–	–
१९ ८×७ ७	६	५	३५	पूर्ण/३३	१९१० वि०	–
७×५	९	७	२६	पूर्ण/५१	–	–
१९×९	८	७	२४	अपूर्ण/४२	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३३३	१५८३/९८७	कामाक्षीस्तुतिशतक	मूककवि सार्वभौम	—	देसी कागज	नागरी
१३३४	३६२९/१८६३.१	कामेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३५	३६३१.१/१८३६.१	कामेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३६	४०४/३६५	कार्तवीर्यकल्प	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३७	२१२/२०३	कार्तवीर्यपञ्जर	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३८	११४/१०६	कार्तवीर्यार्जुनसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३३९	६६/६०	कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४०	७९०/८०६/७१५	कार्तवीर्यार्जुनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४१	१००८.१/७९१	कार्त्तवीर्याजुनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४२	३४५/३१७	कालिकाचतुःश्लोकी	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४३	१९३(क)/१८५	कालिकापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४४	३६५६/१८६८	कालिकासहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४५	४६/४१	कालिकास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७.४×१२	३४	८	२६	पूर्ण/२२१	–	–
१३×२१	३	१६	१२	अपूर्ण/१८	–	–
१३×२१	२	१२	१६	अपूर्ण/१२	–	–
२४×१४	२१७	१३	३०	पूर्ण/२६४५	१८९५ वि०	–
१६ ५×९.५	१९	७	२४	पूर्ण/९९.८	–	–
१७×१०.३	६३	६	२०	पूर्ण/२३६	–	–
१३×९.८	४	९	१६	पूर्ण/१०	–	–
२२ ५×१४	४३	७	२२	पूर्ण/२०८	–	–
२१ ५×१२	१२	१२	२८	अपूर्ण/१२६	–	–
२२×११	४	८	२३	पूर्ण/२३	–	–
१६×८.५	४	९	२६	अपूर्ण/२९.८	–	–
१५.५×११	३४	१२	१०	अपूर्ण/१२७	–	–
१६×११	६	७	१६	पूर्ण/२१	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३४६	९९४/१०१३	कालिकास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४७	१२/९	कालीत्रैलोक्यमोहनमत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४८	३८९१/१९९१	कालीभुजंगप्रयातस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३४९	१२.१/९	कालीसहस्राक्षरी	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५०	४८७/४७८/४४३	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५१	४८८/४७९(१)/४४३	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५२	१७७०/११७१	कालीस्तोत्र	गणेशानुज	—	देसी कागज	नागरी
१३५३	३४७०/१८५२	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५४	३४७५/१८५७	कालीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५५	४८९/४८०/४४३	काल्यष्टोत्तरशतनामस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५६	१६१२/१०१७	काशीविश्वनाथस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३५७	२३८१ २/१४१७	कीलकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३५८	३८४१.३/१९६०.१	कीलकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६.५×१२	२०९	९	१९	पूर्ण/१११७	–	इसमे ध्यान, न्यासादि सहित दक्षिण-कालिका सहस्रनाम तथा अन्त मे कालीस्तव उपनिवद्ध है
१८ ५×१० ५	२	८	१६	पूर्ण/८	१९०१ वि० (श्रावणशुक्ल ७ चन्द्रवार)	–
१६.५×११.२	४	९	२०	पूर्ण/२२	–	–
१८.५×१०.५	७	८	१६	पूर्ण/२८	१९०१ वि० (श्रावणशुक्ल ७ चन्द्रवार)	–
२१×१०.५	१०	७	२०	पूर्ण/४४	१८९९ वि० (ज्येष्ठकृष्ण २ गुरुवासरे)	–
१८.५×१० ५	१	६	१८	पूर्ण/३	–	–
२०×११	१७	७	१६	अपूर्ण/६०	–	–
११.५×७.५	१६	५	१२	पूर्ण/३०	–	–
१६×११	८	८	१२	पूर्ण/२१	–	–
१८×१० ५	७	९	१६	पूर्ण/३१	१९०१ वि० (श्रावणशुक्ल ५)	–
१८ २×११ २	१२	७	२४	पूर्ण/६३	–	–
१३ ५×८	६	६	१६	पूर्ण/१८	–	–
६×११	६	१२	८	पूर्ण/१८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३५९	३४१/३१३	कृष्णआरती	–	–	देसी कागज	नागरी
१३६०	२६७६.२/१४८५	कृष्णत्रिविधलीला	बल्लभदीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
१३६१	२६१६/१४६७	कृष्णनामावली	हरिदास	–	देसी कागज	नागरी
१३६२	३५८० ६/१८५३.१	कृष्णप्रेमामृत	विट्ठलेश्वर	–	देसी कागज	नागरी
१३६३	२६७६/१४८५	कृष्णसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१३६४	२६२० १/१४६७	कृष्णसेवा	–	–	देसी कागज	नागरी
१३६५	३५५/३२५	कृष्णस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१३६६	३०८०/२६	कृष्णस्तुतिग्रन्थ	–	–	देसी कागज	नागरी
१३६७	४८२/४७३/४४०	कृष्णस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३६८	२९१३ १/१५३९	कृष्णस्तोत्र	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३६९	३०८० ११/१५९४	कृष्णाश्रयस्तोत्र	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३७०	३५८० ३/१८५३ १	कृष्णाश्रयस्तोत्र	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३७१	३१३८/१६१३	कृष्णाष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×११	४	८	२०	पूर्ण/२०	–	–
२७×१८	८	९	२४	अपूर्ण/७२	–	–
८×६	६	१२	३२	पूर्ण/७२	–	–
१६×११	६	७	१०	पूर्ण/१३	–	–
२७×१६	२	९	२४	अपूर्ण/१३.५	–	–
२७×१६	११	१२	३२	पूर्ण/१४२	–	–
१७×१२	६	६	१५	पूर्ण/१७	–	–
१६×१०	७	६	१५	पूर्ण/१९.७	१८४९ वि०	–
१३×१०	८	७	१२	पूर्ण/२१	–	–
१६.५×२१	३	१५	१६	पूर्ण/२२	–	–
१६×१०	५	६	१५	पूर्ण/१४	१८४९ वि०	–
१६×११	४	७	१०	पूर्ण/९	–	–
२१×१७	६	९	१२	अपूर्ण/२०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३७२	६२८१/३३८४	केदारसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३७३	३१५/२८६	क्षमाषोडषीस्तोत्र	रगराज वेदान्ताचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१३७४	३८६० २/१९७३.१	क्षिप्रप्रसादनगणेशमत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३७५	७०४१/३९६८	क्षेत्रपालस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१३७६	३८०/३४७	क्षेत्रपालस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३७७	३७८५/१९००	क्षेत्रपालस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३७८	३६५७/१८६८	गगापुष्पाञ्जलि	–	–	देसी कागज	नागरी
१३७९	६२६९/३३७२	गगानामावली	–	–	देसी कागज	नागरी
१३८०	३३१/३०२	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डितराज	–	देसी कागज	नागरी
१३८१	४६३/४५४/४२२	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डितराज	–	देसी कागज	नागरी
१३८२	२५४३/१४५२	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डितराज	–	देसी कागज	नागरी
१३८३	२५७७/१४६०	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डितराज	–	देसी कागज	नागरी
१३८४	२५८२/१४६०	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डितराज	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×११	१४	१९	४५	पूर्ण/३७४	मार्गशीर्ष वदि ५ सोमवार	–
१८ ५×९	८	७	२४	पूर्ण/४२	–	–
१६×१०	४	८	१४	अपूर्ण/१४	–	–
११×७	३	९	१०	अपूर्ण/८	–	–
१४×१०.५	५	८	१६	अपूर्ण/२०	–	–
१४×१६.५	३	१०	१०	अपूर्ण/९	–	–
१५×११	६	८	१०	पूर्ण/१५	–	–
२१×१२	४	७	१०	अपूर्ण/९	–	–
१६×११	१३	९	१६	अपूर्ण/५८.५	–	–
१३×९.५	८	५	१६	अपूर्ण/२०	–	–
२६×१२	१८	७	२४	अपूर्ण/९४.५	–	–
१६.५×१०	३४	७	१२	पूर्ण/८९	–	–
१६ ५×१३	२६	८	१४	अपूर्ण/८६	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३८५	२६६०/१४८१	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८६	२८५५/१५२७	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८७	३२३०/१६३१	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३८८	६१९१/३३०६	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
१३८९	६७११/३७५५	गगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३९०	७५७९/४२५४	गंगालहरी	जगन्नाथ पण्डित-राज	—	देसी कागज	नागरी
१३९१	६२६८/३३७२	गगाष्टोत्तरशतनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९२	१२७/१२०	गगासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९३	१५२७/४९९	गगास्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१३९४	४३३८/२०२२	गगास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९५	१२२/११५	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९६	३०४६.२/१५८२	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१३९७	३०६४.२/१५८९	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा / परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×१४ २	२२	७	२७	पूर्ण/१३०	–	–
१९.५×११.५	२२	८	१८	पूर्ण/९९	–	–
३१×२०	१९	८	२०	पूर्ण/९५	–	–
१६ २×१० ८	८	७	१६	अपूर्ण/२८	–	मराठी टीका सहित
१६×१०	२८	७	१६	पूर्ण/९८	–	–
१४×८ ६	३६	६	१८	पूर्ण/१२२	–	
१७×१२	१३	८	१०	अपूर्ण/३२	–	–
२२×१०	३३	७	३२	पूर्ण/२३१	१८४५ वि०	–
१८ ५×११.५	५	७	२०	पूर्ण/२२	१९०३ वि० (शाके १७६८)	–
१६×११	५	८	१७	पूर्ण/११	–	–
१७×११	४२	७	२०	पूर्ण/१८४	१८५८ वि०	-
११ ५×९ ५	५९	७	१५	पूर्ण/१९४	१९९४ वि०	-
११ ८×७ ५	५८	६	१५	पूर्ण/१६३	–	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१३९८	३१८०/१६२१	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१३९९	३२२०/१६३१	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४००	३६८०/१८७३	गजेन्द्रमोक्षस्तोत्र	–	-	देसी कागज	नागरी
१४०१	३४४५.१/१८३०	गणपतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४०२	३७०६ २/१८८१.१	गणपतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४०३	३८८९.१/१९१८	गणपतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४०४	३९११.१/१९९५	गणपतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४०५	४३३६/२०२२	गणपतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४०६	६२६५/३३७२	गणपतिस्तोत्र	महर्षि नारद	–	देसी कागज	नागरी
१४०७	३८९०.१/१९९०	गणपतिद्वादशनामस्तोत्र		–	देसी कागज	नागरी
१४०८	३८४१.९/१९६०.१	गणेशपूजास्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१४०९	३७८/३४५	गणेशभुजगस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४१०	२८९३/१५३१	गणेशभुजगस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×९	२४	९	२४	पूर्ण/१६२	–	–
३३×२०	६०	५	२०	पूर्ण/१८७.५	१९१३ वि०	–
२०×१५.५	३१	१६	२०	पूर्ण/३१०	–	–
१६.८×१०.५	४	७	२०	पूर्ण/३५	–	–
२३×१०	१	७	३२	पूर्ण /७	–	–
१७×११	३	७	१६	पूर्ण/१०५	–	–
१७×१२.५	८	७	१६	अपूर्ण/२८	–	–
१६×११	३	८	१७	पूर्ण/१३	–	–
२१×१२	३	९	१०	पूर्ण/८	–	–
१२×२० ६	२	१४	१०	पूर्ण/८	–	–
६×११	९	१२	८	पूर्ण/२७	–	–
१६×१०	३	७	२४	पूर्ण/१६	–	–
१२×७	६	५	१२	पूर्ण/११	–	–

क्रम स०	ग्रथ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४११	११६१.४/८३३	गणेशमन्त्रस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१२	४३१४/२०१७	गणेशरक्षाकिरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१३	१८/१४	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१४	२५८/२४४	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१५	५२२/४७८	गणेशसहस्रनामस्तोत्र		—	देसी कागज	नागरी
१४१६	५३२/४७८	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१७	२७३६/१४९५	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१८	६६८५/३७२९	गणेशसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४१९	८५३/८७०/७५५	गणेशस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२०	३१७१.१/१६३१	गणेशस्तोत्र	परसराम	—	देसी कागज	नागरी
१४२१	३१७१.७/१६३१	गणेशस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२२	४२४६/१९८५	गणेशस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४२३	७१७९/४१४४	गणेश्वरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५.५×९.७	३	८	२०	अपूर्ण/१५	–	–
११×८	१०	५	१०	पूर्ण/ १५	–	–
११×८	५३	७	१३	पूर्ण/१३२	–	–
१३×१६	१६	१४	१५	पूर्ण/१०५	–	–
१६×८	४७	५	२४	अपूर्ण/१७६	–	–
१३.५×९	४५	५	२०	पूर्ण/१४१	–	–
२० ५×१२	३५	९	२०	पूर्ण/१९७	१८३० वि० (चैत्रशुक्ल १५)	–
२४×११	२८	१२	२४	पूर्ण/२५२	१८६६ वि०	–
१५ ५×११	११	५	१८	पूर्ण/३१	–	–
१२×८	१०	५	१६	पूर्ण/२५	–	–
१२×८	६	५	१६	पूर्ण/१५	–	–
१८ ५×१३	५	६	१६	पूर्ण/१५	–	–
१६ [illegible] १०.६	२३	५	१२	पूर्ण/४३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४२४	३६३२.२/१८६३.१	गर्भपात्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४२५	६६१३/३६५९	गर्भषडारचक्र	देवनन्दि	–	देसी कागज	नागरी
१४२६	२५७/२४३	गायत्रीवर्णस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४२७	३०६/२७७	गायत्रीवर्णस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४२८	४४५/४३६(१)४०४	गायत्रीसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४२९	३६३६.१/१८६४.१	गायत्रीसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३०	६५६१/३६१४/१६	गायत्रीस्तवराज	विश्वमित्र	–	देसी कागज	नागरी
१४३१	१४७७.३/१९१४	गायत्रीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३२	६८६८/३८८८	गायत्रीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३३	३८५२-१/१९६७.१	गायत्रीहृदय	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३४	३०४/२७५	गायत्रीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३५	१५४४/९५४	गायत्र्याष्टसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३६	१०/८	गीतस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×२१	४	१६	१६	पूर्ण/३२	—	—
२५×११	९	६	२४	पूर्ण/४०·५	—	—
२२×१२	५	७	२७	पूर्ण/२९	—	गायत्री मन्त्र का वर्णों के अनुसार स्तोत्र
१५ ५×११	२०	७	१६	पूर्ण/७०	—	—
१५.५×१०.५	६२	७	१६	पूर्ण/२१७	—	—
१५.३×८.६	२२	१४	१५	अपूर्ण/१४४	—	—
१३.८×१७	१०	१४	१६	अपूर्ण/७०	—	—
२७.९×११.३	७	७	३०	पूर्ण/४६	१९४२ वि०	—
९×७	१३	५	८	पूर्ण/२१	—	—
२०×८	२४	५	२८	पूर्ण/१०५	१७०३ वि०	—
१५.५×११	४३	७	१६	पूर्ण/१५०.५	—	—
१९×११.५	३९	७	२२	पूर्ण/१८७	१९१० वि०	—
१७.५×११.५	१४	६	१६	अपूर्ण/४२	—	इसमे ककारादि वर्णों के क्रम से देवी के नामो की स्तुति की गई है

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४३७	३२७५/१६५२	गीतासारस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३८	१४३५/९१०	गुरुगीतास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४३९	१७.१/१३	गुरुदक्षिणामूर्तिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४०	३६०/३३०	गुरुस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४१	२२८/२१७	गुरुस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४२	३७९२.२/१९३२.१	गुरुस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४३	२६७६.१०/१४८५	गोकुलेशनामानि	विट्ठल दीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
१४४४	३७९०.१/१९३२/१	गोपस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४५	३८१७.१/१९०७	गोपालचूडामणिस्तवराज स्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४६	८५/७८	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४७	१५८/१५१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४८	५३८/४८४	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४४९	११०२/८१०	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८.७×९	२०	७	२४	पूर्ण/१०५	–	–
१६.३×८.२	२०	९	२६	अपूर्ण/१४६	–	–
१२×८	९	१०	८	पूर्ण/२२	(१९१४ वि० आ० शु० १३)	–
१५.५×१०	४	९	२४	पूर्ण/२७	१९२५ वि०	–
१५×९	१०	६	१२	पूर्ण/२२ ५	–	–
१७.६×१२	३	७	१६	पूर्ण/१०	१९४४ वि० (फाल्गुनशुक्ल ८)	–
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३.५	–	जीर्ण
१४.५×७	६	७	२०	पूर्ण/२६	–	–
१७.२×१०.६	१०	५	१६	पूर्ण/२५	–	–
१३.५×११	४१	१०	१६	पूर्ण/२०५	१९४३ वि० (शाके१८०८)	–
१७×१२.५	४१	१०	२४	पूर्ण/३०७	–	
१६.५×८.५	३७	६	२०	पूर्ण/१२६	–	–
१८×१३.५	६५	७	१४	पूर्ण/१९९	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४५०	३१४७/१६१४	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५१	३४२३.१/१८२३.१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५२	३९३२/२००९	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५३	४३३२/२०२१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५४	६३४०/३४४१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५५	७५९४/४२६१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५६	६६६९/३७१४	गोपालस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५७	६०४०/३१७४	गोपीगीत	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५८	७३८७/४१७८	गोपीगीत	–	–	देसी कागज	नागरी
१४५९	२०१४/१३२१	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	विल्वमगल	–	देसी कागज	नागरी
१४६०	३७१९.१/१८९१.१	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	विल्वमंगल	–	देसी कागज	नागरी
१४६१	३७२१.१/१८९१.१	गोविन्ददामोदरस्तोत्र	विल्वमंगल	–	देसी कागज	नागरी
१४६२	१९९९/१३१६	गोविन्दस्तोत्र	विल्वमंगल	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२४ ७×११.५	२८	८	३२	पूर्ण/२२४	१९२९ वि०	–
१५×१२	२२	११	१६	अपूर्ण/१२१	–	–
२३×११	४	८	३०	अपूर्ण/३०	–	–
१५.५×११ ५	८७	७	१०	पूर्ण/१९०	–	–
२६ ५×११	३४	८	१५	पूर्ण/१२७	१८७८ वि०	–
१६×१० ५	४५	९	२१	पूर्ण/२६६	–	–
१७×१२	५	७	१६	अपूर्ण/१८	–	–
१२ ८×११	९	९	१५	पूर्ण/३८	–	–
१८.७×१३.२	४	९	१६	अपूर्ण/१८	–	–
२३×१४	७	१८	१४	पूर्ण/५१	–	–
१०.५×१० ५	१७	९	१०	अपूर्ण/४८	–	–
१६×९	१७	६	१५	अपूर्ण/७२	–	–
२१×१२	१५	८	२०	पूर्ण/७५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४६३	६६२२/३६६८	गोस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१४६४	६४५६/३५४२	चक्रेश्वरीदेवीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४६५	२०४९/१४५३	चण्डीस्तोत्रविधि व्याख्यान	नागोजिभट्ट	—	देसी कागज	नागरी
१४६६	३१६६४/१६१९	चतुर्विंशतिगायत्रीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४६७	२४६२/१४३३	चतु.श्लोकी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४६८	२५४७ ८/१४५३	चतुःश्लोकी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४६९	२९१३.४/१५३९	चतुःश्लोकी	बल्लभाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१४७०	३०८० २५/१५९४	चतुःश्लोकी	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७१	४८७/४७९/४४३	चतुःश्लोकी(कालिका)स्तव	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७२	३१९१.२/१६२३	चतुःषष्टियोगिनीनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७३	७६५८/४२९०	चतुःषष्टियोगिनीस्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
१४७४	२७८९/१५१३	चाटुपुष्पाजलिस्तोत्र	रूपगोस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
१४७५	६७८७/३८२३	चामुण्डास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० पृ०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×११	२	८	२४	पूर्ण/१२	–	–
१७×११	४	११	२०	पूर्ण/२७	–	–
२२ ५×१०	६०	१०	२४	अपूर्ण/१२००	१८७७ वि० (श्रावण ३)	मार्कण्डेयपुराणान्तर्गत सप्तशतीस्तोत्र का नागोजीकृत व्याख्यान। ग्रन्थ खण्डित एव जीर्ण
२९.१×११.५	२	१०	३०	पूर्ण/१८	–	–
१७×२९	२	४	१८	पूर्ण/४	–	–
१५.७×१० ५	२	८	१६	पूर्ण/८	–	–
१६.५×२१	२	१५	१६	पूर्ण/ १५	–	–
१६×१०	२	६	१५	पूर्ण/६	१८४९ वि०	–
१८ ५×१०.५	५	९	१७	पूर्ण/२४	–	–
१३×१५ ३	३	१४	१२	पूर्ण/१५	–	–
११ ५×९ ५	३	१३	२०	पूर्ण/२४		–
२२ ५×१०	४	८	३०	पूर्ण/३०	१७३८ वि० (कार्तिकशुक्ल १ मगलवार)	–
१८×५२	२	२४	१६	पूर्ण/२४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४७६	२६०९:७/१४६५	चौर्यलीला	–	–	देसी कागज	नागरी
१४७७	३६३४ २/१८६३.१	जगदम्बास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४७८	३७७/३४५	जगन्नाथस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१४७९	३१६४.३/१६१९	जलदाख्यानस्तोत्र	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१४८०	२६२२ ८/१४६७	जलभेदस्तोत्र	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१४८१	६२०९/३३२४	जानकीदेवी स्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४८२	३३४६.२/१७४१	जुगुलस्तोत्र	हनुमान	–	देसी कागज	नागरी
१४८३	१५४३/९५३	ज्वालामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४८४	४३७ १/४४६/४०५	तारासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४८५	५११/५०२/४६०	तारासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४८६	५०६/४९७/४५८	तारास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४८७	८६४/८८१/७५६	तारास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१४८८	३४५७/१४४२	तारास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२० ५×१३	५	१८	१६	पूर्ण/४५	–	–
१३×२१	१	१२	१६	पूर्ण/६	–	–
१६×१०	५	७	२४	पूर्ण/२६	१८६१ वि०	–
३५×१७	२	१०	३४	पूर्ण/२१	–	–
२.७×१६	२	१२	३९	पूर्ण/२४	–	–
२७ ८×१२ ८	२७	६	२६	अपूर्ण/१३२	–	–
१८.२×९.७	३	९	२४	पूर्ण/२०	–	–
१६.५×१०	७	७	२२	पूर्ण/३४	–	–
१७.७×९ ६	३८	६	२४	पूर्ण/१७१	–	समस्तकामनासिद्धयर्थ तारानामस्तोत्र-निरूपण
१७×१०	१११	७	२४	पूर्ण/५८२	–	–
२०×११	३	१०	२४	पूर्ण/२२.५	–	ताराष्टक
१९×११	४	७	२०	पूर्ण/१३	–	–
१२×९	१०	५	१०	पूर्ण/१५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१४८९	३९६०.२/२०१७.१	तुलसीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९०	३३४/३०६	त्रिपुरसुन्दरीमहिम्नस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९१	५५/५०	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९२	७९९/८१५/७१९	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९३	३३०१/१६९९	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९४	७१८५/४०४८	त्रिपुरसुन्दरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९५	७०७३/३९८०	त्रिपुरसुन्दरीस्तुति		—	देसी कागज	नागरी
१४९६	१००/९२	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९७	४६६/४५७/४२५	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९८	४९३/४८४/४४०	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१४९९	५५०/५६०/५०६	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१५००	११६१५/८३३	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५०१	३६३२/१८६३.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×१०	१०	७	१२	पूर्ण/२६	–	–
१७×८.५	३५	६	२४	पूर्ण/१०५५	१८५२ वि०	–
१६×१२	५१	७	१६	पूर्ण/२०४	१८२० वि०	–
१७.५×१२.५	४३	९	२०	अपूर्ण/२४२	–	–
१६×११.८	४४	८	१६	अपूर्ण/१७६	१७९१ वि० (मार्गशीर्ष-शुक्ल)	–
१६×११.७	६६	७	१६	अपूर्ण/२३१	–	–
२२×१२	२	१९	१५	पूर्ण/१८	–	–
१७.२×११.५	८	७	१९	पूर्ण/३३	–	परमश्रेयः प्राप्ति हेतु तान्त्रिकस्तोत्र
२१×११	२९	७	३२	पूर्ण/२०३	–	रुद्रयामलतन्त्रप्रोक्त त्रिपुरसुन्दरी की स्तुति
१५×९	९	८	२४	पूर्ण/५४	–	–
१५.५×११	४	९	१७	पूर्ण/१८	–	–
२६.७×१६	१	११	१६	पूर्ण/५	–	–
१३×२१	३	१२	१६	पूर्ण/१८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५०२	३६३४/१८६३.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५०३	३६३४/१८६३.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५०४	३९०४.१/१९९२	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५०५	३७७६.१/१९२८.१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५०६	३६९२/१८७६	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–		देसी कागज	नागरी
१५०७	६७६४/३८०१	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५०८	१७५७/११५८	त्रिपुरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५०९	५९३५/३०९३	त्रिपुरातापिनी	–		देसी कागज	नागरी
१५१०	७०२४/३९५६	त्रिपुराबालास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५११	७०/६४	त्रिपुरालघुस्तव	–	--	देसी कागज	नागरी
१५१२	३६४/३१४	त्रिपुरास्तोत्र	लघ्वाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५१३	३४७९.२/१८३१	त्रिपुरास्तोत्र	लघ्वाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५१४	६०४१/३१७५	त्रिपुरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×२१	२	२४	१६	अपूर्ण/२४	–	–
१३×२१	३	१६	१६	पूर्ण/२४	–	–
१८×११.७	२०	७	१६	अपूर्ण/७०	–	–
१५.७×११	८	७	१४	पूर्ण/१४	–	–
२५×१२.५	२९	९	२४	अपूर्ण/२९५	–	–
१३×८.५	१६	६	१६	अपूर्ण/४८	–	–
१६.२×११.५	७	७	२२	पूर्ण/३४	–	–
१९.९×१०.५	४४	७	३२	पूर्ण/३०८	–	–
२६×१४	३	१०	२०	पूर्ण/१९	–	–
१५.५×७.५	२३	५	२०	पूर्ण/७२	१८९६ वि० (आषाढ़-कृष्ण ६)	त्रिपुरसुन्दरीस्तुति
१७×१२	११	९	१३	पूर्ण/५९	–	–
१८×११	१६	७	२०	पूर्ण/७०	–	–
२३.४×१०.४	४	११	१०	पूर्ण/५५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५१५	७४७८/४२३९	त्रिपुरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५१६	५३३/४७९	त्रिपुराहृदय	–	–	देसी कागज	नागरी
१५१७	२५४७/१४५३	त्रिविधनामावलीलीला	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५१८	२६१५ १/१४६७	त्रिविधलीलानामावली	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५१९	३१/२६	त्रैलोक्यविजय अपराजितास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५२०	३४५३/१८३८	त्वरितरुद्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५२१	२८१०/१५१६	दक्षस्तप	–	–	देसी कागज	नागरी
१५२२	२३९२/१४१८	दक्षिणाकालिकासहस्रनाम	आदिनाथ	–	देसी कागज	नागरी
१५२३	५६/५१	दक्षिणाकालिकासहस्राक्षरी	–	–	देसी कागज	नागरी
१५२४	५०४/४९५/४५६	दक्षिणाकालिकासहस्राक्षरी	–	–	देसी कागज	नागरी
१५२५	५५७/५६७/५१३	दक्षिणाकालिकाहृदय	–	–	देसी कागज	नागरी
१५२६	१९७/१८९	दक्षिणाकालीसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१५२७	२७१/१७९	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	मन्नालाल	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
११×७	५	८	१६	पूर्ण/२०	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२२×१०	१९	११	३२	पूर्ण/२०९	–	–
१५.७×१०.५	२०	८	१८	अपूर्ण/९०	–	–
२७×१६	१२	१२	३२	पूर्ण/१४४	–	–
१३×८	१०	९	२०	पूर्ण/५६	–	–
१३.५×८.७	४	५	१०	पूर्ण/६	–	–
२८×१६	१४	११	३२	पूर्ण/१५४	–	–
२३×१०	७६	७	३२	पूर्ण/५३२	–	–
१७×१२ ५	२४	९	१८	पूर्ण/१०८	–	कालिका की आराधना का माहात्म्य तथा फल
२०×११	९	७	१६	पूर्ण/३१५	१८०७ वि०	–
१७.५×१२	१४	८	१९	पूर्ण/६७	–	–
१५×१०	५८	८	१०	पूर्ण/१४५	१८८० वि० (आश्विन शु० स०)	सुचारु
१४×९.५	५	१०	१६	पूर्ण/२५	१९३६ वि० (फाल्गुन-शुक्ल)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५२८	२११/२२२/२२१	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५२९	३७९३.१/१९३२.१	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५३०	५९२३/३०८३	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५३१	४४३/४३४(१)/४०२	दत्तात्रेयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५३२	३८७८.३/१९८३	दत्तात्रेयस्तोत्र	नारदमहर्षि	–	देसी कागज	नागरी
१५३३	६२६७/२३७२	दत्तात्रेयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५३४	६७६८/३८०४	दत्तात्रेयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५३५	४३६/४५०	दशहरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५३६	५६७/५७७/५२३	दशहरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५३७	५९७३/३११७	दारिद्रदुःखनाशनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५३८	३७९६.३/१९३२.१	दारिद्रविदारणस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५३९	१४६२/९१९	दारुणसप्तकस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४०	३६३० १/१८६३.१	दुर्गाआरती	–	–	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१७×१३	४	११	१६	पूर्ण/४४	–	–
१५.५×१०.४	४	७	१६	अपूर्ण/१४	–	–
१५.२×१०.८	१३	९	१६	पूर्ण/५८	–	
१६×८	८	६	१६	पूर्ण/२४	–	
१७×११	६	६	१६	पूर्ण/१८	१९२६ वि०	–
२१×१२	८	९	१०	पूर्ण/२०	–	–
१६×७.५	१०	७	२०	पूर्ण/६१	–	–
१७×१२	७	११	२०	पूर्ण/४८	–	–
१८×१२	११	८	१८	पूर्ण/५०	१९७० वि० (ज्येष्ठ-शुक्ल १३ रविवार)	–
२४.५×११ १	२	९	३०	पूर्ण/१६	–	–
१७ ७×१२ २	३	७	१६	अपूर्ण/१०	–	–
२४.३×८.९	१०	७	३०	पूर्ण/६६	१९५३ वि०	यह 'आकाशभैरवकल्प' का अंश है। इसमे शत्रु के शीघ्र उच्चाटन के लिए पक्षिराज शरभेश की तान्त्रिक स्तुति प्रतिपादित है।
१३×२१	२	१६	१६	पूर्ण/१६	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५४१	१७८४/११८५	दुर्गापञ्चरत्नस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४२	५९१७/३०७९	दुर्गामाला	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४३	३४१३.१/१७९९	दुर्गास्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४४	१६३२/१०३६	दुर्गास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४५	१६३९/१०४३	दुर्गास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४६	१८००/१२०१	दुर्गास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४७	६२६६/३३७२	दुर्गादेवीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५४८	२४०३/१४२०	देवीअपराधक्षमास्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५४९	३५९६/१८५६ १	देवीकवचादिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५५०	६३२६/३४२८	देवीमानसपूजा	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५५१	११५२/८२८	देवीमानसीपूजा	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५५२	३५८३/१८५५.१	देवीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५५३	६००७/३१४३	देव्यथर्वशीर्ष	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१२ ५×९ ५	५	१०	८	पूर्ण/ १२	–	–
१३.३×१०५	१	११	२४	पूर्ण/७	–	–
१३.५×१२.५	५	७	१४	पूर्ण/१५	–	–
१८×११	५	६	१८	अपूर्ण/१८	–	त्रयोदशश्लोकी दुर्गा
२६.५×१७.५	१५	५	१८	अपूर्ण/४२	–	–
१७.५×११	३	६	१८	अपूर्ण/१०	–	–
२१×१२	९	९	१०	पूर्ण/२५	–	–
२२×१०	४	७	२४	पूर्ण/२१	–	–
१९×९	१७	७	१५	पूर्ण/५६	–	–
१३.५×८.५	२४	८	१०	पूर्ण/६०	१९०६ वि० (फाल्गुनकृष्ण १ भौमवार)	–
२८.५×१५	९	१५	३१	पूर्ण/१३१	१८३७ वि० (वैसाख कृष्ण १४ बुधे)	–
१८.५×११.५	१०	९	२४	अपूर्ण/६८	–	–
१९.९×१०.३	९	७	२४	पूर्ण/४७	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५५४	४४९/४१०	द्वादशमन्त्रोद्धार	–	–	देसी कागज	नागरी
१५५५	१७८५.१०/११८६	द्वादशलिंगस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५५६	७०६६/३९८०	द्वादशश्लोकीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५५७	६२६१/३३६९	द्वादशस्तोत्र	आनन्दतीर्थ भगवत्पादाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५५८	२४६९/१४३८	धनदायक्षणीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५५९	४३०९ १/२०१६	धनदासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५६०	४३०९/२०१६	धनदास्तवराज	–	–	देसी कागज	नागरी
१५६१	६४/५८	नर्मदाष्टकस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५६२	७१६०/४०२९	नवग्रहगर्भितस्तोत्र	भद्रवाहु	–	देसी कागज	नागरी
१५६३	६८६९/३८८८	नवग्रहगायत्री	–	–	देमी कागज	नागरी
१५६४	२६६८/१४८३	नवग्रहस्तोत्र	–	बलदेव	देसी कागज	नागरी
१५६५	४०७९.२/१९३६	नवग्रहस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५६६	३८४०.१/१९६०.१	नवग्रहस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१८×९	४	८	२७	पूर्ण/२७	–	ॐ नमोभगवते वासुदेवाय का न्यास, जप, ध्यानादिविवेचन
२५×३०	१	२४	४०	पूर्ण/३०	–	–
५४×१९	२	४०	१५	पूर्ण/२७	१९१५ वि०	–
१८×६	२५	७	२०	पूर्ण/१०९	–	–
२०.५×१५.३	३	१०	२४	अपूर्ण/२२	१९३० वि० (पौषसुदि ४ भौमवार)	–
१७×११.५	३६	९	१९	पूर्ण/१९३	१९१३ वि० (१७७८ शक)	–
१७×११५	४	९	१९	पूर्ण/२१	–	–
१७×१०	८	६	१२	अपूर्ण/१८	–	–
२८ ४×१४.५	१	१५	३८	पूर्ण/१८		–
९×७	६	५	८	पूर्ण/८	–	–
२५.६×११	२६	८	२९	पूर्ण/१८९	१९०१ वि०	–
२५×३०	१	३२	४०	पूर्ण/४०	–	–
१२×६	६	७	१६	पूर्ण/२१	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५६७	६७६१/३७९.८	नवग्रहस्तोत्र	वसिष्ठ	–	देसी कागज	नागरी
१५६८	५१/४६	नवरत्न	–	–	देसी कागज	नागरी
१५६९	६३३०/३४३२	नवरत्न	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५७०	१०३७/७९७	नवरत्नमालास्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५७१	२५४७ ३/१४५३	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५७२	२९१३ ३/१५३९	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५७३	३५८०.२/१८५३.१	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५७४	३७३८ ४/१९०४.१	नवरत्नस्तोत्र	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५७५	५२३ २/४६९	नवार्णमन्त्रस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५७६	१७२६/१२२७	नवार्णसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५७७	३०८०/२७.१/ १५९४	नामरत्नस्तोत्र	रघुनाथ जी	–	देसी कागज	नागरी
१५७८	१५६९/९९७	नामावलीस्तुति	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५७९	३०७८ १०/१५९३	नारायणवर्म	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×१२	३६	७	२४	अपूर्ण/१८९	१९९४ वि०	–
१४×८	७	५	१२	अपूर्ण/१३		–
१९.५×१५	२	९	२०	पूर्ण/११	–	–
१६×१०	४	९	२४	पूर्ण/२७	१८९८ वि० (आषाढकृष्ण पक्ष)	–
१५.७×१०.५	४	८	१६	पूर्ण/१६	–	–
१६.५×२१	२	१५	१६	पूर्ण/१५	–	–
१६×११	४	७	१०	पूर्ण/९	–	–
२१×१७	४	९	१६	पूर्ण/१८	–	–
१७×९	९	५	१८	पूर्ण/२६	–	–
१७×११	३०	१०	२०	अपूर्ण/१८७	१९५० वि० (कार्तिकशुक्ल पूर्णिमा)	–
१६×१०	११	६	१५	पूर्ण/३१	१८४९ वि०	–
१५×११	७	५	१६	पूर्ण/१७.५	१८१८ वि०	–
१०२×६.६	३१	६	१६	पूर्ण/९३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५८०	३५५२/१८४७.१	नारायणस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८१	७६/७०	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८२	३१८६.५/१६२३	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८३	३२१३/१६२९	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८४	३२१७/१६२९	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८५	६८०६/३८३९	नारायणहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८६	७३४८/४१६०	नारायणहृदयस्तोत्र		—	देसी कागज	नागरी
१५८७	६७३०/३७७३	निग्रहदारुणसप्तक	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८८	३५८५ १/१८५५.१	नृपतिस्तुतिग्रन्थ	—	—	देसी कागज	नागरी
१५८९	३८९६ १/१९९०	नृसिहवज्ररक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९०	६२५८/३३६९	नैवेद्यसमर्पणस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९१	३४६५/१८३८	पञ्चदशीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१५९२	३२९/३००	पञ्चमीस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४.७×११	१०	८	१६	अपूर्ण/४०	–	–
१४×९.५	७	११	२०	पूर्ण/४६	(श्रा० कृ० ७ बुधवार)	–
२३ ५×१० ५	२	९	३६	अपूर्ण/२०	–	–
१७×१२.५	११	८	१६	पूर्ण/४४	–	–
१९×१३	९	९	२०	पूर्ण/५०	–	–
१२×८	४	६	१६	पूर्ण/१२	–	–
१५.८×१०.५	३	९	१७	अपूर्ण/१४	–	–
१८×३०	१	३२	२९	पूर्ण/२९	–	–
२० ३×१२	४	९	२८	अपूर्ण/३२	–	–
१४ १×९ ९	३	७	१६	पूर्ण/१०	–	–
१८×६	१२	७	२०	पूर्ण/५२		-
१७×१२	३१	११	१५	पूर्ण/५१०	१९०६ वि० (आषाढकृष्ण ९ भृगुवार)	-
१४×१० ५	२७	१२	२०	अपूर्ण/२०२.५	–	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१५९३	८११/८२७	पञ्चमीस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५९४	८८३/७६१	पञ्चशीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१५९५	२९९४/१५६६	पञ्चमुखीहनुमत्कवचस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५९६	२४२०/१४२६	पञ्चमुखीहनुमत्स्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५९७	३१७१.४/१६३१	पञ्चरत्न	–	–	देसी कागज	नागरी
१५९८	१८७३.१/१२६४	पञ्चरत्नस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१५९९	३१७१.२/१६३१	पञ्चाक्षरीमदनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६००	३९५९.१/२०१७.१	पञ्चाक्षरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६०१	२८७८/१५३०	पद्मावतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६०२	६२१२/३३२७	पद्मावतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६०३	६३६४/३४६४	पद्मावतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६०४	६५९७/३६४५	पद्मावतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६०५	७०३६/३९६७	पद्मावतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२०.५×१०.५	१९	१२	२२	पूर्ण/१५७	–	–
१८×११५	५	९	२१	पूर्ण/३०	–	इसमे किसी शङ्कराचार्य द्वारा लक्ष्मी की १५ श्लोको मे तान्त्रिक स्तुति की गई है—"श्रीचक्र-प्रिय-विन्दु-तर्पण-परा श्री राजराजेश्वरीम्" प्रत्येक श्लोक का चतुर्थ चरण है
१३.५×८.५	१०	६	१८	अपूर्ण/३४	–	–
१७×१४	९	९	१७	पूर्ण/४०	–	–
१२×८	४	५	१२	पूर्ण/७५	–	–
१७×१२ २	२	७	१६	अपूर्ण/७	१९४४ वि०	–
१२×८	६	५	१६	पूर्ण/१५	–	–
१३×१०	२	७	१०	पूर्ण/४	–	–
१६.५×११	१०	१६	११	पूर्ण/५५	–	–
१२×५	३	१७	२०	पूर्ण/३२	–	–
२५×११.५	२	१२	२०	पूर्ण/२०	–	–
२७×१३	१	१२	४०	पूर्ण/१५	–	–
१४×१०	९	१९	१०	पूर्ण/५३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६०६	७४८४/४२३९	पद्मावतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६०७	९५४/९७१/७७२	पद्मपुष्पाञ्जलिस्तोत्र	रामकृष्ण	–	देसी कागज	नागरी
१६०८	३७७१.१/१९२७.१	परब्रह्मस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६०९	१००८/७९१	परमदिव्यसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६१०	६१७०/३२९०	परमहसस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६११	३६३०/१८६३.१	पात्रवन्दन	–	–	देसी कागज	नागरी
१६१२	३२५/२९६	पादुकापचक	–	–	देसी कागज	नागरी
१६१३	२३८२/१४१७	पीताम्बरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६१४	६३९७/३४९६	पीताम्बरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१६१५	२४५६/१४३३	पीयूषलहरी	जगन्नाथ पण्डितराज	–	देसी कागज	नागरी
१६१६	३०८०.३/१५९४	पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्र	वैश्वानर द्वारा प्रोक्त	–	देसी कागज	नागरी
१६१७	३१४०/१६१३	पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६१८	३५८०/१८५३.१	पुरुषोत्तमसहस्रनामस्तोत्र	रघुनाथ गोस्वामी	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
११×७	१८	८	१६	पूर्ण/७२	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१८ ५×१४ ५	१५	८	१६	पूर्ण/६०	–	–
२४×१०.५	३	११	२०	पूर्ण/२१	–	–
२१ ५×१२	४	१२	२८	अपूर्ण/४२	–	–
२५ ७×११.४	३२	१३	४१	पूर्ण/५३३	१८७४ वि०	
१३×२१	४	१२	१६	पूर्ण/२४	१९५० वि०	-
१७ ५×१२ ५	३	९	२४	पूर्ण/२०	१८९९ वि०	-
१६ ५×८ २	१६	७	२०	पूर्ण/७०	१८९६ वि० (श्रावणकृष्ण २)	–
१७×१२	५	१२	२०	पूर्ण/३७	–	–
१६ ५×१३ ५	२५	९	१७	पूर्ण/११९	१८८६ वि० (कार्तिकवदि ९ बुधवार)	–
१६×१०	९३	६	१५	पूर्ण/२६२	१८४९ वि०	भागवतपुराण के विविध स्कन्धो से विष्णु नामो को लेकर निर्मित भागवतसार-समुच्चय से सहस्रनामो का उल्लेख कर श्री विष्णु की स्तुति की गई है
२१×१७	१३	९	१२	पूर्ण/४४	–	–
१६×११	१३९	७	१०	पूर्ण/३०४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६१९	३१६६ २/१६१९	पुष्टिगतिस्तुति	गोपालकृष्ण	–	देसी कागज	नागरी
१६२०	९५४/९७१/७७२	पुष्पाञ्जलि	रामकृष्ण	–	देसी कागज	नागरी
१६२१	१५७७/९८२	पुष्पाञ्जलिस्तुतिस्तोत्र	रामकृष्णकवीन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
१६२२	२३९८/१४१९	प्रजावर्धनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६२३	६६०४/३६५१	प्रतिष्ठावृहस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१६२४	५९१५/३०७९	प्रत्यगिरामाला	–	–	देसी कागज	नागरी
१६२५	४४/३९	प्रत्यगिरास्तवराज	चण्डेश्वर शूलपाणि	–	देसी कागज	नागरी
१६२६	२८/२४	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६२७	१४४/१३७	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६२८	३५३/३२४	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६२९	१४५१/९१६	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६३०	१७८१/११२२	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६३१	२४०७/१४२१	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३३ ५×१६ ६	२	१२	२८	पूर्ण/२१	१९१२ वि० (पौषकृष्ण १५)	–
१८×१४	१३	८	१६	पूर्ण/५२	१९१७ वि०	–
१७ ७×११ ७	२०	१३	१०	पूर्ण/८१	१९४४ वि०, १८०९ शक	–
१८×१०	२	७	१६	पूर्ण/७	–	–
२६×११	२	१२	३२	पूर्ण/२४	–	–
१३ ३×१० ५	३	९	२४	पूर्ण/२०	–	–
१४ ५×८	२०	६	१८	पूर्ण/६८	–	–
३२×१४	१२	३०	४०	अपूर्ण/४५०	–	–
१६ ५×१३	६	१७	२५	पूर्ण/७९	–	प्रत्यङ्गिरा देवी का तान्त्रिक स्तवन
२१×१०	४	५	२५	अपूर्ण/३७	–	–
१७×९	१८	८	२४	अपूर्ण/१०८	–	–
१५.८×१०	५	१०	१९	पूर्ण/३०	–	–
२०×११	१२	७	२०	पूर्ण/५२	१९३७ वि० (चैत्र वदि ११)	–

क्रम स०	ग्रथ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६३२	६६७०/३७१५	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६३३	७४८७/४२३९	प्रत्यगिरास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६३४	२८५ १/२६२	प्रदोषमहिमात्ररानिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६३५	५२९/५१९/४७५	प्रदोषस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६३६	२६१६ १/१४४९	प्रेमामृत		–	देसी कागज	नागरी
१६३७	१६२/१५५	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६३८	२०२/१९४	बगलामुखीस्तोत्र	–	-	देसी कागज	नागरी
१६३९	२२७०/१४१६	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४०	३३०२/१७००	बगलामुखीस्तोत्र	-	-	देसी कागज	नागरी
१६४१	६५५२/१७२१	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४२	३४७१/१८५३	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४३	३६३३/१८६३ १	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४४	३७२९/१८८७	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×११	३२	५	१०	अपूर्ण/५०	–	–
११×७	१४	८	१६	पूर्ण/५६	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१९×१२	४	१०	१६	पूर्ण/२०	१८५५ वि० (चैत्रसुदी ३ भौमवासरे)	–
११×१०	४	८	१२	पूर्ण/१२	१८६० वि० (भाद्रपदशुक्ल पञ्चमी सोमवार)	–
२७×१६	६	१२	३२	अपूर्ण/७२	–	–
१६×१०	८	८	२६	पूर्ण/५६	–	–
२७×२०	६	१९	२१	पूर्ण/७५	–	–
२३×१० २	११	७	२९	पूर्ण/७०	–	यह रुद्रयामलतन्त्रस्थ वगलामुखी देवी का तान्त्रिक स्तोत्र है । इसे ब्रह्मास्त्र भी कहा गया है
१६×९.५	९	८	२०	पूर्ण/४५	–	–
१७ ५×१२	१४	८	१५	अपूर्ण/५२	–	–
१८ ५×११.५	१०	८	२०	पूर्ण/५०	१९२८ वि० (मार्गशीर्ष-कृष्ण ३०)	–
१३×२१	३	१६	१६	अपूर्ण/२४	–	–
२४×१२.८	३६	७	२४	पूर्ण/६३	क्वार २	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६४५	३८६५.१/१९४१	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४६	५९००/३०६६	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४७	६६६२/३७०८	बगलामुखीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४८	३३१०/१७०८	बटुकभैरवनामाष्टशतक-स्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६४९	१७२७/११२८	बटुकभैरवसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५०	४३९/३९९	बटुकभैरवस्त	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५१	१०२७/७९५	बटुकभैरवस्त	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५२	९८४/१००१	बटुकभैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५३	१७३६/११३७	बटुकभैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५४	३९५८/१९२४	बटुकभैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५५	६७७१/३८०७	बटुकभैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५६	७४७९/४२३९	बटुकभैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५७	१८७३/१२६४	बद्रीनाथस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२८×११	७	८	२४	पूर्ण/४२	–	–
१६ ८×११ २	५	१०	२४	पूर्ण/३७	–	–
१५×१२	६	८	१२	अपूर्ण/१८	–	–
२७ ३×९.६	११	८	३६	पूर्ण/९९	१९२० वि० (फाल्गुनकृष्ण ८)	–
१७.५×११	४५	१०	१५	पूर्ण/२११	–	–
१६×७	२९	६	२४	अपूर्ण/ १३५	१८६४ वि०	–
११×७	२४	६	१६	अपूर्ण/७२	–	–
१३×२४.५	१०	११	३६	पूर्ण/१२३	–	–
२४ ८×११.९	५	१०	३४	अपूर्ण/५३	(१८४३ वि०, १७०८ शक)	–
२२×११	२२	७	२४	पूर्ण/११५	–	–
१६×११	१६	८	२०	पूर्ण/८०	–	–
११×७	२३	८	१६	पूर्ण/९२	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१७×१२.२	३	७	१६	पूर्ण/१०	१९४४ वि० (माघ शुक्ल १५)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६५८	२७१/२५२	बालाअष्टोत्तरशतनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१६५९	९९/९१	बालाआरती	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६०	३६६४/१८६९	बालात्रिपुरसुन्दरीसहस्रनाम	–	-	देसी कागज	नागरी
१६६१	९८/९०	बालात्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६२	८६९.१/८८६.१/७५६	बालात्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६३	३९००.१/१९९१	बालात्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६४	१६/१२	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६५	५९/५४	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	लध्वाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१६६६	२७२/२५३	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६७	२८९९/१५३६	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६८	७४८०/४२३९	बालात्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६६९	८६६/८८३/७५६	बालात्रिपुरास्तुति	लघुपण्डित	–	देसी कागज	नागरी
१६७०	३८३२.१/१९५४.१	बालात्रिपुरास्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१७ ५×१० ५	७	८	१८	पूर्ण/३१	–	–
१७×११ ५	३	७	१९	पूर्ण/१३	–	–
१७×१०.५	५८	७	१६	पूर्ण/२०३	१९२० वि०	–
१७×११.५	६२	७	१६	पूर्ण/७९	–	–
१८.५×११	२९	७	१८	अपूर्ण/११४	–	–
१७ २×१० २	५५	८	२०	पूर्ण/२७५	१९०४ वि० (आश्विनकृष्ण त्रयोदशी)	–
१८×१२	११	७	१५	अपूर्ण/३६	–	–
१७×११	२३	७	२०	पूर्ण/११५	–	–
१८×१३	३०	१२	२१	पूर्ण/२३६	–	बाला त्रिपुरसुन्दरी 'व' से प्रारम्भ होने वाले सहस्रनामों का स्तवन
१७ ४×११	१०	८	१६	पूर्ण/४०	–	–
११×७	६	८	१६	पूर्ण/२४	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण
१९×११ ५	९	९	२५	पूर्ण/६७	१८९९ वि० (चैत्रसुदी ११)	–
७×५	२	१०	४०	पूर्ण/२५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६७१	३४८०/१८६२	बालात्रिपुरास्तोत्र	–	–	देशी कागज	नागरी
१६७२	८०९/८२५/७२५	बालासम्पुटस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६७३	२६१/२४७	बालासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६७४	४७४/४३३	बालासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६७५	५१८/५०९/४६७	बालासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६७६	३६५४/१८६७	बालासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६७७	७०२१/३९५६	बालासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६७८	३९/३४	बालास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६७९	१२५/११८	बालास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८०	२०३ २/१९५	बालास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८१	१५९८.१/१००४	बालास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८२	१७६७/११६८	बालास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८३	२१/१७	बालाहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७/८	८	६	२०	पूर्ण/३०	—	—
२१×११	२५	११	२८	पूर्ण/२५४	—	—
१६×११	४७	३	२०	पूर्ण/२६४	—	सुचारु
१६×१०	३७	८	१६	पूर्ण/१४८	१८८३ वि०	—
१७×११	४०	१०	१६	पूर्ण/२०८	—	-
१८×११	१५	७	१६	अपूर्ण/१०३.५	१८९८ वि०	-
२६×१४	१८	१०	२०	पूर्ण/११२	—	—
१३ ५×९	९	७	१६	पूर्ण/३१	—	-
१४ ५×१२ ५	९	८	१४	पूर्ण/३१	—	—
१५.५×११	०	६	१६	पूर्ण/२७	—	—
१३ ८×७.७	४	५	३७	पूर्ण/१७	—	—
१७×११	२०	५	१६	पूर्ण/५०	१९४५ वि० (१८१० शक)	—
१४×९.५	८	८	१४	पूर्ण/२८	१९६२ वि०	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६८४	२७८/२५७	बालाहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८५	३७७९.१/१९२९.१	बालाहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८६	७०६१/३९८०	बृहच्छातिस्तोत्र	–	हर्षकीर्तिसूरि	देसी कागज	नागरी
१६८७	३८३४ १/१९०४.१	बृहस्पतिहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८८	६२५४/३३६९	ब्रह्मपाराख्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८९	३३७९/१७४४	ब्रह्मस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९०	१७७९/११८०	भक्तिलहरी	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९१	३१६०/१६१०	भक्तिवर्द्धिनी	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१६९२	२९२७ २/१४८७	भक्तिवर्द्धिनीस्तोत्र	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१६९३	७६१७/१४६७	भगवतसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९४	२३८/२२७	भगवतीपद्मपुष्पाञ्जलि	रामकृष्णकवि	–	देसी कागज	नागरी
१६९५	३८३१ १/१९५३ १	भगवतीसहस्रदल	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९६	५४५/५३५/४९१	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी, परमहस	–	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४ ५×१३	८	८	१६	अपूर्ण/३२	–	–
२४७×१४	३	११	११	पूर्ण/२८	१९१७ वि० (श्रावण वुध ५)	
२६×१२	२०	११	३०	पूर्ण/२०६	१९२६ वि० (ज्येष्ठवदि ३ भृगुवार)	–
१५×१३	६	८	१६	अपूर्ण/२४	–	–
१८×६	२	७	२०	पूर्ण/९	–	–
१९.५×११ ५	५	७	१६	अपूर्ण/१७	–	–
११.५×९.५	३	७	२१	अपूर्ण/१४	–	–
३५×१६.६	१	१०	४८	पूर्ण/१५	–	–
२७×१६	२	१०	२४	पूर्ण/ १५	–	.
२७×१६	२०	१२	३२	अपूर्ण/२४०	–	–
२२ ५×११ ५	८	९	३०	पूर्ण/६७	१८९४ वि० (शाके १७५९ आषाढमासे शुक्ल पक्षे)	–
२१.७×१०.७	७४	८	२२	अपूर्ण/४०७	-	–
२३.५×१२	६०	१२	३०	अपूर्ण/६७५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६८४	२७८/२५७	बालाहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८५	३७७९ १/१९२९ १	बालाहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८६	७०६१/३९८०	बृहच्छातिस्तोत्र	–	हर्षकीर्तिसूरि	देसी कागज	नागरी
१६८७	३८३४ १/१९५४ १	बृहस्पतिहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८८	६२५४/३३६९	ब्रह्मपाराख्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६८९	३३७९/१७४४	ब्रह्मस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९०	१७७९/११८०	भक्तिलहरी	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९१	३१६८/१६१०	भक्तिवर्द्धिनी	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१६९२	२६२७ २/१४६७	भक्तिवर्द्धिनीस्तोत्र	बल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१६९३	२६१८/१४६७	भगवतसहस्त्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९४	२३८/२२७	भगवतीपद्मपुष्पाञ्जलि	रामकृष्णकवि	–	देसी कागज	नागरी
१६९५	३८३१ १/१९५३ १	भगवतीसहस्त्रदल	–	–	देसी कागज	नागरी
१६९६	५४५/५३५/४९१	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी, परमहंस	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४.५×१३	८	८	१६	अपूर्ण/३२	–	–
२४.७×१४	३	११	११	पूर्ण/२८	१९१७ वि० (श्रावण बुध ५)	
२६×१२	२०	११	३०	पूर्ण/२०६	१९२६ वि० (ज्येष्ठवदि ३ भृगुवार)	–
१५×१३	६	८	१६	अपूर्ण/२४	–	–
१८×६	२	७	२०	पूर्ण/९	–	–
१९.५×११ ५	५	७	१६	अपूर्ण/१७	–	–
११.५×९ ५	३	७	२१	अपूर्ण/१४	–	–
३५×१६.६	१	१०	४८	पूर्ण/१५	–	–
२७×१६	२	१०	२४	पूर्ण/ १५	–	-
२७×१६	२०	१२	३२	अपूर्ण/२४०	–	–
२२ ५×११ ५	८	९	३०	पूर्ण/६७	१८९४ वि० (शाके १७५९ आषाढमासे शुक्ल पक्षे)	–
२१.७×१०.७	७४	८	२२	अपूर्ण/४०७	-	–
२३.५×१२	६०	१२	३०	अपूर्ण/६७५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१६९७	२९८८/१५६३	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१६९८	३०१०/१५६९	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी परमहंस	—	देसी कागज	नागरी
१६९९	८५४/८७१/७५५	भगवन्नामानि	—	—	देसी कागज	नागरी
१७००	१५७५/९७९	भजगोविन्दस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७०१	५७६९/२९५३	भयहरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०२	७४६४/४२३५	भयहरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०३	६६८७/३७३१	भरतसाविश्रीस्तोत्र	व्यास	—	देसी कागज	नागरी
१७०४	३९१/३५५	भवानीपञ्चरत्न	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०५	७४८९/४२३९	भवानीसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०६	७१७७/४०४४	भवानीसहस्रनामस्तवराज-स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०७	४१८/३७७	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०८	४५०/४४१/४०९	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७०९	२८५०/१५२६	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६ ५ ×१४ ५	७०	१२	२५	पूर्ण/ ६५६	१८८० वि०	इसमे पौराणिक आधार पर भगवान् श्रीकृष्ण की लीलाओ का वर्णन किया गया है । ग्रन्थविरचनाओ मे विभक्त है
३२×१३	११६	११	४५	पूर्ण/१७९४	१८४३ वि० (मिति चैत्रसुदी १० रविवार)	भगवद्भक्तिमाहात्म्य, सटीक
१५.५×११	४	५	१६	पूर्ण/१०	–	–
१३.५×११ ५	४	११	१८	पूर्ण/२४	–	–
२५.४×१०.४	३	१३	४०	पूर्ण/४८	–	–
२५×११	८	१६	४०	पूर्ण/१६००	–	सटीक
१३×८	२४	६	२०	पूर्ण/९०	–	–
१४×१०	४	७	१६	पूर्ण/१४	–	–
११×७	६८	८	१६	पूर्ण/२७२	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
१६.६×१०.६	१०५	५	१६	पूर्ण/५१२	–	–
१३ ५×९ ५	३२	१४	२०	पूर्ण/२८०	१८२९ वि० (फाल्गुनसुदि ५ गुरुवार)	–
२०×९	३१	८	२५	पूर्ण/२४८	१७२३ वि० (माघशुक्ल ११ भृगुवार)	–
१६×११	६४	७	१३	पूर्ण/१८२	१८४७ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७१०	६८९७/३८९६	भवानीसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७११	६५९२/३६४३	भवानीस्तवराज	–	–	देसी कागज	नागरी
१७१२	१०६/९८	भवानीस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१७१३	७९/७३	भवानीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७१४	१६४०/१०४४	भवानीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७१५	५२४/५१४/४७०	भवान्यष्टकस्तोत्र	शङ्कराचार्य (?)	–	देसी कागज	नागरी
१७१६	२७४०/१४९७	भगवतस्तुतिसमुच्चयसग्रह	–	–	देसी कागज	नागरी
१७१७	३२७/२९८	भारतीस्तोत्र	राजमुकुटमणि	–	देसी कागज	नागरी
१७१८	३४२/३१८	भारतीस्तोत्र	राजमुकुटमणि	–	देसी कागज	नागरी
१७१९	५९३०/३०८८	भौमस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७२०	३०४६ १/१५८२	भीष्मदेहोत्सर्गस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७२१	३०६४.४/१५८९	भीष्मराजस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१७२२	३२१९/१६३१	भीष्मस्तवराज	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×१७	१३	१८	२५	पूर्ण/१८३	१७९५ वि० ज्येष्ठकृष्ण ४)	–
२०×९	१७	१२	३२	पूर्ण/२०८	–	–
१७.५×११ ५	४	९	१८	अपूर्ण/२०	–	–
१४×१०	८	८	२०	पूर्ण/४०	–	–
१७×८.५	१९	५	१४	अपूर्ण/४२	–	–
१३×१०	५	७	१४	पूर्ण/१५	–	–
१६×२०	४५६	११	११	पूर्ण/१७२४	–	भागवतपुराण मे वर्णित शुक, कुन्ती आदि द्वारा की गई स्तुतियो का सग्रह किया गया है
१८×१०.५	११	७	२४	पूर्ण/५७ ५	१८८६ वि०	–
१५ ५×११	१५	८	१६	पूर्ण/६०	१९२३ वि०	–
१४.२×११.५	४	१०	१६	पूर्ण/२०	१८२५ वि० (ज्येष्ठ २)	–
११.५×९ ५	४३	७	१५	पूर्ण/१४१	१९९४ वि०	–
११ ८×७.५	४७	६	१५	पूर्ण/१३२	१८४६ वि०	महाभारत
३३×२०	३४	५	१६	पूर्ण/८५	–	सटीक

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७२३	४२४७.१/१९८६	भीष्मस्तवराज	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२४	१७३५/११३६	भीष्मस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२५	२७४९/१५००	भीष्मस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२६	४२४७.१/१९८६.१	भीष्मस्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२७	३३१२/१७०९	भुवनेश्वरीपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२८	३८६६.१/१९७४.१	भुवनेश्वरीशताष्टकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७२९	३१६/२८७	भुवनेश्वरीसहस्रनामस्तोत्र		—	देसी कागज	नागरी
१७३०	८८७/७६१	भुवनेश्वरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३१	४०२९/१९३३	भुवनेश्वरीसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३२	७२/६६	भुवनेश्वरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३३	३३११/१७०९	भुवनेश्वरीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३४	१८८०/१२७१	भैरवअष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१७३५	३८९२.१/१९९०	भैरवअष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	पक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२०.५×१२	३७	७	१०	अपूर्ण/७०	–	–
१५.६×८.६	४६	५	१४	पूर्ण/१०१	–	जीर्ण
२२×१०	३९	६	२४	पूर्ण/१७५ ५	१८८२ वि०	–
१२×७	३७	६	१०	पूर्ण/७०	–	–
१५ ५×१०	१७	६	१०	पूर्ण/३२	–	–
१८×११	३	८	२४	पूर्ण/१८	–	.
२२×११	१७	१२	२५	अपूर्ण/१५९	–	–
२१.५×१० ५	१७	१२	३१	पूर्ण/१९८	–	भुवनेश्वरी देवी के सहस्रनामो का स्तवन किया गया है तथा उनके पाठ का महत्त्व बताया गया है।
१७×११ ८	३०	८	१७	पूर्ण/१२८	–	-
१७ ५×१२	१२	८	१६	पूर्ण/४८	–	
१५ ५×१०	३	६	१०	अपूर्ण/५		-
१८×१२	१३	११	१६	अपूर्ण/७१	–	-
१२×२० ५	३	१६	१२	पूर्ण/१८	–	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७३६	७०३८/३९६८	भैरवक्षेत्रपालस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७३७	५४९/५५९/५०५	भैरवस्तवन	–	–	देसी कागज	नागरी
१७३८	१७ १/१२	भैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७३९	२३०/२१९	भैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७४०	३७९/३४६	भैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७४१	३९३/३५६	भैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७४२	४२७/३८७	भैरवस्तोत्र	–	-	देसी कागज	नागरी
१७४३	३७४५.१/१९०८ १	भैरवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७४४	५८९९/३०६५	भैरवस्तोत्र	–	--	देसी कागज	नागरी
१७४५	३४७९ १/१८३१	भैरवीस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१७४६	१७४३/११४४	मगलस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७४७	४३१८/२०१७	मग्गलस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७४८	२९०/२६४	मगलाष्टकस्तोत्र	कालिदास	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
११×७	४	९	१०	पूर्ण/११	–	–
१५×१०	१२	६	१४	अपूर्ण/३२		–
१६×१०	७	७	१३	पूर्ण/२०	–	–
१७×९	१४	७	२०	पूर्ण/६१	–	–
१६.५×११	२४	८	१९	पूर्ण/११४	–	–
१४×९.५	३१	६	१६	पूर्ण/९३	१९४० वि०	–
१५ ५×१०	४४	६	१२	पूर्ण/९९	१९२७ वि०	–
१५×९ २	१२	६	१८	अपूर्ण/४१	–	–
१५ ५×१० ३	४	१०	२२	अपूर्ण/२७	–	-
१९×११	७	७	२४	पूर्ण/३७	–	
१७ ५×१० ५	२	८	२२	अपूर्ण/११	१९३९ वि० (मार्गशीर्ष-शुक्ल १५ रविवार)	
११×८	६२	५	१०	पूर्ण/९७	–	
१७×१०	८	८	२४	पूर्ण/४८	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७४९	५९२८/३०८७	मंगलास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५०	६१३८/३२५९	मणिकर्णिकास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५१	६२९४/३३९६	मल्लारीसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५२	३७३१/१८८७	महाकालशनिमृत्युञ्जयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५३	५९८०/३१२३	महाकालीसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५४	६३९५/३४९४	महाकालीसूक्त	सदाशिव	–	देसी कागज	नागरी
१७५५	१५२४/९३९	महाकाल्यष्टोत्तर शतनामावलि	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५६	८५६/८७३/७५५	महागणपतिगकारादि सहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५७	६८१५/३८४५	महागणपतिसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५८	१७८६.१/११८७	महागणपतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७५९	१७८३/११८४	महादेविस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६०	६७१५/३७५९	महादेवीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६१	२४६८-१/१४३८	महानारायणस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४ २×११.५	३	११	२४	पूर्ण/२४	१८२५ वि० (चैत्र ११)	–
१६.५×१०	३	९	२०	अपूर्ण/१७	–	–
१७×१०.५	३८	८	२०	पूर्ण/१९०	१८४४ वि० (भाद्रपदशुक्ल सप्तमी भौमवार)	–
२०.२×१२.५	२८	७	१६	अपूर्ण/९८	–	–
१५.९×१०	२४	७	२०	पूर्ण/१०५	–	–
१२×८	१६	१०	१५	पूर्ण/७५	–	–
२१ ३×११	७	५	१८	पूर्ण/२०	–	–
१५ ५×११	८४	५	१८	पूर्ण/१३५	–	गणेश के गकार से प्रारम्भ होने वाले सहस्रनामो की स्तुति की गई है। यह रुद्रयामल तन्त्र का एक अश है
२२×१०	१८	७	२४	अपूर्ण/९५		–
१३×८	६	५	१२	पूर्ण/११	–	–
१८.७×१०.३	६	७	१६	पूर्ण/२१	–	–
१६×११	५	७	१६	पूर्ण/ १७	१८९२ वि०	–
१४×९.३	३०	७	२०	पूर्ण/१३१	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७६२	५९१६/३०७९	महालक्ष्मीमाला	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६३	५८१३/२९८९	महालक्ष्मीव्यकटेश-सहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६४	४९५/४४९	महालक्ष्मीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६५	३२१३.१/१६२९	महलक्ष्मीस्तोत्र	–	-	देसी कागज	नागरी
१७६६	३८६०.१/१९७३.१	महालक्ष्मीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६७	६८०८/३८४०	महालक्ष्मीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६८	६८१०/३८४०	महालक्ष्मीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७६९	३२२/२९३	महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७७०	९२०/९३७/७६८	महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७७१	३८८६/१९१८	महाक्ष्मोहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७७२	३१८६.२/१६२३	महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१७७३	५०/४५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१७७४	१५१/१४३	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३ ३×१० ५	१	११	२४	पूर्ण/७	—	—
१४ २×११.३	५९	७	१६	अपूर्ण/२१६	—	—
१४.५×१०	४	१२	२०	अपूर्ण/१२	—	—
१७×१२ ५	२८	८	१६	अपूर्ण/११२	—	—
१५×१०	६	८	१६	अपूर्ण/२४	१९२५ वि०	—
२४×११	१	२	४८	पूर्ण/३	—	—
२४×११	१	८	४८	पूर्ण/१२	—	—
१९×१३	४२	९	१८	पूर्ण/२१२	१९४५ वि० (द्वि० चैत्र-शुक्लपक्ष १३ भौमवार)	अभीष्टसिद्धिहेतु लक्ष्मीस्तुति निरूपित
१६.५×१२	३५	८	१६	पूर्ण/१४०	—	—
६×६.५	५७	८	८	अपूर्ण/११४	—	—
२३.५×१० ५	१६	९	३६	पूर्ण/१५२	—	—
१४×११	१३	११	१०	पूर्ण/४५	१८८९ वि० (फाल्गुनसुदी ३)	—
१५.५×१०.५	१०	१६	२५	पूर्ण/१५०		—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७७५	२८१/२६०	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७६	३२३/२९४	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७७	३८८/३५४	महिम्नस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७८	३९७/३६०	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७७९	५४७/५५७/५०२	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८०	१७१०/११११	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८१	१७४२/११४३	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८२	१७४४/११४५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८३	२५०१/१४४४	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८४	२७५७/१५०२	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८५	३१५८/१६१६	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८६	३२२८/१६३१	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८७	३२९३/१६९१	महिम्नस्तोत्र	विष्णु	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६.३×८.५	३५	५	१६	पूर्ण/८७	–	–
१७×११	१६	९	१६	पूर्ण/७२	–	–
१३×८	६१	५	१६	अपूर्ण/१५२५	–	–
१३ ५×९	१७	७	१४	पूर्ण/३०	–	–
२४.५×१२	२२	१४	३४	पूर्ण/२७८	१८९६ वि०	एक सामान्य संस्कृतटीकासहित महिम्नस्तोत्र
१२×१६	५२	११	१०	अपूर्ण/ १७८	१९४२ वि० (वैसाख १२)	–
१७.५×९५	१४	७	१८	अपूर्ण/५५	–	–
१२.५×९	२८	७	१२	पूर्ण/७३	–	–
२५ ५×१२.५	३५	११	३६	पूर्ण/४३३	–	अज्ञातकर्तृक टीकासहित शिवस्तोत्र
२०×१०	१३	७	२४	पूर्ण/६८	१८५० वि०	–
१२×७	५०	५	१२	पूर्ण/९४	–	–
३३×२०	३२	८	२४	पूर्ण/१९२	१९०३ वि०	सटीक सम्पूर्णस्तोत्र
१२.५×९.२	२५	७	१६	अपूर्ण/८७	१८५९ वि० (माघ ९)	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१७८८	३३३२/१७२८	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७८९	३५४६/१८४६.१	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९०	४२४६.२/१९८५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९१	६००८/३१४४	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९२	६२८६/३३८८	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९३	६७३५/३७७८	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९४	६८४६/३८७५	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९५	७०२०/३९५६	महिम्नत्रिपुरसुन्दरी स्तवराज	दुर्वासामहर्षि	—	देसी कागज	नागरी
१७९६	७१७८/४१४६	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९७	७४८३/४२३९	महिम्नस्तोत्र	पुष्पदन्ताचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१७९८	८५९/८७६/७५६	महोग्रतारिकादडक	कालिदास (कवि सार्वभौम)	—	देसी कागज	नागरी
१७९९	८९६/९१३/७६४	मात्रिकामत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८००	५०/४५	मानसिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×११.५	२६	८	६	अपूर्ण/३९	–	–
१४ ५×८ २	२७	६	१६	पूर्ण/५४	–	–
१८.५×१३	३४	६	१५	पूर्ण/९६	–	–
२३ ३×१०.३	९	९	३६	पूर्ण/९१	१८९८ वि० (कार्तिक १२)	–
१९.५×९	१४	७	२०	पूर्ण/६१	–	–
१९×१३	६	११	१६	अपूर्ण/३३	–	–
१७×११	७	२२	१६	पूर्ण/७७	–	–
[illegible]×१४	१४	१०	२०	पूर्ण/८७	–	–
१६.६×१०.६	३६	५	१४	पूर्ण/७८	–	–
११×७	२६	१८	१६	पूर्ण/१०४	१६६५ वि०	–
१९×११.५	१३	७	२४	पूर्ण/६८	–	–
२४.५×१२.५	२८	११	३६	पूर्ण/३४६	१८४१ वि०	–
११×७	३३	८	२०	पूर्ण/१६५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८०१	७२७०/४१२२	मायाबीजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८०२	१७८५.९/११८६	मुक्तिद्वारस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८०३	१७८५.२/११८६	मुक्तिप्रदस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८०४	२२१/२१०	मृत्युञ्जयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८०५	६८६७/३८८८	मृत्युञ्जयस्तोत्र	मार्कण्डेय	–	देसी कागज	नागरी
१८०६	३९४/३५७	यंत्रोद्धार आरती	–	–	देसी कागज	नागरी
१८०७	५२३.३/४६९	यज्ञोपवीतमन्त्रस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८०८	७५.१/६९	यमुनाष्टकस्तोत्र	महूपगोस्वामी	–	देसी कागज	नागरी
१८०९	३०८०.३१/१५९४	यमुनाष्टपदी	विट्ठलेश्वर	–	देसी कागज	नागरी
१८१०	२४५९/१४३३	यामुनस्तोत्र	यामुनाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८११	२४१/२३०	युगलकिशोरसहस्रनाम-स्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८१२	३१९१.७/१६२३	योगभोगस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८१३	३१९१.८/१६२३	योगभोगस्तोत्र	–	–	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३.४×१३.४	१	१०	४०	पूर्ण/१२ ५	–	–
२५×३०	१	२४	४०	पूर्ण/३०	–	
२५×३०	१	२८	१२	पूर्ण/१०.५	–	–
२० ४×१०.५	४	८	२६	पूर्ण/२६	–	–
९×७	१०	५	८	पूर्ण/१३	–	–
१२.५×९	५	५	१५	पूर्ण/१२	–	–
१७×९	२	५	१८	पूर्ण/६	–	–
१४.५×१०	२	८	२०	अपूर्ण/१०	–	–
१६×१०	८	६	१५	पूर्ण/ २३	–	–
१८×१४	१९	१०	१६	पूर्ण/९५	–	-
१६×९	२६	८	२६	पूर्ण/१६४	–	-
२५×११	६	१०	२४	पूर्ण/४५	–	–
२५×११	५	१०	२४	पूर्ण/३७	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८१४	३७८१.१/१९२९.१	योगिनीहृदयस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१५	५९१८/३०७९	योगेश्वरीमाला	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१६	७१४६/४०२३	रघुवरसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१७	६७००/३७४४	रहस्यत्रय	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१८	३६८/३३८	राजराजेश्वरीध्यानस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८१९	६७६६/३८०३	राजराजेश्वरीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
१८२०	३८१७/१९०७	राधाअष्टोत्तरनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२१	४७/४२	राधाकृष्णस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२२	२६०९.६/१४६५	राधानाथसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२३	३१७६/१६२१	राधासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२४	१५८१/९८५	राधास्तवराजस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१८२५	३१६६ ३/१६१९	राधास्तोत्र	बिट्ठलेश	—	देसी कागज	नागरी
१८२६	६५१३/३५९७	राधास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१९ ७×११	९	८	२६	अपूर्ण/५८.५	–	–
१३ ३×१० ५	२	११	२४	पूर्ण/१६	–	–
१८×९.५	६०	५	१०	पूर्ण/९४	–	–
१६×१०	२२	७	२४	पूर्ण/१२०	१८०४ शा०	–
२०.५×१५५	१९	७	२०	पूर्ण/८३	–	–
२१ ३२	२	२०	३२	पूर्ण/४०	–	–
१७.२×१०.६	१२	५	१६	पूर्ण/३०	–	–
१८×१२	३६	८	१६	पूर्ण/११४	–	–
२० ५×१३	२६	१८	१७	पूर्ण/२४२	–	–
१८×११	६२	९	१६	पूर्ण/२७९	–	–
२४×६	४१	८	३२	पूर्ण/३२८	–	–
३५×१६.५	१	१४	४८	पूर्ण/२१	१९१० वि० (चैत्रशुक्ल १५ शनिवार)	–
२७ ५×२२ ५	३	१६	१२	पूर्ण/१८	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८२७	६३२३/३४२५	रामअष्टाविंशतिनाम		–	देसी कागज	नागरी
१८२८	४२८/३८८	रामखड्गमाला	–	–	देसी कागज	नागरी
१८२९	७५७५/४२५१	रामखड्गमाला	–	–	देसी कागज	नागरी
१८३०	११६/१०९	रामचन्द्रशतनामस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१८३१	३७२० १/१८९१.१	रामचन्द्रस्तवराज	–	–	देसी कागज	नागरी
१८३२	३३४६ १/१७४१	रामजनस्तोत्र	हनुमान	–	देसी कागज	नागरी
१८३३	५६२/५७२/५१८	रामनामअष्टशतकम्	–	–	देसी कागज	नागरी
१८३४	३३१४/१७१०.१	रामपद्यदशक	महेश्वर भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
१८३५	५९९४/३१३०	रामप्रशस्ति	–	–	देसी कागज	नागरी
१८३६	४३९६/२०४०	राममहिम्नसस्थास्तोत्र	गन्धर्वराज	–	देसी कागज	नागरी
१८३७	९/७	रामरक्षास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८३८	१०३.३/९५	रामरक्षास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८३९	३४६/३१८	रामरक्षास्तोत्र	-	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२३×१२	१	२१	१०	पूर्ण/६	–	–
१३×९.५	३६	६	१२	पूर्ण/८१	१९६२ वि०	–
११×१८	१४	१२	१६	पूर्ण/८४	१९७३ वि०	
१५×११ ५	१०	८	१६	पूर्ण/४०		–
२१.५×११	५	९	२०	अपूर्ण/२८	–	
१८ २×९ ७	२	९	२४	पूर्ण/२७	–	–
१५×११.५	८	८	१३	अपूर्ण/२६	–	–
२३×१३	२	११	३०	पूर्ण/२०	–	–
२५ ८×१२	१२	११	३२	अपूर्ण/१३२	–	
२२ ५×११ ५	११	१०	२०	पूर्ण/६९	१९९० वि०	–
१८×११.५	१२	७	१५	पूर्ण/३९	–	–
२१×११.५	५	९	३०	पूर्ण/४२	–	–
१३×१० ५	३	९	१६	अपूर्ण/१३५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८४०	४०३/३६४	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	–	देसी कागज	नागरी
१८४१	४४२/४३३(१)/४०१	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	–	देसी कागज	नागरी
१८४२	५४४/४८९	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र ऋषि	–	देसी कागज	नागरी
१८४३	५४९/५३९/४९५	रामरक्षास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८४४	१८०३/१२०४	रामरक्षास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८४५	२६९६/१४९०	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	–	देसी कागज	नागरी
१८४६	३०६४.५/१५८९	रामरक्षास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८४७	३१५५/१६१६	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	–	देसी कागज	नागरी
१८४८	३३२०/१७१६	रामरक्षास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८४९	३५५५.१/१८४७.१	रामरक्षास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८५०	४३४१/२०२२	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	–	देसी कागज	नागरी
१८५१	५८९०/३०५७	रामरक्षास्तोत्र	बुधकौशिक	–	देसी कागज	नागरी
१८५२	५१५/५२५/४७१	रामरक्षास्तोत्र	बुधकौशिक	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२४ ५×११ ५	८	९	१९	पूर्ण/३६	–	–
१६×९.५	१२	८	२२	पूर्ण/६६	१८९३ वि०	–
१४ ५×१०	१४	७	१७	पूर्ण/४३	–	४३ श्लोको मे राम की स्तुति । प्रकाशित रामरक्षास्तोत्र से पर्याप्त भिन्न
२३ २×१० ३	५	१०	३२	अपूर्ण/५०	–	–
२८ ५×१३.५	१०	७	२०	पूर्ण/४४	–	सुरक्षित
१८×१०	२५	७	७	पूर्ण/३९	–	–
११ ८×७.५	१५	६	१५	पूर्ण/४२	–	–
१२×७	८२	५	१२	पूर्ण/१५४	–	–
२०×१० ३	११	७	२२	पूर्ण/५३	–	–
१२.८×९	१८	८	१४	अपूर्ण/६३	–	–
१६×११	१२	८	१५	पूर्ण/४५	–	–
१२×१८.५	४	१७	१६	पूर्ण/३४	–	–
१४×८.५	१२	६	१५	अपूर्ण/३३	–	–

क्रम स०	ग्रथ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८५३	३९५२.१/२०१७.१	रामबल्लभास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८५४	३४०४/१७९०	रामसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८५५	३९५०.१/२०१७ १	रामसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८५६	६२९५/३३९८	रामसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८५७	३९५३ १/२०१७.१	रामस्तवराज		–	देसी कागज	नागरी
१८५८	११/९	रामस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८५९	५००/४५४	रामस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६०	३९४८.१/२०१७.१	रामस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६१	२७५७.१/१५०२	रामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६२	१८३८/१२३१	रामस्वराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६३	२९९०/१३१२	रामहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६४	३४८२/१८६४	रामहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६५	६५०९/३५९३	रुद्रजाप	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×१०	३	७	१०	पूर्ण/८	–	–
२७×१२	६	११	३०	पूर्ण/६२	–	–
१३×१०	५६	७	१०	पूर्ण/१२२	–	–
१५×९.५	४७	९	१०	पूर्ण/१३२		–
१३ :१०	४	७	१०	पूर्ण/१०	–	–
१७.५×१०	२८	७	२०	पूर्ण/१२२	–	सुलिपि
१०×७	३९	७	१४	पूर्ण/९७	–	–
१३×१०	२७	७	१०	पूर्ण/५९	–	–
१६×१८	२	१०	३२	पूर्ण/२०	–	–
१४×१२	२४	१०	२०	पूर्ण/१५०	१८८६ वि०	–
१४×१२	२०	८	१६	अपूर्ण/८०	–	सटीक
१५×१०	१२	७	२०	पूर्ण/५१.५	–	–
२३×११.५	२२	९	२०	अपूर्ण/१२४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८६६	२८४/२६२	रुद्रहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६७	५७७३/२६५९	रेवासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६८	६५३१/३६१४	लक्ष्मीपञ्जरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८६९	३४१०.१/१७९६	लक्ष्मीसूक्त	–	–	देसी कागज	नागरी
१८७०	४७५/४३४	लक्ष्मीस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१८७१	४८४/४७५/४४१	लक्ष्मीस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१८७२	७७९/७९५	लक्ष्मीस्तुति	रामचन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
१८७३	१७४६/११४७	लक्ष्मीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८७४	३१४२/१६१४	लक्ष्मीस्तोत्र	अगस्त्य	–	देसी कागज	नागरी
१८७५	६६३१/३६७७	लक्ष्मीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८७६	४७२/४८१/४३९	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८७७	२७४६ १/१४४७	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८७८	३४७५.२/१८२९.१	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१९×१२	५	१०	१६	पूर्ण/२५	१८५५ वि० (चैत्रसुदी ३ भौम)	–
१९.२×१०४	३८	५	१६	अपूर्ण/९५	–	–
२३.५×१०.५	४	१३	३०	पूर्ण/४९	१८७५ वि० (आपाढवदि २)	–
१८.३×१४.४	२	७	२०	पूर्ण/८	–	–
१७×८.५	२१	५	११	पूर्ण/३६	–	–
१८×११ ५	११	७	१६	पूर्ण/३८	–	–
१७ ५×१३	१२	११	१३	पूर्ण/५०	१९७३ वि०	–
१४×११	१४	७	१६	पूर्ण/४९	१९३५ वि०	–
२२.७×१३.६	७	८	२४	पूर्ण/४२	१९५३ वि० (पौपशुक्ल ६)	–
१५×१०	३	१२	१६	पूर्ण/१८	–	–
२०.५×११.७	२२	९	२४	पूर्ण/१४८	१९०७ वि० (श्रावणकृष्ण १३ भौमवार)	–
१४×११	६४	७	१६	पूर्ण/२२४	१९३५ वि०	–
२९.५×१५.३	२	१७	४२	अपूर्ण/४४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८७९	५८९८/३०६४	लक्ष्मीहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८०	६८५६/३८७८	लघुस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८१	६४५४/३५४२	लघुस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८२	७४८५/४२३९	लघुस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८३	३७६९.१/१९२५.१	ललिताष्टोत्तरशतनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८४	३५६/३२६	ललितासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८५	८०३/८१९/७२१	ललितासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८६	९२३/९४०	ललितासहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८७	२३०८/१४०२	ललिताहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८८	१७९.१/१७१	लिंगस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
१८८९	३४०/३१२	वदीमोचन	–	–	देसी कागज	नागरी
१८९०	३८१९.१/१९४३.१	वक्रतुण्डाष्टकस्तोत्र	वेदव्यास	–	देसी कागज	नागरी
१८९१	११६९/८३५	वचनफलस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देशी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६.८×९	६१	५	१६	अपूर्ण/१५२	–	–
२५×१२	२	१०	३२	पूर्ण/२०	१९३८ वि०	–
१७×११	७	१२	२०	पूर्ण/४८	–	–
११×७	१४	८	१६	पूर्ण/५६	१६६५ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२२×१३	३१	२६	१२	पूर्ण/३०२	१९१२ वि० (श्रावणकृष्ण ९ चद्रवार)	–
७×१२	६७	९	१७	पूर्ण/३२०	१९०४ वि० ज्येष्ठकृष्ण ६ भृगुवासरे)	सुलिखित
२२.५×१०.५	६७	७	२०	पूर्ण/२९३	१७२९ वि० (मार्गशीर्ष)	–
१७.३×११.५	२५	१६	२६	पूर्ण/३२५	१८९३ वि० (फाल्गुनकृष्ण तृतीया)	–
२१×१२	१४	६	२०	पूर्ण/५३	–	–
१४×९.५	१	७	१८	अपूर्ण/४	–	–
१५.५×९.५	७	९	२४	पूर्ण/४७	१८१९ वि०	–
२१×१०	४	८	२०	पूर्ण/२०	–	–
१९.५×१४	४६	१०	१८	पूर्ण/२२५	१९१४ वि० (वैसाखकृष्ण)	–

क्रम स०	ग्रंथ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१८९२	७३९८/४१८६	वसुधारा	–	–	देसी कागज	नागरी
१८९३	६१५३/३२७३	वागीश्वरीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१८९४	६२५७/३३६९	वायुस्तुति	त्रिविक्रम पण्डिताचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८९५	१०७३.२/८०६	विचित्रहनुमान्	–	–	देसी कागज	नागरी
१८९६	३०८०.६/१५९४	विट्ठलनामावली	हरिराम	–	देसी कागज	नागरी
१८९७	७४१७/४२००	विद्यामानसपूजा	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१८९८	९२५/९४२.६/७६८	विद्याषडाम्नाय	–	–	देसी कागज	नागरी
१८९९	५२/४७	विद्यासहस्त्राक्षरी	–	–	देसी कागज	नागरी
१९००	३४४५.२/१८३०	विभूतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९०१	२६२२ ४/१२१२	विवेकधैर्याश्रयस्तोत्र	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९०२	२६७६.८/११५८	विवेकधैर्याश्रयस्तोत्र	वल्लभाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९०३	२३८७/१४१८	विश्वनाथस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९०४	३७५३/१८९४	विषापहारस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२५.५×११ २	१६	९	३१	पूर्ण/१४०	–	–
२५ ७×११.७	२	१२	४३	पूर्ण/३२	–	–
१८×६	२३	७	२०	पूर्ण/१००	१९०५ वि०	–
१०×१३	६	१०	८	पूर्ण/१५	–	–
१६×१०	१६	६	१५	पूर्ण/४५	१८४९ वि०	–
१८×१२	९	९	१७	पूर्ण/४३	–	–
१५×१२.५	१२	१३	२०	अपूर्ण/९७	–	–
१३×९	९	१०	२०	पूर्ण/५६	–	–
१६.८×१०५	६	८	१६	अपूर्ण/२४	–	–
७×६	२	१२	२४	पूर्ण/१८	–	–
२७×१६	२	९	२४	पूर्ण/१३५	–	जीर्ण
२०×१०	२	४	२०	पूर्ण/५	–	–
१७.३×११ ८	१२	९	२०	पूर्ण/ ६७	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९०५	४३२९/२०२०	विष्णुअठाईसनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०६	८४०/८५७/७४६	विष्णुअठाईसनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०७	४१५/३७५	विष्णुदिव्यसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०८	६३९८/३४९७	विष्णुदिव्यसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९०९	१०३.२/९५	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१०	४१६/३७५	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९११	४४१/४३२(१)/ ४०१	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१२	४४७/४३८(१) ४०६	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१३	९२५/९४२.२/७६८	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१४	२३८१/१४१७	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१५	२३९४/१४१९	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१६	३०७८/१५९३	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९१७	३२९२/१६९०	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३ ४×७.८	३	६	१६	पूर्ण/९	–	–
११.५×१४	५	७	९	पूर्ण/२०	–	–
१४×८	५३	७	२०	पूर्ण/२३२	–	–
३२×११	३७	२८	५	पूर्ण/१६२	–	–
२१×११.५	३	९	३०	पूर्ण/२५	–	–
१४×८	९	७	२०	पूर्ण/२१	–	–
१६×९.५	८	८	२२	पूर्ण/४४	१८१३ वि०	–
१५.५×१२ ५	१४	८	१०	पूर्ण/३५	–	–
१५×११ ५	२०	५	१०	पूर्ण/३१	–	–
१३.५×६ ७	११	६	१६	पूर्ण/३३	–	–
२०×८	८	५	२८	पूर्ण/३५	१७६८ वि०	सुलिपि
१० २×६.६	१४	६	१६	पूर्ण/४२	–	–
१३×८	२०	६	१२	पूर्ण/४५	१९०५ वि० मार्गशीर्षवदि ९ रविवार)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९१८	३८४२.१०/१९६०.१	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९१९	३९०५.१/१९९३	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९२०	४३३९/२०२२	विष्णुपञ्जरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९२१	४६५/४५६/४२४	विष्णुशतनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९२२	३८४२.२/१९६०.१	विष्णुशतनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९२३	२६२.१/२४८	विष्णुशतनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९२४	३९५१.१/२०१७.१	विष्णुशतनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९२५	१४९७/९३०	विष्णुसहस्रनामभाष्य	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९२६	३०१८/१५७४	विष्णुसहस्रनामभाष्य	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९२७	४३४४/२०२२	विष्णुसहस्रनामविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
१९२८	७३/६७	विष्णुसहस्रनाम	वेदव्यास	–	देसी कागज	नागरी
१९२९	१९२/१८४	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३०	२२४/२१३	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
६×११	११	१२	८	पूर्ण/३३	–	–
१६ २×८	८	६	२०	पूर्ण/३०	१८७५ वि० (ज्येष्ठकृष्ण १०)	खण्डित
१६×११	१०	८	१७	पूर्ण/४३	–	–
१८×९ ५	३	७	२४	पूर्ण/१६	–	–
१२×६	१०	५	१६	पूर्ण/२५	–	–
१२.५×८ ५	६	६	११	पूर्ण/१२	–	–
१३×१०	४	७	१०	पूर्ण/१०	–	–
३०×१३	१०८	११	४८	अपूर्ण/१७८२	–	शङ्कराचार्य भाष्य और उसको टीकासहित
२८×१४	१३०	११	३२	पूर्ण/१४३०	१८९३ वि०	महाभारत प्रतिपादित विष्णुसहस्रनाम पर शङ्कराचार्य का महत्त्वपूर्ण भाष्य
१६.५×११ ५	२२	६	१४	पूर्ण/५८	–	–
२१×१२ ५	३०	१०	२२	पूर्ण/२०६	१९९२ वि०	–
१५×१०	८	७	१५	अपूर्ण/२६	–	–
१५×१३	१३	७	१६	अपूर्ण/४५.५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९३१	२५२/२३८	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३२	३३९/३११	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३३	४२९/३८९	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	वेदव्यास	–	देसी कागज	नागरी
१९३४	४३३/३९३	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३५	५११/५२०/४६९	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३६	५५८/५६८/५१४	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३७	१८६०/१२५४	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३८	२४६२/१४२६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९३९	२४३२/१४२८	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४०	२४६१/१४३६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४१	२५१९/१४४६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४२	२६१३/१४६६	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४३	२८३७.१/१५२२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१२×२१	२४	१८	१३	पूर्ण/१७५	१७९२ वि० (कार्तिक मासे शुक्लपक्षे तिथौ ४ बुधवासरे)	–
१७×१०	२६	९	२४	पूर्ण/५८.५	–	–
१८×१०	८४	५	१६	पूर्ण/२१०	–	–
१५×१०.५	३२	७	१७	अपूर्ण/११९		–
१४.५×९.५	१२	८	१६	अपूर्ण/४८	१८६० वि०	–
१७×१०.५	४४	७	२०	पूर्ण/१९३	१८५८ वि०	–
१३×२२	१५४	२०	१२	अपूर्ण/११५५	–	सटीक
२३×१०	४४	६	३२	पूर्ण/२६४	–	–
१०.३×९४	८६	७	१०	अपूर्ण/१७५	–	–
२४×११	१३	१०	३२	पूर्ण/१३०	–	–
२७.५×१३.५	२२	११	३८	पूर्ण/२८७	–	–
२१×११		५	१६	पूर्ण/२१२.५	१९२३ वि०	–
३०×१४	१	१४	४८	अपूर्ण/२१	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९४४	१८३७.१/१५२२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४५	२८९१/१५३१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४६	२९०८/१५३७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४७	३०४६/१५८२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४८	३०६४.१/१५८९	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९४९	३०७८.३/१५९३	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९५०	३०७८ ७/१५९३	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९५१	३२१८/१६३०	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९५२	३२२५/१६३१	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९५३	३२२७/१६३१	विष्णुसहस्रनाम	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
१९५४	३२४९/१६४२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९५५	३२९५/१६९०	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९५६	३३९५/१७८६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२९ × १३	५४	१६	४०	अपूर्ण/१०८०	१८४० वि०	सटीक
११ ५×८	८१	६	११	अपूर्ण/१६७	–	–
९.४×७.६	९१	७	१०	पूर्ण/१९९	–	–
११ ५×९.५	६३	७	१५	पूर्ण/२०७	–	–
११.८×७.५	६७	६	१५	पूर्ण/१८८.५	–	–
१० २×६ ६	४	६	१६	पूर्ण/१२	–	–
१० २×६.६	४	६	१६	पूर्ण/१२	–	–
१३×७	६२	६	१६	पूर्ण/१८६	–	–
३३ ×२०	३०	१०	३२	पूर्ण/३००	–	–
३३ × २०	१४५	१०	१६	पूर्ण/७२५	–	शङ्कराचार्यकृत 'ब्रह्मज्ञानप्रदीपिका' नामक टीका सहित सम्पूर्ण ग्रन्थ
२०×११	६८	५	१२	अपूर्ण/१२७	१९२४ वि० (चैत्रशुक्ल तृतीया रविवार)	–
१३×८	१००	६	१२	पूर्ण/२२५	–	–
१२×८ ५	९२	६	१२	पूर्ण/२०७	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९५७	३४३४.१/१८२५.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५८	३४८५/१८३०.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९५९	३५४९/१८४६.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६०	३९६०/१९२४	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६१	३७६६.१/१९२४.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६२	३७७६.२/१९२८.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरो
१९६३	३८५८ १/१९७१.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६४	४२४६.१/१९८५	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६५	४२४७.१/१९८६.१	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६६	४२४७.१/१९८६.१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६७	४३२९/२०२०	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६८	४३३३/२०२१	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
१९६९	४३४७ १/२०२३	विष्णुसहस्रनाम	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×१२	२२	११	२०	अपूर्ण/१५१	–	–
३१×२०.५	८९	१०	३७	अपूर्ण/१०२९	–	सटीक
१६×८.५	४२	९	१६	पूर्ण/१८१	१८२५ वि० (चैत्र ९)	–
२१×११	३८	९	२४	पूर्ण/२५६	१९६२ वि०	–
१३×७	१३६	५	२०	अपूर्ण/४२५	–	–
१५.३×१०.३	२२	९	१६	अपूर्ण/९९	–	–
२१×१० ५	३३	८	२९	पूर्ण/२३९	–	–
१८ ५×१३	७५	६	१५	पूर्ण/२११	–	–
१२×७	६१	६	१०	पूर्ण/११४	–	–
२० ५×१४	८	७	१०	अपूर्ण/१७	–	–
१७×२१	८०	२२	२०	अपूर्ण/११००	–	सटीक
१५.५×११.५	७५	७	१०	पूर्ण/१६४	–	–
१४.५×९.१	८	५	१४	अपूर्ण/१८	-	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९७०	५८५०/३०१६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७१	७१८०/४०४४	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७२	७३४४/४१५७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७३	७५०२/४२४६	विष्णुसहस्रनाम	–	शङ्कराचार्य	देसी कागज	नागरी
१९७४	७५८९/४२५९	विष्णुसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७५	६८७४/३८९२	विष्णुसहस्रनामावलि	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७६	१२०/११३	विष्णुस्तवराजस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७७	३३९५/१७८१	विष्णुस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७८	३८९२ ३/१९४०.१	विष्णुस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९७९	२३/१९	विष्णुहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८०	२६५/२४८	विष्णुहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८१	३३९५/१७८१	विष्णुहृदयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८२	३८९२.६/१९४० १	विष्णोरष्टाविंशतिनाम-स्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
११.६×८	१८	५	१२	अपूर्ण/३३	–	–
१६ ६×१० ६	९१	५	१४	पूर्ण/१९९	१९१५ वि०	–
१२×१५ ७	७५	९	११	अपूर्ण/२३२	१८६८ वि०	–
३०×१४	३७	१२	३२	अपूर्ण/४४४	–	–
२०×१२ ८	४४	८	१८	अपूर्ण/१९८	–	–
१७×११	५६	९	१०	पूर्ण/१५७	–	–
१७×१० ५	३१	७	२१	पूर्ण/१४२	१८५८ वि० (श्रावण २ बुधवार)	–
१२×८.५	२	६	१२	अपूर्ण/५	–	–
१६ ८×२१	२	१२	१०	पूर्ण/७.५	–	–
१४×८.५	६	७	२४	अपूर्ण/३१	–	–
१२ ५×८.५	११	८	१६	पूर्ण/४४	–	–
१२×८.५	२	५	१६	अपूर्ण/५	–	–
१६.८×२१	४	१२	१२	पूर्ण/१८	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९८३	१५१९ १/९३५	व्यकटेशपञ्जरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८४	६३४१/३४४२	वीरस्तुति	जिनवल्लभसूरि	–	देसी कागज	नागरी
१९८५	१७८५ १/११८६	वीरेश्वरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८६	३३१८/१७१४	शकारादिशिवसहस्रनाम-स्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८७	२६५८/१४८१	शतनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८८	६७८९/३८२५	शत्रुविध्वसस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९८९	५९५९/३११४	शनिग्रहस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९९०	४८/४३	शनिस्तोत्र	दशरथ	–	देसी कागज	नागरी
१९९१	२४७/२३६	शनिस्तोत्र	दशरथ	--	देसी कागज	नागरी
१९९२	२६९१/१४८९	शनिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९९३	२९७/२६८	शनिस्तोत्र	दशरथ	–	देसी कागज	नागरी
१९९४	४१७/३७६	शनिस्तोत्र	दशरथ	–	देसी कागज	नागरी
१९९५	३४१८.१/१८१८.१	शनिस्तोत्र	दशरथ	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१४ ५×१०.५	५	८	१६	अपूर्ण/२०	–	–
२५×११	६	१०	२०	पूर्ण/३७		सटीक
२५×३०	१	२४	४०	पूर्ण/३०	–	अभिलाषाष्टकस्तोत्र
१४×९	६४	७	१६	पूर्ण/२२४	१९२६ वि० (वैशाखकृष्ण द्वितीया)	–
१३.९×७.९	७	५	१६	पूर्ण/१८	–	–
१७×१२	२	१०	१६	पूर्ण/१०	–	–
२४ ८×१० ८	१	५	२४	पूर्ण/३	–	–
२१ ५×१७	११	८	३०	पूर्ण/८७५	–	–
१९×१० ५	१२	८	२७	पूर्ण/८१	१८४६ वि० (वैशाखशुक्ल-पक्ष तिथी दशमी)	–
१७×८	६	९	२४	पूर्ण/४०५	–	–
२२×११	७	९	३२	पूर्ण/६३	–	–
१४×८ ५	२१	६	१५	पूर्ण/५२	–	–
१६×१०	१०	९	२०	अपूर्ण/५६	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
१९९६	३५५०/१८४७	शनिस्तोत्र	दशरथ	–	देसी कागज	नागरी
१९९७	३४७६/१८५८	शनिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
१९९८	३६७६/१८७३	शनिस्तोत्र	दशरथ	–	देसी कागज	नागरी
१९९९	३८५३ १/१९६७.१	शनिस्तोत्र	दशरथ	–	देसी कागज	नागरी
२०००	७३४३/४१५६	शनिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२००१	४१/३६	शरभदारुणसप्तक	–	–	देसी कागज	नागरी
२००२	५५५/५४५/५०१	शरभदारुणसप्तक	–	–	देसी कागज	नागरी
२००३	८४७/८६४(१)	शरभसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२००४	८४७/८६४	शरभस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२००५	६५११/३५९५	शरभेश्वरपक्षिराजमत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२००६	३२९६/१६९४	शरभेश्वरसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२००७	१३८७/८९९	शरभेश्वरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२००८	१४३९/९११	शरभेश्वरस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	पंक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×११.८	३१	८	१६	पूर्ण/१२४	१८०९ वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल ८)	–
१७×१०.५	१६	७	१५	पूर्ण/५२	–	–
२०×१५ ५	५	१६	२०	पूर्ण/५०	–	–
२३×१२	६	१०	२४	पूर्ण/४५	१८३२ वि०	–
१६×१३	१५	९	१४	पूर्ण/५९	–	–
१७×१२	८	९	१६	पूर्ण/३६	–	शत्रुविनाश के लिए पक्षिराज श्रीशरभेश्वरदेव का स्तवन
२२×११	६	८	३२	पूर्ण/४८	–	यह 'आकाशभैरवकल्प' का २७वाँ अध्याय है। इसमे पक्षिराज शरभदेव की शत्रुविनाश के लिए स्तुति की गई है। श्लोक सख्या ७ है
२२.५×११ ५	२८	१०	३२	पूर्ण/२८०	–	पक्षिराज श्रीशरभदेव के सहस्रनामो का तान्त्रिक स्तवन
२२ ५×११ ५	५	१०	३२	पूर्ण/५०	–	पक्षिराज शरभेश्वर अथवा सालुवेश की तान्त्रिक स्तुति
२२×२० ५	१	२७	१५	पूर्ण/११	–	-
१७ ५×९	३०	७	२४	पूर्ण/७८	१९२५ वि० (माघकृष्ण १० गुरुवार)	-
२६×१०	६	५	३२	पूर्ण/३०	–	-
१८×९ २	९	५	१९	पूर्ण/२७	–	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२००९	७३११/४१३३	शान्तिस्तवन	मनिदेवसूरि	—	देसी कागज	नागरी
२०१०	७६४५/४२८९	शान्तिस्तवन	देवसूरि	—	देसी कागज	नागरी
२०११	३२८९/१६५७	शान्तिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१२	६२५६/३३६९	शान्तिस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१३	५८६८/३०३४	शारदास्तवन	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१४	३३९३/१७८१	शालिग्रामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१५	३४६१/१८४५	शालिग्रामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१६	३९६० १/२०१७.१	शालिग्रामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१७	३८१/३४८	शिवआरती	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१८	३७९२.१/१९३२.१	शिवआरती	—	—	देसी कागज	नागरी
२०१९	१४३३/९१०	शिवकवचस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२०	६३४२/३४४३	शिवताण्डवस्तोत्र	रावण	—	देसी कागज	नागरी
२०२१	१५७९/९८३	शिवपञ्चरत्नस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१ ५×१० ६	२	११	४०	पूर्ण/२७	–	–
१२ ५×१० ५	४	९	१०	पूर्ण/११	–	–
१६×९	४	७	१६	अपूर्ण/१४	–	–
१८×६	१	७	२०	पूर्ण/४	–	–
२५ ८×१०.४	१	१३	५६	पूर्ण/२२	–	–
१२×२.५	१७	६	१२	पूर्ण/३८	–	–
२८×१४	६	८	२५	पूर्ण/३७	–	–
१३×१०	४	७	१२	अपूर्ण/१०	–	–
१६ ५×१२	३	१०	२०	पूर्ण/१२.५	–	–
१७.६×१२	३	७	१६	अपूर्ण/१०.५	–	–
२३.५×९.५	२४	५	२६	पूर्ण/९८	–	–
१३ ५×९	१०	५	१०	पूर्ण/१५.५	–	–
२१×११	२	१४	२४	पूर्ण/२१	१९३१ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०२२	३३१९/१७१५	शिवपञ्चाक्षरस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०२३	३८७६/१९८३	शिवपञ्चाक्षरीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२४	३८७८.२/१९८३	शिवमानसस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२५	४०७९.५०/१९३६	शिवरक्षास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२६	२४०५/१४२१	शिववदना	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२७	९५/८७	शिववर्मकथनस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०२८	१५७८/९८३	शिवशक्याष्टकस्तोत्र	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०२९	५४१/४८७	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३०	८०२/८१८/७२१	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३१	२७७२/१५०८	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३२	३२४०/१६३७	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
२०३३	३२९४/१६९२	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०३४	५८८९/३०५६	शिवसहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१७.२×१०.४	२	७	२०	पूर्ण/८	–	–
१७×११	३	६	१६	पूर्ण/९	१९२६ वि०	–
१७×११	५	६	१६	पूर्ण/१५	१९२६ वि०	–
२५×३०	१	१६	४०	पूर्ण/२०	–	–
२१×८	२	५	२३	पूर्ण/७	–	–
१५ ३×७.७	१६	७	२७	पूर्ण/४३	–	–
१२×१२	७	४	१३	पूर्ण/११	–	–
१८×९	२७	७	२२	अपूर्ण/१३०	–	–
२३ ५×१०	८४	६	१४	पूर्ण/२२०	१७२६ वि०	–
२४ ५×१२.२	१८	१३	२४	अपूर्ण/१७५	१८३१ वि०	–
३३×२०	१४७	७	२५	पूर्ण/८०४	१९०८ वि०	
१०×८	४४	७	१०	अपूर्ण/ ९६	–	–
१६×१०.३	२७	९	२४	अपूर्ण/१८२	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०३५	४७९/४३७	शिवसहस्रनामावली	–	–	देसी कागज	नागरी
२०३६	२७५७/१५०२	शिवस्तुति	वीरभद्र	–	देसी कागज	नागरी
२०३७	३१३० १/२००६	शिवस्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
२०३८	६४५२/३५४१	शिवस्तुति	हरिहर	-	देसी कागज	नागरी
२०३९	२२/१८	शिवस्तोत्र	वसिष्ठ ऋषि	–	देसी कागज	नागरी
२०४०	२८२/२६१	शियस्तोत्र	उपमन्यु	–	देसी कागज	नागरी
२०४१	३११/२८२	शिवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०४२	१५८७/९९१	शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२०४३	१५९६/१००२	शिवस्तोत्र	पृथ्वीराज	–	देसी कागज	नागरी
२०४४	२७५७ २/१५०२	शिवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०४५	२९७८ १/१५६२	शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२०४६	३५९८/१८५६.१	शिवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०४७	३८८९/१९१८	शिवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१५×१२	२८	१३	१७	अपूर्ण/१९३	१९१२ वि० (आषाढशुक्ल-पक्ष १४)	–
१६×१०	१	६	३२	पूर्ण/ ६	–	–
१५×७	२	३	१६	पूर्ण/३	–	–
४४×१२ ५	१	३७	१०	पूर्ण/११	–	–
१२ ८×८ २	४	७	१६	पूर्ण/१४	–	-
१७×११	७	९	१२	पूर्ण/२४	–	–
१५×१०	३	९	१६	पूर्ण/१३ ५	–	–
१३ ५×९ ५	७	६	१५	पूर्ण/१८	–	–
२१ २×११ १	३	७	५०	पूर्ण/३३	–	–
१६×१०	२	१०	३२	पूर्ण/२०	–	–
१६ ५×२० ३	२	१८	२०	पूर्ण/२२	–	-
२१×१२	२	११	२०	पूर्ण/१४	–	–
१५×१२	४०	९	१०	पूर्ण/१११	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०४८	६६५९/३७०५	शिवस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०४९	६२८४/३३८६	शिवादिध्यान	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५०	३६३४ ३/१८६३.१	शिवावलि	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५१	३६६२/१८६९	शिवाष्टोत्तरशतनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५२	६६६४/३७१०	शीतलाष्टक	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५३	१४०० ४/८९९	शीतलाष्टकस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५४	२७२५ १/१४९४	शीतलास्तुति	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५५	३९९/३६२	शीतलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५६	४००/३६३	शीतलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५७	२७८५/१५१३	शीतलास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५८	५८२०/२९९६	शुक्रस्तवन	—	—	देसी कागज	नागरी
२०५९	५९५७/३११३	शुक्तिमुक्तिजमालिका-स्तोत्र	पद्मसुन्दर	—	देसी कागज	नागरी
२०६०	८०४/८२०/७२१	शुद्धशक्तिमाला	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५×१२	४	१३	३२	अपूर्ण/५२	–	-
२१×९ ५	८	७	३०	पूर्ण/५२	–	–
१२×२१	३	१६	१६	पूर्ण/२४	–	
१६×१०	८	७	१६	पूर्ण/२८	–	-
१६×४५	१	३८	१६	पूर्ण/१९	–	–
२५×९	३	६	३२	पूर्ण/१८	१९५२ वि०	–
२४.२×१० २	१	९	३६	अपूर्ण/१०	–	–
१६.५×१०.५	११	५	१●	पूर्ण/१५	–	सुलिपि
१९×१२	४	८	१८	पूर्ण/१८	–	–
२१.५×११.५	३	८	२२	पूर्ण/१६	–	–
२३.६×११.३	४	८	२०	पूर्ण/२०	–	–
२२ ३×१० ८	४	१०	२४	पूर्ण/३०	१९०१ वि० (चैत्र ६)	-
२२.५×९ ५	६९	८	३२	अपूर्ण/५५२	–	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०६१	४३१/३९१	श्यामारहस्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६२	३८८२.३/१९८५	श्यामासहस्रनामस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६३	५१०/५०१/४५९	श्यामास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६४	२८२.१/२६१	श्रीकृष्णस्तव	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६५	३२९३/१६९०	श्रीकृष्णस्तवराज	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६६	३४५९/१८४३	श्रीगुरुदत्तात्रेयस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६७	३९५४.१/२०१७.१	श्रीरामअनुस्मृति	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६८	६५४७/३६१४.७	श्रीरामसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०६९	२८८९/१५३०	श्रीहरिअष्टाविंशनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
२०७०	३४५१/१८३६	षटपदी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२०७१	६९३३/३९१२	षट्पदी	–	–	देसी कागज	नागरी
२०७२	१७८५.२/११८६	षष्ठिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०७३	१०१०/७९१	षोडशमूलविद्या	–	–	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३×१६	४४	१२	३२	अपूर्ण/५२८	–	–
१७×१३	३२	१०	२०	पूर्ण/२००	१९०६ वि०	–
१७×१०	१८	६	१६	अपूर्ण/५४	–	–
१७×११	२	९	१६	पूर्ण/९	१९२६ वि० (ज्येष्ठशुक्ल १)	–
१३×८	८	६	१२	पूर्ण/१८	–	–
१८×१२	६	७	१२	पूर्ण/१६	–	–
१३×१०	५	७	१०	पूर्ण/११	–	–
२४×११	१६	९	२०	अपूर्ण/९०	–	–
१८ ५×१४	३	१०	१६	पूर्ण/१५	–	–
१४×९	४	६	१६	पूर्ण/१२	१८४८ वि०	–
२१×६.५	१	११	३०	पूर्ण/१०	–	–
२५×३०	१	२४	४०	पूर्ण/३०	–	–
२४ ५×१५ ५	३४	१२	२६	अपूर्ण/३३१.५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०७४	३८४४.१/१९६०.१	संकटनाशकस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०७५	२७५६/१५०२	सकटास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०७६	६३८५/३४८४	सत्यिकासप्रभावस्तोत्र	धनसार पाठक	–	देसी कागज	नागरी
२०७७	५९७०/३११७	सत्यिकास्तुति	देवगुप्त	–	देसी कागज	नागरी
२०७८	५९७१/३११७	सत्यिकास्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
२०७९	६४५७/३५४३	सत्यिकास्तुति	–	–	देसी कागज	नागरी
२०८०	६८६४/३८८६	सत्यिकास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०८१	२३८१/३	सप्तशतिकास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२०८२	३४१२.१/१७९८	सप्तशतीकीलकस्तोत्र एव पूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२०८३	३९१७.१/१९९८	सप्तशतीस्तोत्रप्रयोगविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२०८४	३०८०.२३/१५९४	सप्तश्लोकी	विट्ठलेश्वर	–	देसी कागज	नागरी
२०८५	३०८०.३६/१५९४	सप्तश्लोकी	विट्ठलदीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
२०८६	३/३	सरस्वतीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२ ८६	३	६	१२	पूर्ण/९	–	–
१९ × २५	४	६	१६	पूर्ण/१२	१९२५ वि०	–
१५ ५ × ९ ५	४	९	१०	पूर्ण/११	–	–
२५.८ × ११.४	१	१४	४२	पूर्ण/१८	–	–
२५.८ × ११.४	२	१४	४२	पूर्ण/३६	–	–
११ × ९	१३	६	१०	पूर्ण/२४	–	–
१० × ९	१६	५	१०	अपूर्ण/२५	–	–
१३ ५ × ८	६	६	१६	अपूर्ण/१८	–	–
१४.५ × १२.५	२४	७	१६	पूर्ण/८४	–	–
१६ × १२	९	८	१६	अपूर्ण/३६	–	–
१६ × १०	५	६	१५	पूर्ण/१४	१८४९ वि०	–
१६ × १०	५	६	१७	पूर्ण/१६	–	–
१४.५ × ९	२	८	१९	पूर्ण/९		–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२०८७	३१२/२८३	सरस्वतीस्तोत्र	वृहस्पति	—	देसी कागज	नागरी
२०८८	३४८/३१९	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०८९	३९२/३५६	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९०	५१७/५२७/४७३	सरस्वतीसहस्रनामस्तोत्र	रुद्र	—	देसी कागज	नागरी
२०९१	८४०/८५७/७४६	सरस्वतीद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९२	१०७३ ३/८०६	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९३	२६५१ १/१४७७	सरस्वतीस्तोत्र	वृहस्पति	—	देसी कागज	नागरी
२०९४	३१७१/१६२१	सरस्वतीद्वादशनाम	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२०९५	३४५८/१८४३	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९६	३५९८ १/१८५६ १	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९७	३५९८.२/१८५६.१	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९८	३८१४/१९०६	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२०९९	३८८८.१/१९८९	सरस्वतीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×११	३	८	१६	पूर्ण/१२	१९४९ वि०	–
१७×११	९	७	१६	पूर्ण/३१.५	–	–
११×७	१०	७	१२	पूर्ण/२६	–	–
१४×९	१९	१३	२२	पूर्ण/२०२	–	–
११.५×१४	४	७	९	पूर्ण/६	–	–
१०×१३	६	१०	८	पूर्ण/१५	१९५३ वि०	–
१९ ८×११	१	१०	२४	पूर्ण/७	–	–
११×८	४	५	१६	पूर्ण/१०	–	–
१८×१२	२	८	१५	पूर्ण/७.५	–	–
२१×१२	२	११	२०	पूर्ण/१४	–	–
२१×१२	७	११	२०	पूर्ण/४८	–	–
१७.५×१२.५	११	९	१८	पूर्ण/५६	१९५० वि०	–
१२×२०	४	१७	१२	पूर्ण/२५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१००	६६७९/३७२४	सरस्वतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१०१	६६८०/३७२४	सरस्वतीस्तोत्र	बृहस्पति	–	देसी कागज	नागरी
२१०२	६८१६/३८४६	सरस्वतीस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१०३	८५२/८६९/७५५	मर्वदेवप्रातःस्मरण	–	–	देसी कागज	नागरी
२१०४	९०/८२	सर्वमन्त्रोत्कीलकस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१०५	२४६०/१४३३	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	–	देसी कागज	नागरी
२१०६	२५४७.४/१४५३	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	–	देसी कागज	नागरी
२१०७	२९१३ ६/१५३९	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	–	देसी कागज	नागरी
२१०८	३०८० २१/१५९४	सर्वोत्तमस्तोत्र	अग्निकुमार	–	देसी कागज	नागरी
२१०९	३१३९/१६१३	सर्वोत्तमस्तोत्र	आनन्दकुमार	–	देमी कागज	नागरी
२११०	३५८०.७/१८५३.१	सर्वोत्तमस्तोत्र	जमदग्निकुमार	–	देसी कागज	नागरी
२१११	२६७६.१४/१४८५	सहस्रनामस्तोत्र	वैश्वा	–	देसी कागज	नागरी
२११२	३१७९/१६२१	साम्त्रपचशतिका	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२×८	४	६	१६	पूर्ण/१२	–	–
१२×८	९	६	१६	पूर्ण/२७	–	–
११×७	१८	७	१६	पूर्ण/४९	–	–
१५ ५×११	६	५	१८	पूर्ण/१७	–	–
१५ ५×९	११	७	३२	पूर्ण/७७	–	–
१७×२९	३	२४	१८	पूर्ण/४०	–	–
१५.७×१० ५	११	८	१६	पूर्ण/४४	–	–
१६ ५×२१	७	१५	१६	पूर्ण/५२.५	–	–
१६×१०	१३	६	१५	पूर्ण/३७	१८४९ वि०	–
२१×१७	९	९	१२	पूर्ण/३०	–	–
१६×११	१५	७	१०	पूर्ण/३३	–	–
२७×१६	३४०	९	३२	पूर्ण/३०६०	–	–
१५×९	५६	६	१६	पूर्ण/ १६८	१८४६ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२११३	६६१५/३६६१	सारस्वतस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२११४	५२३.७/४६९	सिद्धलक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२११५	२६२२/१४६७	सिद्धातरहस्यस्तोत्र	बल्लभाचार्य	-	देसी कागज	नागरी
२११६	६६२८/३६७४	सिद्धिलक्ष्मीस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
१२१७	३९४९ ३/२०१७.१	सीताएकविंशतिनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
२११८	३९४९.१/२०१७.१	सीतासहस्रनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२११९	३९४९.२/२०१७.१	सीतास्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२०	१४२/१३५	सुदर्शनात्मकस्तोत्र	—	-	देसी कागज	नागरी
२१२१	५९२४/३०८४	सूक्तविधान	—	-	देसी कागज	नागरी
२१२२	६६८८/३७३२	सूर्यअथर्वशीर्षमत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२३	४२४६.५/१९८५	सूर्यगायत्री	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२४	३०७८.८/१५९३	सूर्यद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१२५	३७३८.१/१९०४.१	सूर्यद्वादशनामस्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५×१३	३	१२	३२	पूर्ण/३६	—	—
१७×९	१३	५	१८	पूर्ण/३७	—	—
२७×१६	१	१२	२४	अपूर्ण/९	—	—
२५×११	२	१०	३२	पूर्ण/२०	—	—
१३×१०	२	७	१०	पूर्ण/४	—	—
१३×१०	५९	७	१०	पूर्ण/१२९	—	—
१३×१०	२	७	१०	पूर्ण/४	—	—
१३×१०	७	७	१३	पूर्ण/२०	—	—
१४ ७×१० ४	११	९	१६	पूर्ण/४९	—	—
१५×११	७	८	१६	पूर्ण/२८	—	—
१५.८×१३	२	६	१५	पूर्ण/६	—	—
१० २×६ ६	३	६	१६	पूर्ण/९	—	—
२१×१७	२	९	१६	पूर्ण/९	—	—

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१२६	३८९६.२/१९९०	सूर्यद्वादशनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१२७	१५७६/९८१	सूर्यशतकस्तोत्र	मयूर	–	देसी कागज	नागरी
२१२८	४२/३७	सूर्यसहस्रनाम	–	–	देसी कागज	नागरी
१२२९	३६०४/१८५७.१	सूर्यसहस्रनामस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३०	७१०७/४००५	सूर्यसहस्रनामस्तोत्रटीका	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३१	५३/४८	सूर्यस्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२१३२	३९०/३५५	सूर्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३३	१३९०/८९९	सूर्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३४	१७२७ १/११२८	सूर्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३५	१६७१/१०७५	सूर्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३६	३७९६ २/१९३२.१	सूर्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३७	६८३३/३८६३	सूर्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१३८	७०४०/३९६८	सूर्यस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	पंक्ति प्र० पं०	दशा / परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१२×२०.५	२	१६	१२	पूर्ण/१२	–	–
२३.३×१०.३	२६	१०	३२	पूर्ण/२६०	१८४३ वि० (फाल्गुन)	प्रायः सौ प्रौढ स्रग्धरा छन्दों मे सूर्य सम्बन्धी स्तुति
१६×१० ५	३५	१०	२०	पूर्ण/२१८	–	सूर्य सहस्रनाम, 'देवीरहस्यतन्त्र' का एक अश
२५×१०	२४	८	२०	पूर्ण/ १२०	१७६२ वि० (ज्येष्ठकृष्ण-द्वादशी भौमवार)	–
२१×१०	३०७	१०	२०	पूर्ण/१९१९	–	–
१२.५×७	५	५	२०	पूर्ण/१६	–	–
१३×८	४	७	१६	पूर्ण/१४	–	–
२५×९	३	७	३२	पूर्ण/२१	–	–
१९ ३×११	७	७	१७	अपूर्ण/२६	–	–
१७×१२	६	८	१२	अपूर्ण/१८	–	–
१७ ७×१२ २	३	७	१६	पूर्ण/१०५	–	–
१६×११	३	११	३२	अपूर्ण/३३	–	–
११×८	३	९	१०	पूर्ण/८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१३९	४/३	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४०	१२८/१२९	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४१	३४४/३१६	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४२	१०२८/८५६	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	डिंडिम रामकवि	देसी कागज	नागरी
२१४३	१७९७/११९८	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४४	२४२१/१४२७	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४५	२५४४/१४५२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४६	२५४५/१४५२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४७	३१८१/१६२१	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२१४८	४२५९/१९९९	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	रामभद्र मिश्र	देसी कागज	नागरी
२१४९	५९४१/३०९९	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
२१५०	६४७५/३५५८	सौन्दर्यलहरी	जगन्नाथ	—	देसी कागज	नागरी
२१५१	६७२९/३७७२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१०×८	८	५	१२	अपूर्ण/१५	–	–
२२×१०	५०	६	२४	पूर्ण/२२५	१८४६ वि०	१०२ श्लोको की शिखरिणी छन्द मे शक्ति की स्तुति।
२०×९ ५	३८	७	२४	पूर्ण/१५०	१८४७ वि०	–
-०×१५	२५५	११	३२	पूर्ण/२८०५	१८९५ वि०	शङ्कराचार्य की सौन्दर्यलहरी डिंडिमरामकविकृत टीका सहित
१३×९	६९	७	१५	पूर्ण/२२६	–	–
३०×११.५	६८	१२	४८	अपूर्ण/१२२४	–	सटीक
२२×१०	३०	८	२८	अपूर्ण/२१०	–	–
२४×११	३६	७	२४	पूर्ण/१८९	–	–
१५×९	८६	५	१६	अपूर्ण/ २१५	–	–
२९×.११.५	१०२	१०	३०	पूर्ण/९५६	१९४४ वि०	सम्पूर्ण ग्रन्थ पर रामभद्रमिश्रकृत टीका भी समुपलब्ध है
१७ ३×११	४३	८	२०	पूर्ण/२१५	१८९० वि०	–
९×१३	२४	९	१०	अपूर्ण/६७	–	–
२५×९	२०	६	३२	पूर्ण/१२०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१५२	७५८३/४२५६	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२१५३	३६९/३३८	सौन्दर्यलहरी	–	–	देसी कागज	नागरी
२१५४	७८२/७९८/७१३	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२१५५	११७०/८३५	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	कविराज शर्मा	देसी कागज	नागरी
२१५६	२६७६/१५०	स्तवन	–	–	देसी कागज	नागरी
२१५७	३०४६.५/१५८२	स्तुतिग्रन्थ	–	–	देसी कागज	नागरी
२१५८	६२३४/३३४९	स्तोत्रग्रन्थ	–		देसी कागज	नागरी
२१५९	७७०/७८४/७०८	स्तोत्रसग्रह	–	–	देसी कागज	नागरी
२१६०	७४७०/४२३७	स्तोत्रसग्रह	–	.	देसी कागज	नागरी
२१६१	९१८/९३५/७६८	स्वछन्द	परिव्राजकाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२१६२	२६१७ २/१४६७	स्वरूपवर्णन	विट्ठलेश्वर	–	देसी कागज	नागरी
२१६३	९६/८८	स्वर्णकर्षण भैरवस्तोत्र	श्रीकुँवर	–	देसी कागज	नागरी
२१६४	११९९/८४४	स्वस्तिवाचनस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६ ३×१० ४	९६	५	१६	पूर्ण/२४०	१८६७ वि०	–
२०.५×१४	७	७	२५	अपूर्ण/३८	–	टीका
२८×११.५	१४६	१२	४०	पूर्ण/७३०	-	प्रसिद्ध देवीस्तोत्र 'सौन्दर्यलहरी' की केवल टीका है
२०.८×१४	३४१	७	२४	पूण/१७९०	–	शङ्कराचार्यकृत 'सौन्दर्यलहरी' की कविराजमर्शाकृत टीका
२७×१६	२	९	३२	पूर्ण/१८	–	–
११ ५×९.५	८	७	१५	अपूर्ण/२६	–	–
२६ ५×११.५	१६	७	३०	अपूर्ण/१०५	–	–
१५×२१ ५	२३	८	१०	पूर्ण/५७	–	–
५×३	६	५	१६	पूर्ण/१५	१७५८ वि०	-
१७ ५×१२	५२	७	१६	अपूर्ण/१८२	१८९८ वि० (वैशाखकृष्ण ११ शनिवार)	–
२७×१६	५	१२	३२	पूर्ण/६०	–	–
१४ ५×१३	६	११	१५	पूर्ण/३१		–
२२×१५	११	११	२२	पूर्ण/८३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१६५	२६१७.१/१४६७	स्वामिनीस्तोत्र	विट्ठलनाथ दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२१६६	५८१६/२९९२	हनुमत्सहस्रनामस्तोत्र	राम	—	देसी कागज	नागरी
२१६७	५९१८/३०७९	हनुमत्सहस्राक्षरीमाला	—	—	देसी कागज	नागरी
२१६८	४०६/३६७	हनुमत्स्तोत्र	वीरेश्वरज्ञानी	—	देसी कागज	नागरी
२१६९	१४६१/९१९	हनुमत्स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७०	३३१७/१७१३	हनुमत्स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७१	३३४६/१७४१	हनुमत्स्तोत्र	विभीषण	—	देसी कागज	नागरी
२१७२	६६६३/३७०९	हनुमत्स्तोत्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७३	६७२१/३७६४	हनुमत्स्तोत्रादिसहस्रनाम	वाल्मीकि	—	देसी कागज	नागरी
२१७४	४२५/३८५	हनुमद्दुर्ग	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७५	२८८३/१५३०	हनुमद्दुर्ग	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७६	५९१९/३०७९	हनुमद्दुर्ग	—	—	देसी कागज	नागरी
२१७७	४८१/४९०/४४४	हनुमान्कवचस्तोत्र	-	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२७×१६	४	१२	३२	अपूर्ण/४८	–	–
१० ३×७ ९	२७	५	१६	अपूर्ण/६७	१८९३ वि० (माघ ३०)	–
१३.३×१०.५	६	९	२८	पूर्ण/४०	–	–
१४ ५×९	६	६	१८	पूर्ण/ २०		–
२४ ७×१०	९	५	२४	पूर्ण/३४	–	–
२३ २×११.६	९	७	२८	पूर्ण/५५	१९३८ वि० (श्रावण शुक्ल ५)	–
१८ २×९.७	४	९	२४	पूर्ण/२७	–	सटीक
१३×९	६	७	१६	अपूर्ण/११	–	–
१६×१०	२६	१३	३२	अपूर्ण/३३८	१९०९ वि०	–
१७×११	१३	७	२४	पूर्ण/६८	–	अथर्ववेद
१७×१३	१५	८	१४	पूर्ण/५२	–	–
१३.३×१०.५	९	९	२०	पूर्ण/५०	–	–
१३×८	३	६	१६	अपूर्ण/९	–	–

क्रम स०	ग्रथ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१७८	२४७६.१/१४३१	हयग्रीवस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१७९	१०७/९९	हरिनाममालास्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२१८०	१२५४/८६५	हरिभक्तिदीपिका	गणेश मिश्र (सकलनकर्ता)	–	देसी कागज	नागरी
२१८१	३३९०/१८०५	हरिनाममालास्तोत्र	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२१८२	३८४४ १/१९६०.१	हरिनाममालास्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२१८३	३४५२/१८३७	हैरम्बगणपतिस्तोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६.७×१३	४	१२	२२	पूर्ण/३३	–	–
२२.५×१०.५	३	९	२४	पूर्ण/१९	–	–
३०×१३	५४	१३	३७	अपूर्ण/८१२		–
१२×८ ५	१०	६	१२	पूर्ण/२३	–	–
१२×६	११	५	१२	पूर्ण/२०	–	–
१३ ५×८.७	४	५	१०	पूर्ण/ ६		–

सप्तशती

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१८४	३६१/३३१	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८५	५७९/५८९	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८६	८२४/८४०/७३४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८७	८२७/८४३/७३७	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८८	९७५/९९२/७७८	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१८९	८१८.२/८३४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९०	१४१२/९१६	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९१	१५४७/९५७	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९२	१७८७/११८८	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९३	१८०१/१२०२	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९४	२३३५/१४०६	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९५	२३८३/१४१७	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२१९६	२६४५/२४७६	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८ ५×१०.५	४७	७	२४	अपूर्ण/२४६	–	–
१९×१० ५	१३१	७	२०	पूर्ण/५७५	–	–
१७×१०	१४१	८	१८	पूर्ण/७३४	–	इसमे सम्पूर्ण दुर्गासप्तशती समुपलब्ध है
१८ ५×१० ५	१८२	७	२०	अपूर्ण/३४६	–	–
२२.५×११ ५	९१	८	३०	पूर्ण/६८३	–	इसमे के प्रथम से त्रयोदश अध्याय तक मार्कण्डेयपुराणोक्त दुर्गासप्तशती निवद्ध है। इसमे कवच-कीलादि कुछ नही है
१७ ५×१२ ५	२४७	७	१६	अपूर्ण/८९६	१९०३ वि०	–
१८×९	२०४	५	२०	पूर्ण/६३७.५	१९३८ वि०	–
३०×१२	१३३	१२	४८	पूर्ण/२३९४	–	रामाश्रमकृत सस्कृतटीकासहित सप्तशती
१६ ५×९	२००	६	२०	पूर्ण/७५०	–	–
२१×११.५	११४	७	२०	अपूर्ण/४९९	–	अति जीर्ण
२३×१०	१३०	७	२२	पूर्ण/६२५	१९१२ वि० (श्रावणकृष्ण पंचमी गुरुवार)	–
१३ ३×७ ७	२३८	६	१६	अपूर्ण/७१४	–	–
२४.५×११	५८	९	३६	अपूर्ण/५८७	१८६७ वि० (चैत्रवदी ११ गुरुवार).	–

क्रम स०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२१९७	२६९२/१४८९	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२१९८	३१८६.१/१६२३	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२१९९	३२१५/१६२९	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२००	३४०१.१/१८०१.१	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०१	३४०३.१/१८०३.१	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०२	३४२६/१८१२	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०३	३४१२.१/१८१२.१	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०४	३७०७.१/१८८२.१	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०५	३९५७/१९२४	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०६	३८१३.१/१९४०.१	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०७	४३५९/२०२८	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०८	६१७३/३२९३	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी
२२०९	६३९०/३४८९	दुर्गासप्तशती	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×११	१४४	८	२८	पूर्ण/७९८	१८२८ वि०	–
२५×१३	५४	७	२०	अपूर्ण/२३६	–	–
१३×१२	६	८	१६	पूर्ण/२४	–	–
१६×११	१३०	७	२०	अपूर्ण/५६९	–	–
१६×८	३०	६	२०	अपूर्ण/११२.५	–	–
१६ ८×८	४	७	२४	पूर्ण/२१	–	–
२४×१३	२२	७	१६	पूर्ण/७७	–	–
२२×९.५	२६	७	३२	अपूर्ण/१८२	–	–
२४×११	१०८	७	३२	पूर्ण/७५६	–	–
२२×१३	५८	७	१६	अपूर्ण/२०३	–	जीर्ण
२५.५×११.५	४८	१०	३५	अपूर्ण/५२५	१८३१ वि०	–
२१.८×१०.५	९३	८	२५	अपूर्ण/४८८	–	–
२२×१५.५	२०	११	१०	अपूर्ण/६९	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२१०	६४०८/३५०७	दूर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२११	६५०८/३५९२	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१२	६६०५/३६५२	दुर्गासप्तशती	—	चतुर्भुज मिश्र	देसी कागज	नागरी
२२१३	६९७२/३९२४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१४	७१०६/४००४	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नगरी
२२१५	७२१२/४०७३	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१६	७२६७/४११९	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१७	७५९०/४२६०	दुर्गासप्तशती	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×१२	५३	११	२०	अपूर्ण/३६४	—	—
१६ ५×१०	३१	९	१०	अपूर्ण/८७	—	—
७×५	६४	१६	३२	पूर्ण/१०२४	१८०० वि०	'तात्पर्य' टीका सहित सम्पूर्ण
१६×९	१४४	६	१५	अपूर्ण/४०५	—	—
२१×११	३६२	९	१०	अपूर्ण/१०१८	—	टीका
१८ ३×९.३	१८	५	१८	अपूर्ण/५०	१९२० वि० (कार्तिक ५ बुध)	—
२०.८×१४	४६६	५	१६	पूर्ण/११६५	१७७० वि० (चैत्रकृष्ण ५)	—
१९×९ ५	१३८	६	२७	पूर्ण/६९९	—	—

कर्मकाण्ड

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२१८	१५४/१४७	अंगन्यास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१९	३२६२/१६४८	अगन्यासविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२०	६४३१/३५२७	अक्षयनवमीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२१	१२३३/८५८	अक्षयनवमीव्रतकथाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२२	७९३/८०९/७१५	अगस्त्यजन्मार्घविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२३	१०७७/८०६	अगस्त्यर्घदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२४	२९८/२६९	अग्निहोत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२५	४०८/३६९	अग्न्युत्तार	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२६	८२/७५	अजयागायत्रीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२७	७४१६/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२८	७४६०/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२९	६६७७/३७२२	अधिकमास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३०	६०३४/३१६८	अनन्तपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१२	१४	९	१८	अपूर्ण/६६	—	—
१५×१० ५	२२	७	१८	अपूर्ण/ ८७	—	—
२१.५×११ ५	६	११	२०	अपूर्ण/४१	—	—
२५×१५	९	१२	२५	पूर्ण/८४	—	—
२४×१३	११	१०	२८	पूर्ण/९७	१८७७ वि०	-
२२×१४	१४	१०	२४	पूर्ण/१०५	१९१९ वि०	-
१४×९	८	९	१६	अपूर्ण/३६	—	—
२५×१४	१	११	३२	अपूर्ण/११	—	-
१६×११	३८	८	२०	पूर्ण/१९०	—	—
१३×२३	६	२०	१६	पूर्ण/६०	१८२६ वि०	-
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	—	-
१६×११	६	८	१२	पूर्ण/१८	—	—
२३ ५×११ ६	१००	७	३३	पूर्ण/७२२	१९१९ वि०	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२१८	१५४/१४७	अगन्यास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२१९	३२६२/१६४८	अगन्यासविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२०	६४३१/३५२७	अक्षयनवमीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२१	१२३३/८५८	अक्षयनवमीव्रतकथाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२२	७९३/८०९/७१५	अगस्त्यजन्मार्धविधान	-	—	देसी कागज	नागरी
२२२३	१०७७/८०६	अगस्त्यर्घदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२४	२९८/२६९	अग्निहोत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२५	४०८/३६९	अग्न्युत्तार	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२६	८२/७५	अजयागायत्रीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२७	७४'१६/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२८	७४६०/४२३३	अदुःखनवमीव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२२२९	६६७७/३७२२	अधिकमास	—	—	देसी कागज	नागरी
२२३०	६०३४/३१६८	अनन्तपूजा	—	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६×१२	१४	९	१८	अपूर्ण/६६	–	–
१५×१० ५	२२	७	१८	अपूर्ण/ ८७	–	–
२१.५×११ ५	६	११	२०	अपूर्ण/४१	–	–
२५×१५	९	१२	२५	पूर्ण/८४	–	–
२४×१३	११	१०	२८	पूर्ण/९७	१८७७ वि०	-
२२×१४	१४	१०	२४	पूर्ण/१०५	१९१९ वि०	-
१४×९	८	९	१६	अपूर्ण/३६	–	–
२५×१४	१	११	३२	अपूर्ण/११	–	-
१६×११	३८	८	२०	पूर्ण/१९०	–	–
१३×२३	६	२०	१६	पूर्ण/६०	१८२६ वि०	-
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	–	-
१६×११	६	८	१२	पूर्ण/१८	–	–
२३ ५×११ ६	१००	७	३३	पूर्ण/७२२	१९१९ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२३१	७०५६/३९७९	अनन्तव्रतकथा तथा पूजन	–	--	देसी कागज	नागरी
२२३२	३१४१/१६१४	अनन्तव्रतपूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२२३३	७६००/४२६६	अनशनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२२३४	५८१५/२९९१	अन्त्येष्टिनिर्णय	–	–	देसी कागज	नागरी
२२३५	८१४/८३०/७२७	अन्त्येष्टिपद्धति	नारायणभट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२२३६	६९१९/३३०८	अन्त्येष्टिपद्धति	केशवभट्ट	–	देसी कागज	नागरो
२२३७	१३२३/८८२	अन्त्येष्टिविधि	नारायणभट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२२३८	७२२७/४०८६	अन्नपूर्णेश्वरीपूजापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२२३९	१३३२/८८२	अन्वष्टकाश्राद्धपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४०	३४५९.२/१८२७.१	अपराव्रत	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४१	९९९/७८८	अभिषेकानुक्रमणिका	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४२	५७३/५८३	अर्चनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४३	७६३७/४२८६	अर्चनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७ ५×१३.५	१२	११	३०	पूर्ण/१२४	१८४७ वि० (भाद्रपद शुक्ल एकादशी रविवार)	–
२२×१० ४	४१	६	२४	पूर्ण/९२	–	–
२४×११	२	१२	४८	पूर्ण/३६	–	–
२४ ४×११ २	१२०	९	३२	पूर्ण/१०८०	–	–
२० ५×१० ५	१२४	८	२४	पूर्ण/७४४	–	अन्त्येष्टिसंस्कार का सविस्तर निरूपण
२५ ५×१४	५	१०	२०	पूर्ण/३१	–	–
३३ ५×१३	६१	११	४८	अपूर्ण/१००६.५	–	मरणकालिक पितृश्राद्धादिविधि
१४ ४×८.८	६६	६	१६	पूर्ण/१३२	–	–
२९×१२	३८	६	२८	पूर्ण/१९९.५	१९५५ वि० (आषाढशुक्ल ४ गुरुवासरे)	विशिष्ट पितृश्राद्ध विवेचन
२२.४×१४.५	२	११	२८	अपूर्ण/१९	–	–
२३×१३	१५	८	२१	पूर्ण/७९	–	–
१६ ५×८.५	१४८	६	२५	पूर्ण/६१३	–	–
८×६	११४	१०	३०	अपूर्ण/१०६९	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२४४	७६६०/४२९०	अर्जुनजयकारीमन्त्रविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४५	७३९४/४१८३	अशौचसप्रवृत्ति	श्रीभट्टाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२२४६	२८८४/१५३०	अष्टश्राद्ध	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४७	७४५७/४२३३	अष्टस्नान	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४८	७५१८/४२५२	अष्टाध्यायीभन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२२४९	५९९९/३१३५	अष्टाभिधानपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२२५०	३६३४ ८/१८६३.१	आगमोक्ततर्पण	–	–	देसी कागज	नागरी
२२५१	७०७१/३९८०	आगमोक्ततर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२२५२	६३०४/३४०६	आग्रयणप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२२५३	६३२८/३४३०	आग्रयणप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२२५४	८८९/७६१	आचारविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२२५५	७४६७/४२३६	आचारशिरोभूषण	मध्वाचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२२५६	८११/८२७.१	आत्मपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
११ ५×९ ५	५	१३	२०	पूर्ण/४१	–	–
१७.६×१०	६९	९	२९	अपूर्ण/५६३	–	–
२२.५×१०	४	७	३०	पूर्ण/२६	–	–
१३×२३	२	१६	१६	पूर्ण/१६	–	–
१८×१३	८	९	१६	अपूर्ण/३६	–	–
११×२७ ४	२	२६	१२	पूर्ण/१९	१९०२ वि०	–
१३×२१	४	२४	१६	अपूर्ण/४८	–	–
५७×२१	२	४२	२०	अपूर्ण/५२	–	–
२०.५×१०	४०	८	२०	पूर्ण/२००	१७१५ वि० (वैशाख शुक्ल प्रतिपक्ष मदवार)	–
२१ ५×१० ५	२३	९	२०	पूर्ण/१२९	१९१० वि०	–
१७.५×१३	६७	९	१६	अपूर्ण/३०२	–	–
२०×१०	१०८	१०	३२	अपूर्ण/१०८०	–	–
२०×१०	४	१६	३२	पूर्ण/६४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२५७	६६२६/३६७२	आदित्यवारव्रत उद्यापनविधि	विश्वभूषण भट्टारक	–	देसी कागज	नागरी
२२५८	६०३६/३१७०	आम्नायपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२२५९	६१४२/३२६३	आश्लेषाशांति	–	–	देसी कागज	नागरी
२२६०	३३८८/१७७९	आश्वलायनगृह्यकर्म	आश्वलायन	–	देसी कागज	नागरी
२२६१	७०८३/३९८३	आश्वलायनगृह्यसारप्रयोग	आश्वलायन	–	देसी कागज	नागरी
२२६२	५९०१/३०६७	आश्वलायनगृह्यसूत्र	आश्वलायन	–	देसी कागज	नागरी
२२६३	६६१२/३६५८	आश्वलायनगृह्यसूत्र	आश्वलायन	–	देसी कागज	नागरी
२२६४	६११४/३२३६	आश्वलायनश्रौतसूत्र	आश्वलायन	–	देसी कागज	नागरी
२२६५	७४३६/४२१९	आश्वलायनश्रौतसूत्र	आश्वलायन	–	देसी कागज	नागरी
२२६६	६३४७/३४४७	आह्निक	रघुनाथभट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२२६७	७१०८/४००६	आह्निकचन्द्रिका	दिवाकर	–	देसी कागज	नागरी
२२६८	२४३९/१४२०	आह्निकलोथ	कमलाकरभट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२२६९	३९४२.१/२०१४.१	उच्छिष्टगणपतियन्त्रपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७ × १२	११	१६	४०	पूर्ण/२२०	१७०४ वि०	–
२१.८×१०.८	४४	८	१९	पूर्ण/२०६	–	–
२१×९	३	११	२४	पूर्ण/२५	–	–
२९×१५	५८	१२	२०	अपूर्ण/४३५	–	–
२४.५×१५	४०	११	२०	पूर्ण/२७५	शक १७६४ (वैशाख सुदि द्वितीय)	
२२.५×८.३	५७	७	४०	अपूर्ण/४९८	–	-
२२×१०	६४	९	२४	पूर्ण/१०८	–	चार अध्यायो मे विभक्त संस्कारादि विषयक ग्रन्थ
२२.३×८.८	२५४	८	३९	पूर्ण/२४७७	१७९८ वि०	–
२०.२×८.२	२०८	७	३३	पूर्ण/१५०२	–	–
२३.५×१०.५	५९	९	२०	पूर्ण/३३२	–	–
१७×११	१६३	११	१५	अपूर्ण/८४	–	–
२४×११.३	८२	७	२४	पूर्ण/४३०	–	इसमे आह्निक नित्य एव विशेष कर्मों के लिए प्रायश्चित्त वर्णित है
१६.५×१०.५	११	९	१५	पूर्ण/४६	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२७०	१६९१.१२/ १०९४.३	उच्छिष्टगणेशपूजनपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७१	१६९१.६/१०९४.१	उच्छिष्टगणेशमत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७२	१६९१.१३/ १०९४.१	उच्छिष्टगणेशमंत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७३	१६९१.१२/ १०९४ १	उच्छिष्टचाण्डालीमन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७४	५८८५/३०५१	उच्छिष्टचाण्डालीविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७५	३९०३.१/१९९२	उत्तरज्ञानार्णव	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७६	१७१९/११२०	उत्सर्गपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७७	६२५१/३३६६	उत्सर्जनउपाकर्मविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२१७८	२९७९/१५६२	उत्सर्जनोपाकर्मप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२२७९	६०४९/३१८३	उत्सर्जनोपाकरणकर्म	–	–	देसी कागज	नागरी
२२८०	२६२९/१४७१	उत्सवनिर्णय	एकतान पुरुषोत्तम	–	देसी कागज	नागरी
२२८१	५९८२/३१२५	उदकशाति	–	–	देसी कागज	नागरी
२२८२	६५२४/३६०८	उदकशाति	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६.८×२०.८	६	११	१३	पूर्ण/२७	–	–
१३ २२	८	१२	१३	पूर्ण/३९	१९५४ वि०	–
१३×१२	६	१२	१२	पूर्ण/२७	१९५४ वि०	–
१३×२२	७	१२	१६	पूर्ण/४२	१९५४ वि०	–
४७×१४	१	२१	२०	अपूर्ण/१३	–	–
१४ ३×९.४	८	९	२०	अपूर्ण/४५	–	–
२७.५×१२	७१	८	२४	पूर्ण/४२६	१९११ वि० (ज्येष्ठकृष्ण ९ शनिवार)	–
२१ ५×११ ५	१९	११	२०	पूर्ण/१३	१९५२ वि० (श्रावणशुक्ल ६ शनिवार)	-
२९ ६×१५	२१	१०	३६	पूर्ण/२३३	१८४१ वि० (श्रावण १३ गुरौ)	–
१२×६.५	४५	७	१५	अपूर्ण/१४८	–	–
२१×१३	१२२	१०	२४	पूर्ण/९१५	–	बारहो महीनो के उत्सवो का वर्णन
२३ १×११ ४	५१	१०	३२	पूर्ण/५१०	–	–
२१ ५×११	२७	१०	२०	अपूर्ण/१६९	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२८३	६४१०/३५०९	उपनयनप्रकरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८४	६१९५/३३१०	उपनयनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८५	६२३६/३३५१	उपनयनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८६	७५१०/३६८०	उपश्रुतिलक्षण	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८७	७४५८/४२३३	उपागललितापूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८८	९७३/९९०/७७८	उगागललिताव्रतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२८९	२५६१/१४५६	उपाकर्मप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९०	१४२९.२/९०८	उपाकर्मविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९१	५९०४/३०७०	उपाकर्म विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९२	६२३८/३३५३	उपाकर्मशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९३	४०७९.१६/१९३६	ऋतुकालविधान	—	-	देसी कागज	नागरी
२२९४	५३९/४८५	ऋषिछन्द देवतान्यास	नवग्रहध्यान	—	देसी कागज	नागरी
२२९५	६५३८/३६१४.१	ऋषिपञ्चमीव्रतपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२×९	२६	९	२०	पूर्ण/१४६	–	–
१५ ८×८ ४	६	९	२६	अपूर्ण/४१	–	–
१५.७×८.५	१०	१०	२२	अपूर्ण/६९	–	–
१३×२३	१	२०	१६	पूर्ण/ १०		–
१२×२३	४	२०	१६	पूर्ण/४०	–	–
२१×१०.५	६३	८	३५	पूर्ण/५५१	–	–
२६ ३×११.८	७२	७	३१	अपूर्ण/४८८	–	–
२४×१० ८	१६७	५	२३	पूर्ण/६००	१८५५ वि०	इसमे वैदिक उपाकर्मविधि का सागोपाग प्रतिपादन किया गया है
२१.२×१०	३७	१०	२४	पूर्ण/२७७	–	-
२१×१०	५४	८	२६	अपूर्ण/३५१	–	–
२५×३०	१	३२	४०	अपूर्ण/४०	–	–
१४.५×८	३४	५	१४	अपूर्ण/७४	१८११ वि० (कृष्ण १२ चन्द्रवार)	-
४०×१३.५	१	४१	१५	पूर्ण/१९	१९५२ वि० (कार्तिकशुक्ल ७ गुरुवार)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२२९६	३४७७.१/१९५७.१	एकदडीसन्यासविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९७	१३३/१२६	एकवस्त्रस्नानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९८	३६३२.३/१८६३ १	एकादशपात्रवन्दन	—	—	देसी कागज	नागरी
२२९९	२९१०/१'५३८	एकादशीव्रतोद्यापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२३००	३२५१/१६४२	एकादशीव्रतोद्यापनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०१	१३२७/८८२	एकोद्दिष्टश्राद्धप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०२	१०५७/८०१	कणमान्तर	वशिष्ठ	—	देसी कागज	नागरी
२३०३	३३४४/१७३९	करन्यासादिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०४	१६९१.८/१०९४ २	(कर्मकाण्डग्रन्थ)	—	--	देसी कागज	नागरी
२३०५	२६६७ १/१४८३	(कर्मकाण्डग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०६	५९३७/३०९५	(कर्मकाण्डग्रन्थ)	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०७	४९८/४५२	कर्मपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३०८	१२२९/८५७	कर्मविपाक	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६ ३×९ ३	५	१४	३५	अपूर्ण/७७	–	–
२४×१३ ५	८	११	३२	पूर्ण/८८	–	सन्तानवृद्धि के लिए एकवस्त्र धारण विधि विवेचन
१३×२१	३	१६	१६	पूर्ण/२४	–	–
१३×९	५५	६	६	पूर्ण/६२	१८८२ वि० (श्रावणवदि ७ शनिवार)	–
१८.५×१३	८	१५	२०	पूर्ण/७५०	१८३० वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल १५ चन्द्रवार)	–
३३×१२	२४	८	३८	अपूर्ण/२८८	१९३७ वि० (माघशुक्ल ११)	–
१९ ५×१५	२४	११	२१	पूर्ण/१७३	–	–
१४.३×१० २	६	८	१५	अपूर्ण/२३	–	–
२७ ५×११ ८	८	१३	५४	पूर्ण/१७६	–	–
२६×११ ३	७०	७	३१	अपूर्ण/४७५	–	–
१७ ३×११	८४	९	२०	अपूर्ण/४७२	–	–
१७×१२	६५	८	१७	अपूर्ण/२७६		–
३४×१६	३५	१५	४८	अपूर्ण/७८७	–	एकादश अध्याय तक पूर्ण, वाद मे यत्र-तत्र खण्डित। दु.खहेतु पूर्व जन्म मे कर्मो के प्रायश्चितो का विधान

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३०९	६०६६/३२००	कर्मविपाक	देवेन्द्रसूरि	–	देसी कागज	नागरी
२३१०	७२५३/४१०८	कर्मविपाक	–	–	देसी कागज	नागरी
२३११	१३३४/८८२	कलशनवग्रहपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३१२	६९०८/३८९९	कलशपाटी	–	–	देसी कागज	नागरी
२३१३	२४/२०	कलशस्थापन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३१४	४७६/४८५/४४२	कलशस्थापन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३१५	३७८६/१९००	कलिकुण्डपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२३१६	१३८०/८९८	कात्यायनगृह्यपरिशिष्ट	कात्यायन	कामदेव दीक्षित	देसी कागज	नागरी
२३१७	२५४२/१४५२	कारिका	(द्विवेदी)	–	देसी कागज	नागरी
२३१८	१३८/१३१	कार्त्तवीर्यार्जुनपूजापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२३१९	३७८३.१/१९३० १	कालिकापूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३२०	३७७०.१/१९२७.१	कालिकापूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३२१	१७२२/११२३	कालीपूजापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५ ७×१० ८	६१	१६	६०	पूर्ण/१८३०	–	सटीक
२५ ५×११.५	८३	१६	३८	अपूर्ण/१५७७	–	–
२७×११	६	८	३४	अपूर्ण/५१	–	–
१४×११	३	११	१०	पूर्ण/१०	–	–
१४.५×१३	१३	११	१६	पूर्ण/७१	१९२३ वि० (आश्विनकृष्ण १४ रवी)	–
१७ ५×१२ ५	३७	६	१०	पूर्ण/६९	–	–
१४×१५ ५	१२	१०	१०	पूर्ण/३७	–	–
२८ ३×१२	२३	८	४५	पूर्ण/८५९	–	इसमे वापी, कूप, तडाग, आराम तथा देवतायन-प्रतिष्ठा के सम्वन्ध मे तिथि, वार, नक्षत्रादि का विवेचन किया गया है। ग्रन्थ का विपय गृह्यसूत्र है। इस पर कामदेव दीक्षित का भाष्य भी उपलब्ध है
२५×११	३१०	८	२४	पूर्ण/१८६०	१८१४ वि०	नित्यकर्म विषयक उपयोगी ग्रन्थ
१७×१०	५२	७	२४	अपूर्ण/२७३	–	–
१७×१०	२२	९	१२	अपूर्ण/७४	–	–
२१×११	८	९	२०	अपूर्ण/४५	–	–
१७×१०	२४१	७	२०	पूर्ण/१०५४	–	काली की दैनिक तान्त्रिक पूजनविधि

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३२२	३४११/१७९७	कालीमन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२३२३	१६६९/१०७३	काशीदर्पण	–	–	देसी कागज	नागरी
२३२४	७०७५/३९८०	कुकुमादिन्यास	-	–	देसी कागज	नागरी
२३२५	१७२०/११२१	कुण्डमण्डपसिद्धि	विट्ठल दीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
२३२६	६२४५/३३६०	कुण्डमण्डपसिद्धि	विट्ठल दीक्षित	(स्वोपज्ञ टीका)	देसी कागज	नागरी
२३२७	६६७२/३७१७	कुण्डशिरोमणि	विश्राम	–	देसी कागज	नागरी
२३२८	६३१८/३४२०	कुण्डसिद्धि	विट्ठल दीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
२३२९	९६२/७७४	कुण्डाकृति	रामनौभिष	–	देसी कागज	नागरी
२३३०	१७४/१६६	कुमारीपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३३१	२३८३.२/१४१७	कुमारीपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३३२	६२९५/३३९७	कुबेरमंत्रप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२३३३	६५७३/३६२४	कूष्माण्डहोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२३३४	५९३१/३०८९	कूष्माण्डहोमप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२२ ५×९ २	१	७	२६	पूर्ण/५	–	–
२७×१२	१६	८	३२	अपूर्ण/१२८	–	–
४८×१४	२	३७	१५	पूर्ण/३५	–	–
२७ ७×११ ८	१२	७	४२	पूर्ण/११०	(१५४१ शाके)	कर्मकाण्डविषयक कुण्ड और मण्डप की सिद्धि का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण सव्याख्या
२० ७×९.४	८७	९	३०	पूर्ण/७३४	–	
२६×१२	१४	१०	२२	पूर्ण/१४०	१६५६ वि० (१५२१ श०)	लिपिकाल की दृष्टि से महत्वपूर्ण
२१×९.५	२०	६	१५	पूर्ण/५६	–	–
२५×१२ ५	४१	१०	३२	पूर्ण/४१०	१८२१ वि० (मिति कार्तिक वदि १४ बुधवार)	–
१९×१०	५	६	२०	पूर्ण/१९	–	–
१३ ५×८	१४	६	१६	पूर्ण/४२	–	–
१९×१३ ५	४	८	१०	पूर्ण/१०	१९५० वि० (कार्तिक-शुक्ल ९)	–
२३.५×१०	२२	७	३०	पूर्ण/१४४	–	–
२४.५×११.३	१९	८	३२	पूर्ण/ १५२	१८९८ वि० (श्रावणकृष्ण १०)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३३५	१३७८/८९८	कृत्यप्रदीप	–	–	देसी कागज	नागरी
२३३६	५९०३/३०६९	कोकिलाव्रतपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३३७	६२८२/३३८५	कोकिलाव्रतपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३३८	२२३/२१२	गगोत्सवविधि	–	–	देमी कागज	नागरी
२३३९	६७०२/३७४६	गणपतिपार्थिवपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४०	७५०६/४२१७	गणपतिपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४१	६५४६/३६१४.६	गणपतिपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४२	६७९४/३८२८	गन्धर्वराजप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४३	२३२/२२१	गणेशचतुर्थीपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४४	३८३५.१/१९५५ १	गणेशपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४५	६१५९/३२७९	गणेशपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४६	५५२/५४२/४९८	गणेशपूजनपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२३४७	१४६/१३९	गणेशमानसीपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२८.२×१२	८१	८	४४	पूर्ण/८९१	–	इसमे गर्भाधानादि सस्कारो तथा तत्सम्वन्धी अन्य विषयो का भी वर्णन किया गया है। विवाहपद्धति का अधिक विस्तार से वर्णन हुआ है। ग्रन्थ का प्रारम्भिक अश खण्डित है
२०×१० २	६	११	२८	पूर्ण/५७	–	–
१०.५×८.५	१२	७	१०	अपूर्ण/२६	–	–
१७×१०.५	१५	८	२४	पूर्ण/९०	१९३५ वि०	–
१६×११	६	८	१६	पूर्ण/२४	–	–
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	–	–
१५ ५×१८	१७		१०	पूर्ण/३७	१८११ वि० (वैसाखसुदी ३)	–
१३×११	३	१०	१६	पूर्ण/१५	१९५३ वि०	–
२२×१०	१३	७	२७	पूर्ण/७७	–	–
१६×२२	९	८	२०	अपूर्ण/४५	–	–
१० ५×१७.४	१४	१०	१६	अपूर्ण/७०	–	–
१६ ९×११ ६	४	८	२१	अपूर्ण/२१	–	–
१५.५×१०	१७	९	२०	पूर्ण/९६	१८६६ वि० माघकृष्णपक्ष भौमवासरे)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३४८	२५/२१	गायत्रीअर्चनविधि	शुकदेव	–	देसी कागज	नागरी
२३४९	३०५/२७६	गायत्रीतर्पण	–	–	देसी कागज	नागरी
२३५०	३६३६/१८६४.१	गायत्रीपचागपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३५१	३४००/१७८६	गायत्रीपुरश्चरणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३५२	८३८/८५५/७५४	गायत्रीपूजनपद्धति	रत्ननाथ	–	देसी कागज	नागरी
२३५३	१७१० १/१४९२	गायत्रीभाष्य	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२३५४	२७१०/१४९२	गायत्रीभाष्यवार्तिक	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२३५५	२२०/२०९	गायत्रीमन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२३५६	३३४७/१७४२	गायत्रीमन्त्र	–	--	देसी कागज	नागरी
२३५७	६५९०/३६४१	गायत्रीमन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२३५८	६६७३/३७१८	गायत्रीमन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२३५९	३४६६/१८४९	गायत्रीविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६०	३२५५/१६८४	गायत्रीव्याख्या	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	पंक्ति प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×१२	११	८	१६	अपूर्ण/४४	—	—
१५×११.५	५	७	१६	पूर्ण/१७५	—	—
१५ ३×८ ६	६०	१४	१८	पूर्ण/४७३	—	—
२४×११	६	९	२०	पूर्ण/ ३४	—	—
२३ ५×१०	६९	९	३२	अपूर्ण/६२१	—	—
२१×१३.५	१०	५	१०	पूर्ण/१५	—	—
२१×१३ ५	६	५	१०	पूर्ण/९	—	—
२४ ५×१३	३	११	३२	पूर्ण/३३	—	—
१७ ७×८.७	१	६	१४	पूर्ण/२.५	—	—
२७×१०	४	१२	२४	पूर्ण/३६	—	—
१९×११	२	१०	३२	पूर्ण/२०	—	—
१७×११	७	८	१५	पूर्ण/२६	—	—
२१×१३.५	११८	५	१२	पूर्ण/२२१	—	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३६१	१४७७.२/९१४	गायत्र्यष्टसहस्रिका	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६२	९२४/९४१/७६८	गुरुत्रयीविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६३	७०७०/३९८०	गुरुपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६४	५५१/५६१/५०७	गृह्यसूत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६५	३१०२/१६००	गृह्यसूत्रभाष्य	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६६	३९६३.१/१९२४	गोकुलाष्टमी	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६७	९१४.१/९२१/७६७	गोत्रिरात्रव्रतोद्यापन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६८	२७४१ २/१४९८	गोत्रिरात्रव्रतोद्यापन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३६९	६५३७/३६१४.१	गोदानप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२३७०	१४४८/९१४	गोदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३७१	३३३०/१७२६	गोदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३७२	४२९६/२०१४	गोदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३७३	२७३/३४२	गोपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७.९×११.३	९	६	२८	अपूर्ण/४७	–	–
१७.५×११.५	८	१५	२४	पूर्ण/९०	–	–
५३×१९.५	२	२२	२०	पूर्ण/२७	–	–
१८×१२	२२	१५	२२	अपूर्ण/१४४	–	–
३२.३×१६.२	२५७	१०	३२	अपूर्ण/२५७०	–	सम्राट् वामकपुत्र श्रीगदाधरदीक्षितकृत प्रथम ११ काण्डो तक भाष्य। शेष अश खण्डित
१८×११	५	११	३२	पूर्ण/५५	–	–
२५.५×१४ ५	९	१०	३५	पूर्ण/९८	१७५५ वि०	–
२६ ७×१२ ६	४	१२	४३	पूर्ण/३५	–	–
४१×१५	१	५३	२०	पूर्ण/३३	–	–
१८.३×११	१५	१०	२५	पूर्ण/११७	–	–
२७×११.५	६	१०	३०	पूर्ण/५६	१९०९ वि०	–
२३×१० ५	२२	५	१५	अपूर्ण/५१	–	–
२५ ५×१३	४	९	३२	पूर्ण/ ३६	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३७४	३८२४.१/१९४८.१	गोपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७५	१७६३/११६४	गौपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७६	५१७/५०८/४६६	गोवर्द्धनपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७७	७५५८/४२५०	ग्रहगायत्री	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७८	२८३०/१५२०	ग्रहशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३७९	३६१८/१८६०.१	ग्रहशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८०	६८९३/३०९५	ग्रहशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८१	७९४/८१०/७१६	ग्रहशान्तिपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८२	३५७६/१८५१.१	ग्रहशान्तिपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८३	७५४९/४२५०	ग्रहस्नानौषध	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८४	२०१/१९३	घृतदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२३८५	६९००/३८९६	चण्डीकार्चनदीपिका	काशीनाथ	—	देसी कागज	नागरी
२३८६	३८७९.२/१९८३	चण्डीपाठक्रम	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×५२	२	२८	१६	पूर्ण/२८	१८६५ वि०	–
३२×११.५	६३	९	४६	अपूर्ण/७५२	–	–
२४×१३	६	१२	३६	पूर्ण/८१	–	–
२४×११	१	८	३२	पूर्ण/ ८		–
२१×११.७	२४	९	२२	पूर्ण/४९	–	–
२१×९.६	१९	६	२३	अपूर्ण/८२	–	–
२६ ५<१३	२०	११	२०	पूर्ण/१३७	१८७० वि० (भाद्रपदकृष्ण ६ भौमवार)	–
२३.५ १४	३२	११	२६	पूर्ण/ २८६	१८२३ वि० (ज्येष्ठ मास शुक्लपक्ष)	–
३३×११.५	२३	९	४०	अपूर्ण/२५९	–	–
२४×११	२	१६	३२	पूर्ण/३२	–	–
१६.२×१०.५	५	७	१३	अपूर्ण/१५	–	–
१९×१३	१३४	१०	२०	पूर्ण/८३७	–	–
२४×१२	८	८	३०	पूर्ण/६०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२३८७	३६६२.१/१८६९	चण्डीपाठफल	–	–	देसी कागज	नागरी
२३८८	६६९७/३७४१	चतुर्मास	–	–	देसी कागज	नागरी
२३८९	६७८८/३८२४	चतुर्विंशतिगायत्री	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९०	६७४०/३७८३	चातुर्मास्यप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९१	७१४१/४०१८	चातुर्मास्यप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९२	७२४६/४१०१	चातुर्मास्यहोत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९३	७५५७/४२५०	चिन्तामणिमंत्रसाधन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९४	१४/१०	चौबीसगायत्री	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९५	४०७९.२५/१९३६	जन्मदिवसकृत्य	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९६	६८४३/३८७२	जन्माष्टमीपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९७	३०८० ३०/१५९४	जपप्रकार	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९८	६२३२/३३४७	जपविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२३९९	१०५५/८०१	जलाशयारामादि प्रतिष्ठापद्धति	गणपति शर्मा	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१०	१६	१०	७	पूर्ण/५६	१९२३ वि०	–
२५×११	६६	१०	३२	पूर्ण/६६०	१८३८ वि०	–
१७×१२	५	१०	१६	पूर्ण/२५	–	–
२४×११	६६	११	४८	पूर्ण/१०८९	–	–
२५×११	१४९	७	२०	पूर्ण/६५२	१८९६ वि० (माघकृष्ण ६ रविवार)	–
२४.५×११.५	३४	९	३२	पूर्ण/३०६	–	–
२४×११	८	१६	३२	पूर्ण/१२८	१८८३ वि०	–
१४ ८×११	३२	१०	१६	पूर्ण/१६०	–	इसमे ब्रह्मा, राम, विष्णु, रुद्र आदि २४ देवताओ के लिए गायत्री मत्र का प्रयोग किया गया है। इस प्रकार २४ प्रकार के गायत्रीमन्त्रो का यहाँ निरूपण किया गया है
११×७.२	१	१२	१६	पूर्ण/८	–	–
१४×१२	४	१०	२४	अपूर्ण/३०	–	–
१६×१०	१३	६	१६	अपूर्ण/३९	–	–
२२.५×१३	८	१०	२४	अपूर्ण/६०	–	–
२५×१३.५	१०२	९	१९	अपूर्ण/५४५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४००	३८४२.४/१९६०.१	जापविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०१	१२९३/८७७	जीवत्पितृककर्त्तव्यसचय	कृष्णभट्ट सूरि	—	देसी कागज	नागरी
२४०२	७६५७/४२९०	जैत्रपताकायत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०३	१३४/१२७	ज्येष्ठाशान्तिविधि	दिनकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२४०४	५५०/५४०/४९६	ज्येष्ठाशान्तिविधि	-	—	देसी कागज	नागरी
२४०५	६७९५/३८२९	ज्वरगायत्रीतर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०६	२३४/२२३	ज्वरगायत्रीमंत्रविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०७	१०४२ १/७९८	तर्पणपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०८	१९८(क)/१९०	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४०९	३७५/३४३	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१०	१३७६/८९७	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४११	२६१०/१४६६	तर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४१२	२६११/१४६६	तर्पणविधि	—	—	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१२×६	२	७	१६	पूर्ण/७	–	–
२९.५×११ ५	४९	८	३८	पूर्ण/४६५.५	१९०० वि०	पितृश्राद्धादि विवेचन
११.५×९.५	२८	१३	२०	पूर्ण/२२७	१९०५ वि० (पौषशुक्ल ६ रविवार)	–
२४×१२	४	१४	३२	पूर्ण/५६	–	–
१७ ५×१२	५	९	२४	अपूर्ण/३३	–	–
१३×१०	४	१०	१६	पूर्ण/२०	१९५३ वि०	–
२५×११	३	९	२५	अपूर्ण/४	–	अश्वारूढा देवी की तान्त्रिक स्तुति
२०×१४ ५	१९	९	२४	पूर्ण/१२८	११४४	–
३१×१४	४	२९	१८	अपूर्ण/६५	–	–
१८×१२	८	९	२०	पूर्ण/४५	१९४६ वि० (फाल्गुनकृष्ण १३ चन्द्रवार)	–
२७×११	११	८	३२	पूर्ण/८८	–	–
१५×९	१६	९	१६	अपूर्ण/७२	–	–
१४×९	१२	९	१६	पूर्ण/५४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४१३	३१३९/१६१४	तर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४१४	४२४६.६/१९८५	तर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४१५	६५४१/३६१४	तर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४१६	६५३४/३६१४.१	तर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४१७	७०७२/३९८०	तर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४१८	७५८०/४२५५	तर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४१९	३२/२७	तान्त्रिकसन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२०	३७९८.१/१९३४.१	तीर्थशोधनविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२१	३५४/३२४	तीर्थश्राद्धप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२२	३१६४.७/१६१९	तुलसीमालाधारणनिर्णय	पुरुषोत्तम गोस्वामी	–	देसी कागज	नागरी
२४२३	४०९७/१९४५	त्रिशत्कर्मटीका	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२४	६३१६/३४१८	त्रिशश्लोकी	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२५	१३७७/८९८	त्रिकाण्डमण्डन	भास्कर मिश्र	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१ ५×१३ ५	१२	९	२४	पूर्ण/८१	—	—
१८ ५×१३	९	६	१५	पूर्ण/ २५	—	—
२०.५×११	१०	९	२०	पूर्ण/५६	१८६३ वि० (आश्विनकृष्ण प्रतिपदा रविवार)	—
१० ८×१९ ५	१	८७	२०	पूर्ण/५४	—	—
५३×१९	४	३२	१५	अपूर्ण/६०	—	—
१३.४×९.९	८	७	१६	पूर्ण/२८	—	—
१४×९.५	६	८	१६	पूर्ण/२४	—	वैदिक सन्ध्याविधि से पृथक् कालिका प्रीत्यर्थ अनुष्ठेय विधि
१८.५×११	१६	८	१२	पूर्ण/५१	—	—
२०×१०	४	१०	२०	पूर्ण/२५	—	—
३५×१६.७	४	१२	३४	पूर्ण/५१	१९१० वि० (वैशाखकृष्ण २ सोमवार)	—
३१.७×१४ ८	१४	१३	४९	अपूर्ण/२७९	—	—
१७ ५×१०	१२	९	१०	पूर्ण/३४	—	—
२७ ५×११ ४	४६	८	३३	पूर्ण/३८०	—	तीन काण्डो के इस ग्रन्थ में सोमयाग-विधि का प्रतिपादन किया गया है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४२६	५७/५२	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२७	२६८/२४९	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२८	३१४/२८५	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४२९	२४५७/१४३३	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३०	२८८०/१५३०	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३१	२५४८/१६५३	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३२	६८३८/३८६७	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३३	७०६४/३९८०	त्रिकालसध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३४	११५/१०७	त्रिकालसध्याप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३५	६४६८/३५५३	त्रिकालसध्याविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३६	२९०६/१५३६	त्रिकालसध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३७	३८९४.१/११९०	त्रिकालसध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४३८	१३०७.१२/८७८	त्रिपादर्क्षशान्ति	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६.५×१२	४९	५	१२	पूर्ण/८२	१८९२ वि०	–
१६×१०	३७	७	१७	पूर्ण/१४१	१९०१ (श्रावणकृष्ण दि० तिथौ १ भौमवासरे)	–
२२×११	१८	८	३२	अपूर्ण/१४४	१८७७ वि० (शाके १७४२)	–
१५×११ ५	२४	७	१४	पूर्ण/७३.५	–	–
१८ ५×१४	२६	१२	१२	पूर्ण/११७	१८८७ वि० (आषाढकृष्ण प्रतिपदा)	–
२४×१०.४	६०	७	२४	अपूर्ण/३१५	–	–
१५×११	१४	८	२०	अपूर्ण/७०	–	–
५३×१९	२	३७	१५	पूर्ण/३५	–	–
१६.५×१२	३३	८	१६	पूर्ण/१३२	–	–
२६ ५×१२	३	१७	४०	पूर्ण/६४	–	–
१९ ८×११.८	५७	८	२४	पूर्ण/३४२	१९३४ वि० (ज्येष्ठकृष्ण १२ भृगुवार)	–
१२×२०.६	११	१८	१२	पूर्ण/७४	–	–
२०×११	५	८	३२	पूर्ण/४०	१८९५ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४३९	३७८६.१/१९३०.१	त्रिपुरसुदरीपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४०	३८२३.१/१९४६.१	त्रिपुरसुदरीपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४१	६९०१/३८९७	त्रिपुरसुदरीपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४२	३६०९/१८५८ १	त्रिपुरसुदरीयजनपद्धति	श्रीनिवासाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२४४३	३५३७/१८४२.१	त्रिपुरापूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४४	६४०१/३५००	त्रिपुरार्चनपद्धति	रघुनाथतीर्थ	—	देसी कागज	नागरी
२४४५	८३९/८५६/७४५	त्रिपुरार्चनमञ्जरी	गदाधर भट्टाचार्य	—	देसी कागज	नागरी
२४४६	९२१/९३८/७६८	त्रिपुरार्चनमञ्जरी	गदाधर भट्टाचार्य गौड़	—	देसी कागज	नागरी
२४४७	७५२४/४२५४	त्रिवर्णाचारसस्कृत	सोमसेन	—	देसी कागज	नागरी
२४४८	१५४.१/१४७	दक्षिणाकालिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४४९	३८३६.१/१९५६.१	दक्षिणाकालिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
~४५०	७०६५/३९८०	दक्षिणाकालिकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
४५१	२६०९/१४६५	दक्षिणाकालीअर्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु०छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२६×११	७	१०	२०	पूर्ण/४५	–	–
१७×८ ५	११६	७	१२	अपूर्ण/३०४	–	–
१६×११	५४	११	१५	अपूर्ण/२७८	–	–
२४ ६×११ २	९०	९	३५	पूर्ण/८१०	–	–
२३×१०	९६	१०	१५	पूर्ण/४४०	१७८८ वि० (श्रावणकृष्ण रविवार)	–
१४×८	१६३	४	१०	पूर्ण/२०४	–	–
१७×१२ ५	३२२	८	२४	पूर्ण/१९३२	–	२२ कुसुमो (अध्यायो) मे भगवती त्रिपुरसुन्दरी की तान्त्रिक स्तुति एव जयविधानादि का निरूपण
१७ ५×१२ ५	१३३	९	२०	पूर्ण/२६०	१९१० वि० (चैत्रकृष्ण)	इसके २२ कुसुमो मे त्रिपुरसुन्दरी देवी की तान्त्रिक अर्चनाविधि प्रतिपादित है
३०×१७	२२४	१२	३२	पूर्ण/२६८८	१९६४ वि०	–
१६×१२	४	९	१८	अपूर्ण/१९	–	–
२०×१४	२०	९	२४	पूर्ण/१३५	१८९७ वि०	–
१९×११	२	१५	१५	पूर्ण/१४	–	–
२४.५×११	२७	९	३१	अपूर्ण/२३५	१८७६ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४५२	२०/१६	दक्षिणाकालीमन्त्रजपविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५३	१८४/१७६	दण्डक	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५४	१८०५/१२०६	दण्डक	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५५	१८११/१२१२	दण्डक	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५६	२६३१/१४७१	दण्डक	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५७	२६६२/१४८१	दण्डक	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५८	३६९०.१/१८७६	दण्डक	–	–	देसी कागज	नागरी
२४५९	७३३६/४१४९	दर्शपूर्णमासप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२४६०	७३३७/४१५०	दर्शपूर्णमासपञ्चप्रयोग	बौधायन	–	देसी कागज	नागरी
२४६१	१२११/८५०	दर्शपौर्णमासेष्टिपद्धति	भास्कर दीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
२४६२	६५८०/३६३१	दर्शश्राद्धप्रयोग	रघुनाथभट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२४६३	१४५/१३८	दशकर्मपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२४६४	३०२३/१५७६	दशकर्मपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४×९.५	५	८	१३	पूर्ण/१६	—	—
२०.५×१४	४७	९	१७	अपूर्ण/२१०	—	अध्यायो मे विभक्त किन्तु १४वें अध्याय के बाद खण्डित कलशस्थापनादि विषयक कर्मकाण्ड ग्रन्थ समुपलब्ध है
२४×१० ५	१०२	५	२०	पूर्ण/६१९	—	ग्रहस्थापन, आहुति, स्तुत्यादि कर्मकाण्ड
२८×११	६६	६	२४	पूर्ण/२९७	१९०८ वि०	—
२०×१०	५६	१०	२४	पूर्ण/४२०	१९२३ वि० (शाके १७८८)	—
२१ ५×१२	३०	९	२५	पूर्ण/२११	—	नवग्रह कण्डिका
२२×१४	४५	११	२४	पूर्ण/३७१	१८७७ वि० (आषाढकृष्ण ४)	—
३३.३×११	१४९	७	२४	पूर्ण/७८२	१७७६ वि०	—
२० ८×१० ४	१५८	८	३०	पूर्ण/११८५	—	—
२६×१०	९२	५	२४	अपूर्ण/३४५	१७२८ वि०	—
२२ ५×११.५	५२	७	२०	पूर्ण/२२७	१९९० वि० (चैत्रद्वादशी भृगुवार)	—
२२×१०	५१	७	२५	अपूर्ण/२७९	—	विवाह सम्बन्धी कर्मकाण्ड
२५.७×१३ ५	७	७	२८	अपूर्ण/४२	—	—

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४६५	३५६४/१८४९.१	दशगात्रविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४६६	१०२१/७९४	दशमहादानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४६७	१०६.१/८०१	दानउदधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४६८	१२५२/८६४	दानखण्ड	–	–	देसी कागज्	नागरी
२४६९	३४३६.१/१८२५.१	दानखण्ड	–	–	देसी कागज	नागरी
२४७०	७१८३/४०४६	दानखण्ड	–	–	देसी कागज	नागरी
२४७१	४०७९.४६/१९३६	दानचन्द्रिका	–	–	देसी कागज	नागरी
२४७२	१०६१/८०१	दानमनोहर	सदाशिव त्रिपाठी	–	देसी कागज	नागरी
२४७३	४०७९.३२/१९३६	दानवाक्य	–	–	देसी कागज	नागरी
२४७४	३०१/२७२	दीपदानप्रयोगपद्धति	रामचन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
२४७५	४८६/४७७/४४३	दीपदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४७६	३७६७.१/१९२५ १	दीपदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४७७	३८५९ १/१९७२ १	दीपदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२×११ ५	१८	९	३०	पूर्ण/१५२	१९६५ वि० (ज्येष्ठ सुदी ५ मंगलवार)	–
२५ ५×११ ५	७५	१०	४०	अपूर्ण/९३७.५	–	–
२९×१६	१९	१३	४७	अपूर्ण/३६३	–	–
३५×१३	५४४	१०	४०	पूर्ण/६८००	१७५० वि०	–
२ ५×१२	७८	११	२०	अपूर्ण/५३६	–	–
१५.८×११.५	२४	८	२०	अपूर्ण/१२०	–	–
२५×३०	२	३२	४०	पूर्ण/८०	–	–
२९×१६	१२७	१३	४२	पूर्ण/२१६७	१८१७ वि०	इसमे सोलह प्रकार के दानो का विस्तृत विवेचन किया गया है
२५×३०	३	३२	४०	अपूर्ण/१२०	–	-
२३×१२	१५	९	३२	पूर्ण/१३५	१८९३ वि० (शाके १७५८)	–
१८ ५×१०.५	५	८	१७	पूर्ण/२१	–	–
२६ ५×११.५	९३	७	१५	अपूर्ण/३०५		–
२४ ५×१२	२१	६	१५	अपूर्ण/५९	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४७८	४२९६.१/२०१४	दीपदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४७९	७०७६/३९८०	दीपदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८०	७५८५/४२५७	दीपदानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८१	६७०६/३७५०	दुर्गाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८२	७२६२/४११५	दुर्गासप्तशतीपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८३	३५९/३२९	दुर्गासप्तशतीविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८४	११७४/८३७	दुर्गोत्सवपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८५	७५०९/४२४७	दुष्टप्रसवजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८६	३८१९.१/१९४३.१	दूतीजागविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८७	३७७३.१/१९२०.१	देवार्चनपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८८	३६३३.१/१८६३	देवीजपविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२४८९	५०३/४९४/४५६	देवीदीपदानप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२४९०	२८९२/१५३१	देवीपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	पंक्ति प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३२×१३	४	४०	१५	अपूर्ण/७५	–	–
३२×१५	१	२६	१५	पूर्ण/१२	–	–
१५.८×१०.३	३	८	१६	पूर्ण/१२	–	–
१४×१४	३४	९	१६	पूर्ण/ १३३	–	–
२०.८×१२.५	७	५	२०	पूर्ण/२१	१९३८ वि० (भाद्रकृष्ण १०)	–
१६×१२	३४	९	१६	पूर्ण/१५३	–	–
२७×११.७	११६	१२	३८	पूर्ण/१६५३	१७४० वि० (मार्गशीर्ष)	–
१३×२३	३	२०	१६	पूर्ण/३०	–	–
२१×१०	४	८	२०	पूर्ण/२०	–	–
१३×१२	३	९	१५	अपूर्ण/४०	–	-
१३×२१	९	१६	१६	पूर्ण/७२	–	–
१६×१२	७	८	१६	पूर्ण/२८	–	-
१२×७	२५	५	११	पूर्ण/४३	–	सुरक्षित

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२४९१	३९४५.१/२०१४.१	देवीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९२	६६७१/३७१६	देवीपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९३	२९९१/१५६५	देवीपूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९४	३७९४.१/१९३२.१	देवीपूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९५	३६७/३३७	देवीपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९६	२०४/१९५	द्रव्यशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९७	३६३४/१८६३.१	द्रव्यशोधन	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९८	३१६६.७/१६१९	द्वात्रिंशदपराधलक्षणनिवृत्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२४९९	४३०९.२/२०१६	धनदाकवचपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५००	२३१/२२०	धनदापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०१	४३१०/२०२६	धनदापद्धति	—	—	देमी कागज	नागरी
२५०२	६५३६/३६१४.१	धातृपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५०३	४०७९.४/१९३६	नक्षत्रध्यानपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१९×१२ ५	३	८	१५	अपूर्ण/११	–	सटीक
१५×८	७	६	१६	अपूर्ण/२१	–	–
२१ ५×१० ५	३११	९	२४	अपूर्ण/२०९९	–	–
१६ ३×११.७	१०	९	१६	अपूर्ण/४५	–	–
१७×१२	४६	१०	२३	पूर्ण/२३१	–	–
१५ ४×१०	२०	७	१६	अपूर्ण/७०	–	–
१३×२१	२	१६	१६	अपूर्ण/१६	–	–
३५ ५×१६ ७	२	१२	३६	पूर्ण/२७	–	–
१७×११ ५	१२	९	१८	पूर्ण/६१	१९१३ वि०	–
१६×७	३७	७	१७	पूर्ण/१३७	१७८६ वि० (वैशाखसुदी १, शुक्रवासरे)	धनदादेवी लक्ष्मी की सविधि आराधना
१७×११.५	१४	९	१६	पूर्ण/६३	–	–
४०×१३	२	२५	१५	पूर्ण/२३	–	–
२५×३०	१	३२	४०	पूर्ण/४०	-	–

क्रम स०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५०४	१३८२/८९८	नवकण्डिकसूत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२५०५	६६५०/३६९६	नवकरवालीविचारफल	–	–	देसी कागज	नागरी
२५०६	३७४/३४२	नवग्रहआहुत्ति	–	–	देसी कागज	नागरी
२५०७	५१३/५२२	नवग्रहकण्डिका	–	–	देसी कागज	नागरी
२५०८	५८४/५९४/५३०	नवग्रहजप	–	–	देसी कागज	नागरी
२५०९	१०९/१०१	नवग्रहजपविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१०	३६१६/१८६०.१	नवग्रहपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२५११	८६२.३/१२४९.१२	नवग्रहपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१२	६६५६/३७०२	नवग्रहमंत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१३	२४६५/१४३७	नवग्रहविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१४	६९६०/३९१२	नवग्रहशान्तिमंत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१५	७५६३/४२५०	नवग्रहशान्तिमत्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१६	१९८(ख)/१९०	नवरात्रपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२७.५×११ ७	१०	६	२९	पूर्ण/५४	–	–
२५×११	१	९	३२	पूर्ण/९	–	–
२१×१२.५	४	७	१६	पूर्ण/१४	–	–
१७×९	५	१८	१०	पूर्ण/१७	–	–
१५.५×८.५	२४	६	२४	अपूर्ण/१०८	१८४७ वि० (श्रावणकृष्ण पक्ष)	–
१७×१०	३	७	१६	पूर्ण/१०५	१९४३ वि० (कार्तिक वदी २ भृगुवासरे)	–
२१.६×११.५	२०	८	८	अपूर्ण/११५	–	–
२४×१४ ५	१४	१०	२५	पूर्ण/१०९	–	–
१४×८	२	७	१६	पूर्ण/७	–	–
२४×१४	४८	११	३२	पूर्ण/५२८	–	–
२१×६ ५	१	११	३०	पूर्ण/१०	–	–
२४×११	१	१६	३२	पूर्ण/१६	–	–
१४×१०	३	११	१८	अपूर्ण/१८.५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५१७	५८८४/३०५०	नवरात्रिपूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१८	६३०७/३४०९	नवरात्रिस्थापनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५१९	७५०८/४२४७	नष्टदोरकप्रायश्चित	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२०	६२९३/३३९५	नागबलिविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२१	१७४६.१/११४८	नारायणबलि	दाल्भ्य	–	देसी कागज	नागरी
२५२२	१२७३/८६९	नारायणबलिप्रयोग	दयाशंकर	–	देसी कागज	नागरी
२५२३	५४/४९	नित्यकर्मविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२४	१७०/१६३	नैमित्तिकक्रम	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२५	२८५/२६२	पक्षप्रदोषपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२६	२३७५/१४१६	पञ्चकोशीयात्रा	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२७	७६५५/४२९०	पञ्चदशाकयंत्रविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२८	३३२५/१७२१	पञ्चदशीविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२५२९	९२८/९४५/७६८	पञ्चपञ्चिकापूजन	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२१ २×११ ४	६	१४	३२	पूर्ण/८४	१८७० वि०	
१७ ५×१०.५	१४	१६	३०	पूर्ण/२१०	१९४८ वि० (फाल्गुन २ चन्द्रवार)	
१३×२३	१	२०	१६	पूर्ण/१०	—	
२१×१०	१७	१०	२०	पूर्ण/१०६	१९७१ वि० (ज्येष्ठवदि नवमी)	
१७×१३	८८	८	२०	पूर्ण/४४०	—	
२४.५×११	११	९	३८	पूर्ण/११८	१८३९ वि०	
१६.५×१२.५	७	१२	२४	अपूर्ण/६३	—	
१२×९ ५	११	१२	१६	अपूर्ण/६६	१९९३ वि० (शाके १८५८)	
१९×१२	१९	१०	१६	अपूर्ण/९५	१८५५ वि०	
२१.८×९	९	७	३०	अपूर्ण/५९	—	
११ ५×९.५	५	१३	२०	पूर्ण/४१	—	
१९×११	९	९	१५	अपूर्ण/३८	—	
१७×१२.५	१६	१०	१८	पूर्ण/९०	—	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५३०	३००७.१/१९३७.१	पञ्चपर्वमाहात्म्य	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३१	७६५४/४२९०	पञ्चागुलिमन्त्रविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३२	७५०४/४२४७	पञ्चामृतमन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३३	६९४८/३९१२	पल्लीसरटयोःशान्ति	शौनकमहर्षि	–	देसी कागज	नागरी
२५३४	६७३६/३७७९	पवनपावन तथा भूतशुद्धि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३५	६२६०/३३६९	पवमान	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३६	६३३३/३४३५	पवमान	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३७	३९६३ १/१९२४	पवित्रारोपण	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३८	३८६३.१/१९७४.१	पात्रपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२५३९	३८७९.१/१९८३	पात्रवंदनप्रशसा	–	–	देसी कागज	नागरी
२५४०	१०६०/८०१	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	–	देसी कागज	नागरी
२५४१	१३८३/८९८	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	–	देसी कागज	नागरी
२५४२	९४९/९६६	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५×१३	१३	१२	३०	पूर्ण/१४६	१८२० वि० (शाके १६८५)	खण्डित
११.५×९.५	१२	१३	२०	पूर्ण/९७	–	–
१३×२३	२	२०	१६	अपूर्ण/२०	–	–
२१×६ ५	१	११	३०	पूर्ण/१०	–	–
२३×१०	१९	८	२८	पूर्ण/१३३	१८७८ वि०	–
१८×६	१८	७	२०	अपूर्ण/७९	–	–
१९×११	७६	९	२०	पूर्ण/४२७	१९५४ वि० (चैत्रशुक्ल अष्टमी मदवार)	चार अध्यायो में पूर्ण पितरो एव ऋपियो के प्रसादनार्थ पवमान विधि का उल्लेख
१८×११	१	१२	३२	पूर्ण/१२	–	–
१४×१०	२८	८	१६	पूर्ण/११२	१९३० वि०	–
२३×१२	४	८	३०	पूर्ण/३०	–	–
२४ ५×१४.५	६९	७	२७	अपूर्ण/४०८	–	इसमे दो काण्ड पूर्ण तथा तीसरे का केवल प्रारम्भ का अश समुपलब्ध है। इसमे सस्कारो, पञ्चमहायज्ञो तथा पाकयज्ञो आदि का विवेचन किया गया है
२६.८×११ ६	८२	८	२९	पूर्ण/५९५	–	यह तीन काण्डो मे पूर्ण सस्कारादि विपयक पारस्कर-गृह्यसूत्र है
२४.५×१०.५	११०	७	३०	पूर्ण/७२१	–	तीन काण्डो मे प्रतिपादित इस ग्रन्य मे सस्कारादि गृहस्थजीवन से सम्वद्ध विविध कर्मकाण्डो का वर्णन किया गया है

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५४३	२७८२/१५११	पारस्करगृह्यसूत्र	पारस्कर	—	देसी कागज	नागरी
२५४४	१८७१/१२१८	पारस्करग्रह्यसूत्रभाष्य	—	हरिहर	देसी कागज	नागरी
२५४५	३३२/३०४	पार्थिवपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४६	२८०/२५९	पार्थिवपूजापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४७	१७५१/११५२	पार्वणश्राद्ध	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४८	१२६७/८६९	पार्वणश्राद्धपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२५४९	४०८/३६९	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५०	१३२८/८८२	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५१	१४३६/९१०	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५२	१५८७/९८६	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५३	१७४९/११५१	पार्वणश्राद्धविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५४	१५५२/९६२	पार्वणश्राद्धव्याख्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५५	६४६३/३५४९	पिण्डपितृयज्ञकारिका	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२५ × १३	११८	८	२०	अपूर्ण/५९०	१८०६ वि० (मार्गशीर्ष कृष्ण १ भौमवार)	–
२७ ३ × ११ ५	३१५	१०	३२	पूर्ण/३१५०	–	यह पारस्करगृह्यसूत्र पर हरिहरकृत भाष्य है—इसमे सस्कारो तथा अन्य कर्मकाण्ड विषयो का प्रतिपादन हुआ है
२२×१२.५	५	८	२४	पूर्ण/३०	१७९८ वि०	–
१६×८.४	२७	५	१८	पूर्ण/७५	–	–
२४×११	१२	८	२८	अपूर्ण/८४	–	–
२४.५×११	३४	८	२२	पूर्ण/१८७	१८७१ वि०	–
२५×१४	६	११	३२	पूर्ण/६६	–	–
३१×१३	२०	७	४१	पूर्ण/१७९	१९३७ वि० (माघकृष्ण)	–
१७.३×१०	२४	७	१५	पूर्ण/७९	–	७वाँ, १४वाँ पत्र खण्डित
१८×११.३	१९	१०	२३	पूर्ण/१३७	–	–
२७×११	७	८	३६	अपूर्ण/६३	–	–
२३×११	१९	१०	३२	पूर्ण/१९०	–	–
२०.५×११.५	७	१०	२०	अपूर्ण/४४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५५६	१८५१/१२४६	पितृतर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५७	६०७९/३२१३	पितृतर्पण	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५८	६५३५/३६१४	पितृतर्पणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५५९	६२/५६	पितृषोडसी	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६०	६२६२/३३७०	पीठपूरकव्रतपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६१	८१६/८३२/७२८	पीताम्वरसारिणी	बुद्धिराज दीक्षित	—	देसी कागज	नागरी
२५६२	१६९६/१०९९	पुण्याहवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६३	६६४९/३६९५	पुण्याहवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६४	७३१२/४१३३	पुण्याहवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६५	१७८५.३/११८६	पुत्रजन्मयन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६६	२६/२२	पुरश्चरणविधि	गोपीनाथ पाठक शैव	—	देसी कागज	नागरी
२५६७	२५१६/१४४६	पुरश्चरणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२५६८	१२४/११०	पूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
२८×१२	७	६	३२	अपूर्ण/४२	–	–
१६.१×९ ९	३२	८	२०	अपूर्ण/१६०	–	–
१३.५×१३	१	१२१	१५	पूर्ण/५७	–	–
२३×११	३	९	२९	पूर्ण/२४		–
१६×११	१४	११	१५	पूर्ण/७२	–	–
१७.५×१२	१८१	६	१६	अपूर्ण/५४३	–	–
१६×१०	२०	८	१६	पूर्ण/८०	–	–
१६×११	३६	९	१६	पूर्ण/ १६२	–	–
१६.६×१२.४	१०	११	१६	पूर्ण/५५	–	–
२५×३०	२	२४	४०	पूर्ण/६०	–	–
२५×१७	३८	११	३२	पूर्ण/४१८	–	–
३०×१३	६	८	३३	अपूर्ण/५०	–	इसमे शक्तितन्त्र से सम्बद्ध मन्त्रो के पुरश्चरण अनुष्ठान की विधि विस्तार से बताई गई है। ग्रन्थान्त मे स्तम्भन, मारण, मोहन, उच्चाटनादि का भी वर्णन किया गया है
१७.५×१२	१५	१०	२४	अपूर्ण/१०५	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५६९	३६६३/१८६९	पूजनपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७०	६७७९/३०२०	पूजनपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७१	१८८/१८०	पूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७२	११६७/८३५	पूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७३	१८७६/१२६७	पूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७४	२३९५/१४१९	पूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७५	३८८१.१/१९८४	पूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७६	६५८१/३६३२	पूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७७	८२४/७२४	पूजारत्न	बुद्धिराज	–	देसी कागज	नागरी
२५७८	५२३.१/४६९	पूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५७९	३९२८.१/२००४	पूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५८०	७१८४/४०४७	पूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५८१	१०००/७८८	पूर्णाभिषेकविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२०×११	२३	८	१६	अपूर्ण/९२	–	–
१४×९ ५	१४	८	१४	पूर्ण/४९	–	–
२०.५×११	१३	१६	३२	अपूर्ण/२०८	–	–
१६ ५×१०.५	६९	७	२२	अपूर्ण/४८३	–	–
१७ ५×१२	१४	९	२२	पूर्ण/७७	–	–
२०×९	३	८	३२	पूर्ण/२४	१८५१ वि०	–
१८×१३	८	८	१९	अपूर्ण/३८	–	–
१५ ५×११	९	९	१०	अपूर्ण/२५	–	–
१८×९.५	१२५	६	२१	पूर्ण/४९२	१८४३ वि० (सितपक्षेकादशी चन्द्र-सुवासरे)	त्रिपुरसुन्दरी की तान्त्रिक पूजा विधि
१७×९	३२	५	२०	पूर्ण/१००	१८९० वि०	–
१७.७×१०.२	८२	५	२२	पूर्ण/२८२	–	–
१८.२×१०.८	१२	६	२०	अपूर्ण/४५	–	–
२३×१३	७२	८	२१	पूर्ण/३७८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लि
१	२	३	४	५	६	७
२५८२	६२४२/३३५७	प्रतिमाकरणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५८३	६७०८/३७५२	प्रतिमाविचार	–	–	देसी कागज	नागरी
२५८४	४१९/३७८	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२५८५	१३२६/८८२	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२५८६	१८०४/१२०५	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२५८७	१४५९/९१८	प्रवरनिर्णयरत्न	लक्ष्मण भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२५८८	३१०६/१६०१	प्रत्यगिराप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२५८९	७३६७/४१७५	प्रत्यगिराशान्ति	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९०	४३२/३९२	प्रदोषउद्यापननिर्णयव्रत-विधि	–	–	देसी कागज	नागरी
५९१	१०११/७९१	प्रदोषपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९२	२७९/२५८	प्रदोषपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९३	५१५/५०६/४६४	प्रदोषपूजापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९४	७१७६/४०४३	प्रयोगरत्न	नारायण भट्ट	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१६ २×१० ३	६	८	१९	अपूर्ण/२९	–	–
२४×११	२	८	३६	पूर्ण/ १८	–	–
२५×१४	६७	१३	३६	अपूर्ण/९८०	१७९२ वि० (श्रावणशुक्ल ६ चन्द्रवार)	–
२९×१२	१२६	७	३२	पूर्ण/८८२	१९०९ वि० (भाद्रशुक्ल सप्तमी)	मन्दिर मे देवमूर्तिस्थापना विधि
२६.५×११.५	१४१	७	२८	पूर्ण/८६३	१८९५ वि० (वैशाखकृष्ण द्वितीया गुरुवार)	मन्दिर मे देवमूर्तिस्थापना विधि
२१.४×१०.२	९९	१८	३२	पूर्ण/७८२	१९६१ वि०	इसमे विवाह, यज्ञ तथा श्रद्धादि मे उपयोगी गोत्रो एव प्रवरो का परिगणन किया गया है
२२.५×११.५	६	१०	२५	पूर्ण/४७	–	–
२७×१३.८	४०	१२	३९	पूर्ण/५८५	–	–
२४×१६	३४	११	२४	पूर्ण/२८०.५	१९०८ वि०	-
२५×१६.५	३०	१०	२८	पूर्ण/२६२.५	–	-
१७×११ ५	१६	६	१८	पूर्ण/५४	–	-
१५×१०.५	३३	९	१६	पूर्ण/१४८.५	१८९९ वि०	-
१७ ४×१२	४२४	११	२०	पूर्ण/२९१५	१८५१ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२५९५	११६८/८३५	प्राणप्रतिष्ठा	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९६	१८७७/१२६८	प्राणप्रतिष्ठा	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९७	६०१५/३१५१	प्रातःसन्ध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९८	३६६/३३६	प्रातःसध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२५९९	४४९/४४०/४०८	प्रातःसध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६००	५१६/४६५	प्रातःसध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६०१	३९४१.१/२०१४.१	प्रातःसंध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६०२	६७९७/३८३१	प्रातःस्नानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६०३	१३१/१२४	प्रातःस्मरण	–	–	देसी कागज	नागरी
२६०४	३४७५.१/१८२९.१	प्रातःस्मरणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६०५	२७७/२५६	प्रायश्चित्त	–	–	देसी कागज	नागरी
२६०६	५९३३/३०९१	प्रायश्चित्तप्रदीप	–	–	देसी कागज	नागरी
२६०७	७४४६/४२२८	प्रायश्चित्तप्रयोग	अनन्त दीक्षित	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१९.३×१३.७	६	९	१६	पूर्ण/२७	–	–
१६.५×११	८	७	१५	पूर्ण/२६	–	–
१६.७×११.८	२०	७	१६	पूर्ण/७०	–	–
१७.५×११.५	१०	९	२०	पूर्ण/५६	–	-
१६ ५×११ ५	८	१०	२४	पूर्ण/६०	१८९८ वि०	-
१४ ५×१०	१९	६	१४	पूर्ण/५०	–	-
१६.५×१०.५	२१	९	२०	पूर्ण/११८	१९२९ वि० (वैशाख बुद्ध ६)	–
२९×१४	२	८	२०	पूर्ण/१०	–	-
२२×११	७	९	३२	अपूर्ण/६३	–	-
२६ ६×२६.२	८	१२	३२	पूर्ण/९६	१९२० वि० (भाद्रपदकृष्ण १४)	–
१५×१०	१५	७	१४	अपूर्ण/४६	–	–
२१.२×१० ३	१०	१०	२४	अपूर्ण/७५	–	–
२४×१३	२४४	१२	३२	पूर्ण/२९२८	१८१८ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६०८	६२९७/३३९९	प्रायश्चित्तमाला	नारायण	—	देसी कागज	नागरी
२६०९	९७/८९	बटुकपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१०	६४६०/३५४६	बटुकपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६११	३९०६.१/१९९३	बटुकभैरवदीपदानविधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१२	३२९९/१६९७	बटुकभैरववंदन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१३	१०४८/११५०	बलिदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१४	१७८५.४/११८६	बलिदानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१५	१४७/१३९	बालाजपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१६	३४६७/१८४९	बालापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१७	३६२४/१८६१.१	बालापूजनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१८	१५५/१४८	बालार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६१९	७८१/७९७	बालार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६२०	११८५/८००	बालार्चनपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१.५×११	१६१	९	२०	पूर्ण/९०५	–	–
१८.२×११.५	३२	७	२०	पूर्ण/१४०	१९१६ वि० (शाके १७८१ माघकृष्ण ३० रविवार)	–
२५×११	१२	१२	२०	पूर्ण/९०	–	–
१४.३×१० ७	२२	७	१४	पूर्ण/६७	–	–
१७×११	१४	७	१२	अपूर्ण/३४	–	–
२६×१२	१४	१६	४०	पूर्ण/२८०	–	–
२५×३०	३	२४	४०	पूर्ण/९०	–	–
१४×१०	१५	८	१६	पूर्ण/६०	–	–
१९×११	५८	७	१५	अपूर्ण/१९०	–	–
१८×१० ५	७९	९	१०	अपूर्ण/२२२	–	–
१७×१२ ५	५८	९	२१	अपूर्ण/३४३	–	–
१८×११.५	१०७	७	१९	पूर्ण/४४५	–	तान्त्रिक पद्धति से त्रिपुरसुन्दरी की अर्चनापद्धति प्रतिपादित है
१८.५×१२.५	२००	५	११	पूर्ण/ ३४४	१९४२ वि० (माघमासे तिथौ १ शुक्ल गुरुवासरे)	त्रिपुरादेवी की तान्त्रिक अर्चना

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६२२	७५१२/४२४७	बुधाष्टमी व्रत	–	–	देसी कागज	नागरी
२६२३	७५१६/४२५०	बृहत् शान्ति	–	–	देसी कागज	नागरी
२६२४	७०६३/३९८०	बृहस्पतिमन्त्रअष्टोत्तर-सहस्र जप विधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६२५	३९२२/१/२०००	बृहस्पति-सहिता	–	–	देसी कागज	नागरी
२६२६	७१७४/४०४१	बौधायन श्रौतसूत्र	बौधायनाचार्य	सायणाचार्य	देसी कागज	नागरी
२६२७	६८७३/३८९१	ब्रह्मयज्ञ	–	–	देसी कागज	नागरी
२६२८	६३१९/३४२१	ब्रह्मयज्ञविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६२९	३१६४.५/१६१९	भागवत पूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२६३०	३०७/२७८	भुवनेश्वरी पूजापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२६३१	१०७२/८०६	भुवनेश्वरी पूजापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२६३२	११७/११०	भूतशुद्धि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६३३	३४१२/१७९८	भूतशुद्धि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६३४	३४७२/१८५४	भूतशुद्धि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३×२३	४	२०	१६	पूर्ण/४०	–	–
१३×२०	१२	१२	१६	पूर्ण/७२	१९४२ वि०	–
२३×१४	३	९	२०	पूर्ण/१७	–	–
२३×१२·५	१२०	१४	२०	अपूर्ण/१०५०	–	–
२५×१०·६	२६६	१०	४२	पूर्ण/४९८	१८३८ वि०	–
१६×१०	२०	७	१०	पूर्ण/४४	१९६३ वि० (मार्गशीर्ष शुक्ल १४ गुरौ)	–
१९×१३	१०	८	१०	पूर्ण/२५	–	–
३३.७×१६ ५	५	११	२८	पूर्ण/४७	१९१२ वि० (पौषकृष्ण ३)	–
१६ ५×१२	६७	९	२४	अपूर्ण/४५२	–	भुवनेश्वरी देवी की तान्त्रिक पूजाविधि
२२ ३×११	९५	१२	३२	पूर्ण/११४०	–	चतुर्वर्गफलप्राप्त्यर्थं भुवनेश्वरी की स्तुति एवं तान्त्रिकपूजापद्धति-निरूपण
१७×११ ५	१५	९	१९	अपूर्ण/८०	–	–
३९.५×१० ७	२	८२	१६	पूर्ण/८२	–	–
१५×१०	१४	७	१५	पूर्ण/४६	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन सं०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६३५	३७८२ १/१९३०.१	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३६	५८२२/२९९८	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३७	६०१०/३१४६	भूतशुद्धि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३८	१९/१९	भूतशुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६३९	४३/३८	भूतशुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४०	३९१०.१/१९९५	भूतशुद्धि प्राणप्रतिष्ठा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४१	८१०/८२६/७२५	भैरवपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४२	५८७/५९८/५४१	भैरव हवनपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४३	३७/३२	भोजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४४	१८७/१७९	भोजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४५	३८९७.१/१९९०	भोजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४६	५८२१/२९९७	भौमपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६४७	७५११/४२४७	भौमव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१३×११.५	९	७	१०	अपूर्ण/२०	–	–
२१×८ ५	१३	८	३२	पूर्ण/१०४	१९३३ वि०	–
२०.९×१० २	१६	१०	२८	पूर्ण/१४०	१९७३ वि० (आषाढ ९)	–
१३×१०	७	१०	२०	पूर्ण/४४	१९५३वि० (प्रथम ज्येष्ठ कृष्ण१०	–
१६×११	१६	७	१४	पूर्ण/४९	१९२८वि० (वैशाख)	प्रेतबाधा निवारणार्थं भूतशुद्धि एवं प्राण प्रतिष्ठा वर्णन
१४ २×८ ५	२९	५	१६	अपूर्ण/७२	१९११ वि० (भाद्रकृष्ण १०)	–
२०.५×१०.५	२८	११	२६	अपूर्ण/२५०	–	भोजनक्रिया से सम्बन्धित धर्मशास्त्रीय विधिविवेचन
२०.५×१० ५	१९	७	२०	पूर्ण/१३३	१९१७ वि० (भौमवार)	–
१५ ५×११ ६	६	९	१६	पूर्ण/२७	१८४७ वि० (माघकृष्ण८ गुरु)	–
१७×७	५	८	१६	अपूर्ण/२०	–	-
१२×२० ५	२	१७	१०	पूर्ण/१०	–	–
१७×४४ २	२	४०	२४	अपूर्ण/६०	–	–
१३×२३	८	२०	१६	पूर्ण/८०	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६४८	८३७/८५६/७४४	मन्त्रपारायण	बुद्धिराज दीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
२६४९	२६४९/१४७७	मन्त्रशाकल्य	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५०	९१/८३	मन्त्रस्नान	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५१	७१०५/४००३	मन्थान भैरवागम	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५२	६७८२/३८१८	मधुपर्क	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५३	६६६७/३७१२	मध्याह्न सन्ध्या	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५४	५३६/४८२	मध्याह्न स्नानविधि	भैरव	–	देसी कागज	नागरी
२६५५	२११/२०२	मयूखपद्धति	रामचन्द्र	–	देसी कागज	नागरी
२६५६	६३२२/३४२४	महागणपतिचतुःशत-चतुरावृत्ति तर्पण	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५७	८५६/८७३/७५५	महागणपतिपूजापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५८	३६९९/१८७७	महादानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६५९	३४६०/१८४४	महामन्त्र मृत्युजयविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२६६०	७०३७/३९६८	महामायामन्त्र विधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२ ५×१० ५	९	८	२८	पूर्ण/६६४	१८८३ वि० (कार्तिक मासे कृष्णपक्षे५श०)	–
२७×१२.४	१९	१०		अपूर्ण/१९०	–	–
१२ ५×९ ५	६	१३	१७	पूर्ण/४१	–	–
२२×१२	३१३	९	१५	अपूर्ण/१३२	–	–
१६×८ ५	३५	८	२४	पूर्ण/२१०	१९२० वि०	–
११×२२	१	२०	१६	पूर्ण/१०	–	–
२९×१५	३०	९	२८	पूर्ण/२३६	–	–
२२ ५×११	४२	१६	४०	पूर्ण/८४०	१८४६ वि०	नौ मयूखो (अध्यायो) के शक्तितन्त्र से सम्बन्धित ग्रन्थ
१९×१२ ५	७	९	१५	पूर्ण/२९	–	–
१५.५×११	५०	५	१८	पूर्ण/१४०	–	–
२९×१९ ५	५५	११	२०	अपूर्ण/३७८	–	–
१४ ५×११	९	८	१५	अपूर्ण/३६	–	–
११×७	३	९	१०	पूर्ण/८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६६१	१४९/१४१	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६२	१६०/१५३	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६३	५४८/५५८/५०४	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६४	६६५७/३७०३	महामृत्युञ्जय जप	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६५	३२१६/१६२९	महामृत्युञ्जय जपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६६	६५८२/३६३३	महामृत्युञ्जय मन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६७	६८७१/३८८९	महारुद्रहवन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६८	६७२३/३७६६	महालिंगार्चन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६६९	८०/७४	मातृकान्यास मन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७०	३७१८.१/१८९० १	मातृकापूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७१	३७१/३४०	मातृकारक्षायण	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७२	३५८६/१८५५.१	मातृकास्थापन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७३	१४४६/९१४	मातृपूजाविधि	नन्दलाल	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१८×१०	१८	७	१८	पूर्ण/७१	१७४० वि०	–
१६×११	१४	७	२४	पूर्ण/७३ ५	–	–
१३×९	६	६	१५	अपूर्ण/१०	–	–
१२×१९	१	१६	१६	अपूर्ण/८	–	–
१९×११	१२	६	२०	पूर्ण/४५	–	–
२१×१२	३	८	२४	पूर्ण/१८	१९२१ वि०	–
२१ ५×९ ५	१५	९	२०	पूर्ण/८१	१८०५ वि० (श्रावणशुक्ल गुरुवार)	–
१६×१०	१६	१२	२०	अपूर्ण/ १२०	–	–
२०×१० ५	१५	९	३२	पूर्ण/१२५	–	–
१४×८.५	८	१०	२०	अपूर्ण/५०	–	–
२३×१३	४	१२	२६	पूर्ण/३९	–	जीर्ण
१९×११ ५	८	९	१९	पूर्ण/४३	–	–
२७×१०	३२	६	३५	पूर्ण/२१०	१९३६ वि०	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६७४	६१/५६	मातृषोडषी	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७५	३२५२/१६४२	माध्यदिनीय स्नानविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७६	३८९१.१/१९९०	मानसिकपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७७	९४५/९६२/७७१	मानसिकस्नान	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७८	३४४८/१८३३	मानसोपचारपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२६७९	१०१/९३	मालिनीमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८०	३६६०/१८६८	मुकुन्दपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८१	३९६१/१९२४	मुक्ताभरणपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८२	६९४९/३९१२	मूलविचारशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८३	३८२४.१/१९४७.१	मूलविद्याजपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८४	१८७९/१२७०	मूलशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८५	१६९/१६२	मूलशान्तिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८६	१७३२/११३३	मूलशान्तिविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१×१० २	३	९	३०	पूर्ण/२५	–	–
२०×१२	४५	८	२०	पूर्ण/२२५	–	–
१२×२० ६	३	१३	१०	पूर्ण/१२	–	–
२२ ५×१०.५	३	७	२०	अपूर्ण/१३	–	–
१४.२×९.६	३	६	१४	पूर्ण/७	–	–
२२ २×११ ४	६	१०	३५	अपूर्ण/६६	–	अंगन्यासविधि
१९×११	४५	९	१०	अपूर्ण/१२६	–	–
१९×९	१२	८	३२	पूर्ण/९६	१९१५ वि०	–
२१×६.५	५	११	३०	पूर्ण/५१	–	–
१४ ५×१० ५	१६	९	२०	अपूर्ण/९०	–	–
२४×१३	२७	१२	२२	पूर्ण/२२३	१८८४वि० (मार्गशीर्ष) कृष्णपक्ष १३	–
१७ ५×१२	१२	१०	२४	अपूर्ण/९०	–	–
२७.८×१२ ८	११	९	२७	अपूर्ण/८४	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२६८७	६६९५/३७३९	मृत्युञ्जयमन्त्र	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८८	७६५९/४२९०	यन्त्रराजपूजा	—	—	देसी कागज	नागरी
२६८९	१४२६/९०८	यज्ञसिद्धान्तसग्रह	रामप्रसाद	—	देसी कागज	नागरी
२६९०	६५१०/३५९४	यज्ञोपवीत धारणविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९१	१८५८/१२५२	यज्ञोपवीतपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९२	३२८७/१६५५	यज्ञोपवीतपद्धत्ति	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९३	१०५८/८०१	यज्ञोपवीतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९४	१३९८/८९९	यज्ञोपवीतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९५	२७९१.१/१९३२.१	यज्ञोपवीतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९६	१०५९/८०१	यज्ञोपवीतव्रत	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९७	१७६८/३९८०	यमराजपूजन	—	-	देसी कागज	नागरी
२६९८	२४०४/१४२१	यात्राप्रकरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२६९९	६२५३/३३६८	रजोदर्शनशान्ति	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१०×३०	१	२४	१६	पूर्ण/१२	–	–
११.५×९ ५	५	१३	२०	पूर्ण/४१	–	–
२५ ४×११ ५	४८	११	३३	पूर्ण/५४५	१८६९वि०	यज्ञसिद्धान्तो का विस्तार के साथ विवेचन हुआ है, जिनमे द्विजाह्वान, कलशस्थापन, दिक्पालवलि आदि सभी विषय वर्णित है
४८×११	२	४०	१०	पूर्ण/२५	–	–
१५ ५×१०	३७	८	३६	पूर्ण/३०३	–	–
२३ ५×१३	१६	१५	३०	पूर्ण/२२५	१८६८ वि० (वैशाखसुदी १० गुरुवार)	–
२२×१५	१३	१५	३५	पूर्ण/२१२	–	उपनयनसस्कार की विधि का विवेचन किया गया है
२५×१२	३५	८	३२	पूर्ण/२८०	१९०८ वि०	–
१५ ६×१० ७	२४	८	१८	पूर्ण/१०८	–	–
२५ ५×१४ ५	२०	१२	२९	पूर्ण/२१७	१८७४ वि० (१७३९शक)	उपनयनसस्कार का विवेचन किया गया है
५५×२०	१	३६	२०	अपूर्ण/२२	–	–
१८×८ ५	७	७	२०	अपूर्ण/३०	–	–
३०×१०	५६	८	२०	पूर्ण/२८०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७००	६८३२/३८६२	रजोदर्शनशान्ति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०१	७५०७/६४१५	रथसप्तमीपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०२	३५७३/१८५१	रामायणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०३	२४७९/१४३९	रामार्चनचन्द्रिका	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०४	६८०/७९६/७११	रुद्रजाप	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०५	६३९४/३४९३	रुद्रपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०६	३०७७/१५९२	रुद्रपूजनमञ्जरी	मालजी वेदागराय	–	देसी कागज	नागरी
२७०७	३१४६/१६१४	रुद्रविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०८	६३२४/३४२६	रुद्रस्नानार्चनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७०९	६६५४/३७००	रुद्रस्वाहाकार	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१०	३५६९/१८५०	रुद्राकाण्डी	–	–	देसी कागज	नागरी
२७११	३८३३.१/१९५४.१	रुद्राक्षधारणप्रकार	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१२	७७४/७०७	लक्ष्मीआराधनाकल्प	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१×९ ५	६५	७	३२	पूर्ण/४५५	–	–
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	१८२८वि० (शाके१६९३)	–
३०×१२	४	११	४०	पूर्ण/५५	–	–
२४×११.५	२४६	९	२५	पूर्ण/१७३०	१८७४ वि० (शाके१७३९	पाँच पटलो मे पूर्ण रामार्चन का प्रयोग कर्मकाण्ड के रूप मे हुआ है
१९×११ ५	५४	८	२२	पूर्ण/२९७		प्रसिद्ध रुद्राष्टाध्यायी संग्रहीत है
२२×१२	१३	५	१५	अपूर्ण/६	–	-
२७×१२	१७७	८	३६	पूर्ण/१५९३	१९२३ वि० (फाल्गुनसुदि १२रविवार)	रुद्रपूजन, जप, आहुति आदि का विचार; सुचारु रूप
२४×११ ५	६३	७	२४	पूर्ण/३३०	१८९१ वि० (श्रावणशुक्ल १४ चन्द्रवार)	-
६०×१३.५	१	६२	३२	पूर्ण/२९	–	–
२५×११	९	१२	३२	पूर्ण/१०८	–	–
२० ५×११	१७	९	३५	अपूर्ण/१६७	१८८७ वि०	–
१८×२९	२	१८	२०	पूर्ण/२०	१९१४ वि०	–
१७×१२	८	१३	२०	अपूर्ण/१२	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७१३	३४०३/१७८९	लक्ष्मीसूक्तविधान	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१४	५८७८/३०४४	लघुशान्ति (सटीक)	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१५	३८७२.१/१९७९	लघुश्यामलापूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१६	६०१२/१०६७	ललितादेवीपूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१७	७२१६/४०७७	ललितापद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१८	६७४५/३७८८	ललितापूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२७१९	११८६/८४१	ललितार्चनदीपिका	–	–	देसी कागज	नागरी
२७२०	३३/२८	ललितार्चनपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७२१	१०४/९६	ललितार्चनविधि	भास्करराय	–	देसी कागज	नागरी
२७२२	३७९७.१/१९३३/१	ललितासपर्यापद्धति	भास्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२७२३	८२५/८४१/७३५	ललितासपर्याविधि	भास्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२७२४	६५४३/३६१४ ५	ललितासपर्याविधि	देव कमलाकर	–	देसी कागज	नागरी
२७२५	६०२२/३१५७	लिंगपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२२.५×९	१७	६	१५	अपूर्ण/४८	–	–
२५.५×११ ८	१०	१२	४२	पूर्ण/१५७	१८१८ वि०	सटीक
१३×११	६	८	१२	पूर्ण/१८	–	–
१५.३×१२.५	२६	११	१६	पूर्ण/१४३	१८८३ वि० (भाद्रकृष्ण ११)	–
२३×१५.५	६२	११	१६	पूर्ण/३४१	१८८७ वि०	–
२३×११	१७	९	३२	पूर्ण/१५३	–	–
२६ ५×१२	३९	१३	३७	पूर्ण/५८६	–	–
२५ ५×११	७९	९	३४	पूर्ण/७६०	–	ललितादेवी की तान्त्रिक उपासना का प्रतिपादन किया गया है—आरम्भ का पृष्ठ खण्डित है
२२ ८×१० ४	४८	१४	४०	पूर्ण/८४०	–	ललितादेवी की तान्त्रिक विधि से अर्चना समुपनिबद्ध है
१७×९	१६५	७	१०	पूर्ण/३६१	१८४७ वि० (फाल्गुन-कृष्ण २ रवि)	–
२४ ५×१० ५	९६	१०	३८	पूर्ण/११४	१८७२ संवत् (चैत्र शुक्ल)	–
१९×१०.५	९५	५	१५	पूर्ण/२२३	–	–
१६ ७×८	४	६	२०	अपूर्ण/१५	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लि
१	२	३	४	५	६	
२७२६	७५०५/४२४७	वटसावित्रीव्रत	–	–	देसी कागज	न
२७२७	३७७२/१/१९२७/१	वटुक भैरवआमरणपूजन विधि	–	–	देसी कागज	न
२७२८	१३९९/८९९	वन-प्रतिष्ठा विधि	–	–	देसी कागज	न
२७२९	३१७/२८८	वर्धापनकर्म	–	–	देसी कागज	ना
२७३०	४०७९/१९३६	वर्षारिष्टशान्ति	–	–	देसी कागज	ना
२७३१	५०८/४९९	वह्निर्मातृकान्यास	–	–	देसी कागज	ना
२७३२	७५४४/४२५९	वाक्पूजन	–	–	देसी कागज	ना
२७३३	१३३४/८८२	वार्षिक श्राद्धप्रयोग	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	ना
२७३४	१७५९/११६०	वासिष्ठी	उर्वीधर	–	देसी कागज	ना
२७३५	१०५६/८०१	वासिष्ठी ग्रहशान्तिविधि	वसिष्ठ	–	देसी कागज	न
२७३६	६६९०/३७३४	वासुदेव भट्टी (य)	–	–	देसी कागज	न
२७३७	५५१/५४१/४९७	वासुपद्धति	इन्द्रजित शर्मा	–	देसी कागज	न
२७३८	१७०३/११०६	वास्तुशान्ति	–	–	देशी कागज	न

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	–	–
१२×१०	२०	७	१२	पूर्ण/५२	–	–
२३×१२	२०	१०	३२	पूर्ण/२००	१९०९ वि० (शाके १७७४)	वृक्षारोपणादि विधि का वर्णन
१६×११.५	१४	९	२४	अपूर्ण/८४ ५	–	आदित्यपुराणोक्त जन्मदिवस मनाने की विधि
२५×३०	२	३२	४०	पूर्ण/८०	–	–
१८×१३	२६	१०	२०	पूर्ण/१६२.५	–	–
१५×२०	१	१८	१६	पूर्ण/९	१७८५ श०	–
३१×१२	८	८	३६	पूर्ण/७२	१९३० वि० (फाल्गुनकृ० १)	–
३०×१२	४०	१२	५६	अपूर्ण/८४०	–	–
२५×१४ ५	२४	१२	२७	पूर्ण/२४३	१९०४ वि० (शाके १७६९)	–
२१×१२	७४	९	२४	अपूर्ण/३०४	१६६५ श०	–
१९×१४	१९	१०	२५	पूर्ण/१३९	–	–
३०×१३	२६	११	४८	पूर्ण/४२९	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७३९	३७९९/१९०३	विंशच्चतुर्विंशतिकापूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४०	३५७०/१८५०.१	विग्रहशान्ति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४१	५७८/५८८/५३२	विजयादशमी शस्त्रपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४२	७३५८/४१६६	विजयादशम्यादि पूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४३	७२३३/४०९०	विद्यामानसपूजा	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२७४४	६७/६१	विद्यार्चनपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४५	७२८६/४१२९	विद्योपास्ति महानिधि	शिवरामप्रकाश	–	देसी कागज	नागरी
२७४६	६४०९/३५०८	विन्ध्यापराधप्रायश्चित्त	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४७	३९५/३५८	विवाहकर्म	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४८	४२०/३७९	विवाहपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७४९	११९६/८४४	विवाहपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७५०	१४३२/९०९	विवाहपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२७५१	१८२३/१२२३	विवाहपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०म०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३ ५×१५	२४८	११	२८	पूर्ण/२३८७	१७७९ वि०	–
२७×१०	३१	१०	३५	पूर्ण/३३९	–	जीर्ण
२१.५/२×९.५	१४	९	२६	अपूर्ण/१०३	–	–
१९×११	६	१०	२५	पूर्ण/४७	–	-
१७.४×१२.४	९	९	१६	पूर्ण/४०	–	-
१७×९.५	९२	७	२४	पूर्ण/४३०	१८६१ वि० (चैत्र शुक्ल ३ गुरौ)	'कुलार्णवतन्त्र' का एक अंश जिसमें देवी की तान्त्रिक आराधना विधि निरूपित है
३३ ५×२० ७	४७३	१३	४०	पूर्ण/७६८६	१९६१ वि० (जेष्ठकृष्ण १२)	–
२४.५×११	३६	९	२०	पूर्ण/२०२	–	–
१७×१३	३९	११	१८	पूर्ण/२४१	१८६० वि० (श्रावण कृष्ण-पक्ष ३ भृगु०)	–
२०×१२	३९	८	२९	अपूर्ण २८३		विवाह-संस्कार का विस्तृत उल्लेख
२१×१३.५	६८	९	२८	अपूर्ण/५३५	–	–
२१.५×९	५८	७	२२	पूर्ण/२७९	–	आद्यन्त विवाहपद्धति का प्रति-पादन किया गया है–न कहीं ग्रन्थ का और न ग्रन्थकार का ही नामोल्लेख हुआ है
२३×१२	९२	८	२६	अपूर्ण/६२३	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७५२	१८०७/१५१५	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५३	२८६७/१५२९	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५४	२८७०/१५२९	विवाहपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५५	१३८४/८९८	विवाहप्रकरण	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५६	५३५/४८१	विवाहविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५७	३५८८/१८५५/१	विष्णुपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५८	३१४१/१६१३	विष्णुपूजनविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७५९	४५७/४४८/४१६	विष्णुशिव-पूजन-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६०	३६३४ ६/१८६३	वीरपूजन-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६१	१३१७/८८२	वेदोक्त शिवार्चन पद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६२	३८०२/१/१९३५/१	वैश्वदेवकर्म	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६३	१३००/८७७	वैश्वदेव-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६४	६४५५/१८४०	वैश्वदेव-होम	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३×१२	९२	८	२६	अपूर्ण/६२३	–	–
१५.५×११	२०६	१२	२९	अपूर्ण/२२४०	–	–
११×१२ ८	४३	९	१३	पूर्ण/१८८	–	–
२१×११	४	६	२४	अपूर्ण/१८	–	–
२८ ९×१२	४६	८	३७	पूर्ण/ ४३५	१८९८ वि०	–
३६×१४	८	८	२६	अपूर्ण/५२	१८५३ वि० (कार्तिक शु० प०४चन्द्रवार)	–
१६ ५×१२ ८	१२	१०	१७	अपूर्ण/६४	–	–
२१ ५×१५	१२	९	१६	अपूर्ण/५४	–	–
१८×१३ १/२	९	९	१६	अपूर्ण/४०५	–	–
१३×२१	१	२४	१६	पूर्ण/१२	–	–
२७×१३	१८	११	३३	पूर्ण/२०४	–	वैदिक मन्त्रों सहित शिवार्चन विधि
२१×१२	८	८	१५	पूर्ण/३०	–	–
२४×१०.५	२	११	४४	पूर्ण/३०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७६५	६९१०/३८९९	वैष्णोदेवी-पूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६६	१४१८/९०४	व्रतार्क	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६७	७५००/३५८५	व्रतार्क	शंकर भट्ट	—	देसी कागज	नागरी
२७६८	३८३९ १/१९५९.१	शक्तिकुमारी पूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७६९	१४८/१४०	शक्तिपूजन	-	—	देसी कागज	नागरी
२७७०	५०२/४९३/४५६	शक्तिशोधन	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७१	५९४/६०५/५४७	शतचण्डी सहस्रचण्डी विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७२	६७६५/३८०२	शनिजाप	–	—	देसी कागज	नागरी
२७७३	६७१०/३७५४	शनिनाम	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७४	५८९२/३०५९	शमीपूजन-विधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७५	१०७८/८०६	शान्तिपाठ	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७६	१३३१/८८२	शान्तिपाठ	—	—	देसी कागज	नागरी
२७७७	२४४२/१/१४३१	शान्तिप्रदोष व्रतविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४×११	७	११	१०	पूर्ण/२४	–	–
१७ ५×१२	६३८	१०	३४	पूर्ण/६७७९	–	विभिन्न महीनो की विभिन्न तिथियो पर पडने वाले व्रतो का विस्तृत विवेचन किया गया है
३०×१८	४४	८	३२	अपूर्ण/३५२	–	–
२२×९/५	१२	८	२८	अपूर्ण/८४	–	-
२१×११	४	६	१२	पूर्ण/९	–	शत्रु-विनाश के लिए प्रस्थानोद्यत वीर की पूजाविधि का विवेचन
२३×१२	५	९	३२	पूर्ण/४५	–	शक्ति की पञ्चमकारी साधना मे मैथुनी साधनाविधि
२२ ५×११ ५	४९	८	३२	अपूर्ण/२६४	१८९४ वि० (१७५९शाके, आषाढशु०४)	–
१४×१०	८	७	१२	पूर्ण/२१	–	–
२३×११	४	८	२०	अपूर्ण/२०	–	-
५ ५१०.८	३	१०	३२	पूर्ण/३०	–	-
२२ ५×१४ ५	२३	१३	२२	पूर्ण/२०५	१८८३वि० (आ० शु०)	-
२६×११ ५	२	११	३२	पूर्ण/२२	१८८१ वि० (शनिवार आद्यपक्ष)	-
२२.६×१० ८	३	१०	३२	पूर्ण/३०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७७८	४२९१ १/२०१३	शान्तिप्रारम्भ	–	–	देसी कागज	नागरी
२७७९	१५०९/९३२	शान्तिमयूख	नीलकण्ठ	–	देसी कागज	नागरी
२७८०	१४२३/९०६	शान्तिरत्न	कमलाकर भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२७८१	११९५/८४४	शान्तिसार	दिनकर भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२७८२	३९६३/१९२४	शारदी नवरात्रिपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२७८३	६४८०/३५६३	शिवपञ्चाक्षरमन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२७८४	५४८/५३८/४९४	शिवपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७८५	३८८४.१/१९८५	शिवपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७८६	६२२१/३३३६	शिवपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७८७	२८१८/१५१७	शिवपूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७८८	१६९९/११०२	शिवप्रतिष्ठाविधि	मूलनारायण	–	देसी कागज	नागरी
२७८९	५४०/४८६	शिवमानसीपूजा	शङ्कराचार्य	–	देसी कागज	नागरी
२७९०	३४४५/१८३०	शिवमानसीपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२९×१७	२	२१	२४	अपूर्ण/३२	१९२७ वि०	–
३६×१०	१०७	७	६४	अपूर्ण/ १४९८	–	अनिष्टनिवारण तथा पापशान्ति विषयक पौराणिक विधियो का सग्रह
२५×११ १	२८६	१०	४४	अपूर्ण/३८३३	१८२५वि०	भूकम्पादि दैवी आपदाओ की शान्ति का उपाय प्रतिपादित है। प्रारम्भ के ११८ पत्र अनुपलब्व हैं
२४ ३×१७	३४२	१३	२६	पूर्ण/३६१२	-	ग्रह-वास्तु-दर्श-पल्ली-कपोतादिशान्तियो का सविधि निरूपण
१८×११	१४	१०	३२	अपूर्ण/१४०	–	–
१९×१३	२	८	१२	पूर्ण/६	–	–
१८.५×१० ३	२९	९	२१	पूर्ण/१७१	–	–
२४×११	२६	७	३२	पूर्ण/१८२	–	–
२३ २×११ ६	२	८	२७	अपूर्ण/१४	–	–
२७×१२.५	१२	९	२८	पूर्ण/९४	–	–
२६×११	३८	९	३२	अपूर्ण/३४२	१९१६वि०	–
१५×९	७	४	१२	पूर्ण/१०	१८२५ वि० (श्रावणसुदि ३)	–
१६ ८×१० ५	२	७	२०	पूर्ण/८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२७९१	६४२८/३५२५	शिवरात्रिव्रत	–	–	देसी कागज	नागरी
२७९२	१५९३/९९९	शिवार्चनचन्द्रिका	श्रीनिवास भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२७९३	२५०२/१४४४	शिवार्चनपद्धति	--	–	देसी कागज	नागरी
२७९४	१८७८/१२६९	शिवार्चनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२७९५	१३८५/८९८	शुद्धिविवेक	रुद्रधर	–	देसी कागज	नागरी
२७९६	४२४/३८४	श्यामापद्धति		–	देसी कागज	नागरी
२७९७	१३७७ २/८९८	श्राद्धकर्म	–	–	देसी कागज	नागरी
२७९८	७१०३/४००१	श्राद्धचन्द्रिका	दिवाकर भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२७९९	१३९५/८९९	श्राद्धनिर्णय	–	–	देसी कागज	नागरी
२८००	१४००/८९९	श्राद्धपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०१	२८२६/१५२०	श्राद्धपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०२	२९२४/१५४३	श्राद्धपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०३	२९५२/१५५१	श्राद्धपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३२ <१२.५	४	८	३०	पूर्ण/३०	–	–
२२ × ९	१६३	५	२४	अपूर्ण/६११	–	–
२५ × १४	१४	१३	३२	पूर्ण/१८२	–	–
१५×१०	१२	७	१४	पूर्ण/३७	–	–
२८ × १२	१८६	८	३९	पूर्ण/१८१४	–	तीन परिच्छेदो के इस ग्रन्थ मे जन्म, मरण, वर्णादिगत अशुद्धियो (अशौचों से शुद्धि पाने के उपायो) तथा अधिकारियो आदि का वर्णन किया गया है। प्रमाणरूप मे प्राचीन धर्मशास्त्रग्रन्थों के उद्धरण दिए गए हैं
२६ × १२	८९	९	३७	अपूर्ण/९२६	अति प्राचीन	देवी की तान्त्रिक अर्चनाविधि तथा कालीसहस्रनाम
२७ २ × ११	७	७	३६	अपूर्ण/५५	–	–
२५ × १३ ५	२४२	१०	२०	पूर्ण/१५१२	१८५० वि० (श्रावणकृष्ण २ गुरुवार)	पितृ-श्राद्धविषयक श्रेष्ठ ग्रन्थ
२७ × १२	३	१०	४०	पूर्ण/३७५	–	–
२६ × १२	६२	९	३२	पूर्ण/ ५५८	१९१०वि०	दाहसस्कार से लेकर द्वादशाह की सपिण्डीकरण तक की श्राद्ध-प्रक्रिया
२१.२ × १२	२५	९	२४	पूर्ण/१६८	१८४६ वि० (वैशाख २)	–
२६ ५ × १७.३	४५	१३	११	अपूर्ण/२०१	–	–
२८.३ × १४ ३	२४	१२	३२	अपूर्ण/२८८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८०४	७१६९/४०३६	श्राद्धप्रतिक्रमण सूत्रवृत्ति	गणधर	–	देसी कागज	नागरी
२८०५	१२९९/८७७	श्राद्धमयूख	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०६	३७०/३३९	श्राद्धविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०७	५५२/५६२/५०८	श्राद्धविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०८	१४०१/८९९	श्राद्धविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८०९	२८७२/१५७९	श्राद्धविधि	रामकृष्ण	–	देसी कागज	नागरी
२८१०	३३०८ १/१७०६ १	श्राद्धविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८११	३४२३ २/१८२३ १	श्राद्धविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८१२	३७८८ १/१९३० १	श्राद्धविधि		–	देसी कागज	नागरी
२८१३	२५९०/२४०१	श्राद्धविधि		–	देसी कागज	नागरी
२८१४	१३१२/८८१	श्राद्धविवेक	रुद्रधर	–	देसी कागज	नागरी
२८१५	१३७९/८९८	श्राद्धविवेक	रुद्रधर	–	देसी कागज	नागरी
२८१६	१४६४/९१९	श्राद्धविवेक	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५.६×१०.६	६५	१५	६०	अपूर्ण/१७०३	–	–
२८×१२	७	११	४०	अपूर्ण/ ९६	–	–
२५×१३	३२	७	२०	अपूर्ण/१४०	१७७५वि०	–
१९ ५×९	११	९	३२	अपूर्ण/९९	–	–
२५×११	३४	९	४८	अपूर्ण/४५९	१६३५वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण
२२×१३	२८	९	२५	पूर्ण/१९७	–	–
२४ .५×११.७	१७	६	२०	अपूर्ण/६३	–	–
२२×१३	२१	९	१६	पूर्ण/ ९४,५	–	–
१७×१०	८	१४	३०	पूर्ण/१०५	–	–
२१×१३	३२	१५	२३	अपूर्ण/३४५	–	–
३४×९	९८	७	४८	पूर्ण/१०२९	१८०१ वि०	सर्वविधि श्राद्धसामग्री तथा काल आदि का निरूपण
२७.६×१२	३१४	८	३९	पूर्ण/२०६२	–	श्राद्धकर्म का विशद विवेचन प्रस्तुत किया गया है। ग्रन्थ जीर्ण है तथा कुछ पत्र खण्डित है
२४.५×९.८	९७	८	३५	अपूर्ण/८४८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८१७	६२७६/३३७९	श्राद्धसंकल्प	–	–	देसी कागज	नागरी
२८१८	६३९६/३४९५	श्राद्धसकल्प	–	–	देसी कागज	नागरी
२८१९	१३०२/८७८	श्राद्धसूत्र	कात्यायन	–	देसी कागज	नागरी
२८२०	७४५९/४२३३	श्रावणद्वादशीपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२१	८२०/८३६	श्रावणीप्रयोग	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२२	२६०२/१४६५	श्रीकृष्णद्वादशाक्षर मन्त्र	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२३	३८५/३५१	श्रीचक्रपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२४	१०५/९७	श्रुतिपात्रवन्दन	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२५	२५२८/१४४९	षडगपाठ	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२६	३४१७ १/१८१७ १	षडगरुद्रजाप्य	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२७	७२२०/४०८१	षोडशोपचारपूजन	–	-	देसी कागज	नागरी
२८२८	३३९२/१७८१	षोडशोपचारपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८२९	७३७१/४१७८	सकल्पविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०सं०	पक्ति प्र०पृ०	अक्षर प्र०प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२१.५×१०५	४४	८	१५	पूर्ण/१३४	–	–
२६×११	४३	७	२०	पूर्ण/१८८	-	–
२६×११	१२	६	३२	पूर्ण/७२	१७६६ शक	–
१३×२३	२	२०	१६	पूर्ण/२०	–	–
२२.५×११	४२	९	२५	पूर्ण/२९५		–
१३×२० ५	२१	१७	१७	पूर्ण/२०.५	–	–
२२×११	१७	९	३२	अपूर्ण/१५३	–	शैवसम्प्रदाय
१४.५×११.२	८	९	१५	पूर्ण/३४	–	–
२१×१३	१६	९	२५	पूर्ण/११२.५	–	–
२२×१०	१४	१०	२४	अपूर्ण/१०५	–	–
१६ ३×१६	९	९	१२	अपूर्ण/३०	–	–
१२×८ ५	४	३	११	अपूर्ण/४	–	–
२२.५×१२ २	१६	१३	३४	अपूर्ण/२२१	१६४८ वि०	लिपिकाल की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८३०	२५७८/१४६०	संकष्टव्रतकथापूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३१	१०४२/७९८	संक्षेपदर्पण-विधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३२	५९५०/३१०८	सक्षेपस्थालीपाक	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३३	३१५२/१२१५	सन्यासपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३४	१२०१/८४४	सस्कारपद्धति	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३५	२८६८/१५२९	संस्कारविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३६	३४३३/१८१८	संस्कारविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३७	३८८५ १/१९८६	संस्कारविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३८	६०७८/३२१२	सस्कारविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८३९	६४८९/३५७३	सस्कारविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८४०	१७०९/१११०	संस्कार वैश्वदेवनामानि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८४१	७२७७/४१२६	सत्यनारायणपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८४२	१८०२/१२०३	सत्यनारायणपूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (सें० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×९	५३	७	१६	पूर्ण/१८५	–	–
२०×१४ ५	१	१०	२०	पूर्ण/६	१९४४ (भाद्रपद)	–
२३.४×११.५	१०	१३	३२	पूर्ण/१३०	–	
२७×११ ५	४९	७	३०	पूर्ण/३२१	१७७३वि० (कार्तिकशुक्ल अष्टमीभृगु०)	–
२७ ५×१८ ५	१०१	१३	३२	अपूर्ण/१३१३	–	–
२०×१४	६०	८	१७	पूर्ण/२५५	–	–
२४×९	१४	८	२४	अपूर्ण/८४	–	–
२२×१४	१०	८	२४	अपूर्ण/६०	–	–
११×१३ ७	५४	९	१२	अपूर्ण/१८२	–	–
२०.५×१०.५	३७	९	१०	अपूर्ण/१३५	–	–
२९×११	७८	९	३२	पूर्ण/७०२	–	
३५×१३.५	८	६	३६	अपूर्ण/५४	–	–
१८×१३.५	२४	१२	१८	पूर्ण/ १६२	१९६६ वि० (भृगुवार)	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८४३	३१२३/१६१०	सत्यनारायणपूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४४	२५४८ १/१४५३	सन्ध्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४५	७५८४/४२५७	सन्ध्या	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४६	४३८/३९८	सन्ध्यात्रयपद्धति	बुद्धिराज	—	देसी कागज	नागरी
२८४७	१४२७/३०८	सन्ध्यापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४८	६९७१/३९२३	सन्ध्यापद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२८४९	३८२/३४८	सन्ध्याप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५०	१५७३/९७९	सन्ध्याप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५१	३३२१/१७१७	सन्ध्याप्रयोग	-	—	देसी कागज	नागरी
२८५२	७/५	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८५३	११३/१०५	सन्ध्याविधि	-	—	देसी कागज	नागरी
२८५४	२१९/२०८	सन्ध्याविधि	-	—	देसी कागज	नागरी
२८५५	२३५/२२४	सन्ध्याविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
३२×१२	३९	७	३०	पूर्ण/२५६	–	सुलिपि
१८×९ २	७	७	१६	अपूर्ण/२४	–	–
१६×१०	१७	६	१५	पूर्ण/४८	–	–
१८×१३	७६	१०	२४	पूर्ण/५७०	१९२३वि० (आश्विन शुक्ल५ शनि)	–
२३×१० ५	२३	८	२७	पूर्ण/ १५५	१८९६ वि०	सुलिपि
८.५×११.५	१९	५	१५	अपूर्ण/४४	–	–
१६ ५×१२	१२	१०	२०	पूर्ण/७५	–	–
१३ ५×११ ५	१६	८	१४	पूर्ण/५६	–	–
२९×१२	६	९	३०	पूर्ण/५०	–	–
१६×११	२१	५	१४	पूर्ण/४६	–	
१५×१०	१४	७	१६	पूर्ण/४९	–	तान्त्रिक ढंग से विवेचन
१४.५×१०	२६	८	१६	पूर्ण/१०४	–	–
२२×१२	१७	११	२५	पूर्ण/ १२३	१८५२ वि० (कार्तिकक्र० १४ भौम-वासरे)	

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८५६	३५८/३२८	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८५७	४०२/३६३	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८५८	४६४/४५५/४२३	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८५९	४९२/४८३/४४६	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६०	५३७/५४७/४९३	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६१	२४१५/१४२४	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६२	२४९९/१४४३	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६३	३१७७/१६२१	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६४	३५४७/१८४६ १	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६५	३६२०/१८६० १	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६६	३६२०.१/१८६० १	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६७	३८२६.१/१९४८ १	सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८६८	६८१२/३८४२	सन्ध्याविधि	–	–	देशी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेप विवरण
८ (क)	८ (ख)	८ (ग)	८ (घ)	९	१०	११
१७×१२	१६	१०	१६	अपूर्ण/८०	–	–
१५×१०	८	७	१७	अपूर्ण/३०	–	–
१३×९	५८	५	१६	अपूर्ण/१२०	–	-
१५×१०	१५	८	२४	पूर्ण/९०	१९४२ वि०	–
२२×१०.४	११	८	२८	पूर्ण/७७	–	-
२०×१४	१८	१४	१८	पूर्ण/१४२	१९९३ वि० (ज्येष्ठसुदि ३ बुधवार)	–
१८ ५×१०	५८	९	२४	अपूर्ण/३९१ ५	१९१४ वि० (शाके १७८० आषाढशुक्ल ११ बुधवार)	–
१४×११	२६	८	१२	पूर्ण/७८	–	–
१६×७.९	३९	६	१६	पूर्ण/११७	–	–
२१×१० ५	१०	८	२३	पूर्ण/२८	–	–
२३×११ ३	८	९	२८	पूर्ण/६३	–	–
१३×९	१६	६	१६	अपूर्ण/४८	–	–
१५×९	२८	५	१६	पूर्ण/७०	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/विष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८६९	६९०६/३८९९	सप्तपदी	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७०	६१४३/२६४	सप्तशतिकापुस्तकपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७१	२८९/२६३	सप्तशतीपाठविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७२	६२१३/३३२८	सप्तशतीपाठविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७३	२६९३/१४८९	सप्तशतीपूजनविधि	-	—	देसी कागज	नागरी
२८७४	३९१७ ३/१९९८	सप्तशती विधान	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७५	५९२६/३०८६	सप्तशतीविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७६	१५९८'१८५६.१	सप्तशालिहोमविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७७	६७४३/३७८६	समावर्तनप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७८	६९०७/३८९९	समुद्धर्तपाटी	—	—	देसी कागज	नागरी
२८७९	३१६५/१६१९	सम्प्रदायप्रदीप	विष्णुस्वामी	—	देसी कागज	नागरी
२८८०	१७००/११०३	सर्वतोभद्रनामानि	—	—	देसी कागज	नागरी
२८८१	१२०० १/८४४	सर्वतोभद्रमण्डलपूजन	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ०स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१४×११	३	११	१०	पूर्ण/१०	–	–
१४.५×९.८	३	५	१२	अपूर्ण/६	–	–
१६×११.५	१७	९	१६	पूर्ण/७६	१९३० वि० (पौष ६ गुरुवार)	–
१८.५×८ ५	२	६	२०	अपूर्ण/८	–	-
१७×१२	३६	१०	२०	अपूर्ण/२२५	–	–
१६×१२	४	९	१६	अपूर्ण/१८	–	–
२१ ३×९.८	१९	११	४०	पूर्ण/२६१	१९१८ वि० (श्रावण१३)	–
२१.५×१३	१५	९	१५	पूर्ण/६३	१९१६ वि० (श्रावणकृष्ण-३ रविवार	–
१६×११	१९	९	३२	पूर्ण/१७१		–
१४×११	३	११	१०	पूर्ण/१०	–	–
३०×१७.६	३९	१८	३६	अपूर्ण/७८९	–	पुष्टिमार्गीय
४३×१७	२	३७	१६	पूर्ण/३७	–	–
२५ ५×१२.५	९	८	२४	अपूर्ण/५४	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ सं०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८८२	३८५७ १/१९७०.१	सर्वदेवपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८८३	९०८/९२५/७६६	सर्वमगलापारायण	–	–	देसी कागज	नागरी
२८८४	२७४१/१४९८	सवत्सापूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८८५	१८३/१७५	साधारणप्रायश्चित्तप्रयोग	नीलकण्ठ भट्ट	–	देसी कागज	नागरी
२८८६	३७२/३४१	सामवेदोक्ततर्पणविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८८७	६६६६/३७१२	सायंसन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८८८	६४२२/३५२१	सिद्धचक्रपूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८८९	६४२३/३५२१	सिद्धचक्राष्टप्रकारीपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९०	६५९९/३४४६	सिद्धसिद्धान्तपद्धति	नित्यनाथ सिद्ध	–	देसी कागज	नागरी
२८९१	३९६३/१९२४	सिद्धिविनायकपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९२	४२६७/२००७	सिद्धिव्याख्या	विट्ठल दीक्षित	–	देसी कागज	नागरी
२८९३	२३१८/१४०५	सुमुखीपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९४	६६६५/३७११	सूक्तविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा / परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२३.५×११	१०१	१०	३१	पूर्ण/९७८	–	–
१७.५×१२.५	११५	९	१६	अपूर्ण/५१८	–	–
२७×१३.३	८	१२	४३	पूर्ण/१२९	–	–
२४ ५×११.५	८	९	३२	पूर्ण/७२	–	–
२४×१३	९	१०	३१	अपूर्ण/२७	..	–
११×२२	१	२०	१६	पूर्ण/१०	–	–
२५×११	७०	९	२०	अपूर्ण/३९४	–	–
२५×११	२	९	२०	पूर्ण/११	–	-
२९×११	३८	१०	१६	पूर्ण/१९०	–	सिद्धसम्प्रदायसम्बन्धित तान्त्रिकग्रथ
१५×११	२४	८	१८	पूर्ण/१०८	१८७३वि०	-
२७.१×१२ २	६७	९	४५	पूर्ण/८४८	–	–
१३×१६	१०	१२	१६	अपूर्ण/६०	–	तान्त्रिक शक्तिउपासनानिरूपण
१८×१२	९	८	१६	पूर्ण/१६	१९४१वि०	-

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२८९५	६७६९/३८०५	सूर्यपूजनविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९६	१६१/१५४	सूर्यादिनवग्रहन्यासध्यान	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९७	७५०३/४२४७	सोमवतीपूजा	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९८	३४२/३१४	सोमवतीव्रतपूजन	–	–	देसी कागज	नागरी
२८९९	६०४२/३१७६	सोमवत्यमावस्यापूजाविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२९००	९२५/९४२/७६८	सौभाग्यरत्नाकर	विद्यानन्दनाथ	–	देसी कागज	नागरी
२९०१	५९३२/३०९०	स्थालीपाक	–	–	देसी कागज	नागरी
२९०२	६०४४/३१७८	स्थालीपाक	–	–	देसी कागज	नागरी
२९०३	१३७७ ८७८	स्नानविधि	हरिहर	–	देसी कागज	नागरी
२९०४	१३९६/८९९	स्नानविधि	कात्यायन	–	देसी कागज	नागरी
२९०५	१६९१ १४।१०९४.५	स्नानविधि	कात्यायन	अज्ञात	देसी कागज	नागरी
२९०६	३४६२/१८४६	स्नानविधि	–	–	देसी कागज	नागरी
२९०७	३८२७.१/१९४९.१	स्नानविधि सन्ध्याविधि	–	–	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८ (ग)	८(घ)	९	१०	११
१५×१०	२७	८	२०	पूर्ण/१३५	–	–
१३×१०	१९	८	१५	पूर्ण/७१	१८५० वि० (श्रावण शु० प०)	–
१३×२३	४	२०	१६	पूर्ण/४०	–	–
१४ ५ १०	५	१६	२४	पूर्ण/६०	–	–
१६ ३×१० ६	१२	७	१९	पूर्ण/५०	–	–
१७×१२ ५	२०	१६	२८	अपूर्ण/२८०	–	–
१८ ५×११ ६	९	१२	३२	अपूर्ण/१०८	–	–
१९ ७×१०	९	८	२६	अपूर्ण/५९	–	–
२७ ६×११ ८	२८	९	३८	पूर्ण/२९९	–	-
२७×११	५	६	३२	पूर्ण/३०	–	–
२७ ७×११ ५	७	८	३५	अपूर्ण/६१	–	सटीक
१३×१०.५	१७	७	१०	पूर्ण/३७	–	–
१५×९ ५	८	७	१६	पूर्ण/२८	–	–

क्रम सं०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकाल	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२९०८	३८३८ १/१९५८.१	स्वच्छन्दपद्धति	चिदानन्दनाथ	—	देसी कागज	नागरी
२९०९	६५७९/३६३०	स्वप्नवाराही	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१०	५५५।५६५।५११	स्वस्तिवाचक (न)	—	—	देसी कागज	नागरी
२९११	५०५।४९६।४५७	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१२	५८५/५९६/५३९	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१३	८१५/८३१	स्वस्तिवाचन	रामनारायण	—	देसी कागज	नागरी
२९१४	१२४९/८६२	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१५	३२८२/१६५५	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१६	३६१९/१८६० १	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१७	३६३५/१८६४ १	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१८	३८१०.१/१९३९ १	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९१९	६९०५/३८९९	स्वस्तिवाचन	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२०	२४७६/१४३९	हनुमत्द्वादशाक्षरमन्त्र जपविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० सं०	पंक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० पं०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द में)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८(क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
२०.३×९ ३	३९	७	२९	अपूर्ण/२४७	–	खण्डित
१५×१०.५	५	११	१०	पूर्ण/१४	–	–
२७×१२	१२	१०	२६	पूर्ण/६०	१८३५ वि०	–
२६×१३	८	११	३२	पूर्ण/८८	–	–
१५ ५×११ ५	१७	९	१६	पूर्ण/७७	–	–
१७.५×११ ५	३९	५	१२	पूर्ण/७३	–	–
२७×१५	१०	१०	२८	पूर्ण/८७५	–	–
१२×१४	१८	१३	१२	अपूर्ण/८८	–	–
२२×१० ५	७	८	४०	अपूर्ण/७०	–	–
१७ ५×१२ ५	२१	९	१७	पूर्ण/१००.५	१८७६ वि०	–
२२ ३×१४ २	१७	८	१४	अपूर्ण/५९	–	–
१४×११	८	११	१०	पूर्ण/२७	–	–
१७.२×१३ ४	५	९	२०	पूर्ण/२८	–	–

क्रम स०	ग्रन्थ स०/वेष्टन स०	ग्रन्थ का नाम	ग्रन्थकार	टीकाकार	आधार	लिपि
१	२	३	४	५	६	७
२९२१	३९७२/१९२८	हनुमत्पूजाविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२२	७३४९/४१६१	हनुमद्दीपदान	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२३	१०७१ १/८०५	हेमाद्रिप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२४	२४४९/१४३३	हेमाद्रिप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२५	२५५९/१४५६	हेमाद्रिप्रयोग	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२६	२४५/२३४	होमपद्धति	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२७	२५९/२४५	होमविधि	—	—	देसी कागज	नागरी
२९२८	४४४/४३५(१)४०३	होमविधि	—	—	देसी कागज	नागरी

आकार (से० मी०)	पृ० स०	पक्ति प्र० पृ०	अक्षर प्र० प०	दशा/परिमाण (अनु० छन्द मे)	लिपिकाल	विशेष विवरण
८ (क)	८(ख)	८(ग)	८(घ)	९	१०	११
१६×१३	८	९	१८	पूर्ण/३६	१८८७ वि०	–
१६.४×१०	१२	८	२०	अपूर्ण/६०	–	–
२५×१४	६	११	२८	पूर्ण/५८	–	–
२९×१४	६	१२	४४	पूर्ण/	–	–
२६.५×११.५	९	७	२९	अपूर्ण/५७	–	–
२५×१०.५	२९	१०	३४	अपूर्ण/३३९	१८७५वि० (१७३०शक)	–
१२×९	३	६	१२	अपूर्ण/७	–	–
१५ १/२×१० १/२	५२	७	१६	पूर्ण/१८२	–	–

ग्रन्थनामानुक्रमणिका

सुन्दरी द्वितीया कथा—२०४
सुमुखी पूजन—४७४
सूक्त विधान—३५०
सूक्त विधि—४७४

ग्रंथकारादि नामानुक्रमणिका